दिल्ली सरकार
आप की सरकार

देशभक्ति
पाठ्यक्रम

TEACHER'S MANUAL | CLASS 6-8

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता**,
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

[1] संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "**प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य**" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।

[2] संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।

अरविन्द केजरीवाल
मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई०पी०एस्टेट,
नई दिल्ली-110002
ऑफिस-23392020, 23392030
फैक्स – 23392111
ई मेल- cmdelhi@nic.in

दिनांक 05DCM5/22
15/09/21

संदेश

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत करना हमारी 'टीम एजुकेशन' के लिए गर्व की बात है। आजादी के बाद पिछले 74 सालों में बच्चों को स्कूलों में विज्ञान, गणित, भाषा, सामाजिक विज्ञान आदि विषय तो बड़ी मेहनत से पढ़ाए गए, इसमें हमने सफलता भी हासिल की, लेकिन स्कूलों में हमने अपने बच्चों को देशभक्ति नहीं सिखाई और ये मान लिया कि बच्चे देशभक्ति अपने आप सीख लेंगे। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत कर इस सोच को बदला जा रहा है। मेरा मानना है कि भारत के गौरव और हमारे संवैधानिक मूल्य सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहने चाहिए बल्कि उसे जीवन में भी उतारने की जरुरत है। देशभक्ति पाठ्यक्रम ये भूमिका बखूबी निभाएगा। देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देश के लिए गर्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

दिल्ली की शिक्षा प्रणाली नित नई ऊँचाइयों को छू रही है। हैप्पीनेस पाठ्यक्रम से हमारे बच्चे अच्छा इंसान बनना सीख रहे हैं, एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम से हमारे बच्चों को अपना करियर बनाने के लिए बेहतर सोच मिल रही है और देशभक्ति पाठ्यक्रम हमारे बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक एवं कट्टर देशभक्त बनाएगा।

मुझे खुशी है कि शिक्षा विभाग द्वारा गठित विशेषज्ञों एवं शिक्षकों की टीम ने इस विषय के लिए जो पाठ्यक्रम तैयार किया है वो बच्चों द्वारा रटने के बजाय देशभक्ति की भावना को समझने और उसे अपने रोजमर्रा की जिन्दगी में उतारने पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम स्कूल में पढ़ने की उम्र में ही बच्चों के अंदर उन मूल्यों और भावनाओं को स्थापित करेंगे जो बच्चों को अपने भारत के प्रति गर्व करना सिखाए और साथ–साथ उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए भी तैयार करें।

देशभक्ति पाठ्यक्रम' के माध्यम से हम शिक्षा की वह जिम्मेदारी सुनिश्चित कर रहे है जो सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की नींव बनेगी। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले हर बच्चे में रचनात्मक और आलोचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता पैदा होगी और मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम शहीद भगत सिंह से लेकर बाबा साहब अम्बेडकर सहित हमारे तमाम स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं द्वारा देखे गए सपनों को हकीकत में बदलने में कामयाब होंगे।

दिल्ली सरकार की टीम एजुकेशन के सभी साथियों, स्कूलों में पढ़ने वाले प्यारे बच्चों और अभिभावकों को मेरी ओर से देशभक्ति पाठ्यक्रम की सफलता को लेकर शुभकामनाएं।

जय हिन्द।

(अरविन्द केजरीवाल)

विषय सूची

संख्या	शीर्षक	पेज नंबर
1.	देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य	iv
2.	अध्यापक के लिए विशेष निर्देश	v
3.	पाठ्यक्रम के मुख्य घटक	vi
4.	पाठ्यक्रम के DO's और DON'Ts	viii
5.	मैन्युअल का उपयोग कैसे करें	ix
6.	देशभक्ति ध्यान	x
	विषय-वस्तु	
7.	चैप्टर 1: अपने देश से प्यार	1
8.	चैप्टर 2: अपने देश का सम्मान	17
9.	चैप्टर 3: देशभक्त कौन?	39
10.	चैप्टर 4: देशभक्ति	59
11.	चैप्टर 5: मेरा देश: मेरा गौरव	77
12.	चैप्टर 6: मेरा भारत महान फिर भी विकसित देश क्यों नहीं?	109
13.	चैप्टर 7: मेरे सपनों का भारत	151
14.	स्त्रोत	171

देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य

देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

- प्रत्येक बच्चे के मन में देश के प्रति प्यार, सम्मान और गर्व की भावना को जागृत करना।
- प्रत्येक बच्चे को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी तथा कर्तव्य के प्रति जागरूक करना। वे देश की विभिन्न समस्याओं के प्रति ना सिर्फ संवेदनशील बनें बल्कि उनका समाधान करने का भी संकल्प लें। बच्चों में देश के प्रति अपनत्व की भावना का विकास करना।
- प्रत्येक बच्चे के अंदर देश के प्रति त्याग की भावना तथा त्याग करने वालों के प्रति सम्मान की भावना का विकास करना।

बच्चे समझ सकें कि उनके द्वारा देशहित में किया गया हर छोटे से छोटा काम या योगदान भी देशभक्ति से जुड़ा होता है। प्रायः लोगों में देशभक्ति की भावना में जोश और उत्साह कुछ ख़ास अवसरों पर ही देखने को मिलता है, जैसेः स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, कारगिल शहीदी दिवस आदि। जबकि रोजमर्रा के जीवन में अनेक ऐसे महत्वपूर्ण काम होते हैं जिन्हें करते समय हम जागरूक नहीं रहते और हमारी देशभक्ति में अधूरापन रह जाता है। हम भूल जाते हैं कि बड़े बड़े कामों के अलावा हमारे छोटे छोटे काम भी देशभक्ति को व्यापक अर्थ देकर उसे सम्पूर्ण बनाते हैं। यह पाठ्यक्रम बच्चों को जागरूक बनाने और अपने देश के लिए अपना सर्वस्व खुशी से देने वाला जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अध्यापक के लिए विशेष निर्देश

इस पाठ्यक्रम को सीखने के लिए नीचे दिए गए कुछ ख़ास नियमों का ध्यान रखना होगा–

- इस पाठ्यक्रम की क्लास में बच्चे सिर्फ अध्यापक या किसी और की कही गई बातों को ही सही नहीं मानते हैं बल्कि अपने अनुभवों के बारे में बात कर, दूसरों के अनुभव सुनकर तथा समझ कर, अपनी खुद की समझ का निर्माण करते हैं।
- इन चर्चाओं में बच्चों का सक्रिय होकर भाग लेना जरूरी है।
- अध्यापक एक फैसिलिटेटर के रूप में, ऐसा वातावरण बनाएँ जिसमें बच्चे स्वतंत्र रूप से अपने मन के भीतर गहराई में देख विचार कर, सीख सकें और अपनी बात कह सकें।
- अध्यापक क्लास में अपनी मनोस्थिति को लेकर सजग रहें तथा कोई भी बात कहते समय अपने शब्दों के चयन का ध्यान रखें व कोशिश करें कि अपने विचार और भावनाएँ स्थिर रखें।
- बच्चों को प्रेरित करें कि वे न केवल स्वयं की बल्कि स्कूल की चारदीवारी से बाहर निकल. कर अपने घर और समाज में जाकर दूसरों के अनुभवों और वास्तविक जीवन की घटनाओं के बारे में जानें, सोचें और उस पर बात करें ताकि वे क्लास में चिंतनशील चर्चाओं के द्व ारा स्वयं ही देशभक्ति से जुड़े पहलुओं के बारे में जान सकें।

प्रत्येक चैप्टर में दी गई एक्टिविटीज़ जैसेः क्लासरूम चर्चा, क्लास एक्टिविटी, अभिव्यक्ति, होमवर्क और सेल्फ–रिफ्लेक्शन आदि को दिए गए निर्देशों के अनुसार सुचारु रूप से कराएं ताकि पाठ्यक्रम को सही दिशा मिल सके।

पाठ्यक्रम के मुख्य घटक

देशभक्ति ध्यान

देशभक्ति की क्लास की शुरुआत में रोजाना 5 मिनट बच्चे माइंडफुलनेस प्रैक्टिस करेंगे और अपना ध्यान देश की ओर केंद्रित करेंगे। बच्चे संकल्प लेंगे की वे अपने देश का सम्मान करेंगे और रोजाना 5 देशभक्तों को याद करके उनका आभार व्यक्त करेंगे।

देशभक्ति डायरी

देशभक्ति पाठ्यक्रम में बच्चों को एक डायरी बनानी है, जिसे इस पाठ्यक्रम में देशभक्ति डायरी के नाम से जाना जाएगा। यह डायरी कोई भी नई डायरी/रजिस्टर/नोटबुक हो सकती है। यह एक reflective journal होगी जिसमें बच्चे अपने व्यक्तिगत विचारों और भावनाओं को लिख सकते हैं। देशभक्ति डायरी में बच्चे देशभक्ति पाठ्यक्रम में करवाई गई एक्टिविटीज और चर्चा से सम्बन्धित अपनी लर्निंग, विचार, अनुभव आदि लिखेंगे। चैप्टर 1 में देशभक्ति डायरी और उसका कवर तैयार करने के लिए एक क्लासरूम एक्टिविटी (पेज न. 2) पर दी गयी है।

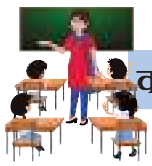

क्लासरूम चर्चा

देशभक्ति पाठ्यक्रम का रोजाना 40 मिनट का पीरियड होगा। जिसमें क्लासरूम चर्चा एक महत्वपूर्ण एक्टिविटी रहेगी। इस पूरे टीचर्स मैन्युअल में अलग–अलग विषयों पर क्लासरूम चर्चा करने की सलाह एवं निर्देश दिए गए हैं। क्लासरूम चर्चा करने के दो तरीके हैं: सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत चर्चा। काफी सोच विचार कर हर एक्टिविटी में यह उल्लेख किया गया है कि किस विषय पर पूरी क्लास को एक समूह मानते हुए सामूहिक रूप से चर्चा करनी है यानी कि अध्यापक और बच्चों के बीच दो तरफा सामूहिक संवाद होना है। और किस विषय पर अध्यापक को एक–एक बच्चे को बोलने के लिए समय देना है और प्रेरित करना है। किसी भी क्लासरूम चर्चा की एक्टिविटी को करवाते समय आपको ध्यान रखना होगा की उसमें सामूहिक चर्चा की सलाह दी गयी है या एक–एक करके प्रत्येक बच्चे को अभिव्यक्त करने की सलाह दी गयी है। दोनों ही प्रक्रिया महत्वपूर्ण हैं।

क्लासरूम चर्चा का उद्देश्य बच्चों को सोचने और अभिव्यक्ति करने के लिए प्रेरित करना है, जिससे वे स्वयं के, परिवार के, समाज के तथा देश के बारे में अपने अनुभव, विचार तथा भावनाओं को क्लास में बिना किसी झिझक के व्यक्त कर सकें। क्लासरूम चर्चा में प्रत्येक बच्चा प्रश्न को ध्यान से सुन कर उस पर अपनी प्रतिक्रिया देता है। मुख्य प्रश्नों से बच्चों को दूसरों के विचारों को सुनने और समझने का अवसर भी मिलता है। बच्चे यह भी समझते हैं कि उनके मत दूसरों से अलग भी हो सकते हैं और उन्हें सही प्रकार से कैसे रखा जा सकता है। वे जब प्रश्न पर अपना–अपना मत रखते हैं तो वे उससे प्रश्न या समस्या के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार कर पाते हैं।

होमवर्क

प्रत्येक चैप्टर में होमवर्क दिया गया है जिसमें बच्चे वे प्रश्न जिन पर क्लासरूम में चर्चा की थी, उन्हें अपने परिवार तथा समाज के अन्य लोगों से पूछेंगे। इससे उनकी समझ बनेगी कि अन्य लोग देश के बारे में क्या विचार रखते हैं। बच्चे

अपने आसपास के लोगों से पूछकर और सुनकर अपनी समझ बनायेंगे। वे अपने घर में तथा आस–पड़ोस में, हर बार अलग अलग व्यक्तियों से देश के बारे में पूछे गए प्रश्नों के माध्यम से, उनके विचार, भावनाएँ, तथा व्यवहार को जान पाएँगे और उनके अनुभवों की समझ पर चिंतनशील चर्चा कर अपनी समझ का निर्माण कर पाएँगे। बच्चों को होमवर्क के प्रश्नों के उत्तर अपने से बड़े, घर के 1 व्यक्ति तथा घर के आस–पास रहने वाले 2 व्यक्तियों से पूछने के लिए कहे (1+2 formula) और दिए गए उत्तर को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा उन्हीं के शब्दों में एक–दो वाक्य में अपनी देशभक्ति डायरी में लिखकर लाने को कहें। हर बार घर तथा बाहर के अलग–अलग व्यक्तियों से प्रश्न पूछने हैं। पहले चैप्टर में 1.2.B में दिए गए होमवर्क फॉर्मेट का ही प्रयोग बार–बार करना है। अतः इसे पहली बार बोर्ड पर लिखकर, बच्चों को नोट करने के लिए कहें। स्कूल बच्चों को होमवर्क फॉर्मेट की एक फोटो स्टेट कॉपी दे सकते हैं।

क्लास एक्टिविटी

क्लास एक्टिविटी, क्लासरूम चर्चा के दौरान ही कराई जानी है। क्लास एक्टिविटी के द्वारा बच्चे क्लास चर्चा में बनी सामूहिक समझ को स्वयं के अंदर देखकर जाँचते हैं तथा अपने व्यक्तिगत समझ का निर्माण करते हैं। क्लास एक्टिविटी में क्लास चर्चा में दिए गए मुख्य प्रश्न (key question) पर बनी समझ को विस्तार दिया जाता है। क्लास एक्टिविटी बच्चों की व्यक्तिगत समझ को विकसित करने का समय तथा जगह देती है। प्रत्येक चैप्टर में अलग–अलग प्रकार की क्लास एक्टिविटी दी गई है जिनमें बच्चे अलग–अलग तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे बोलकर, लिखकर तथा रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करना। आँखे बंद कर सोचना, घटनाओं पर प्रतिक्रिया देना, सूची बनाना, बुकमार्क बनाना आदि कुछ क्लास एक्टिविटी के उदाहरण हैं जो टीचर मैनुअल में लिखे गए हैं।

समापन एक्टिविटी

क्लास एक्टिविटी, क्लासरूम चर्चा के दौरान ही कराई जानी है। क्लास एक्टिविटी के द्वारा बच्चे क्लास चर्चा में बनी सामूहिक समझ को स्वयं के अंदर देखकर जाँचते हैं तथा अपने व्यक्तिगत समझ का निर्माण करते हैं। क्लास एक्टिविटी में क्लास चर्चा में दिए गए मुख्य प्रश्न (key question) पर बनी समझ को विस्तार दिया जाता है। क्लास एक्टिविटी बच्चों की व्यक्तिगत समझ को विकसित करने का समय तथा जगह देती है। प्रत्येक चैप्टर में अलग–अलग प्रकार की क्लास एक्टिविटी दी गई है जिनमें बच्चे अलग–अलग तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे बोलकर, लिखकर तथा रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करना। आँखे बंद कर सोचना, घटनाओं पर प्रतिक्रिया देना, सूची बनाना, बुकमार्क बनाना आदि कुछ क्लास एक्टिविटी के उदाहरण हैं जो टीचर मैनुअल में लिखे गए हैं।

फ्लैग डे

प्रत्येक चैप्टर के बाद एक फ्लैग डे एक्टिविटी दी गयी है। फ्लैग एक्टिविटी के पहले दिन बच्चे अपना स्वयं का तिरंगा झंडा बनाएंगे जिसे वे हर समय अपने साथ रख सकें। ताकि देश के झंडे को देख कर जिस देशभक्ति की भावना से मन भर उठता है वे भी उसे महसूस कर सकें। फिर हर चैप्टर में बनी अपनी समझ के अनुसार ऐसे व्यवहारों को लिखेंगे जिनसे उनका तिरंगा खुश होता है और दुखी होता हैं। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों अदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी करते हैं। इसका उद्देश्य बच्चो को यह समझाना है की उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

पाठ्यक्रम के DO's और DON'Ts

DO's	DON'Ts
क्लास शुरू करने से पहले चैप्टर को ध्यान से पढ़ना और उसके उद्देश्यों को समझना।	क्लास शुरू करने से पहले चैप्टर न पढ़ना और क्लास में ही मैन्युअल (Manual) से पढ़ना।
मुख्य प्रश्न (Key question) को बोर्ड पर साफ–साफ लिखना, फिर जोर से बोल कर पूछना।	मुख्य प्रश्न (Key question) को बोर्ड पर लिखे बिना ही सिर्फ बोलकर पूछना या प्रश्न के रूप को बदलकर पूछना।
प्रश्न पूछने के बाद बच्चों को सोचने का समय देना।	प्रश्न पूछने के बाद बच्चों को सोचने का समय ना देना और तुरंत ही जवाब लेना।
यदि बच्चे किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाए तो prompts की सहायता से चर्चा को सही दिशा में आगे बढ़ाना।	यदि बच्चे उत्तर नहीं दे पाए तो बिना चर्चा किये अपनी ओर से कोई उत्तर बता देना और अगले प्रश्न पर बढ़ जाना।
सभी बच्चों को चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।	चर्चा के दौरान कुछ ही बच्चों से बार–बार जवाब लेना और बाकी बच्चों की ओर ध्यान न देना।
सभी बच्चों के उत्तरों को सम्मान के साथ, बिना किसी भेदभाव के स्वीकार करना।	यदि किसी बच्चे के उत्तर से आप सहमत नहीं है तो उसकी आलोचना करना या अपने व्यक्तिगत विचार को सही उत्तर के रूप में प्रस्तुत करना।
सभी बच्चों द्वारा दिए गए जवाब/विचारों को सही या गलत ना कहना।	सभी बच्चों द्वारा दिए गए जवाब/विचारों को सही या गलत में बांटना।

DO's	DON'Ts
बच्चों को किसी भी प्रश्न का कोई निर्धारित उत्तर न देना, उन्हें स्वयं अपनी समझ विकसित करने देना।	प्रश्नों के निर्धारित उत्तर बच्चों को देना, उन्हें उसी दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करना जो आपके विचारों से मिलती है।
बच्चों की बात को धैर्य से सुनना और उनके प्रयास करने पर उन्हें प्रोत्साहित करना।	बच्चों की बात को धैर्य से ना सुनना और उन्हें हतोत्साहित करना—बच्चों की बात काटना और उनकी आलोचना करना।
बच्चों के मन में जो प्रश्न या विचार आ रहे हैं उन्हें क्लास में साझा करने के लिए उचित वातावरण देना।	बच्चों को प्रश्न पूछने या अपना विचार रखने से रोकना।
यदि क्लास में किसी संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा होती है तो अपनी ओर से कोई विचार न देना, बच्चों को स्वयं अपनी चर्चा से निष्कर्ष पर पहुँचने देना।	यदि बच्चे किसी संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करते हैं तो उन्हें रोक देना या उन मुद्दों पर अपने विचार रखना।
बच्चों को होमवर्क करके लाने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें क्लास में साझा करवाना। यदि कोई बच्चा होमवर्क नहीं कर पाता है तो उसे अधिक समय देना।	बच्चों के होमवर्क क्लास में साझा न करवाना। यदि कोई बच्चा होमवर्क नहीं करता है तो उसे डाँटना।

मैन्युअल का उपयोग कैसे करें

1

उद्देश्य

हर चैप्टर में सबसे पहले उद्देश्य दिए गए हैं। ये वो निर्धारित लक्ष्य हैं जिन्हें चैप्टर के अंत तक प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी।

2

समय-अवधि

सभी एक्टिविटीज़ को क्लास में पूरा करने के लिए एक अनुमानित निर्धारित समय दिया गया है। अध्यापक परंतु अगली एक्टिविटी पर जाने से पहले अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि पिछली एक्टिविटी में सभी बच्चों ने भाग लिया है।

3

एक्टिविटी

मुख्य एक्टिविटी

पाठ्यक्रम में एक्टिविटीज़ दी गई हैं जिन्हें दिए गए क्रम में ही करवाएं।

4

सहायक एक्टिविटी

मुख्य एक्टिविटी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज दी गई हैं जैसे 'शुरुआती चर्चा', 'पिछली एक्टिविटी पर बातचीत' और 'क्लासरूम चर्चा'।

5

मुख्य प्रश्न

हर एक्टिविटी में मुख्य प्रश्न दिए गए हैं जो चर्चा का आधार होंगे।

6

सहायक प्रश्न

मुख्य प्रश्न के नीचे कुछ सहायक प्रश्न दिए गए हैं। ये प्रश्न बच्चों को मुख्य प्रश्नों को समझने में मदद करेंगे।

7

क्लास-एक्टिविटी

बच्चों की व्यक्तिगत समझ को विकसित करने के लिए प्रत्येक चैप्टर में अलग–अलग प्रकार की क्लास एक्टिविटीज़ दी गई हैं।

8

होमवर्क

इस पाठ्यक्रम के हर चैप्टर में होमवर्क दिया गया है। बच्चे होमवर्क में दिए गए प्रश्नों को अपने परिवार के सदस्यों तथा समाज के अन्य लोगों से पूछेंगे।

9

चैप्टर्स में नोट के रूप में कुछ ध्यान देने योग्य बातें दी गई हैं। अध्यापक इन्हें अवश्य पढ़ें।

10

अध्यापकों की सहायता हेतु जगह–जगह कुछ टिप्स दी गई हैं। यह टिप्स चर्चा या एक्टिविटी को सुचारू रूप से आगे बढ़ने में मदद करेंगी।

देशभक्ति ध्यान

उद्देश्य

- इस एक्टिविटी का उद्देश्य देशभक्ति की क्लास की शुरुआत से पहले बच्चों का ध्यान देश की ओर केंद्रित करना है।

रोज़ाना 5 मिनट

प्रतिदिन देशभक्ति क्लास की शुरुआत में देशभक्ति ध्यान एक्टिविटी करवाई जायेगी। इस एक्टिविटी में बच्चे अपने देश का सम्मान करने के साथ–साथ उसका मान बढ़ाने के लिए संकल्प लेंगे और रोजाना देशभक्तों को याद करके उनके प्रति मन ही मन धन्यवाद भी करेंगे।

यह एक्टिविटी निम्नलिखित चरणों में करवाई जायेगी:

1. **mindfulness** एक्टिविटी के शुरुआती 1 मिनट में बच्चे अपनी सांसो पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। इधर–उधर के क्रियाकलाप या विचारों से अपना ध्यान हटाकर पूरी तरह से 1 मिनट के लिए अपनी सांसो पर ध्यान देंगे।
2. 1 मिनट **mindful** ब्रीथिंग करने के बाद बच्चों से मन ही मन अपने भारत देश को प्रणाम करने को कहें। इसके लिए अध्यापक बच्चों से कहें ताकि बच्चे मन ही मन यह दोहराएं– "मैं अपने देश को प्रणाम करता हूँ/नमन करता हूँ।" मैं अपनी भारत माता का आदर करता हूँ।
3. अब अध्यापक बच्चों से एक संकल्प लेने के लिए कहें की वह देश का सम्मान करेंगे तथा देश का मान बढ़ाएंगे। और कभी ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे देश के मान सम्मान में कोई कमी आए।
4. अब बच्चों को कहे कि वह आंखें बंद किए हुए ही, मन ही मन में कम से कम 5 ऐसे लोगों को याद करें जिन्हें वह देश भक्त मानते हैं और इनके बारे में उन्हें लगता है कि उन्होंने देश में कोई योगदान दिया है। ऐसे 5 देशभक्तों को मन ही मन धन्यवाद देने के लिए कहें। ये देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी भी हो सकते हैं, स्वतंत्रता के बाद का कोई व्यक्ति या कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसने देश के लिए कुछ विशेष किया हो। बच्चे अपने अनुसार देशभक्त चुन सकते हैं। यह जरूरी नहीं कि बच्चे रोजाना उन्ही पांच लोगों को धन्यवाद दे। बच्चे अपनी समझ और याददाश्त के आधार पर रोजाना उन्हीं लोगों को अथवा किन्ही अन्य देशभक्तों को भी याद करके मन ही मन आंख बंद किए हुए उनका धन्यवाद कर सकते हैं।

अपने देश से प्यार 1

उद्देश्य

- बच्चे स्वयं इस सवाल का जवाब ढूँढ सकेंगे कि–''क्या वह अपने देश से प्यार करते हैं?''
- बच्चे समझ सकेंगे कि देश से प्यार करने का तात्पर्य क्या है।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनके लिए देश क्या है और देश से प्यार करने के पीछे की भावना क्या है।
- बच्चे देश से प्यार करने के अपने जज़्बे को अपनी भावनाओं के अनुसार अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।

एक्टिविटी 1.1 अपने देश से प्यार

शुरूआती चर्चा

लगभग 2 दिन

बच्चों को यह बताएं कि आज हम देश से प्यार करने की अपनी भावना के बारे में चर्चा करेंगे और फिर पूरी क्लास के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें :

आप में से कौन कौन अपने देश से प्यार करता है?

संभावना यही है कि इस प्रश्न के जवाब में सभी बच्चे अपना हाथ उठायेंगें। फिर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और प्रश्न पूरी क्लास से पूछें जैसे–

आप अपने देश से कितना प्यार करते हैं?
आप अपने देश से प्यार क्यों करते हैं?

बच्चों को अपने अंदर से ही इन प्रश्नों के जवाब ढूँढने के लिए प्रेरित करें। उन्हें अपने अनुसार एक–एक कर ऊपर दिए प्रश्नों के जवाब देने की पूरी आजादी दें। यदि जरूरी समझें तो चर्चा के दौरान निम्नलिखित प्रश्न भी पूछ सकते है–

- *क्या आप अपने देश से प्यार की किसी से तुलना कर सकते हैं?*
- *देश के लिए आपके मन में प्यार का भाव क्यों आता है?*
- *देश से प्यार करने के पीछे आपका क्या कारण है?*

किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी बिंदु पर अपने विचार बच्चों के साथ साझा न करें।

इस चर्चा के दौरान किसी भी प्रश्न के लिए अपनी ओर से कोई जवाब न दें, नहीं तो बच्चे उसी के इर्द–गिर्द अपने जवाब बनाने की कोशिश करेंगे। बच्चों को क्लास में अपने विचार देने के लिए किसी भी तरह से बाधित न करें, नहीं तो बच्चे देशभक्ति क्लास से पूरी तरह नहीं जुड़ पाएँगे।

शुरुआती चर्चा के बाद बच्चे अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी तैयार करेंगे, जिसके लिए वे अपनी पसंद के सामान का चयन कर सकते हैं।

क्लास एक्टिविटी

'देशभक्ति डायरी तैयार करना'

देशभक्ति पाठ्यक्रम के लिए बच्चों को एक नयी डायरी/नोटबुक/रजिस्टर बनाने को कहें। देशभक्ति डायरी का कवर भी बच्चे क्लास एक्टिविटी के दौरान बनायें।

इस एक्टिविटी में बच्चे अपनी देशभक्ति डायरी का कवर तैयार करेंगें। एक्टिविटी में अधिकतम 1–2 दिन का समय लगेगा। इस एक्टिविटी के निर्देश बच्चों को एक दिन पहले ही दे दें। वे बच्चों को अपनी डायरी/नोटबुक/रजिस्टर लाने को कहें। इसके अलावा बच्चो को चार्ट पेपर, कलर, पेन, फेविकोल आदि सामग्री लेकर आने को कहें। बच्चों को अपनी ओर से कोई भी डिजाइन या पैटर्न न दें बल्कि बच्चों को अपने अनुसार देशभक्ति डायरी का कवर तैयार करने को कहें। बच्चों को बताएं कि वे इस डायरी में देशभक्ति पाठ्यक्रम में करवाई गई एक्टिविटीज़ से सम्बन्धित अपनी लर्निंग, विचार, अनुभव आदि लिखेंगें। यह देखें कि सब बच्चे एक्टिविटी को करें और किसी भी बच्चे से उसका वर्णन करने के लिए कह सकते हैं।

एक्टिविटी 1.2

देश क्या होता है?

1.2.A क्लासरूम चर्चा: देश क्या होता है?

लगभग 5–6 दिन

पिछले दिनों में हमने बच्चों के साथ देश से प्यार के बारे में चर्चा की थी। अब चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बच्चों से अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें :

जब आप कहते हैं कि आप अपने देश से प्यार करते हैं तो वास्तविकता में आपके लिए देश क्या है, जिसे आप प्यार करते हैं?

यह प्रश्न पूछना और बच्चों से इसका जवाब सुनना एक बेहद महत्त्वपूर्ण एक्टिविटी है और एक्टिविटी में इसे शामिल करने का उद्देश्य है कि क्लास का हर एक बच्चा इस बारे में सोचे और फिर इस प्रश्न का जवाब खुद अपने अंदर से ढूँढे। हम अक्सर अपने देश के बारे में बात करते हैं पर कभी इस पर विचार नहीं करते कि आखिर देश क्या है। बच्चों की यह सोचने में मदद करें।

सम्भव है कि उपरोक्त प्रश्न की शुरुआती चर्चा में बच्चे खुलकर जवाब न दें तो अध्यापक नीचे दी गई एक्टिविटी क्लास में करवाएँ –

क्लास एक्टिविटी

'आँखें बंद कर देश के बारे में सोचना'

क्लास के सभी बच्चों को अपनी आँखें बंद करने के लिए कहें। फिर सामान्य आवाज़ में ये शब्द दोहराने के लिए कहें – ''मेरा देश भारत!'' बच्चों से कहें कि आँखे बंद किए हुए ही 'मेरा देश भारत' बोलते हुए उनके मन में क्या तस्वीर उभरती है, इस ओर ध्यान दें। एक बार फिर बच्चों को इन शब्दों को सामान्य आवाज में 5 बार दोहराने के लिए कहें।

अब सभी बच्चों को धीरे से अपनी आँखें खोलने के लिए कहें। फिर एक–एक कर बच्चों से पूछें कि आँखे बंद करके उनके मन में देश की क्या तस्वीर उभरी। क्लास में इस बारे में चर्चा करें और हर बच्चे को अपने अनुभव बताने के लिए कहें। बच्चों की ओर से मिलने वाले जवाबों को संक्षेप में बोर्ड पर लिखते रहें।

सामान्यतः बच्चों से कुछ इस तरह के जवाब मिल सकते हैं जैसे– देश का तिरंगा झंडा, देश का नक्शा, देश के सैनिक, ऐतिहासिक इमारतें, संसद, इत्यादि।

अब बच्चों के सामने 'देश क्या है?' प्रश्न के बारे में समझ बनाने के लिए कुछ इस तरह के प्रश्न रखें –

- *क्या देश का नाम ही केवल देश है?*
- *क्या देश का नक्शा ही देश है?*
- *क्या देश का तिरंगा ही देश है?*
- *क्या 'देश की मिट्टी, देश की जमीन' ही देश है?*
- *इसके अलावा देश और क्या है?*

- *क्या देश के लोग ही केवल देश है?*
- *क्या देश के पेड़–पौधे ही देश हैं?*

सभी प्रश्न एक साथ न पूछें। प्रश्नों के बीच–बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें। बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब टटोलने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें। बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ बच्चों को स्व–चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूँढने के लिए प्रेरित करें। यह सुनिश्चित करें कि क्लास का प्रत्येक बच्चा अपने अंदर से इस प्रश्न का जवाब ढूँढने की कोशिश ज़रूर करे और आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा करे।

नोट

- किसी भी बच्चे के जवाब पर सही या गलत न कहें बल्कि वे जैसा भी जवाब दे रहे हैं, उन्हें यह एहसास कराए बिना कि आप उनके जवाब से सहमत हैं या असहमत हैं, संतुष्ट हैं अथवा असंतुष्ट हैं, उनकी सराहना करें और उन्हें प्रेरित करें।
- एक–एक कर सभी बच्चों को जवाब देने का अवसर अवश्य दें।
- पूरी कोशिश करें कि हर बच्चा अपने अंदर से कोई न कोई जवाब जरूर निकाले। भले ही वह टूटे–फूटे शब्दों में, एक या दो वाक्यों में ही स्वयं को अभिव्यक्त करे।
- ध्यान रखें कि अगर अध्यापक ने किसी बच्चे के जवाब के बारे में सही या गलत होने का निर्णय दे दिया तो फिर बच्चे अपने अंदर से इस प्रश्न का उत्तर खोजने की कोशिश नहीं करेंगें बल्कि अन्य बच्चों द्वारा पहले दिए गए जवाबों के बारे में उनकी टिप्पणियों से प्रभावित होकर कोई जवाब ढूँढने की कोशिश करेंगें।

उपरोक्त एक्टिविटी किसी भी क्लास में कम से कम एक सप्ताह तक तो चलेगी ही, ऐसे में एक्टिविटी के दौरान ही, सामान्यतः दूसरे या तीसरे दिन बच्चों को एक होमवर्क दें–

होमवर्क

1.2.B देश क्या होता है?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें :

जब आप कहते हैं कि आप अपने देश से प्यार करते हैं तो.. आपके लिए देश क्या है? देश क्या होता है? देश से अभिप्राय क्या है?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें:

- एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि।

बच्चों को होमवर्क दें कि तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा उन्हीं शब्दों में, अधिकतम दो या तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति की डायरी/नोटबुक में निम्नलिखित अनुसार लिखकर लाएँ :

1. पहले व्यक्ति का नामः ______________________

   उनकी उम्रः ______________________

   उनका जवाबः ______________________

   ____

   उनका पताः

   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ता : (माता/पिता/भाई/बहन/दादा/दादी/इत्यादि)

2. दूसरे व्यक्ति का नामः ______________________

   उनकी उम्रः ______________________

   उनका जवाबः ______________________

   ____

   उनका पताः

   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ता : (पड़ोसी/रिश्तेदार/दोस्त इत्यादि)

3. दूसरे व्यक्ति का नामः ______________________

   उनकी उम्रः ______________________

   उनका जवाबः ______________________

   ____

   उनका पताः

   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ता : (पड़ोसी/रिश्तेदार/दोस्त इत्यादि)

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी (1.2) के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को यह होमवर्क दें और एक्टिविटी के दौरान ही रोजाना चार–पाँच मिनट लगा कर बच्चों से पूछते रहें कि कौन–कौन अपना होमवर्क कर के लाया है और जो बच्चे होमवर्क करके लाते रहें उनकी देशभक्ति डायरी पर एक नजर डाल कर उसे प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ–साथ चलते रहेंगें।

होमवर्क 1.2.B में बच्चों को जिन सवालों के जवाब तीन व्यक्तियों से जानने के लिए कहा था इस एक्टिविटी के ख़त्म होने से पहले किसी एक दिन 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें और उन्हें अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

अब बच्चों की, 'देश क्या है?', के बारे में समझ को गहराई से बनाने के लिए चर्चा को आगे बढ़ाते हुए नीचे दिए प्रश्नों को सामूहिक रूप से बच्चों के सामने रखते हुए चर्चा करें :

- *जिस स्कूल में आप पढ़ते हैं, क्या वह देश का हिस्सा है?*
- *क्या वह जमीन जिस पर आप खड़े हैं, आपका देश है?*
- *क्या यह डेस्क जिस पर आप बैठे हैं, आपके देश का हिस्सा है?*
- *वह जमीन जिस पर आपका साथी खड़ा है, क्या वह भी आपके देश का हिस्सा है?*
- *क्या आपके आसपास बैठे आपके साथी भी देश हैं?*
- *क्या आप भी देश हैं?*

इन सब प्रश्नों के आधार पर बच्चों के साथ चर्चा करें जिससे वे अपने भीतर यह समझ बना सकें कि उनके लिए "देश का क्या मतलब है?" प्रयास रहे कि यह जवाब जितना बच्चों के अंदर से, उनकी अपनी सोच से निकलकर आए, उतनी ही उनके अंदर देश के प्रति प्यार की भावना मज़बूत होगी।

एक्टिविटी 1.3

हमारे आस-पास देश

1.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

1.3.B क्लासरूम चर्चा: हमारे आस-पास हमारा देश

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को यह बताएं कि अब हम देश के बारे में अपनी भावना को गहराई से समझने के लिए आगे की चर्चा करेंगे। अब एक अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न बच्चों के सामने रखें :

अपने आसपास की किन–किन वस्तुओं या व्यक्तियों में आपको अपना देश भारत दिखाई देता है?

बच्चों को इस बारे में चिंतन करने दें कि देश की किन–किन चीज़ों में उन्हें भारत दिखाई देता है और उन्हें एक–एक कर क्लास में अपने विचार देने के लिए कहें। बच्चे इस प्रश्न के भाव को अच्छे से समझ सकें इसके लिए उनके सामने नीचे दी गई परिस्तिथियाँ एक–एक कर रखें–

- *जब आप कहते हैं कि देश की हर एक चीज़ देश है तो क्या आपके स्कूल का दरवाज़ा भी आपका देश है? यदि कोई उसे नुकसान पहुँचाता है जैसे पैरों से ठोकर मारना, किसी तीखी चीज़ से वार करना आदि तो ऐसी परिस्थिति में आपके मन में कैसा भाव आएगा?*
- *आपने पिछली चर्चाओं में कहा कि देश के पेड़–पौधे भी देश का हिस्सा है। यदि आपके घर के पास किसी पार्क में कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को नुकसान पहुँचा रहा है और आप यह सब देख रहें हैं तो आपके मन में कैसा भाव आएगा?*

इस बारे में बच्चे जो भी जवाब दें, उनके जवाबों का किसी भी प्रकार से आकलन न करें। हो सकता है कि बच्चे कहें कि अभी देश की कुछ ही चीज़ों में देश दिखाई दे रहा है और कुछ में नहीं। उन्हें किसी भी प्रकार से हतोत्साहित या निराश न करें। धीरे–धीरे बच्चों की समझ अपने आप बनने दें तभी वे इस भावना के साथ मन से जुड़ पाएँगे।

होमवर्क

1.3.C हमारे आस-पास हमारा देश

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें :

अपने आसपास की किन–किन वस्तुओं या व्यक्तियों में आपको अपना देश भारत दिखाई देता है?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें–

- एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

जब यह सुनिश्चित हो जाए कि क्लास के हर एक बच्चे ने पिछली एक्टिविटी के तहत उठाए गए प्रश्न का जवाब अपने अंदर तलाशने की कोशिश कर ली है और होमवर्क के तहत तीन व्यक्तियों से उसका जवाब पूछ कर अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने का प्रयत्न भी कर लिया है तब उसके बाद ही अगली एक्टिविटी को शुरू करें।

एक्टिविटी 1.4

अपने देश से प्यार करना

1.4.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

शुरूआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

1.4.B क्लासरूम चर्चा: अपने देश से प्यार करना

लगभग 5–6 दिन

देश की अवधारणा के प्रति क्लास के हर बच्चे की समझ बनने के बाद अब देश से प्यार करने की अवधारणा पर चर्चा करेंगे। एक बार पुनः बच्चों से सवाल करें कि आप में से कौन–कौन देश से प्यार करता है और उन्हें अपने हाथ उठाने के लिए कहें।

अब आगे की चर्चा के लिए बच्चों से निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें :

आपने कहा कि आप देश से प्यार करते हैं, पर देश से प्यार करने का क्या मतलब है? जब आप यह कहते हैं कि हम देश से प्यार करते हैं तो आप देश की किस चीज़ से प्यार करते हैं?

नोट

बच्चों को स्वयं ही जवाब देने दें और सहजता बरतते हुए यह सुनिश्चित करें कि क्लास का प्रत्येक दिन बच्चा अपने आप को ज़रूर अभिव्यक्त करे। हो सकता है हर एक बच्चे को कम से कम एक बार बोलने की बारी देने के लिए आपको यह एक्टिविटी 1 सप्ताह या उससे ज्यादा तक चलानी पड़े, लेकिन एक–एक बच्चे का कम से कम एक बार स्वयं को अभिव्यक्त करना इस एक्टिविटी के पूरा होने के लिए जरूरी ही है।

बच्चों का मन कोमल होता है अतः उनके विचारों पर किसी प्रकार की नकारात्मक टिप्पणी न करें अन्यथा वे खुलकर अपने अंदर के विचारों को व्यक्त करने से कतराएँगे। आवश्यक हो तो चर्चा के दौरान, निम्न प्रकार के प्रश्नों को पूछकर इस बारे में बच्चों की समझ बनायें :

क्या देश से प्यार करने का मतलब है–

- *अपने देश के नाम से प्यार करना?*
- *अपने देश के झंडे से प्यार करना?*
- *अपने देश के नक्शे से प्यार करना?*
- *इसके पशु–पक्षियों से प्यार करना?*
- *इसकी विविधता से प्यार करना?*
- *इसके लोगों से प्यार करना?*
- *इसके नियमों से प्यार करना?*

क्लास में हो रही चर्चा में निम्नलिखित प्रश्न भी पूछ सकते हैं–

- *क्या स्कूल और स्कूल से जुड़ी हर चीज़ से प्यार करना देश से प्यार करना है?*
- *क्या अपने घर के आसपास सार्वजनिक चीजों जैसे पार्क, बस, कूड़ेदान, आदि का ध्यान रखना देश से प्यार करना है?*

इसी प्रकार के अन्य प्रश्न पूछकर बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करें और उन्हें इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए कहें कि जब आप देश से प्यार करते है तो आप देश की किन–किन चीज़ों से प्यार करते है। बच्चों को इस प्रश्न के जवाब में अन्य उदाहरण देने के लिए प्रोत्साहित करें।

टिप

यदि आवश्यक समझें तो कुछ और संकेत दे सकते हैं, जैसे देश से प्यार का मतलब है– अपने देश के जल, जंगल, ज़मीन, अपने देश की मिट्टी, सांस्कृतिक विभिन्नताओं, इसके संसाधनों, इसके गाँवों–शहरों आदि से प्यार करना। परंतु कोशिश करें कि बच्चों की इतनी समझ बन पाए कि वे इसका जवाब स्वयं दें।

क्लास एक्टिविटी

'आँखे बंद कर अपने स्कूल के बारे में सोचना'

बच्चों को अपने अंदर से जवाब खोजने में मदद करने के लिए क्लास के बच्चों को दो मिनट अपनी आँखें बंद कर अपने स्कूल के बारे में सोचने को कहें कि उनके स्कूल में क्या क्या चीजें उपलब्ध हैं। अब बच्चों से उनके बारे में पूछें। जैसे बच्चे कह सकते हैं कि स्कूल में पंखे, ब्लैक बोर्ड, डेस्क, चार्ट, सीढ़ियाँ, पानी का टैंक, फूल, पौधे, अध्यापक, बच्चे आदि हैं।

अब बच्चों से पूछें कि जब आप कहते हैं कि आप अपने देश से प्यार करते हैं तो क्या आप अपने स्कूल में उपलब्ध संसाधनों जैसे पंखे, ब्लैक बोर्ड, डेस्क, चार्ट, सीढ़ियाँ, पानी का टैंक, पेड़–पौधों और अपने स्कूल के अध्यापकों, बच्चों आदि सबसे प्यार करते हैं और अगर आप अपने स्कूल की, अपने देश की हर चीज से प्यार करते है तो आप इस प्यार को कैसे व्यक्त या जाहिर करते हैं। हम अपनी किताबों, परिवार के सदस्यों और अपने से सम्बन्धित चीजों को कभी भी हानि नहीं पहुँचाते क्योंकि ये सब हमारे अपने हैं। क्या इसी तरह से हम अपने देश के संसाधनों और देश के लोगों से भी उन्हें किसी तरह की हानि पहुँचाए बिना प्यार कर सकते हैं?

इसी एक्टिविटी को आगे बढ़ाते हुए धीरे–धीरे चर्चा में बच्चों का ध्यान इस महत्त्वपूर्ण पहलू की ओर ले जाएँ कि यदि हम अपने देश के लोगों से प्यार करते हैं, तो यह हो ही नहीं सकता कि देश से प्यार करने वाला व्यक्ति देश के लोगों से किसी भी वजह से नफ़रत करें या उन्हें नुकसान पहुँचायें। बच्चे कुछ देर इस बारे में स्व–चिंतन करें और अपने विचार सबके साथ साझा करें। चर्चा के इस पड़ाव पर बच्चों के सामने कुछ परिस्तिथियाँ रख सकते हैं। हमारा सुझाव रहेगा कि निम्नलिखित तथा ऐसी ही कुछ अन्य परिस्तिथियाँ एक–एक कर ब्लैक–बोर्ड पर लिखें और हर एक परिस्तिथी को लिखने के बाद बच्चों से सामूहिक रूप से सवाल पूछें ''क्या ऐसा करने वाला बच्चा/व्यक्ति अपने देश से प्यार करता है?'' बच्चों से अपने जवाब के कारण भी बताने के लिए कहें।

यह एक्टिविटी बच्चों को अपने रोज़मर्रा के व्यवहार में देश से प्यार करने की अपनी खुद की भावना को जाँचने का अवसर भी देगी।

- *एक बच्चा क्लासरूम की दीवारों को गन्दा करता है, हमारी नजर में क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक बच्चा स्कूल के वॉशरूम की टूटियाँ तोड़ता है, हमारी नजर में वह क्या अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक बच्चा विद्यालय परिसर में लगे फूल, पौधों आदि को तोड़ता रहता है, हमारी नजर में क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक बच्चा चोट खाकर सड़क पर गिरे दूसरे बच्चे को छोड़ कर चला जाता है क्योंकि चोट खाया हुआ बच्चा उसका दोस्त*

नहीं है तो हमारी नजर में क्या वह बच्चा अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।

- *दौड़ में फर्स्ट आने के लिए एक बच्चा दूसरे बच्चे को धक्का देकर नीचे गिरा देता है तो हमारी नजर में क्या वह बच्चा अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक व्यक्ति आइसक्रीम खाकर, उसका रैपर सड़क पर फेंक देता है, क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक व्यक्ति दूसरे लोगों की धर्म और जातियों को बुरा भला कहता रहता है, उनके बारे में नफरत फैलाता रहता है, हमारी नजर में क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक व्यक्ति किसी सरकारी पद पर बैठकर, अपने ही देश के लोगों से उनका काम करने के बदले में रिश्वत माँगता है, हमारी नजर में क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*
- *एक व्यक्ति सरकारी दफ्तर में अपना काम, रिश्वत देकर या कोई और तरीका अपनाकर, दूसरों से पहले करवाने की कोशिश करता है, हमारी नजर में क्या वह अपने देश से प्यार करता है? अपने उत्तर का कारण भी बताइये।*

किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी बिंदु पर अपने विचार बच्चों के साथ साझा न करें।

ऊपर दिए गये सभी प्रश्नों को चर्चा के दौरान एक–एक कर बच्चों से जरूर पूछें और उन पर चर्चा करें।

कुल मिलाकर इस चर्चा का उद्देश्य यही है कि प्रत्येक बच्चा अपने अंदर झाँक कर देखे कि वह देश से प्यार करने की बात किसी कंप्यूटर या मशीन की तरह रट कर दोहरा रहा है या फिर उसके पीछे के भाव को भी समझ रहा है। इसके साथ ही इस चर्चा के बाद क्लास के हर बच्चे के अंदर यह भाव आ जाना चाहिए कि अगर वे अपने आसपास की वस्तुओं से प्यार नहीं करता है, अपने आसपास के लोगों से प्यार नहीं करता है तो देश के प्रति प्यार की उसकी भावना अभी अधूरी है और पूरी तरह से प्यार करने वाला व्यक्ति बनने के लिए उसे अपने अंदर के भावों को समझना और सही करना होगा।

होमवर्क

1.4.C 'देश से प्यार' क्या होता है?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें :

आपने कहा कि आप देश से प्यार करते हैं, पर देश से प्यार करने का क्या मतलब है?
जब आप यह कहते हैं कि हम देश से प्यार करते हैं तो आप देश की किस चीज़ से प्यार करते हैं?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें–

- एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोज़ाना चार पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 1.5

अपने देश से प्यार करना

अभिव्यक्ति एक्टिविटी

लगभग 2 दिन

अभी तक हमने इस चैप्टर में निम्नलिखित बातों पर अपनी समझ बनायी है–

- हम अपने देश से प्यार करते हैं या नहीं
- देश हमारे लिए क्या है
- हमारे आसपास हम अपने देश को कहाँ–कहाँ और किस–किस रूप में देखते हैं
- जब हम कहते हैं कि हम अपने देश से प्यार करते हैं तो वास्तव में हम किस चीज़ से प्यार करते हैं
- हमने सिर्फ अपने बारे में ही नहीं जाना, हमने यह भी जाना कि हमारे परिवार और हमारे आसपास के कुछ लोग इस बारे में क्या सोचते–समझते हैं?

इस चैप्टर के अंत में हम अपने अंदर से निकले हुए जवाबों और दूसरे लोगों से मिले हुए जवाबों के आधार पर बनी अपनी समझ का सारांश लिखने की कोशिश करेंगे।

सभी बच्चों को कहें कि वह इस पूरे चैप्टर की विभिन्न एक्टिविटीज़ में अपने अंदर से आए जवाबों और दूसरे व्यक्तियों से मिले जवाबों के आधार पर निम्नलिखित में से कोई एक एक्टिविटी ज़रूर करें–

- इस पूरे चैप्टर के सार के रूप में एक पैराग्राफ लिखें
- कोई कविता लिखें
- कोई ड्राइंग चित्र आदि बनायें जो इस चैप्टर के आधार पर बनी आपकी समझ पर आधारित हो
- अगर बच्चे के पास मोबाइल में रिकॉर्ड करने की सुविधा हो तो वह अपनी बात एक डेढ़ मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग में भी कहकर अध्यापक को व्हाट्सएप पर भेज सकता है।

एक्टिविटी 1.6

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

अधिकतम 1 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगें। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन–मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश से प्यार के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

'अपने देश से प्यार' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें और साथ ही उन्हे बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नही की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगे।

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनमें मेरा अपने देश के प्रति प्यार दिखाई देता है?

1.

2.

3.

4.

5.

अभी भी मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं जिनमें देश के प्रति मेरे प्यार में कुछ अधूरापन है?

1.

2.

3.

4.

5.

नोट

यह एक सैल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए ही चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। अध्यापक उनके कार्य पर एक नज़र डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ़्लैग डे

मेरा फ़्लैग-मेरा साथी

उद्देश्य

- बच्चे राष्ट्रीय ध्वज के लिए अपनापन और जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।

अधिकतम 2–3 दिन

इस एक्टिविटी के अंतर्गत बच्चे क्लास में ही, अपना–अपना एक तिरंगा झंडा बनाएंगे क्योंकि जब भी हम अपने देश के झंडे की ओर देखते हैं तो मन गर्व और देशभक्ति की भावना से प्रफुल्लित हो उठता है। बच्चों को भी इस भवन को महसूस करने का अवसर प्रदान करने के लिए वे स्वयं का एक फ्लैग बनाएंगे।

वे इसे बनाने के लिए भिन्न–भिन्न सामग्री जैसे दालें, अनाज के दाने, चिड़िया के गिरे हुए पंख, सूखे फूल, वॉटर कलर, मोमी रंग, रंगीन कागज़ के टुकड़े, पेंटिंग कलर, क्विलिंग, क्राफ़्ट वर्क या अन्य मनपसंद सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। इस एक्टिविटी के लिए बच्चों को अपनी क्रीएटिविटी दिखाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को बताएँ कि वे उतने आकार का झंडा बनाएँ जिसे वे हमेशा अपने साथ रख सकें। यदि वे चाहें तो झंडे को एक रिस्ट–बैंड, जैसे फ़्रेंड्शिप बैंड, बैज, बालों के क्लिप, बुक– मार्क, कार्ड आदि के रूप में बनाकर अपने साथ रख सकते हैं।

यह झंडा बच्चों के उस साथी की तरह होगा जो हमेशा उसके साथ रहेगा और बच्चे के हर व्यवहार को नोटिस करेगा। बच्चों को बताएँ कि उन्हें "अपने साथी–अपने तिरंगे" को अपने आचरण, अपनी सोच, अपने विचारों और अपने रोज़मर्रा के कामों से गौरवान्वित करना है।

नोट

- किसी भी बच्चे को कोई नकारात्मक टिप्पणी न दें ।
- बच्चों के साथ कुछ देर इस बारे में चर्चा कर, इस एक्टिविटी का मक़सद उन्हें समझाएँ जिससे वे अपने तिरंगे के साथ शुरू से ही एक जुड़ाव और अपनापन महसूस कर सकें ।
- बच्चों को ज़रूरी समान लाने के लिए पूरे निर्देश, एक्टिविटी के पहले ही दे दें जिससे वे अपनी मनपसंद सामग्री इकट्ठा कर सकें और एक्टिविटी वाले दिन लेकर आ सकें।
- बच्चों को अपने तिरंगे को कोई भी आकार और रूप देने की पूरी आज़ादी दें। परंतु उन्हें ये अवश्य याद दिलाएँ कि उन्हें अपने तिरंगे को हमेशा अपने साथ रखना है इसलिए तिरंगे को उसी अनुसार बनाएँ।

जब सभी बच्चे अपना–अपना तिरंगा बना लें तो उन्हें एक–एक कर अपने तिरंगे को बाक़ी सभी बच्चों को दिखाने के लिए कहें। अपना प्यारा तिरंगा दिखाते हुए बच्चा गर्व के साथ निम्नलिखित वाक्य बोल सकता है–

“यह मेरा तिरंगा है, मैं अपने तिरंगे से हूँ”

यदि बच्चों के मन में अपने तिरंगे के लिए कोई भाव हों तो उन्हें सबके साथ साझा करने के लिए भी बच्चों को प्रेरित करें। बच्चों को यह ज़रूर बताएँ कि वे इस झंडे को अपने साथ रखें और यह मानकर चलें कि झंडा बच्चे द्वारा किए जा रहे सभी कामों को देख रहा है और उसके कारण खुश या दुखी भी हो रहा है। इस तरह शुरू में झंडे को, उनका साथी बनाकर रखने का उद्देश्य यह है कि बच्चा जब हमेशा अपने झंडे को अपने साथ रखेगा तो उसे अपने तिरंगे के होने का एहसास होगा और वह उससे एक जुड़ाव और एक अपनापन महसूस कर सकेगा। इस तरह वह अपने व्यवहार और कामों के प्रति सजग भी रहेगा।

इसका मक़सद है कि धीरे–धीरे यह जुड़ाव इतना गहरा हो जाए कि बाद में चाहे झंडा उनके साथ हो या न हो, फिर भी बच्चे को झंडे की मौजूदगी का आभास रहे और वह सोच सके कि उसके कामों से कब उसका झंडा खुश हो रहा है और कब दुखी हो रहा है। इस तरह बच्चा सदैव अपने विचारों, कामों और व्यवहार के प्रति सजग रहेगा।

अपने देश का सम्मान 2

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि देश का सम्मान करने का मतलब क्या होता है।
- बच्चे देश से प्यार करने और देश का सम्मान करने की भावना में अंतर बता सकेंगे।
- बच्चे यह बता सकेंगे कि जब वे देश का सम्मान करते हैं तो वास्तव में वह अपनी जिंदगी में देश के किन–किन पहलुओं के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं और किनके प्रति सम्मान के भाव में अभी अधूरापन है।

एक्टिविटी 2.1 अपने देश का सम्मान

शुरुआती चर्चा

लगभग 1–2 दिन

बच्चों को बताएं कि अब तक हमने अपनी पिछली एक्टिविटीज़ में चर्चा करके इस बात की समझ विकसित करने की कोशिश की है कि देश क्या है और देश से प्यार करने का मतलब क्या है। अब हम देश के लिए सम्मान की भावना के बारे में चर्चा करेंगे। फिर एक्टिविटी को आगे बढ़ाने के लिए पूरी क्लास से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

- आप में से कौन–कौन अपने देश से प्यार करता है?

अब देश के लिए बच्चों में, सम्मान की भावना की समझ बनाने के लिए पूरी क्लास से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

आप में से कौन –कौन अपने देश का सम्मान करता है?

संभावना यही है कि इस प्रश्न के जवाब में भी सभी बच्चे अपना हाथ उठायेंगें फिर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूरी क्लास से पूछें–

आप अपने देश का सम्मान क्यों करते हैं?

बच्चों को अपने अंदर से ही इस प्रश्न का जवाब ढूँढने के लिए प्रेरित करें। यदि आप ज़रूरी समझें तो चर्चा के दौरान निम्नलिखित प्रश्न भी पूछ सकते हैं–

- *आपके आसपास ऐसा क्या–क्या दिखता है जो आपके मन में देश के लिए सम्मान का भाव जगाता है?*
- *देश का सम्मान आप किस प्रकार से करते हैं?*
- *क्या वास्तव में देश का सम्मान करने के लिए हमें किसी कारण की आवश्यकता है ? आपको क्या लगता है?*

- प्रत्येक बच्चे को प्रश्नों की चर्चा में सम्मिलित रखें।
- इस चर्चा के दौरान किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी प्रश्न के लिए अपनी ओर से कोई जवाब न दें, नहीं तो बच्चे उसी के इर्द–गिर्द अपने जवाब बनाने की कोशिश करेंगे।
- बच्चों को क्लास में अपने विचार रखने के लिए किसी भी तरह से बाधित न करें, नहीं तो बच्चे देशभक्ति क्लास से पूरी तरह नहीं जुड़ पायेंगें।

इन प्रश्नों पर सामूहिक बातचीत के बाद फिर अगली एक्टिविटी की तरफ बढ़ें।

एक्टिविटी 2.2

देश से प्यार तथा देश के सम्मान में अंतर

2.2.A क्लासरूम चर्चा: क्या देश से प्यार तथा देश के सम्मान में अंतर है?

लगभग 2 दिन

बच्चों को बताएं कि अब हम देश से प्यार और देश के सम्मान की भावना के बीच अंतर के बारे में चर्चा करेंगे और फिर पूरी क्लास के सामने निम्नलिखित प्रश्न एक–एक कर रखें

- *आप में से कौन–कौन अपने देश से प्यार करता है?*
- *आप में से कौन–कौन अपने देश का सम्मान करता है?*

संभव है कि इन दोनों प्रश्नों के जवाब सभी बच्चे हाँ में देंगे। अब उनके सामने अगला प्रश्न रखें–

क्या देश से प्यार करना तथा देश का सम्मान करना एक ही बात है?

सम्भव है कि इस प्रश्न के लिए बच्चों की ओर से मिले–जुले जवाब आएं। हो सकता है कुछ बच्चे कहें कि देश का सम्मान करना और देश से प्यार करना एक ही बात है, और यह भी संभावना है कि कुछ बच्चे कहें कि इनमें कुछ अंतर है। यहाँ दोनों तरह के जवाब देने वाले बच्चों से उनके जवाबों के पीछे की वजह पूछ कर चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी बिंदु पर अपने विचार बच्चों के साथ साझा न करें।

यह प्रश्न पूछना और बच्चों से इसका जवाब सुनना एक बेहद महत्त्वपूर्ण एक्टिविटी है और एक्टिविटी में इसे शामिल करने का उद्देश्य है कि क्लास का हर एक बच्चा इस बारे में सोचें और फिर इस प्रश्न का जवाब खुद अपने अंदर से ढूँढे। हम अक्सर अपने देश के सम्मान के बारे में बात करते हैं पर कभी इस पर विचार नहीं करते कि आखिर देश का सम्मान क्या होता है। चर्चा के माध्यम से इस बारे में बच्चों की समझ बनाने में मदद करें।

2.2.B क्लासरूम चर्चा: प्यार तथा सम्मान में अंतर समझना

लगभग 2 दिन

बच्चों से कहें कि अब हम 'देश को प्यार करने' और 'देश का सम्मान करने' के अंतर को ठीक से समझने के लिए पहले प्यार और सम्मान के अंतर को समझेंगे।

फिर बच्चों के सामने निम्नलिखित उदाहरण बोर्ड पर एक–एक कर चर्चा के साथ–साथ लिखते रहें–

- *आप सभी अपनी कॉपी–किताबों से बहुत प्यार करते हैं पर जब कोई कॉपी या किताब जमीन पर गिर जाती है या उस पर आपका पैर लग जाता है, तब आप क्या करते हैं?*
- *इसी प्रकार अगर आपकी प्यारी पानी की बोतल या प्यारा क्रिकेट का बल्ला जमीन पर गिर जाता है या उस पर आपका पैर लग जाता है तब आप क्या करते हैं?*

बच्चों से पूछें कि इन दोनों परिस्थितियों में जहाँ उनकी प्यारी कॉपी–किताबें, प्यारे क्रिकेट बैट या पानी की बोतल नीचे गिरती है तो उनके मन में क्या–क्या विचार तथा भाव आए? क्या दोनों परिस्थिति में उनके मन में एक ही समान विचार तथा भाव आए या उनमें कुछ अंतर था? अगर बच्चे यह अंतर महसूस कर पाएं, तो यही अंतर होता है, देश को प्यार करने तथा देश का सम्मान करने में।

अब नीचे दिए कुछ और उदाहरण लेकर चर्चा को आगे बढ़ाएं –

- *आपकी पसंदीदा प्यारी शर्ट आपके हाथ से छूट कर जमीन पर गिर जाए, तब आप क्या करेंगे?*
- *अगर देश का तिरंगा गलती से आपके हाथ से छूट कर नीचे गिर जाए, तब आप क्या करेंगे?*

बच्चों को यह समझने में मदद करें कि इन दोनों परिस्थितियों में हमारे मन में जो भाव आते हैं उसी से प्यार और सम्मान का अंतर समझा जा सकता है शर्ट हमें प्यारी है, जो जमीन पर गिरने से गन्दी हो जाती है इसलिए हम प्यार के कारण उसे तुरंत उठाना चाहते हैं, लेकिन तिरंगा अगर नीचे गिरता है तो हमारे मन में उसे गन्दे न होने देने के भाव के साथ–साथ उसका अपमान न होने देने का भाव भी उठता है।

बच्चों की जिंदगी से जुड़े हुए, इसी तरह के कुछ और उदाहरण भी इस संदर्भ में दिए जा सकते हैं जिन पर क्लास में चर्चा की जा सकती है। अब नीचे दी गई एक्टिविटी क्लास में सामूहिक रूप से करें –

क्लास एक्टिविटी

'घटनाओं पर प्रतिक्रिया लेना व भाव समझना'

नीचे दिए गए टेबल/तालिका को बोर्ड पर बनायें और क्लास में एक–एक घटना पर विचार कर सामूहिक रूप से चर्चा करें। बच्चों से यह बताने के लिए कहें कि अगर उनके साथ ऐसी कोई घटना हो तो ऐसे में वे क्या करते हैं। फिर बच्चों से यह भी बताने के लिए कहें कि वे ऐसा प्यार के भाव के कारण करते हैं या सम्मान के कारण?

घटना	घटना पर बच्चों की प्रतिक्रिया	प्रतिक्रिया का भाव
किताब पर पैर लगना		प्यार या सम्मान?
पानी की बोतल पर पैर लगना		प्यार या सम्मान?
क्रिकेट के बैट पर पैर रखना		प्यार या सम्मान?
शर्ट का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
रुमाल का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
घड़ी का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
तिरंगे का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?

इस छोटी सी सामूहिक चर्चा का मकसद है कि बच्चे अपने मन में अलग–अलग घटनाओं के संदर्भ में समय–समय पर उठने वाले प्यार और सम्मान के भाव को समझ सकें।

एक्टिविटी 2.3

अपने अंदर देश के प्रति सम्मान को देखना और समझना

2.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों ने प्यार तथा सम्मान में अंतर को समझा। इस अंतर की समझ के आधार पर बच्चे बता सकेंगे कि देश से प्यार करने तथा देश का सम्मान करने में क्या अंतर होता है। बच्चों ने इस प्यार तथा सम्मान के भाव को अपने आसपास की अलग–अलग घटनाओं के संदर्भ में देखने और समझने की कोशिश भी की। क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें और बच्चों को अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

2.3.B क्लासरूम चर्चा: रोज़मर्रा की ज़िंदगी में देश का सम्मान

लगभग 10 दिन

देश से प्यार करने तथा देश का सम्मान करने की अवधारणा में अंतर के प्रति क्लास के हर बच्चे की समझ बनने के बाद अब हम देश का सम्मान करने पर चर्चा करेंगे। एक बार बच्चों से पुनः सवाल करें कि आप में से कौन–कौन देश का सम्मान करता है और उन्हें अपने हाथ उठाने के लिए कहें। अब आगे की चर्चा के लिए बच्चों को आँखें बंद करने को कहें और निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें–

आपने कहा कि आप देश का सम्मान करते हैं, तो वास्तव में आप अपने अंदर देश की किस–किस चीज के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं?

इस प्रश्न के जवाब में बच्चों के खुद के उत्तरों पर जाने से पहले, कुछ सामूहिक रूप से स्वीकृत बिंदुओं पर चर्चा शुरू करें जैसे–

टॉपिक	संभावित जवाब
देश का तिरंगा?	हम सब सम्मान करते हैं।
देश का नाम?	हम सब सम्मान करते हैं।
देश का नक्शा?	हम सब सम्मान करते हैं।
देश की सीमाएँ?	हम सब सम्मान करते हैं।
सीमा पर खड़ा सैनिक?	हम सब सम्मान करते हैं।
हमारे पड़ोस में रह रहे सैनिक के माता–पिता?	हम सब सम्मान करते हैं।

ज़ाहिर है, अभी तक के टॉपिक्स पर सभी बच्चे एक स्वर में उपरोक्त जैसा ही जवाब देंगे। अब आगे कुछ ऐसे बिंदुओं की तरफ बढ़े जहाँ बच्चों को अपना दिमाग लगाकर सोचने की जरूरत पड़ेगी। यह टॉपिक्स रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है इसलिए बहुत धैर्य के साथ और समय लगाकर, हर एक बच्चे को सोचने, समझने और बोलने का अवसर दें।

अपने अंदर सम्मान की भावना को देखना व समझना इस चैप्टर का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग है। इसको शुरू करने से पहले इसके सम्बन्ध में कुछ महत्त्वपूर्ण बातें समझना जरूरी है कि जो भी चर्चा हो, उसका मकसद यही होना चाहिए कि –

- क्लास का हर एक बच्चा अपने आप को अभिव्यक्त जरूर करे चाहे किसी टॉपिक पर चर्चा में एक–दो दिन का समय लग जाए।
- **हर एक टॉपिक पर चर्चा के दौरान और चर्चा के अंत तक प्रत्येक बच्चा अपने आप से यह सवाल जरूर करें कि जब वह सोचता है या कहता है कि वह देश का सम्मान करता है तो वास्तव में अपनी रोजाना की जिंदगी में, वह देश में किस–किस चीज के प्रति सम्मान का भाव रखता है और किन चीजो के प्रति उसके सम्मान में अभी अधूरापन है।**

अगर यह चर्चा क्लास में बहुत अच्छे से हो गई और प्रत्येक बच्चा अपने मन के अंदर झाँकने में सफल हो गया तो उसका प्रमाण बच्चों के अंदर आए व्यवहार परिवर्तन में देखने को मिलेगा। अपनी क्लास के सामान, स्कूल के सामान, स्कूल के अपने साथियों एवं शिक्षकों आदि के प्रति बच्चों का व्यवहार इस बात का प्रमाण होगा कि यह पाठ बच्चों के मन में अंदर तक बैठा है या नहीं।

टॉपिक A: हमारे पड़ोस में रह रहे सैनिक के माता-पिता

क्या आप पड़ोस में रह रहे सैनिकों के माता–पिता का सम्मान करते हैं? इस पर चर्चा करने के लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें –

आप सैनिक के माता–पिता का सम्मान क्यों करते है?

इसका जवाब बच्चों से आने दे। **इस टॉपिक पर चर्चा करने का उद्देश्य है कि बच्चे समझ सकें कि सैनिकों के माता–पिता ने अपने बच्चे को सीमा पर हमारी रक्षा के लिए भेज कर एक बड़ी कुर्बानी दी है, वे जानते हैं कि सेना में रहकर उनका बच्चा सीमा पर तैनात है और वहाँ उसे देश के लिए जान भी गँवानी पड़ सकती है।**

यहाँ बच्चों के सामने अगली परिस्थिति रखें जहाँ बच्चे समझ सकेंगे कि सैनिकों के माता–पिता किस प्रकार की कुर्बानी देते हैं। इस चर्चा को करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न किए जा सकते हैं–

- *जब सैनिक घर से दूर सीमा पर रहता है, तब उसके माता–पिता को कैसा लगता होगा?*
- *जब पारिवारिक समारोह में तथा त्योहारों पर भी उनका बच्चा घर नहीं आ पाता तो उनको कैसा लगता होगा?*
- *सैनिकों के माता–पिता को अपने बच्चे से दूर रहकर जीवन यापन करने में कौन–कौन सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है?*

यहाँ तक बच्चे समझ सकेंगे कि हमें सैनिकों के माता–पिता का सम्मान करना होता है क्योंकि सैनिकों के माता–पिता गर्व से हमारे लिए कुर्बानी देते हैं। इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

आप अपने पड़ोस में रहने वाले सैनिक के माता–पिता का सम्मान कैसे कर सकते हैं?

इसका उत्तर बच्चों से आने दें। उनकी सहायता के लिए निम्नलिखित प्रश्न भी पूछ सकते हैं कि सैनिक के माता–पिता के दैनिक जीवन में आप कहाँ–कहाँ उनकी सहायता कर सकते हैं–

- *जब सैनिक के माता–पिता बीमार हो जाते हैं, तब आप उनकी कैसे सहायता कर सकते हैं?*
- *क्या बस स्टॉप पर, पानी भरने की लाइन में या राशन की लाइन में, आप उन्हें सम्मान सहित आगे आने का अवसर दे सकते हैं?*
- *क्या आप उनके ऑनलाइन बिल इत्यादि को भरने में उनकी मदद कर सकते हैं?*
- *क्या आपके आसपास या आपके घर में कोई सैनिक है?*
- *क्या आपने सैनिक के परिवार की मदद के लिए कुछ किया हैं? यदि हाँ, तो क्या?*
- *अगर नहीं तो अब आगे से आप क्या–क्या कर सकते हैं?*

यहाँ बच्चों का ध्यान इस बात पर दिलाएं कि अगर हम सैनिक के परिवार का सम्मान नहीं करते तो यह हमारे देश के प्रति सम्मान में एक अधूरापन है।

यहाँ बच्चों को 2.3.C होमवर्क के प्रश्न 1,2 को अपनी उम्र से बड़े किन्हीं तीन व्यक्तियों से पूछकर उनके द्वारा दिए उत्तरों को अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें।

टॉपिक B: हमारे देश के किसान

बच्चों से होमवर्क 2.3.C के प्रश्न 1 व 2 के जवाब तीन व्यक्तियों से जानने के लिए कहा था। इस एक्टिविटी के शुरू होने से पहले 8–10 मिनट के लिए बच्चों से उनके अनुभवों को क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।
आगे बच्चों से पूछें कि क्या आप अपने देश के किसान का सम्मान करते हैं। इस पर चर्चा करने के लिए बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें–

आप देश के किसान का सम्मान क्यों करते हैं?

इसका जवाब बच्चों से आने दें और धीरे–धीरे उनका मार्गदर्शन करते रहें जिससे वे यह समझ सकें कि यदि किसान नहीं होगा तो हमारी थाली में खाना भी नहीं होगा। इस चर्चा को करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न किए जा सकते हैं–

- *आप रोज खाने में क्या–क्या खाते हैं?*
- *खाना बनाने के लिए सामान आपके घर में कहाँ से आता है?*
- *मंडी, सुपरमार्केट, किराने की दुकान पर यह दाल, चावल, अनाज आदि कहाँ से आता है?*
- *दाल, चावल, अनाज आदि का उत्पादन कौन करता है?*
- *यदि किसान अनाज उगाना बंद कर दें, तो इसका हमारे ऊपर क्या प्रभाव पड़ेगा?*

यहाँ तक बच्चे समझ सकेंगे कि उन्हें देश के किसान का सम्मान करना चाहिए क्योंकि वह हमारे खाने के लिए अनाज उगाते हैं और हमारा पोषण करते हैं। अब इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बच्चों के सामने अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न रखें–

आप देश के किसान का सम्मान कैसे कर सकते हैं?

इसका उत्तर बच्चों से आने दें। उनकी सहायता के लिए नीचे दिए प्रश्न भी पूछ सकते हैं–

- *क्या आप अपनी थाली में उतना ही खाना लेते हैं जितना आप खत्म कर सकें?*
- *यदि खाना खाने के बाद भी आपकी थाली में खाना बच जाएं तो आप क्या करते हैं?*
- *क्या हम अनाज की बर्बादी रोक सकते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?*

यहाँ बच्चों का ध्यान इस बात पर दिलायें कि यदि हम खाने की बर्बादी नहीं रोकते तो हम देश के किसान का सम्मान भी नहीं करते और यह किसान के श्रम का अपमान है और हमारे देश के प्रति सम्मान में एक अधूरापन है।

यहाँ बच्चों को 2.3.C होमवर्क के प्रश्न 3 को अपनी उम्र से बड़े किन्हीं तीन व्यक्तियों से पूछ कर उनके द्वारा दिए उत्तरों को अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें।

टॉपिक C: मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल के सुरक्षा गार्ड इत्यादि

बच्चों से होमवर्क 2.3.C के प्रश्न–3 के जवाब तीन व्यक्तियों से जानने के लिए कहा था। इस एक्टिविटी के शुरू होने से पहले 8–10 मिनट के लिए बच्चों से उनके अनुभवों को क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

आगे बच्चों से पूछें कि क्या आप अपने देश के मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल का सुरक्षा गार्ड इत्यादि का सम्मान करते हैं? इस पर चर्चा करने के लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें–

आप देश के मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल के सुरक्षा गार्ड इत्यादि का सम्मान क्यों करते हैं?

इसका उत्तर बच्चों से आने दें। उनकी सहायता के लिए अब आगे दी गई एक्टिविटी करें–

बच्चों को आँख बंद करके एक ऐसी स्थिति सोचने या कल्पना सोचने के लिए कहे कि अगर हमारे आस–पास से सारे मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल के सुरक्षा गार्ड इत्यादि गायब हो जाएं तो क्या होगा?
इस बारे में समझा बनने के लिए निम्नलिखित प्रश्न भी पूछें जा सकते हैं।

- *तो आपके कौन–कौन से काम रुक जायेंगें?*
- *सड़क निर्माण, भवन निर्माण, कारखानों में काम रुकने से हमारे ऊपर क्या असर होगा?*
- *स्कूलों की सुरक्षा तथा सड़क–नालों की सफाई की क्या हालत होगी?*

यहाँ मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल के सुरक्षा गार्ड इत्यादि की भूमिका पर बच्चों का ध्यान लेकर जाए कि कैसे ये सभी हमारी सुविधाओं के लिए काम करते हैं।
अब इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बच्चों के सामने अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न रखें–

आप अपने देश के मजदूर, सफाई कर्मचारी, स्कूल के सुरक्षा गार्ड इत्यादि का सम्मान कैसे कर सकते हैं?

इस प्रश्न का जवाब बच्चों की तरफ से आने दें, बच्चों की सहायता के लिए नीचे दिए गए प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं –

- *क्या आपने कभी इन सभी लोगों के काम के लिए उन्हें धन्यवाद किया है? किस–किस तरीके से आप उन्हें धन्यवाद कर सकते हैं?*
- *कभी–कभी वह गर्मी में भी काम कर रहे होते हैं, क्या ऐसे में उन्हें पीने का पानी पूछ लेना उनके लिए सम्मान होगा?*
- *क्या इन सभी के साथ सम्मानित भाषा का प्रयोग करना उनके प्रति सम्मान करना होगा?*

यहाँ बच्चों का ध्यान इस बात पर दिलाएं कि ये सभी हमारे आराम के लिए इतना काम करते हैं और यदि हम इनके काम की सराहना करें तो हम देश का सम्मान करते हैं।

यहाँ बच्चों को 2.3.C होमवर्क के प्रश्न 4 को अपनी उम्र से बड़े किन्हीं तीन व्यक्तियों से पूछ कर उनके द्वारा दिए उत्तरों को अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें।

टॉपिक D: देश की धरती

बच्चों से होमवर्क 2.3.C के प्रश्न 4 के जवाब तीन व्यक्तियों से जानने के लिए कहा था। इस एक्टिविटी के शुरू होने से पहले 8–10 मिनट के लिए बच्चों से उनके अनुभवों को क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

इस टॉपिक पर चर्चा करने का उद्देश्य है कि **बच्चे यह समझ सकें कि धरती के ऊपर पाए जाने वाले जल, मिट्टी, हवा आदि की साफ–सफाई रखने की हमें क्यों जरूरत है। अगर हमारे देश की धरती स्वस्थ रहेगी तो हम भी स्वस्थ रहेंगे।** इसके लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें–

क्या आप अपने देश की धरती का सम्मान करते हैं?

संभवतः इसका जवाब सभी बच्चे हाँ में देंगें। इस चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें–

आप देश की धरती का सम्मान कैसे करते हैं?

इसका जवाब पहले बच्चों से आने दें। फिर कुछ उदाहरणों के जरिए बच्चों को मनन करने के लिए प्रेरित करें। जैसे,

- *जब आप कूड़ा इधर–उधर जमीन पर कहीं भी फेंक देते हैं जबकि उसके लिए एक जगह निर्धारित है तो क्या हम यह कह सकते हैं कि हमारे देश के सम्मान करने का दावा कुछ अधूरा है?*
- *जब हम अपने घर के सामने लगे पेड़ को गाड़ी पार्क करने के लिए काट देते हैं, तो क्या यह देश का सम्मान करना होगा?*
- *जब हम नदियों के साफ पानी में कचरा फेंकते हैं या दूसरों को कचरा फेंकते हुए देखें और न रोकें, जबकि हम चाहे तो रोक सकते हैं, तो क्या यह देश के प्रति सम्मान होगा?*
- *अच्छा यह बताइए कि अगर हम अपने देश के पशु–पक्षियों का ध्यान रखते हैं तो यह उनसे प्यार करना हुआ या उनका सम्मान करना हुआ? (इस पर चर्चा करें)*

अब चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें–

आप अपने देश की धरती का सम्मान क्यों करते हैं ?

इसका जवाब बच्चों से आने दें। इस चर्चा को करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न किए जा सकते हैं–

- *हमें पीने का साफ पानी कहाँ से मिलता है?*
- *हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन कौन देता है?*
- *जमीन की मिट्टी को बाँधकर कौन रखता है?*
- *हमें अपने आसपास सफाई क्यों रखनी चाहिए?*
- *यदि हमारे आसपास पेड़ नहीं होंगे तो क्या होगा?*

यहाँ बच्चों का ध्यान इस बात पर लाएं कि हम सब कहते तो हैं कि हम अपने देश की धरती का सम्मान करते हैं, परंतु फिर हम ऐसा क्या–क्या करते हैं जिनमें हमारे सम्मान में अधूरापन दिखता है।

बच्चों के साथ देश की धरती के प्रति सम्मान के अधूरेपन को समझाने के लिए नीचे दिए गए कार्यों पर भी चर्चा करें –

क्रम संख्या	कार्य	इस कार्य में सम्मान दिखता है या नहीं? (हाँ/ना में जवाब दें)
1	अलग–अलग प्रकार के कूड़े को निर्धारित रंग के कूड़ेदान में डालना।	
2	सार्वजनिक पार्क में फूल–पत्ते तोड़ना व पेड़–पौधों को नुकसान पहुंचाना।	
3	हरियाली को बढ़ाने के लिए आसपास नये–नये पौधे लगाना।	
4	साफ पीने के पानी को किसी भी वजह से बर्बाद करना।	
5	कूड़े को जलाकर आसपास के वातावरण में धुआं करना।	

चर्चा में निकले निष्कर्ष का उद्देश्य होना चाहिए कि बच्चे अपने अंदर झाँक कर देख सकें कि वास्तव में देश का सम्मान करने का उनका दावा पूर्ण है या उसमें कुछ अधूरापन है।

होमवर्क

2.3.C रोजमर्रा की जिंदगी में देश का सम्मान

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आपने कहा कि आप देश का सम्मान करते हो तो, वास्तव में आप अपने अंदर देश की किस–किस चीज के प्रति सम्मान देखते हैं?

देश की सीमा पर खड़े सैनिक के माता–पिता को क्या समाज में वह सम्मान मिलता है जिसके वे हकदार हैं? आपके अनुसार हमें उन सब को क्या–क्या और कैसे सम्मान देना चाहिए?

हम सब के लिए रोटी–सब्जी उगाने वाले किसान को क्या आपकी समझ में वह सम्मान मिलता हैं, जिसका वह हकदार है? आपके अनुसार एक किसान को हम सब अपने–अपने स्तर पर क्या–क्या और कैसे सम्मान दे सकते हैं?

हमारे आसपास, हमारे लिए सड़क बनाने वाले, स्कूल, घर आदि बनाने वाले मजदूरों को क्या समाज में वह सम्मान मिलता है जिसके वह हकदार हैं। आपके अनुसार इन सब को क्या–क्या और कैसे सम्मान मिलना चाहिए?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें–

- एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी रिश्तेदार मित्र इत्यादि।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

2.3.D क्लासरूम चर्चा: देश की व्यवस्थाओं के प्रति सम्मान

लगभग 5 दिन

रोजाना की जिंदगी में देश के प्रति सम्मान के भाव की अवधारणा पर क्लास के हर बच्चे की समझ बनने के बाद, अब देश की व्यवस्थाओं के प्रति सम्मान की अवधारणा पर चर्चा करेंगे। बच्चों से उसके आसपास की व्यवस्थाओं के बारे में प्रश्न पूछने से शुरुआत करें। सभी बच्चे संभवत व्यवस्था शब्द के पीछे के भावों के अर्थ को नहीं समझ पायेंगें ।

बच्चों को उदाहरण देकर समझाएँ कि व्यवस्था से हमारा मतलब है–किसी क्रम, ढंग, नियम आदि से कार्य करना जैसे स्कूल, ट्रैफिक, अस्पताल आदि की अपनी अलग–अलग व्यवस्था होती है। आगे की चर्चा के लिए बच्चों से निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें।

क्या आप अपने आस–पास की व्यवस्थाओं जैसे स्कूल, ट्रैफिक, स्वास्थ्य, देश, आदि के नियमों का सम्मान करते हैं?

संभव है कि बच्चे इस प्रश्न का जवाब हाँ में ही देंगें। फिर बच्चों से उनके आस–पास की व्यवस्थाओं के पालन के बारे में प्रश्न पूछने से शुरुआत करें–

टॉपिक	संभावित जवाब
देश का संविधान	हम सब सम्मान करते हैं।
संविधान के अंदर बने नियम कानून	हम सब सम्मान करते हैं।
राष्ट्रीय–गान	हम सब सम्मान करते हैं।
स्कूल की व्यवस्था के नियम	हम सब सम्मान करते हैं।

यहाँ पर चर्चा करें कि क्या हम स्कूल के, ट्रैफिक के, स्वास्थ्य आदि के, सभी नियमों का पालन करते हैं। निम्नलिखित प्रश्नों के जरिए बच्चों को आत्ममंथन करायें कि उनका जो नियमों के प्रति सम्मान करने का दावा है, वह पूर्ण है या अभी उसमें कुछ अधूरापन है–

- *क्या आप कोरोना काल में मास्क पहनते हैं?*
- *क्या आप स्कूल या क्लास में समय से पहुँचते हैं?*
- *क्या आपके बड़े ट्रैफिक पर रेड लाइट के नियम का पालन करते हैं?*

इन प्रश्नों के द्वारा बच्चों का ध्यान उन स्थितियों पर लाते हैं जहाँ वह नियम का पालन करते हैं और नहीं भी करते हैं। अब इस बारे में चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रश्नों को पूछें–

- *क्या आप खेल के पीरियड में जाते समय हमेशा लाइन में चलते हैं?*
- *जब रेड लाइट पर कोई पुलिसवाला न खड़ा हो क्या तब भी आपके बड़े ट्रैफिक के रेड लाइट नियम का पालन करते हैं?*
- *क्या आप हमेशा खाना खाने से पहले हाथ धोते हैं?*

किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी बिंदु पर अपने विचार बच्चों के साथ साझा न करें।

ऊपर लिखी स्थितियों पर चर्चा कर बच्चों का ध्यान इस ओर दिलायें कि किस प्रकार व्यवस्थाओं का सम्मान न करना हमारे देश के प्रति हमारे सम्मान के भाव में अधूरापन लाता है।

अब अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें–

आप अपने देश की व्यवस्थाओं जैसे स्कूल, ट्रैफिक, स्वास्थ्य, देश, आदि के नियमों का पालन क्यों करते हैं?

इसका जवाब एक–एक कर बच्चों से जानें। उनके मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं–

- *क्या हम स्कूल में पकड़े जाने के या रोड पर एक्सीडेंट होने के या बीमार पड़ने के डर की वजह से व्यवस्थाओं के नियम का पालन करते हैं?*
- *क्या हम चालान कटने के डर से ट्रैफिक व्यवस्था के नियमों का पालन करते हैं?*
- *क्या हम अपने देश की व्यवस्थाओं के नियमों के प्रति सम्मान को दिखाने के लिए नियमों का पालन करते हैं?*

यहाँ बच्चों को बतायें कि व्यवस्थाएँ बनाने के विभिन्न कारण हो सकते हैं परंतु उनको सुचारू रूप से चलाने में नियमों का पालन सहायता करता हैं। नियम देश, काल, परिस्थितियों अनुसार बदलते रहते हैं। नियम हम लोगों के जीवन को सरल व सुरक्षित बनाने के लिए हैं।

नियमों का पालन किस प्रकार हमारे जीवन को सरल व सुरक्षित बनाता हैं। यहाँ बच्चों के साथ चर्चा करें कि नियमों का पालन करने के पीछे हमारी क्या–क्या वजह हो सकती हैं। नीचे दिए प्रश्नों के द्वारा इस बारे में बच्चों की समझ और गहराई से बनाई जा सकती है–

- *यदि रेड लाइट पर पुलिसवाला न खड़ा हो और सामने से ट्रैफिक भी ना आ रहा हो तो क्या तब भी आप ट्रैफिक के रेडलाइट नियम का पालन करोगे?*
- *स्कूल के ऐसे कौन–कौन से नियम हैं जिनका पालन बच्चे ज्यादातर नहीं करते? आपको क्या लगता है कि वह ऐसा क्यों करते हैं?*
- *हमें स्वस्थ रहने के लिए कौन–कौन से नियमों का पालन करना होता है?*
- *यदि आप स्वास्थ्य के नियमों का पालन नहीं करते तो इसका आपके परिवार पर क्या प्रभाव पड़ता है?*

बच्चों से चर्चा का मकसद यहाँ है कि वे समझ सके कि देश की व्यवस्थाओं के नियमों का सम्मान न करना हमारे देश के प्रति हमारे सम्मान के भाव को कुछ कमजोर करता हैं और इसका खामियाज़ा हम सभी को भुगतना होता हैं। बच्चे स्वयं के भीतर यह देख सकें कि वह किसी भी नियम का पालन क्यों करते हैं।

बच्चो को चर्चा में बनाये रखें। उन्हें स्वयं ही जवाब देने दें और सहजता से सुनिश्चित करें कि क्लास का हर एक बच्चा अभिव्यक्ति जरूर दें। जो बच्चे आज न बोल पाए उन्हें अगले दिन एक्टिविटी में जरूर बोलने का अवसर दें या बोलने के लिए प्रेरित करें।

प्रत्येक व्यवस्था से सम्बन्धित प्रस्तावित प्रश्न दिए हैं, समान सन्दर्भ में आसपास की व्यवस्था से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं।

होमवर्क

2.3.E देश के सम्मान का क्या मतलब है?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

लाल बत्ती पर ट्रैफिक नियमों का सम्मान करते वक्त आपके मन में क्या भाव होता है: चालान कटने का डर, एक्सीडेंट का डर अथवा ट्रैफिक नियमों का सम्मान?

जो लोग ट्रैफिक के नियमों का सम्मान नहीं करते क्या यह उनके देश के प्रति सम्मान में अधूरापन नहीं है?

किनसे सवाल पूछें–अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें–

- एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि।

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

2.3.F क्लासरूम चर्चा: देश के लोगों के प्रति सम्मान

लगभग 6 दिन

हमने अब तक रोजमर्रा की जिंदगी में देश के प्रति सम्मान और देश की व्यवस्थाओं के नियमों के प्रति सम्मान की समझ बनाई है। अब कुछ और महत्त्वपूर्ण प्रश्नों की ओर बढ़ते हैं।

यहाँ बच्चों में देश के प्रति सम्मान के भाव को और गहराई से स्थापित करने के लिए चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें–

क्या आप देश के सब लोंगो के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं?

संभवत इसका जवाब सभी बच्चे हाँ में देंगें। फिर उनके सामने नीचे दिए प्रश्न एक–एक कर रखें।

क्या आप देश की महिलाओं तथा पुरुषों का एक समान सम्मान करते हैं? क्या आप सभी धर्म–जातियों तथा आर्थिक स्तर के लोगों का एक समान सम्मान करते हैं?

उपरोक्त दोनों प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि बच्चों के अंदर उनके देश के प्रति सम्मान के भाव पर चर्चा करने में उनकी मदद करें ताकि बच्चे खुद यह समझ सकें कि ऊपर दी बातों में वे क्या करते हैं। उनके रोज़मर्रा के व्यवहार में कितनी सच्चाई है और उनके मन में क्या विचार उठते हैं।

नोट

इन जरूरी मुद्दों पर बात करते हुए यह ध्यान रखें कि इससे क्लास में किसी भी बच्वें की धार्मिक अथवा जातिगत भावनाओं को ठेस न पहुँचे। यह चर्चा बेहद ध्यान से और संवेदनशील तरीके से क्लास में करवायें।

बच्चों को चिंतन करने दें, कि क्या वास्तव में हम देश की महिलाओं–पुरुषों का, विभिन्न धर्म–जातियों तथा आर्थिक स्तर के लोगों का एक समान सम्मान करते हैं। ऐसी कौन–कौन सी परिस्थितियाँ हो सकती हैं जब यह सम्मान एक समान दिखाई नहीं देता है। चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी परिस्थितियों पर आधारित प्रश्न बच्चों के सामने रख सकते हैं–

- *क्या आप सभी महिलाओं का सम्मान होते देखते हैं?*
- *क्या बाहर आते–जाते या बाजार में महिलाओं का सम्मान किया जाता है?*
- *क्या रात में किसी काम से बाहर सड़क पर निकलने वाली महिला का सम्मान होता है?*
- *क्या आपके घरों में महिलाओं का सम्मान किया जाता है?*
- *क्या आप सभी धर्म–जातियों तथा आर्थिक स्तर के लोगों का सम्मान होते देखते हैं?*

टिप

यहाँ बच्चों का ध्यान उनके आसपास होने वाले घटनाओं पर दिलवा सकते हैं जिस पर वे चिंतन–मनन कर अपने विचार अच्छे से प्रस्तुत कर सकें।

चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रश्नों का प्रयोग किया जा सकता है–

- *"अरे, आप तो महिला हो आपसे यह काम नहीं होगा', किसी व्यक्ति द्वारा ऐसा कहना क्या महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाता है?*
- *क्या किसी धर्म या जाति के लोगों के ऊपर व्यंग्य करना या जोक्स बनाना, उनका सम्मान करना है?*
- *जब लोग समूह में बातचीत करते हैं तो जाने–अनजाने में यदि किसी जाति विशेष के प्रति कुछ नकारात्मक टिप्पणी कर देते हैं तो यह क्या उनका सम्मान करना है?*
- *हम सब जानते हैं कि सभी धर्म समान हैं परंतु फिर भी अपने धर्म को ज्यादा श्रेष्ठ मानना, क्या सब लोगों का सम्मान करना हैं?*
- *क्या आप के आसपास आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति का सम्मान किया जाता है? यदि हाँ, तो किस प्रकार से सम्मान किया जाता हैं।*
- *अपने देश के लोगों का सम्मान आप किस आधार पर करते हैं? उनकी उम्र के आधार पर/उनके पैसे के आधार पर/उनके पद के आधार पर/उनके धर्म व जाति के आधार पर/उनका हमारे प्रति व्यवहार के आधार पर/हमारे साथ उनकी पहचान के आधार पर/या किसी अन्य आधार पर।*

यहाँ बच्चों से चर्चा करें कि हम अपनी सामान्य जिंदगी में किसी व्यक्ति का सम्मान किस–किस आधार पर करते हैं। इस प्रश्न का जवाब तलाशने में बच्चों की मदद करें ताकि वे ईमानदारी से अपने अंदर से जवाब निकाल कर ला सकें बच्चों के बीच उनके जवाबों को संक्षेप में एक या दो शब्द में बोर्ड पर लिखते रहें।

- अगर बच्चे ईमानदारी से कहने में झिझक रहे हो तो क्लास का माहौल इस तरह का बनायें कि वे खुलकर अपने विचारों और व्यवहार के आधार पर उत्तर दे सकें।
- यहाँ पर बच्चों के जवाबों के आधार पर किसी को भी सही या गलत ठहराने की कोशिश न करें अन्यथा यह चर्चा नैतिक शिक्षा की एक क्लास बन जाएगी और बच्चे अपने आसपास की उन कमियों को नहीं समझ सकेंगे जो समाज में गहराई तक बैठी हुई हैं।

अगर बच्चों से जवाब आ जाते हैं तो चर्चा सिर्फ स्वीकृति तक रखें कि हाँ हमारे समाज में ऐसा हो रहा है और जाने–अनजाने कहीं न कहीं हम भी ऐसा ही कर रहे हैं। अब बच्चों से अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछें–

आप अपने देश के लोगों का सम्मान किस प्रकार करते हैं?

इसके जवाब के लिए बच्चे अपने मन में सोच विचार करें और अपने जवाब क्लास में साझा करें। नीचे दिए प्रश्नों की सहायता से बच्चों की इस चर्चा में सहभागिता बढ़ा सकते हैं–

- *क्या ऐसा नहीं होना चाहिए कि हर एक भारतीय का सम्मान हमारे मन में सिर्फ इसलिए हो कि वह भारतीय हैं?*
- *क्या देश का सम्मान करना देश के सभी धर्म, जातियों के लोगों का सम्मान किए बिना संभव है? क्या आपने कभी किसी व्यक्ति को किसी धर्म या जाति को छोटा बताते हुए सुना है?*
- *यदि कोई आपके अपने धर्म या जाति को छोटा कहेगा तो आपको कैसा लगता है?*
- *आपकी क्लास में अलग–अलग जाति तथा धर्म के बच्चे हो सकते हैं लेकिन क्या किसी को भी धर्म जाति के आधार पर कम या ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए? आपको क्या लगता है ?*
- *यदि कोई व्यक्ति दावा करता है कि वह देश के प्रति सम्मान रखता है लेकिन अपनी बातों और व्यवहार से देश के किसी धर्म अथवा जाति के लोगों का उपहास उड़ाता है, उन्हें अपने से कम श्रेष्ठ बताता है, क्या वाकई वह देश के प्रति, देश के सभी लोगों के प्रति सम्मान रखता है? क्या वह देश के प्रति सम्मान रखता है या उसके दावे में कुछ अधूरापन है?*

संभव है इसके जवाब में सब बच्चे अपनी सहमति ही देंगें। इस चर्चा को और आगे लेकर जायें कि वर्तमान में हम अपने जीवन में ऐसा कर पा रहे हैं या नहीं। अब बच्चों से नीचे लिखे प्रश्न एक–एक कर पूछें–

- *क्या आप अपने आसपास के लोगों का सम्मान सिर्फ एक नियम के आधार पर कर सकते हैं कि सभी लोग मेरे देश के रहने वाले हैं इसलिए सभी का सम्मान करना चाहिए?*
- *यदि आप अपने जीवन में यह नियम बनाते हैं तो इसका पालन करने में आपको कहाँ–कहाँ और किस तरह की दिक्कतें आती हैं?*

इस पर कुछ देर चर्चा करें और फिर अगला प्रश्न करें–

- *इन दिक्कतों तथा परेशानियों से ऊपर उठकर क्या आप इस नियम का पालन कर सकते हैं?*

यहाँ चर्चा के लिए बच्चों को समय दें और उन्हें अपने जवाब देने के लिए प्रेरित करें ।

यह एक बेहद संवेदनशील लेकिन बहुत ही जरूरी एक्टिविटी है इसकी सफलता की चाबी इसी में है कि हर बच्चा क्लास में इस चर्चा में खुद को शामिल करते हुए अपने अंदर झाँककर देखें और स्वयं को अभिव्यक्त करें हो सकता है प्रत्येक बच्चे को कम से कम एक बार बोलने की बारी देने के लिए आपको यह एक्टिविटी 1 सप्ताह या उससे ज्यादा बार चलानी पड़े लेकिन प्रत्येक बच्चे की अभिव्यक्ति इस एक्टिविटी को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

क्लास एक्टिविटी

'सम्मान से जुड़ी घटनाओं पर मेरी प्रतिक्रिया'

नीचे दी गई टेबल/तालिका में उपरोक्त स्थितियों पर आधारित, बच्चों के आसपास होने वाली कुछ घटनाएँ दी गई है, जो यह दर्शाती हैं कि देश के लोगों के प्रति सम्मान में कब–कब अधूरापन रह जाता है। बच्चों से एक एक घटना पर सम्मान की भावना पर अपने विचार देने के लिए कहें और साथ ही हर बच्चा स्वयं में देखे कि किस परिस्थिति में उसके सम्मान में अधूरापन है और वह उसे कैसे पूरा कर सकता है?

क्रम संख्या	आसपास होने वाली घटनाएँ	सम्मान की भावना है या नहीं ?	घटना पर बच्चे की प्रतिक्रिया
1	जब देश के किसी धर्म अथवा किसी जाति के लोगों का उपहास उड़ाया जाता है।		
2	जब किसी को किसी विशेष धर्म–जाति के आधार पर कम या ज्यादा सम्मान मिलता है।		
3	जब कोई किसी महिला या लड़की को छेड़ता या उससे गलत बात कहता है ।		
4	जब किसी महिला के साथ गाली–गलौज या मार–पिटाई होती है।		
5	जब आपके सामने किसी महिला को यह कहा जाता है, "तुम से नहीं होगा क्योंकि तुम तो महिला हो" जैसे कहा जाता है कि महिलाएँ अच्छी ड्राइवर नहीं होती हैं।		

होमवर्क

2.3.G देश के सब लोगों का सम्मान ही देश का सम्मान

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आप जब किसी व्यक्ति का सम्मान करते हो, तो किस आधार पर करते हों?

- उसके पैसे के आधार पर,
- उसकी उम्र के आधार पर,
- उसके पद के आधार पर,
- हमारे प्रति उसके व्यवहार के आधार पर,
- हमारे साथ उसकी पहचान के आधार पर,
- या कोई अन्य आधार पर....

क्या ऐसा नहीं होना चाहिए कि हर एक भारतीय का सम्मान हमारे मन में सिर्फ इसलिए हो कि वह भारतीय है? अगर हां तो क्या आप अपने जीवन में वास्तव में ऐसा कर रहे हैं या कर पा रहे हैं?

क्या देश का सम्मान करना, देश के सभी धर्म और जातियों के लोगों का सम्मान किए बिना संभव है?

अगर कोई व्यक्ति यह दावा करता है कि वह देश के प्रति बहुत सम्मान रखता है, लेकिन वह अपनी बातों और व्यवहार से देश के किसी धर्म अथवा किसी जाति के लोगों का उपहास उड़ाता है, उन्हें अपने से कम श्रेष्ठ बताता है तो क्या वाकई में वह देश के सभी लोगों के प्रति सम्मान रखता है? क्या वह देश के प्रति सम्मान रखता है? क्या उसके दावे में कुछ अधूरापन है?

क्या देश के सब लोगों का सम्मान किए बिना कोई व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि वह देश का सम्मान करता है?

किनसे सवाल पूछें—अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछें—

- **एक व्यक्ति आपके परिवार का हो यानी कि माता—पिता, भाई—बहन इत्यादि में से कोई एक।**
- **शेष दो व्यक्ति आपके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि।**

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी—1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार—पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 2.4

अपने देश का सम्मान करना

अभिव्यक्ति एक्टिविटी

अधिकतम 1–2 दिन

बच्चों को अब तक की सभी एक्टिविटीज के अंतर्गत क्लास में जो भी चर्चा हुई, उसके आधार पर देश के लिए अपनी सम्मान की भावना को दर्शाने के लिए निम्न में से किसी एक या अधिक माध्यम को चुनकर व्यक्त करने को कहें–

- लेख
- पैराग्राफ
- कहानी
- ग्रीटिंग कार्ड
- कविता
- कृतज्ञता पत्र
- पेंटिंग
- वीडियो या ऑडियो मैसेज, या
- कोई अन्य माध्यम

इसमें बच्चे किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह जैसे किसान, मजदूर, आदि का भी चयन कर सकते हैं और उनके द्वारा, देश के सम्मान के लिए किए गए कार्यों के प्रति अपनी भावनाओं, सम्मान और कृतज्ञता आदि को किसी भी माध्यम से प्रदर्शित कर सकते हैं।

इससे सम्बन्धित निर्देश बच्चों को एक दिन पहले ही दे दें ताकि वे अभिव्यक्ति एक्टिविटी के लिए चार्ट पेपर, कलर पेन, फेविकोल या कोई अन्य मनपसंद सामग्री लेकर आ सकें और इस बारे में अपनी अभिव्यक्ति दे सकें।

- बच्चों को किसी भी प्रकार से सही/गलत न कहें और न ही उनके विचारों पर किसी प्रकार से सहमति या असहमति व्यक्त करें।
- इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को एक खुशनुमा वातावरण प्रदान करें जिससे वे पूरे मन से अपनी अभिव्यक्ति कर सकें।
- बच्चे जिस भी प्रकार से अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करें,उन्हें प्रोत्साहित करें और शाबाशी दें ।

एक्टिविटी 2.5

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

अधिकतम 1 दिन

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगें। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन –मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश के सम्मान के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

'अपने देश का सम्मान' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें और साथ ही उन्हे बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नही की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगे।

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनमें मेरा अपने देश के प्रति सम्मान दिखाई देता है?

1.

2.

3.

4.

5.

अभी भी मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं जिनमें देश के प्रति मेरे सम्मान में कुछ अधूरापन है?

1.

2.

3.

4.

5.

यह एक सैल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए ही चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। अध्यापक उनके कार्य पर एक नज़र डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ़्लैग डे

मेरे व्यवहार का तिरंगे पर प्रभाव

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

अधिकतम 1 दिन

पहली एक्टिविटी में बच्चों ने जाना कि उन्हें अपने व्यवहारों से अपने साथी– अपने तिरंगे झंडे को गौरवान्वित करना है। इसके लिए बच्चे हर चैप्टर के अंत में स्व निरीक्षण **(self analysis)** करेंगे कि किन व्यवहारों से उसके झंडे को भी उस पर गर्व महसूस होता है। इससे वे यह भी समझ सकेंगे की उनका हर व्यवहार देश को प्रत्ययक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

फ़्लैग एक्टिविटी–1 में बच्चों ने जो अपना–अपना फ़्लैग बनाया था, अब वे उसी से सम्बंधित इस एक्टिविटी के पहले दिन, अपने अभी तक के व्यवहारों, सोच–विचारों, कामों, आदि को नीचे दी गई दो श्रेणियों के अनुसार अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में लिखेंगे –

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा खुश हुआ है –	मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा दुखी हुआ है –
1.	1. ....
2.	2. ....
3.	3. ....
4.	4. ....

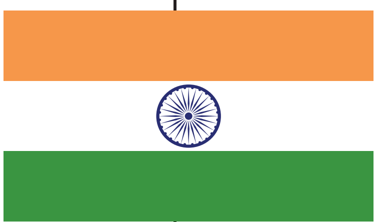

इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को पूरा समय दें और कोशिश करें कि हर बच्चा दोनों श्रेणियों के अंतर्गत, कम से कम अपने पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखे। बच्चों को बताएं कि यदि वे इस सूची में कुछ और लिखना चाहें तो वे बाद में भी इसमें जोड़ सकते हैं।

फिर इस बारे में क्लास में चर्चा करें और बच्चों को उनके व्यवहारों, विचारों और कामों आदि को दोनों श्रेणियों के अंतर्गत साझा करने के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चे अपने अच्छे और कुछ कम अच्छे कामों की ज़िम्मेदारी लेना भी सीख सकेंगे। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों आदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी कर रहे हैं।

नोट

बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनके किसी भी व्यवहार के लिए उन्हें जज नहीं किया जाएगा या उनके किसी भी व्यवहार के आधार पर उन्हें अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जाएगा। बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें परन्तु उन्हें अपने विचार सबके साथ साझा करने के लिए बाधित न करें।

देशभक्त कौन? 3

उद्देश्य

- बच्चे देशभक्त होने के अर्थ को समझ सकेंगें।
- बच्चे हमारे देश के महान देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों और उस समय की परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगें।
- बच्चे ये समझ सकेंगें कि आज भी हमें देशभक्तों की आवश्यकता क्यों है, और वे कैसे होने चाहिए।
- बच्चे, हमारे देशभक्तों के सामने स्वतंत्रता के पहले और बाद में आयी चुनौतियों का विश्लेषण कर सकेंगें।
- बच्चे ये समझ सकेंगें कि देशभक्तों का देश के लिए क्या योगदान होता है।
- बच्चे स्वयं के देशभक्त होने की जाँच कर सकेंगें।

एक्टिविटी 3.1

महान देशभक्त

शुरूआती चर्चा

लगभग 1 दिन

बच्चों से कहें कि हमने पिछले चैप्टर्स में अभी तक देश के प्रति प्यार और सम्मान की बात की। देश के लिए अपने मन में उठने वाले प्यार और देश के प्रति सम्मान के बाद अब हम देशभक्ति पर चर्चा करेंगे। परंतु देशभक्ति पर चर्चा करने से पहले हम कुछ देशभक्तों पर बात करेंगे।

यहाँ बच्चों के साथ चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए उनसे पूर्व ज्ञान के आधार पर उन्हे देशभक्तों के बारे में बताने की कोशिश करें। इससे हम यह समझ पाएंगे कि बच्चों को देशभक्तों के बारे में कितना ज्ञान है और उन्हें उससे आगे कैसे और कहाँ तक लेकर जाना है। यहाँ हम बच्चों को ज्ञात से अज्ञात की ओर लेकर जायेंगें।

जब हम 'देशभक्त' शब्द बोलते हैं तो आप क्या समझते हैं कि 'देशभक्त' कौन है?

इसके लिए सभी बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

हमारे देश के सबसे महान देशभक्त कौन–कौन रहे हैं? कुछ के नाम बताएं।

इस प्रश्न के उत्तर में बच्चे कई तरह के लोगों के नाम बोल सकते हैं जिन्हें भी वे देशभक्त के रूप में देखते हैं। बच्चों को कहें कि आज का हमारा विषय 'देशभक्त' है। तो आज हम इसे जरा विस्तार से समझते हैं। और विस्तार से समझने के लिए हम उस समय से शुरुआत करते हैं जब हमारा भारत देश आज़ाद नहीं था।

एक्टिविटी 3.2

देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी

3.2.A क्लासरूम चर्चा: हमारे स्वतंत्रता सेनानी

लगभग 1–2 दिन

जब हम देशभक्तों की बात करते हैं तो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिस्ट में सबसे पहले आते हैं। इसलिए यहाँ सबसे पहले हम बच्चों से स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बातचीत करेंगे और भारत के लिए उनके योगदान को याद दिलाएँगे कि कैसे विषम और कठिन परिस्थितियों में भी वे अपने देश और देशवासियों के लिए खड़े थे। **मकसद बच्चों को यह एहसास करवाना है कि आज हम आजाद है, हमें आजाद हुए लगभग 75 साल हो गए और भारत की इस आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। स्वतंत्रता सेनानियों ने इसके लिए दुख–दर्द सहन किये और कठिनाइयों का सामना किया जिसके लिए हम हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। आखिर वही हैं जिनकी वजह से हम स्वतंत्रता दिवस मना पाते हैं। उनकी छोटी से छोटी भूमिका भी बहुत महत्व रखती है क्योंकि वे उस समय में थे जब हमारा देश अंग्रेजो के अधीन था। उन्होंने जरूरी संसाधनों की कमी के बावजूद भी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी क्योंकि उनके इरादे पक्के थे, वे देश को आज़ादी दिलाना चाहते थे। उन्होंने लोगों को अन्याय से लड़ने के लिए प्रेरित किया, लोगों को उनके अधिकारों और उनकी शक्ति के बारे में जागरूक किया।**

इन बातों को ध्यान में रखते हुए ही बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न करें।

क्या आप किन्हीं पाँच देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बता सकते हैं?

नोट

यहाँ पर जैसे–जैसे बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सोच कर बताते जाएँ साथ साथ उनके नाम बोर्ड पर लिखते जाएँ। ये ध्यान रखें कि हर बच्चा कोई न कोई नाम अवश्य बोले ।

जब एक सूची तैयार हो जाए बच्चों से अपने एक फेवरेट स्वतंत्रता सेनानी का नाम सोचने को बोलें। हर बच्चे से पूछें कि उनका फेवरेट स्वतंत्रता सेनानी कौन है?

आपका फेवरेट/मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी कौन है?

फिर उसके आगे अपने मकसद को ध्यान में रखते हुए हर बच्चे को मौका दें ताकि बच्चा अपने मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी के बारे में कुछ बात बता सके। इसके लिए हर बच्चे से निम्नलिखित प्रश्न करें।

- *वह व्यक्ति आपका फेवरेट देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी क्यों है?*
- *उन्होंने क्या काम किया था?*
- *उन्होंने जो भी किया था, वो क्यों किया था?*

इसके बाद निम्नलिखित क्लास एक्टिविटी करवाएं जिससे बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को समझ सकें और उन परिस्थितियों को भी सोच और समझ सकें जिनमें रह कर उन्होंने वो सब काम किए। बच्चे समझ सकें कि वे अपने पक्के इरादों के बल पर एक मुश्किल काम को बिना किसी प्रशिक्षण या सुविधाओं के भी अंजाम दे पाए ।

क्लास एक्टिविटी

'मेरा फेवरेट स्वतंत्रता सेनानी'

नीचे दिए गए कथन/वाक्य को बोर्ड पर लिख दे।

........................मेरा फेवरेट/मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी है क्योंकि...।

इसके लिए बच्चों को क्लास में कुछ समय लिखने के लिए दें ताकि बच्चे अपनी समझ से देशभक्ति डायरी में अपने मनपसंद देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी के नाम लिखें और यह भी लिखें कि वह उनका फेवरेट क्यों हैं।

यहाँ यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चा इस चर्चा में भाग ले और उत्तर दे।

होमवर्क

3.2.B हमारे स्वतंत्रता सेनानी

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें।

आपका मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी कौन है?
वह व्यक्ति आपका फेवरेट स्वतंत्रता सेनानी क्यों है?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

3.2.C क्लासरूम चर्चा: हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान

1 दिन

बच्चों से कहें कि अभी तक हमने स्वतंत्रता सेनानियों के नाम और काम को जाना अब इस बातचीत को आगे बढ़ाते हुए उन्हें ये सोचने के लिए प्रेरित करें कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के काम से देश को और देश के लोगों को क्या–क्या फायदा हुआ? यहाँ इस चर्चा का मकसद है कि **बच्चे यह जान सकें कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश के लिए और देश के लोगों के लिए जो भी किया निस्वार्थ भाव से किया। उन्होंने केवल अपने बारे में न सोच कर देश के बारे में और देश के लोगों के बारे में सोचा।**

इसके लिए सभी बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न करें।

स्वतंत्रता सेनानियों ने जो कुछ किया उससे आज हमें क्या फायदा मिल रहा है?

बच्चों को स्वयं ही जवाब देने दें और सहजता बरतते हुए यह सुनिश्चित करें कि क्लास का हर एक बच्चा अपने आप को जरूर अभिव्यक्त करे। जो बच्चे आज नहीं बोल पाए या लिख पाए उन्हें अगले दिन अगली एक्टिविटी पर जाने से पहले बोलने का अवसर जरूर दें।

3.2.D क्लासरूम चर्चा: आज़ादी से पहले देश की परिस्थितियाँ

1 दिन

यहाँ संक्षेप में उस समय की उन परिस्थितियों के विषय में चर्चा करनी है जिन में रहकर स्वतंत्रता सेनानियों ने जो भी काम किए वह देश की आजादी के लिए किये। उन परिस्थितियों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछें।

स्वतंत्रता सेनानियों ने जिन परिस्थितियों में देश की आजादी के लिए काम किया, क्या हम उनकी कल्पना कर सकते हैं?

इस प्रश्न के स्पष्ट उत्तर के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं जिससे बच्चों को उस ओर सोचने में मदद मिल सके

- *क्या उस समय टेलीफोन और इंटरनेट थे?*
- *क्या उस समय कार, जीप जैसे आने–जाने के आधुनिक साधन थे?*
- *क्या उस समय सबको न्याय मिल पाता था?*
- *क्या उस समय देशवासियों की पुलिस सहायता करती थी?*
- *क्या उस समय सबको शिक्षा, बिजली, पानी और चिकित्सा की सुविधा मिलती थी?*

यहाँ मकसद यह है कि बच्चे समझ सकें कि जिन परिस्थितियों में रहकर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आज़ादी की लड़ाई लड़ी, वह आसान नहीं थीं। साथ ही वे खुद को उन परिस्थितियों में रख कर ये समझ सकें कि आज जिस आज़ादी का आनंद हम ले रहे हैं इसके पीछे बहुत संघर्ष करना पड़ा।

यहाँ बच्चे यह समझ सकेंगे कि वह समय आज के समय से कितना अलग था, जिसमें उन्होंने इतना बड़ा संघर्ष किया और हमें आज़ादी दिलाई जिसके कारण हम आज यहाँ तक पहुँच पाए हैं।

जब बच्चे इन परिस्थितियों को अच्छे से समझ लेंगे तब क्लास एक्टिविटी कराई जाएगी। जिसमे वो उस समय की कल्पना करें जिसमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आज़ादी की लड़ाई लड़ी।

क्लास एक्टिविटी

'आँखें बंद कर अपने मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी के बारे में सोचना'

क्लास के सभी बच्चों को दो मिनट अपनी आँखें बंद कर अपने मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी के ज़माने के बारे में सोचने को कहें कि उस समय उनके लिए क्या क्या परिस्थितियाँ या चुनौतियाँ रही होंगी?

बच्चों से कल्पना करने को कहें अब आप भी वहीं पर हैं: जहां कोई फोन और इंटरनेट नहीं है, देश गुलाम है और देश को आज़ाद कराना है। आप मन में जोश के साथ अपने फेवरेट स्वतंत्रता सेनानी के साथ हैं।

सोचो! जब आप उस जमाने में अपने मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी के साथ थे, तब आपने क्या–क्या देखा और आप उस समय क्या कर रहे थे?

इसके बाद हर बच्चे से एक–एक कर अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें। बच्चे बता सकते हैं कि उन्होंने क्या–क्या महसूस किया?

ध्यान रखें कि बच्चों की कल्पना पर कोई प्रश्न या टिप्पणी न करे। उन्हें खुल कर अपने विचार व्यक्त करने दें। यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चा अपने विचार व्यक्त करे। यदि सही समझें तो बच्चों से उनकी कल्पना में आए विचारों को देशभक्ति डायरी में नोट करने को कह दें ताकि वे अपनी बारी आने तक भूल न जाएँ या दूसरों के विचारों से प्रभावित न हो जाएँ।

अध्यापक को चर्चा के दौरान बच्चों का ध्यान इस ओर लाना है कि वह समय कैसा था और उन्हे अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए किन–किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा ?

3.2.E क्लासरूम चर्चा: देशभक्त की कसौटी

1 दिन

बच्चों को बताएं कि अभी तक हमने स्वतंत्रता सेनानियों की उन परिस्थितियों के बारे में चर्चा की जिनसे गुजरते हुए उन्होंने बहुत से देशभक्ति के काम किये। इनके बारे में सोच विचार कर चर्चा करने के लिए बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें।

स्वतंत्रता सेनानियों ने विषम परिस्थितियों में आज़ादी की लड़ाई क्यों और कैसे लड़ी?

बच्चों को यह ध्यान दिलाने का प्रयत्न करें कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद स्वतंत्रता सेनानी हार कर नहीं बैठे और आज़ादी के लिए डट कर संघर्ष करते रहें और हमें आज़ादी दिलाई।

निम्नलिखित प्रश्नों का सहारा लेकर चर्चा को आगे बढ़ाएं।

- *स्वतंत्रता सेनानियों को ऐसा करके क्या मिला?*
- *क्या उन्होंने संघर्ष किया? यदि हाँ, तो उन्होंने क्या संघर्ष किया?*
- *क्या उनके पास कोई और भी विकल्प थे?*

संभवत: आखिरी प्रश्न के उत्तर में बच्चे ना ही बोलेंगे, ऐसी स्थिति में बच्चों को ध्यान दिलाए कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के पास भी एक विकल्प था कि वे कुछ भी ना करते। बच्चों से पूछें–

- *क्या कुछ कारण ऐसे हो सकते थे कि स्वतंत्रता सेनानी वो सब कुछ नहीं करते जो उन्होंने किया था?*
- *क्या कुछ ऐसे विचार हो सकते थे जो यदि उनके मन में आते तो उन्हें कुछ करने से रोकते?*

यहाँ उन विचारों की ओर बच्चों का ध्यान केंद्रित करेंगे जिससे लोग कुछ भी काम करने से रुक जाते हैं।

- *अगर उनके मन में कोई डर बैठ जाता तो!*
- *अगर वे ये सोच लेते कि कौन मुसीबत ले, हमें क्या मतलब!*
- *अगर उनको खुद पर विश्वास नहीं होता और सोचते कि, मैं अकेला क्या कर सकता हूं?*
- *अगर वे ये परवाह करते कि उनके घर वाले और अन्य लोग ये कहेंगे कि तुम ही क्यों चक्कर में पड़ रहे हो?*
- *अगर वे ये हिसाब लगाते कि इनसे उनको कुछ ज्यादा काम करना पड़ेगा!*
- *अगर वे सोचते कि कौन इतना समय लगाएगा?*
- *अगर वे लापरवाही और आलस्य करते तो !*

बच्चों को यह चर्चा करने दें कि यदि उपरोक्त विचार स्वतंत्रता सेनानियों के मन में आ जाते, तो क्या होता ?
क्या वे अपने उद्देश्यों में सफल हो पाते ?

यहाँ बच्चों को अपनी ओर से कोई उत्तर न दें। उन्हें खुलकर अपने विचार व्यक्त करने दें।

आगे की चर्चा के लिए बच्चों को कुछ ऐसा सोचने के लिए कह सकते हैं कि अगर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने कुछ नहीं किया होता, तो आज हम कहाँ होते, हमारी क्या स्थिति होती?

सोचिए, अगर स्वतंत्रता सेनानियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी, साहस दिखा कर आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा न लिया होता तो आज हम कैसा जीवन जी रहे होते और हमारे साथ क्या–क्या होता?

इस प्रश्न से बच्चे यह सोचने को बाध्य होंगे कि स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान और संघर्ष हमारे लिए कितना मायने रखता है। आज उनके संघर्ष की वजह से ही हम कहाँ से कहाँ तक पहुँच गए हैं।

यहाँ मकसद यह है कि बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष को समझ सकें और अपने आप को उनके स्थान पर रख कर देशभक्त होने की भावना को महसूस कर सकें । साथ ही वे यह भी समझ सकें कि जिस आजादी का आज हम आनंद ले रहे हैं और जिस खुली हवा में हम सांस ले रहे हैं वह हमें कितने संघर्षों के बाद मिली है। बच्चे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और त्याग को समझ पाएँ और यह भी समझ पाएँ कि सिर्फ संघर्ष और त्याग ही नहीं अपितु अपने मन के विचारों पर जीत पा कर उन्होंने हमें आजादी दिलाई है। वे यह भी सोच सकते थे की 'कोई और कर लेगा या मुझे फर्क पड़ता है', 'जैसा है वैसा चलने दो', 'जो हो रहा है सब के साथ है केवल मेरे साथ नहीं,' तो हमें आजादी नहीं मिलती। वे चुप नहीं बैठे बल्कि उन्होंने परिस्थितियों के विपरीत संघर्ष कर आंदोलन चलाए और देश को आजादी दिलाई। अब, आज के समय में बदलती परिस्थितियों के साथ उसे कैसे सहेज कर रखना है। यह भी समझना आवश्यक है कि देशभक्त केवल त्याग और संघर्ष से ही नहीं बल्कि अपने आलस्य, लापरवाही और नकारात्मक विचारों को छोड़ सकारात्मक सोच से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हुए काम करता है, अपनी जिम्मेदारी समझता है और कर्तव्यों का पालन करता है।

यहाँ ऊपर की गई बातों को एक बार फिर से दोहरा कर इस भाग का समापन करेंगे।

एक्टिविटी 3.3

देशभक्त की आवश्यकता

3.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

अब तक हमने स्वतंत्रता से पहले वाले देशभक्तों के बारे में जाना और समझा। देशभक्त दो प्रकार के होते हैं यह बताने के लिए निम्न वाक्यों को बोर्ड पर लिख दें।

- पहले वो जो देश की आज़ादी के लिए लड़े और अपनी जान दे दी ।
- दूसरे वो जो आज़ादी के लिए नहीं लड़े पर आज़ादी के बाद सीमा पर खड़े हो कर अपनी जान देने के लिए हैं।

यहाँ मकसद यह है कि बच्चे यह सोच पाएं कि समय के साथ देशभक्तों के काम करने का तरीका भी बदल गया।

नोट: यहाँ बच्चों को अपनी ओर से कोई उत्तर न दें। उन्हें स्वयं इस विषय पर चर्चा करने दें।

3.3.B क्लासरूम चर्चा: वर्तमान में देशभक्तों की आवश्यकता

3–4 दिन

अब तक हमने स्वतंत्रता से पहले के देशभक्तों जैसे महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, वीर सावरकर, मंगल पांडे, तात्या टोपे, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, आदि के काम और परिस्थितियों के बारे में चर्चा की। इन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और बहुत से लोगों ने तो अपनी जान भी गंवा दी।

अब हम बात करते हैं–स्वतंत्रता के बाद और वर्तमान परिस्थिति की।

- तो क्या हमें आज़ादी के बाद भी देशभक्तों की जरूरत थी?

आज हम एक स्वतंत्र देश हैं, हमारी आज़ादी को लगभग 75 साल हो गए हैं और देश की वर्तमान परिस्थितियाँ भी पहले जैसी नहीं हैं। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

क्या आज भी देश को देशभक्तों की जरूरत है? अगर है, तो क्यों?

संभव है कि बच्चे इसका जवाब हाँ में ही दें। हो सकता है कि बच्चे स्पष्ट रूप से ये न बता पाएं कि आज भी देश को देशभक्तों की जरूरत क्यों है? बच्चे के कुछ संभावित उत्तर जैसे हमें आजादी को संभाल कर रखना है, देश को दुश्मनों से बचाना है, देश का नाम रोशन करना है आदि हो सकते हैं।

नोट: बच्चों को खुल कर उत्तर देने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सोचने के लिए प्राम्प्ट्स/संकेत दे सकते हैं।

आज़ादी के बाद की परिस्थितियाँ और चुनौतियां पहले से अलग हैं। इसके लिए बच्चों के साथ सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा कर सकते हैं। इसके लिए हर बच्चे को सोच विचार कर उत्तर देने को कहें।

- *वर्तमान परिस्थितियों में हमें कैसे देशभक्त चाहिए?*
- *क्या हमें आज भी सीमा पर देशभक्त सैनिक चाहिए?*
- *क्या हमें अपने आस पास भी देशभक्त चाहिए?*
- *क्या हमें अपनी आज़ादी को बनाए रखने के लिए देशभक्तों की ज़रूरत है?*
- *आज हमें कैसे पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी, डॉक्टर, इंजीनियर, नेता, दुकानदार, अध्यापक आदि की ज़रूरत है?*
- *क्या हमें देशभक्त पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी, डॉक्टर, इंजीनियर, नेता, दुकानदार, अध्यापक आदि की ज़रूरत है? क्यों?*

अब बच्चों से निम्नलिखित महत्वपूर्ण प्रश्न पूछें:

देश को कितने देशभक्त चाहिए और ये कहाँ से आएंगे?
क्या कुछ ही देशभक्त चाहिए या सभी देशभक्त होने चाहिए? क्यों ?

इस चर्चा का मकसद यहा है कि बच्चे जान सकेंगे कि आज देश के हर व्यक्ति का देशभक्त होना जरूरी है और इसके लिए उसे क्या–क्या काम करने होंगे। धारणा यही बनी हुई है कि हमें भगत सिंह जैसा बलिदानी तो चाहिए पर वो हमारे घर से नहीं बल्कि पड़ोसी के घर से आने चाहिए। कहने का अर्थ यह है कि लोग बलिदान की भावना का सम्मान तो करते हैं और बलिदानी को महान भी मानते हैं पर बलिदान देने के लिए खुद को आगे करने से बचते हैं।

एक्टिविटी 3.4

स्वतंत्रता के बाद के देशभक्त

3.4.A पिछ्ली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 5–10 मिनट

बच्चों से सामूहिक रूप से पिछली एक्टिविटी पर बात करें। **बच्चों से कहें कि हमने देशभक्त के रूप में स्वतंत्रता सेनानियों की बात की और चर्चा कर यह निष्कर्ष निकाला कि जब हम देशभक्त के रूप में उन्हे देखते हैं तो हम उनके त्याग और बलिदान को याद करते हैं। उन्होंने देश की आज़ादी के लिए बहुत–सी लड़ाईयाँ लड़ी, कई बार जेल भी गए और देश की आन, बान और शान पर बलिदान देकर देशभक्त कहलाये। अब बच्चों का ध्यान इस ओर लाना है कि यह सब तो आजादी से पहले की बात थी। अब आगे हम आज़ादी के बाद की बात करेंगे।**

3.4.B क्लासरूम चर्चा: स्वतंत्रता के बाद के देशभक्त

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को आज़ादी से पहले के समय से आज़ादी के बाद के समय में लाने के लिए सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न करें:

आज़ादी के बाद के देशभक्त कौन हैं? ऐसे कुछ देशभक्तों के नाम बताइए।

बच्चे सामूहिक रूप से प्रश्न पर सोच विचार करेंगे तथा एक–एक कर अपना उत्तर देंगे ।

यहाँ मकसद है कि बच्चे समझ सकें कि आजादी के बाद, बदलते समय के साथ हमारी अपने देश के प्रति प्यार तथा सम्मान की भावनाएं तो समान रहीं परन्तु उन्हें व्यक्त करने के तरीके अलग अलग रूप में दिखाई दिये। आज़ादी से पहले जहाँ देश को आज़ाद कराने के लिए मर मिटने वाले लोगों की जरुरत थी वहीं आज़ादी के बाद देश को आगे बढ़ाने वाले ऐसे देशभक्तों की जरुरत रही जो देश को विकास की राह पर ले जा सकें।

ध्यान रखें कि ये बातें बच्चों से चर्चा के दौरान निकल कर आयें। इसके लिए दिए कुछ प्रश्नों द्वारा चर्चा को आगे बढ़ाएं।

- *क्या अब भी देश की आजादी के लिए आंदोलन चलाना होगा? तो अब क्या–क्या करना होगा?*
- *अब तक लोगों ने क्या किया? कैसे आगे बढ़े थे? देश के लिए क्या–क्या किया?*

टिप

यहाँ ध्यान दें कि वे बच्चों को आज़ादी के बाद के देशभक्तों के नाम ही सुझाने में मदद करें – इसके लिए बच्चों को निम्नलिखित संकेत/सुझाव दे सकते हैं।

ऐसे देशभक्त जिन्होंने:

1. कड़ी मेहनत से व्यक्तिगत उपलब्धियां पाने वाले:

- कड़ी मेहनत से ऐसी व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल की जिससे देश और दुनिया में उन्हें प्रसिद्धि मिली।
- हर देशवासी दुनिया के सामने बड़े गर्व से बताते है कि, यह व्यक्ति मेरे देश का नागरिक है।
- **सचिन तेंदुलकर, राकेश शर्मा, कपिल देव, साइना नेहवाल, लता मंगेशकर, पुलेला गोपीचंद, मीराबाई चानू, पीवी संधू आदि।**

2. देश की जरूरतों को समझते हुए मेहनत से काम करने वाले:

- अपने देश की जरूरतों को समझते हुए कड़ी मेहनत और सूझबूझ से ऐसे काम किये जिससे लाखों लोगों को जिंदगी में फायदा हुआ हो।
- **एपीजे अब्दुल कलाम, नारायण मूर्ति, अजीम प्रेमजी, विक्रम साराभाई, सर सैयद अहमद खान, आर के लक्ष्मण......**

3. महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए जान की बाजी लगा कर देश की रक्षा करने वाले:

- किसी पद पर रहते हुए अपनी जान की बाजी लगाई।
- बहादुरी से अपने पद पर होने का फर्ज निभाया हो।
- लोगों की जान की रक्षा की हो।
- **सैनिक/फौजी, सिपाही, कोरोना के समय इलाज करने वाले डॉक्टर और अस्पताल के का स्टाफ/कर्मचारी ......**

4. पद को संभालने के साथ आलोचना और विरोध का सामना करते हुए देश के लोगों की भलाई के लिए काम करने वाले :

- किसी पद पर रहकर कड़ी मेहनत, समझदारी और ईमानदारी से ऐसा काम किया हो जिससे देश के लोगों को फायदा मिला हो।
- अपने पद पर लीक से हटकर काम किया हो भले ही उसके लिए उन्हें आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ा हो ।
- अपने इरादे और अपनी दूर दृष्टि से लोगों के लिए निस्वार्थ काम करते रहे।
- **सरदार वल्लभ भाई पटेल, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, मेट्रो मैन ई. श्रीधरन, टी. एन. शेशन.....**

5. बिना पद पर रहते हुए भी समाज और देश के लिए काम करने वाले:

- बिना किसी पद पर रहते हुए भी समाज और देश के किए जीवन लगा दिया हो।
- लोगों के दुख–दर्द, समस्याओं को समझा और व्यक्तिगत रूप से या अन्य लोगों को साथ लेकर अपनी मेहनत के दम पर लोगों के कल्याण के लिए काम किए हों।
- **कैलाश सत्यार्थी, सुंदरलाल बहुगुणा, दशरथ मांझी, नानाजी देशमुख, जयप्रकाश नारायण, अन्ना हजारे....**

बच्चों को बताएं कि इसके अलावा और भी बहुत से ऐसे लोग हो सकते हैं जिन्होंने अपने देश या प्रदेश का नाम ऊँचा किया हो या लोगों की भलाई का कोई काम किया हो। हो सकता है कि बच्चे अपने आप ही कुछ नाम सोच कर बताएं और चर्चा के दौरान वे कुछ और भी नाम सोच लें। ऐसे में बच्चों का हौसला बढ़ाएं और उन्हें प्रोत्साहित करें।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बच्चों से पूछना है, कि–

- *ये लोग देशभक्त क्यों हैं?*
- *क्या वो लोग देशभक्त हैं जो देश के लिए सीमा पर अपनी जान जोखिम में डालते हैं, दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन लगाते हैं और दूसरों की बहुत परवाह करते हैं?*

क्लास एक्टिविटी

'आज़ादी के बाद के देशभक्तों की सूची तैयार करना'

ऊपर की गई चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ देशभक्तों के नाम सोच कर लिखने को कहें। प्रश्न को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को अपने मन में सोच कर अपनी पसंद के देशभक्तों के नाम लिखने को कहें। यहाँ बच्चे यह भी सोचेंगे कि वे उन्हें देशभक्त क्यों मानते हैं? उनमें ऐसी क्या खास बात है? ये बिंदु सिर्फ बच्चो को सोचने में मदद करेंगे। इन पर कुछ लिखने की ज़रुरत नहीं है।

आज़ादी के बाद के अपने मनपसंद पाँच देशभक्तों के नाम लिखें।

बच्चों से कहें कि वे थोड़ा सोच कर आज़ादी के बाद के अपने मनपसंद पाँच–पाँच देशभक्तों के नामों की सूची अपनी देशभक्ति डायरी में बनाएँ ।

यहाँ मकसद यह है कि बच्चे व्यापक रूप में समझ सकें कि स्वतंत्रता सेनानियों के अलावा ऐसे लोग भी देशभक्त हैं जो दूसरों की निस्वार्थ सेवा में अपना जीवन लगाते हैं, दूसरों की परवाह करते हैं, अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं और अपने देश का नाम ऊँचा करने की कोशिश करते हैं।

यह बात बच्चों से चर्चा के दौरान उनसे ही निकल कर आनी चाहिए। बिना कोई टिप्पणी दिए, बच्चों को आज़ादी के साथ सोचने का पूरा मौका दें।

3.4.C :क्लासरूम चर्चा: देशभक्तों का योगदान और उनकी चुनौतियाँ

लगभग 1–2 दिन

बच्चों ने जिन देशभक्तों के नामों पर पिछली एक्टिविटी में बात की है, अब उनके योगदान और परिस्थितियों के बारे में चर्चा कर यह समझ बनाएंगे की उन्होंने किन परिस्थितियों में देश और देश के लोगों के लिए काम किए। इसके लिए बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पर चर्चा करें:

जिन देशभक्तों के बारे में हमने पिछली एक्टिविटी में चर्चा की, उनका योगदान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से अलग कैसे था?

ध्यान रखें कि इस प्रश्न का उत्तर बच्चों से चर्चा के दौरान उनके अंदर से ही निकल कर आये। इस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करने के लिए उनसे कुछ इस प्रकार के प्रश्न पूछें:

- *क्या उन्होंने अपने देश के झंडे का मान बढ़ाया?*
- *क्या वे देश की मिट्टी को रोज़ माथे पर लगते थे?*
- *क्या इनको भी अपनी जान देनी पड़ी थी?*
- *इन्होंने देश में क्या–क्या योगदान दिया था?*
- *क्या उन्होंने देश की तरक्की के लिए कुछ किया?*
- *क्या उन्होंने देश के लोगों के लिए ऐसा कुछ किया जिससे उनका जीवन आसान हो गया?*

यहाँ मकसद यहा है कि बच्चे व्यापक रूप में समझ सकें कि स्वतंत्रता सेनानियों के अलावा ऐसे लोग भी देशभक्त हैं जो दूसरों की निस्वार्थ सेवा में अपना जीवन लगाते हैं, दूसरों की परवाह करते हैं, अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने देश का नाम ऊंचा करने की कोशिश करते हैं।

कोशिश करें कि यह बात चर्चा के दौरान बच्चों से ही निकल कर आए। इस पर अपनी कोई टिप्पणी न दें और बच्चों को आज़ादी के साथ सोचने का पूरा मौका दें ।

बच्चों से स्वतंत्रता के बाद के उन देशभक्तों की परिस्थितियों और उनके जीवन में आयी चुनौतियों के बारे में थोड़ी और चर्चा करने को कहें। चर्चा के दौरान बच्चों को उस समय की परिस्थितियों के बारे में सोचने पर मजबूर करें जिससे वे यह समझ पाएं कि "वह समय आज से कितना अलग था?" उस समय आज की तरह की आज़ादी, सुविधाएं और टेक्नोलॉजी भी नहीं थी। गुलामी के बावजूद उन्होंने लोगों को इकट्ठा किया, अपने अधिकारों के प्रति सजग किया और इतने बड़े–बड़े संघर्ष चलाए। उन्होंने इन सब कामों को उन परिस्थितियों में कई चुनौतियों का सामना करते हुए किया। जब बच्चे इन सब बातों को समझेंगे तभी मानेंगे कि उस समय जो भी किया गया वो कितना संघर्ष पूर्ण था।

बच्चों से पूछ सकते हैं कि:

- *स्वतंत्रता सेनानियों के सामने कौन–कौन सी चुनौतियाँ आई होंगी?*

चर्चा में आगे बढ़ाने के लिए कुछ सूचित बिंदुओ को बच्चों के सामने प्रस्तुत करेंगे। ऐसे कुछ बिंदु नीचे दिए गए हैं:

- *संघर्ष के लिए क्या चाहिए था?*
- *लोग कहाँ से, कैसे, कितने और क्यों आए होंगे?*
- *उन तक सभी सूचनाएँ कैसे पहुँचती होंगी?*
- *उनको आवश्यक सामान कैसे पहुँचाए जाते होंगे?*
- *पूरे देश में अधिक से अधिक लोगों को कैसे जोड़ा गया होगा?*

होमवर्क

3.4.D स्वतंत्रता के बाद के देशभक्त

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें।

आपका स्वतंत्रता के बाद का मनपसंद देशभक्त व्यक्ति कौन है?
वह व्यक्ति आपका फेवरेट क्यों हैं? क्या आप उनके द्वारा किए गए कुछ ऐसे कार्य बता सकते हैं जिससे देश को और आपको फायदा हुआ हो?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

अब तक हमने बच्चों के साथ **इस सोच को विकसित किया कि स्वतंत्रता के पहले हमने देशभक्तों को शहीद के रूप में या देश के लिए त्याग करते हुए देखा, लेकिन स्वतंत्रता के बाद भी जब देश में बहुत कुछ विकसित करने की जरूरत थी तो देशभक्तों की** मेहनत रंग लाई। **उनकी देशभक्ति, दूसरों की भलाई करने में और देश का विकास करने में दिखाई दी। यहाँ पर बच्चों ने यह भी जाना की बदलते समय के साथ देशभक्त की आवश्यकता रही पर उनके कार्य करने का तरीका बदल गया । और यह बात और सोच हमारे अगले भाग का आधार भी है।**

3.4.E क्लासरूम चर्चा: ज़रा सोच कर देखें

लगभग 1–2 दिन

यहाँ बच्चों से कुछ प्रश्न पूछ कर इस बात को सोचने के लिए कहें कि देशभक्तों का कार्य देश के लिए महत्वपूर्ण क्यों था? अगर बच्चे यह सोच पाएँ कि यदि देशभक्त वो न करते जो उन्होंने किया, तो क्या होता? या उन्होंने अपने काम को या देश को ऊपर क्यों रखा? बच्चों को इन प्रश्नों के उत्तर सोचने को कहें।

क्या होता अगर दुश्मन की फौज को आगे बढ़ते देखकर हमारा देश भक्त फौजी डर गया होता तो......

संभावित उत्तर हो सकता है कि दुश्मन देश की सेना, हमारे देश की सीमा के अंदर घुस आई होती। यहाँ पर बच्चों का ध्यान इस और ला सकते हैं कि ''आज अगर सीमा पर खड़ा फौजी निष्ठा से और लगन से काम न करें तो देश का हाल क्या होगा?'' वह फौजी जो ईमानदारी और मेहनत से अपनी ड्यूटी कर रहे हैं– वे देशभक्त हैं।

ज़रा सोचो कि स्वतंत्रता के बाद देशभक्तों ने लोगों को परेशान होते हुए देखकर अगर चुप्पी साध ली होती, आलस किया होता..... लेकिन उन्होंने.....

बच्चे उनके कामों के महत्व के बारे में जान पाएं कि कैसे वे दूसरों के दुख को देखकर खुद को नहीं रोक पाए। बच्चे विश्लेषण कर पाएं और उनके संघर्ष को इस दृष्टिकोण से समझ सकें कि उपलब्धियों के पीछे कितनी सारी चुनौतियाँ थी। जिनको मेहनत और लगन से पार करके वे लोग देश के लिए कुछ कर पाए।

क्लास एक्टिविटी

'देशभक्तों के गुणों की सूची तैयार करना'

बच्चों ने अब तक देशभक्तों के बारे में और उनकी नीतियों के बारे में अच्छे से विश्लेषण कर लिया। इससे उनकी देशभक्तों के किन गुणों के बारे में समझ बनी है, इसके बारे में जानने के लिए, नीचे दिए गए प्रश्न को बोर्ड पर लिख दें। इससे बच्चे देशभक्तों के बारे में की गई चर्चा के आधार पर अपनी समझ से देशभक्तों के गुणों को लिखें।

अपनी देशभक्ति डायरी में एक देशभक्त के गुणों की सूची तैयार करें। क्या मुझ में एक देशभक्त होने के गुण हैं? कोई एक गुण लिखिए।

बच्चे अब तक देशभक्तों के बारे में चर्चा करके यह जान गए होंगे कि "एक देशभक्त में क्या–क्या गुण होने चाहिए?" इस चर्चा से सीखी हुई बातों को और मज़बूत करने के लिए बच्चों से अपनी देशभक्ति की डायरी में ऐसी एक सूची बनाने को कहें।

बच्चे अपनी अब तक की बनाई हुई समझ के अनुसार जितने भी गुण सोच सकते हैं उनको अपनी डायरी में लिखेंगे और फिर हर बच्चा एक–एक गुण को पढ़ कर बताएगा।

जब बच्चे अपनी डायरी से देशभक्त के गुण बताएँ तो यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चे को अपनी डायरी से देशभक्त के गुण बताने का मौका जरूर मिले और वे एक जैसी ही बातें बार–बार न बोलें।

होमवर्क

3.4.F क्या आप देशभक्त हैं?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें।

क्या आप देशभक्त हैं? कोई एक कारण बताएं कि आप देशभक्त क्यों हैं?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 3.5

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

अधिकतम 1 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगें। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन–मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश के सम्मान के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

''देशभक्त कौन?'' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें और साथ ही उन्हे बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नही की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगे।

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जो मुझे मेरे स्कूल में देशभक्त साबित करते हैं ?

1.
2.
3.
4.
5.

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं जो मुझे स्कूल के बाहर मेरे घर, मोहल्ले और शहर में भी देशभक्त साबित करते हैं ?

1.
2.
3.
4.
5.

नोट

यह एक सैल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए ही चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। अध्यापक उनके कार्य पर एक नज़र डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ्लैग डे

मेरे व्यवहार का तिरंगे पर प्रभाव

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

अधिकतम 1 दिन

पहली एक्टिविटी में बच्चों ने जाना कि उन्हें अपने व्यवहारों से अपने साथी– अपने तिरंगे झंडे को गौरवान्वित करना है। इसके लिए बच्चे हर चैप्टर के अंत में स्व निरीक्षण **(self analysis)** करेंगे कि किन व्यवहारों से उसके झंडे को भी उस पर गर्व महसूस होता है। इससे वे यह भी समझ सकेंगे की उनका हर व्यवहार देश को प्रत्ययक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

फ़्लैग एक्टिविटी–1 में बच्चों ने जो अपना–अपना फ़्लैग बनाया था, अब वे उसी से सम्बंधित इस एक्टिविटी के पहले दिन, अपने अभी तक के व्यवहारों, सोच–विचारों, कामों, आदि को नीचे दी गई दो श्रेणियों के अनुसार अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में लिखेंगे –

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा खुश हुआ है –	मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा दुखी हुआ है –
1.	1. ....
2.	2. ....
3.	3. ....
4.	4. ....

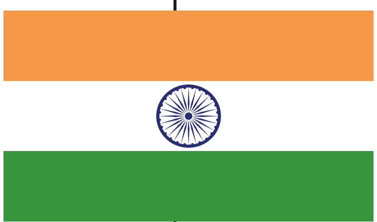

इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को पूरा समय दें और कोशिश करें कि हर बच्चा दोनों श्रेणियों के अंतर्गत, कम से कम अपने पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखे। बच्चों को बताएं कि यदि वे इस सूची में कुछ और लिखना चाहें तो वे बाद में भी इसमें जोड़ सकते हैं।

फिर इस बारे में क्लास में चर्चा करें और बच्चों को उनके व्यवहारों, विचारों और कामों आदि को दोनों श्रेणियों के अंतर्गत साझा करने के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चे अपने अच्छे और कुछ कम अच्छे कामों की ज़िम्मेदारी लेना भी सीख सकेंगे। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों आदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी कर रहे हैं।

नोट

बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनके किसी भी व्यवहार के लिए उन्हें जज नहीं किया जाएगा या उनके किसी भी व्यवहार के आधार पर उन्हें अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जाएगा। बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें परन्तु उन्हें अपने विचार सबके साथ साझा करने के लिए बाधित न करें।

देशभक्ति 4

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि वास्तव में देशभक्ति के क्या मायने हैं।
- बच्चे देशभक्ति की भावना की समझ बना सकेंगे और अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर पाएँगे।
- बच्चे देश से प्यार करने, देश का सम्मान करने और देशभक्ति की भावना में अंतर व संबंध को समझ सकेंगे।
- बच्चे इस बात के लिए अपनी समझ बना सकेंगे कि देशभक्ति का भाव वास्तव में जीवन के हर एक पहलू से जुड़ा है।
- बच्चे व्यापक रूप से ये जान सकेंगे कि देश का हर एक व्यक्ति अपनी सोच, काम और व्यवहार से अपनी देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करता है और अपने देशभक्त होने का एहसास दिलाता है।
- बच्चे अपने मन में दबी देशभक्ति की भावना से परिचित हो सकेंगे और स्वयं अपनी देशभक्ति की जाँच कर सकेंगे।

एक्टिविटी 4.1

देशभक्ति

शुरूआती चर्चा

लगभग 1 दिन

बच्चों को बताएं कि यह चैप्टर एक जापानी कहानी से शुरू करेंगे–

नोट

कहानी सुनाने से पहले बच्चों को स्पष्ट कर दें कि यह एक सच्ची कहानी है अथवा इसे सही मायने में देशभक्ति को समझाने के लिए जापान के लोगों ने अपने मन से गढ़ा है ऐसा कहना मुश्किल है। लेकिन इस कहानी के आधार पर हम जरूरी बातों पर चर्चा तो कर ही सकते हैं।

क्लास एक्टिविटी

'कहानी सुनाना'

बच्चों को नीचे दी गई कहानी सुनाएँ:
जापान की एक बड़ी मशहूर कहानी है। सुना है वहाँ पर एक खतरनाक चोर था। गाँव के लोग मेहनत से जो भी खाने–पीने का सामान या पैसा कमाकर घर में रखते थे वह चोर चुरा कर ले जाता था। कभी–कभी अगर किसी घर में लोग जाग जाते तो वे उसका विरोध भी करते। विरोध करने पर चोर उनकी हत्या भी कर देता था। एक बार वह किसी के घर चोरी करने के इरादे से पहुँचा। वह जिस घर में चोरी करने पहुँचा घर के मालिक ने ग्रामोफोन पर राष्ट्रगान बजा दिया।
राष्ट्रगान सुनते ही चोर सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया। घर के मालिक ने चोर को बाँधा और पुलिस बुला ली। चोर पर मुकदमा चला। कानून के मुताबिक उसको 1 महीने के लिए जेल में डाला जाना था, लेकिन अदालत ने चोर की देशभक्ति की तारीफ करते हुए उसे रिहा कर दिया।

बच्चों से पूछे कि आपको क्या लगता है:

क्या वह चोर आपकी नजर में देशभक्त था?

यहाँ बच्चों को केवल सोचने की ओर अग्रसर करना है, उनसे कोई और चर्चा विस्तार से नहीं करनी, इस पर विस्तार से चर्चा हम अगली एक्टिविटी के बाद करेंगे।

बच्चों की सोच को दिशा देने के लिए कहानी सुनाने के बाद बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्नों को रखें।

- *क्या वह चोर अपने देश से प्यार करता है?*
- *क्या वह अपने देश का सम्मान करता है?*
- *क्या आपके अनुसार वह देशभक्त है?*
- *क्या आप उसकी देशभक्ति में कुछ अधूरापन भी देखते हैं?*

उपरोक्त प्रश्नों के माध्यम से बच्चों के अंदर देशभक्ति भावना और उसमें अधूरेपन की समझ के लिए विचार पैदा करने हैं। हो सकता है कुछ बच्चे चोर की देशभक्ति पर प्रश्न उठाएंगे वहीं कुछ बच्चे चोर की देशभक्ति की सराहना भी करेंगे। बिना किसी निर्णय पर पहुंचे इस विषय को यहीं पर छोड़ देना है क्योंकि आगे की एक्टिविटी में बच्चे स्वयं ही इस मुद्दे पर अपनी समझ को और बढ़ा सकेंगे।

नोट

इस कहानी के माध्यम से बच्चे देशभक्ति को लेकर अपनी–अपनी राय रखेंगे। कोशिश करें कि सभी बच्चे अपने विचार खुलकर सबके साथ साझा करें।उनके किसी भी विचार को गलत या सही न बताएं।

एक्टिविटी 4.2

देशभक्तों के दिल में क्या भावना होती है?

4.2.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी में बातचीत कर हमने बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया था कि कोई ऐसा व्यक्ति जो देश के लोगों को, देश की संपत्ति को या फिर देश के नाम को नुकसान पहुँचाता हैं लेकिन वह राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान में सबसे आगे रहता है, तो क्या हम उसे देशभक्त कह सकते हैं? क्या हम उसकी देशभक्ति में हम कुछ अधूरापन देखते हैं? अब हम इस चर्चा को पिछले अध्याय में की गई देशभक्तों की चर्चा पर भी लेकर जाएंगे। इसके लिए बच्चों को यह एहसास दिलाने का प्रयास करेंगे कि जिन देशभक्तों की हमने पिछले अध्याय में बात की थी उनके लिए देशभक्ति के क्या मायने थे। उनके दिलों में देशभक्ति की भावना किस–किस चीज या घटना के प्रति थी।

4.2.B क्लासरूम चर्चा: देशभक्तों के दिल में देशभक्ति की भावना

1–2 दिन

पिछले चैप्टर में हमने कुछ देशभक्तों के बारे में चर्चा की थी।

- हमने ऐसे देशभक्तों के बारे में चर्चा की थी जिन्होंने देश को आजादी दिलाई।
- हमने ऐसे भी देशभक्तों के बारे में चर्चा की थी जिन्होंने आजादी के बाद देश को सुरक्षित बनाए रखने में अथवा आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान दिया।

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की देशभक्ति क्या केवल राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तक सीमित थी या उनके दिल में इसके अलावा भी कुछ था?

देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में हमने पिछले चैप्टर में चर्चा की थी, उनमें से कुछ के नाम लेकर बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न करें:

- *क्या वे केवल देश के तिरंगे का सम्मान करते थे?*
- *क्या वे केवल देश के राष्ट्र गीत का सम्मान करते थे?*
- *उनकी देशभक्ति किसके लिए थी?*
- *उनके मन में पीड़ा किसके लिए थी?*
- *महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर, मंगल पाण्डे, तात्या टोपे, बाल गंगाधर तिलक, महारानी लक्ष्मी बाई जैसे तमाम स्वतंत्रता सेनानियों की देशभक्ति किसके लिए थी?*
- *राष्ट्रगान के लिए? पर उस समय तो राष्ट्रगान था ही नहीं!*
- *राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए? पर उस समय तक तो हमारा राष्ट्रीय ध्वज था ही नहीं!*

इस चर्चा के माध्यम से बच्चों का ध्यान इस ओर लाने का प्रयास किया गया है कि देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों के दिलों में देशभक्ति की भावना अपने राष्ट्र के लोगों के लिए थी, पूरे राष्ट्र के लिए थी और राष्ट्र की एक –एक चीज के लिए थी। उनकी देशभक्ति केवल राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तक सीमित नहीं थी।

बच्चों से चर्चा करें कि देशभक्त महापुरुषों को, जिन्हें हम आज भी याद करते हैं और उनके प्रति कृतज्ञता के भाव में रखते हैं, उनकी देशभक्ति किसके लिए थी? उस वक्त उनकी नजरों के सामने क्या था?

- देश के लोग
- अंग्रेजों का अत्याचार
- अपने लोगों का दर्द
- अपने देश के संसाधनों की लूट
- उन्हें यह अच्छा नहीं लगता था कि अपनी धरती के लोगों और संसाधनों पर विदेशियों का राज हो
- उनका मानना था कि अगर अपने देश पर अपने लोगों का राज होगा तो देश के लोगों का विकास तेजी से हो सकेगा

इसी चर्चा को आगे ले जाते हुए अब बच्चों से आजादी के बाद के देशभक्तों की देशभक्ति के बारे में भी पूछेंगे ।

आज़ादी के बाद के देशभक्त महापुरुषों की देशभक्ति किसके लिए थी?

बच्चों की समझ इस ओर मजबूत करनी है कि देशभक्तों ने केवल तिरंगे का ही सम्मान नहीं किया बल्कि इसके नीचे खड़े लोगों का भी सम्मान किया।

देश को आज़ादी दिलाना, देश की तरक्की के लिए मेट्रो और सड़कें बनाना, वैज्ञानिक खोज और विकास के कई काम आदि भी देशभक्ति के ही काम हैं।

निम्नलिखित अथवा इनके अलावा भी कुछ, देशभक्तों के एक–एक करके नाम लेकर बच्चों से चर्चा करें जो आजादी के बाद के भारत में अपनी देशभक्ति के लिए जाने गए जैसे कि, मिसाइल मैन कलाम साहब, मेट्रो मैन श्रीधरण।

- डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने विदेश में रह कर आराम से वकालत ना करके अपने देश में रहकर ही देश की सेवा करने का फैसला लिया और भारत के संविधान के निर्माता बने।[1]
- सुभाष चंद्र बोस ने भी ICS की परीक्षा पास की और वे आरामदायक दायक जीवन जी सकते थे, परंतु उन्होंने सब कुछ त्याग के आजाद हिंद फौज की स्थापना की और देश की आजादी की लड़ाई में कूद गये।[2]
- कलाम साहब अपनी मेहनत और लगन से पढ़ाई कर एक वैज्ञानिक बने और देश में आधुनिक मिसाइल और नुक्लेअर वेपन्स के निर्माण में भागीदारी कर देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया।[3]
- मेट्रो मैन श्रीधरन साहब ने अपनी पढ़ाई–लिखाई और टेक्नोलॉजी की समझ का इस्तेमाल इस तरह से किया कि दिल्ली जैसे भीड़भाड़ भरे शहर में जहाँ बहुत सी जगह पर तो पैदल चलने के लिए भी जगह नहीं है वहां से भी लोगों के आसानी से आने जाने के लिए मेट्रो लाइन बिछा दी।[4]
- माउंटेन मैन दशरथ मांझी, जिन्होंने अकेले ही एक बड़े पहाड़ को केवल एक छैनी और हथौड़ी से लगातार 22 सालों तक तोड़ा और एक लंबे और घुमावदार रास्ते को बहुत छोटा और सीधा बना दिया जिससे वहाँ के लोगों को अस्पताल तक जाने में आसानी हो सके।[5]
- कारगिल के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन विजयंत थापर, कैप्टन नैयर आदि ने जब देशभक्ति दिखाने का मौका आया तो अपनी देशभक्ति राष्ट्रीय प्रतीकों से प्यार और सम्मान तक सीमित नहीं रखी बल्कि देश के लोगों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।[6]
- नारायण मूर्ति, अजीम प्रेमजी जैसे उद्यमियों ने ना सिर्फ भारत का नाम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ाया बल्कि बेरोजगारी से जूझ रहे भारत के लिए लाखों नौकरियों के अवसर खोले। उन्होंने भी अपने देशभक्ति केबल राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान

और प्यार तक सीमित नहीं रखी।[7]

- कोरोना महामारी के समय सबसे ज्यादा साहस का काम किया उन डॉक्टर, नर्स और अस्पताल के कर्मचारियों ने जिन्हें यह पता था कि जिन अस्पतालों में कोरोना के मरीज भर्ती हैं वहाँ खुद उनके बीमार होने से खुद की जान जाने का खतरा है। इस खतरे के बावजूद अस्पतालों में कोरोना के शिकार हुए भारतवासियों की जान बचाने के लिए उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाली और लाखों लोगों की जिंदगी बचाई। अगर ये डॉक्टर, नर्स और अस्पताल कर्मचारी अपनी देशभक्ति को केवल राष्ट्रीय प्रतीकों से प्यार करने और सम्मान करने तक सीमित रखें तो क्या अस्पताल में भर्ती होने वाले लाखों भारतीयों को बचाया जा सकता था?[8]
- जयप्रकाश नारायण ने ना केवल भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और जेल गये बल्कि देश की आजादी के बाद भी समाज की सेवा में लगे रहे और भारत रत्न से सम्मानित किए गए।[9]
- कैलाश सत्यार्थी ने इंजीनियर की नौकरी छोड़कर मजदूरी में लगे बच्चों शिक्षा के लिए संघर्ष किया जिसके लिए इन्हें नोबेल पुरस्कार भी मिला।[10]
- सचिन तेंदुलकर,मेजर ध्यान चंद, मिल्खा सिंह और हाल ही में हुए टोक्यो ओलंपिक में वे सभी भारतीय खिलाड़ी जिन्होंने कड़ी मेहनत कर के देश के लिए पदक जीते और देश का नाम ऊँचा किया।

एक–एक देशभक्त के द्वारा किए गए कामों के बारे में बातचीत करके बच्चों में ये समझ बनाने की कोशिश की है कि देश भक्तों ने किस तरह से अपने आरामदायक जीवन को छोड़कर देश के लोगों के बारे में सोचा और इसके लिए इन्होंने संघर्षपूर्ण जीवन को अपनाया।

एक्टिविटी 4.3

कहानी पर पुनः चर्चा

4.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 5–10 मिनट

बच्चों से बात करें कि उन्होंने पिछली एक्टिविटी में यह जाना कि देशभक्ति सिर्फ तिरंगा झंडा लहराने या राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने से ही पूरी नहीं होती बल्कि अपने काम को ईमानदारी और मेहनत से करना, देश के लोगों के लिए भलाई के काम करना ही देशभक्ति को सार्थक बनाता है। बच्चों की इस समझ को और मजबूत करने के लिए दोबारा से उस जापानी चोर वाली कहानी के बारे में बात करेंगे।

4.3.B क्लासरूम चर्चा: राष्ट्रीय प्रतीक और देशभक्ति

लगभग 1 दिन

इस कहानी के जिन बिंदुओं पर बच्चों को सोचने के लिए छोड़ा गया था वही से उन पर दोबारा से चर्चा शुरू की जाएगी। इसके लिए, बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न एक बार फिर से पूछेंगे।

- क्या वह चोर अपने देश से प्यार करता है?
- क्या वह अपने देश का सम्मान करता है?
- क्या आपके अनुसार वह देशभक्त है?
- क्या आप उसकी देशभक्ति में कुछ अधूरापन भी देखते हैं?

बच्चों से कहें कि वे इन प्रश्नों को दोबारा से ऊपर की हुई चर्चा के आधार पर सोचें। चोर को पता था कि वह निश्चित ही पकड़ा जाएग, फिर भी वह अपने देश का राष्ट्रगान सुनते ही उसको सम्मान देने के लिए कदम सीधे खड़ा हो गया था। क्या उसका राष्ट्रगान के प्रति इतना सम्मान उसकी देशभक्ति को दर्शाता है? क्या वह सच्चे मायने में देशभक्ति है, या उसकी देशभक्ति में कुछ अधूरापन है? **वह चोर राष्ट्रीय ध्वज का या राष्ट्रगान का तो सम्मान कर रहा है पर क्या उसका राष्ट्रध्वज या राष्ट्र उस पर गर्व कर पा रहा होगा?** यह सुनिश्चित करें कि बच्चों के जवाब में क्या कोई परिवर्तन आया है या उनकी नई समझ बनी है।

यदि हम अपनी देशभक्ति को अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तक ही सीमित रहने दें तो क्या होगा?

उपरोक्त प्रश्न के उत्तर में बच्चों को उन बातों के बारे में सोचने के लिए समय दें और प्रेरित करें जिससे वे देश की उन परिस्थितियों के बारे में कल्पना कर पायें जो सीमित देशभक्ति के कारण उत्पन्न हो सकती हैं। चर्चा को इस दिशा में ले जाना है कि बच्चे खुद के दैनिक जीवन में करने वाले कार्यों से इसे जोड़कर देख सकें।

- *क्या हम विकसित देश बन पाएँगे?*
- *क्या हमारे देश में सभी काम समय से पूरे हो पाएँगे?*
- *क्या सभी काम सुचारू रूप से चल पाएँगे?*
- *क्या हमारे देश की समस्याएं कम हो सकेंगी?*
- *क्या हम सभी देशभक्त कहलाएँगे?*
- *क्या हमारा देश हम पर गर्व कर पाएगा?*

एक्टिविटी 4.4

देशभक्ति कब-कब?

4.4.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी में बच्चों ने चर्चा के दौरान कहानी के संदर्भ में देश के प्रतीकों के सम्मान को देशभक्ति के रूप में देखा। बच्चों ने उन संभावनाओं के बारे में भी सोचा जब हम देशभक्ति को देश के राष्ट्रीय प्रतीकों तक सीमित कर देते हैं तो क्या क्या हो सकता है? यहां पर पुनः बच्चों से प्रतीकात्मक देशभक्ति के बारे में बात करनी है और सामने लाना है कि ऐसी दिखावटी देशभक्ति से देश को और देश के लोगों को कोई विशेष फायदा नहीं होता है। चर्चा करें कि देशभक्ति को दिखाने के और भी तरीके हैं जिनसे देश को फायदा होता है। अब जब वे यह जान गए हैं तो उनके लिए यह भी समझना आवश्यक है कि क्या देशभक्ति किसी विशेष दिन और अवसर से ही जुड़ी हुई भावना है? कब –कब देशभक्ति की भावना जागती है?

4.4.B क्लासरूम चर्चा: देशभक्ति की भावना

लगभग 3–4 दिन

बच्चों ने अब तक चर्चा के दौरान देशभक्ति और उससे सम्बन्धित व्यवहारों को समझा। अब बच्चों से यह बात की जाएगी कि वे देशभक्ति की भावना अपने अंदर कब–कब महसूस करते हैं। इस बात पर बच्चों का ध्यान दिलाने के लिए उनसे निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

आप में से किस–किस के अंदर देशभक्ति की भावना है?

संभव है कि इसके उत्तर में सभी बच्चे हाथ उठाएं इसके बाद उनसे पूछे कि–

चर्चा को निर्धारित दिशा में ले जाने के लिए बच्चों से अगला प्रश्न करेंगे जिससे बच्चे उन स्थितियों के बारे में सोच पाए जब वे अपने अंदर देशभक्ति की भावना को महसूस करते हैं।

आप अपने अंदर कब–कब देशभक्ति की भावना महसूस करते हैं?

पहले बच्चों को अपने उत्तर देने का मौका दें। बच्चों के दिए गए जवाब के आधार पर बोर्ड पर एक लिस्ट बनाते जाइए कि देशभक्ति की भावना हमारे अंदर कब–कब और किन–किन परिस्थितियों में जागती है। फिर उन्हें निम्नलिखित उदाहरण देकर और सोचने का मौका दें।

- 26 जनवरी के दिन, 15 अगस्त के दिन
- देशभक्ति के गीत सुनकर
- मोबाइल पर देशभक्ति की कॉलर ट्यून सुनकर
- देशभक्ति की फिल्में देखकर
- जब हम अपना तिरंगा लहराता हुआ देखते हैं तब
- जब हमारा राष्ट्रगान हमारे कानों में सुनाई देता है तब
- जब हमारा देश कोई मैच जीत रहा होता है तब
- जब सीमा पर तनाव की खबरें सुनते हैं तब

इसके बाद बच्चों को निम्नलिखित प्रश्नों की मदद से कुछ परिस्थितियों को सुझाएंगे और यह सोचने देंगे कि वे इन परिस्थितियों में देशभक्ति की भावना को महसूस करते हैं या नहीं।

बच्चों को नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हाँ या ना में देने हैं और साथ ही अगर किसी प्रश्न में चर्चा की ज़रूरत हो तो उनको अपने उत्तर के पीछे के तर्क बताने को कहें। बच्चों को प्रश्नों में जो परिस्थिति दी गई है, उसको समझने और सोच विचार कर जवाब देने के लिए पूरा समय दें। यदि प्रश्नों को पढ़ने या समझने में बच्चों को कोई परेशानी हो तो अध्यापक आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करें।

एक के बाद एक परिस्थिति को तेजी से निपटाते हुए चर्चा ना करें बल्कि हर एक परिस्थिति पर रुक कर बच्चों को सोचने,समझने और चर्चा का अवसर दें। उन्हें अपने अंदर इसका जवाब तलाशने का समय और उसकी प्रेरणा भी देते रहे–
हर परिस्थिति पर चर्चा को निम्नलिखित क्रम से करवायें –

1. सबसे पहले एक परिस्थिति को पढ़कर बच्चों के सामने रखें।
2. उसके बाद बच्चों से पूछे कि दी गई परिस्थिति में उनके मन में देशभक्ति के भाव जागृत होते हैं या नहीं?
3. यदि देशभक्ति के भाव जागृत होते हैं तो पूछे कि बच्चे इस बारे में क्या और कैसे योगदान दे सकते हैं?
4. यदि देशभक्ति के भाव जागृत नहीं होते तो पूछे कि ऐसा क्यों है? और उन्हें कहाँ रुकावट महसूस होती है? वे इस बारे में कुछ क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इसके लिए निम्नलिखित प्राम्प्ट्स की मदद ले सकते हैं।

- *क्या हम आलस्य में रह जाते हैं?*
- *क्या हम लापरवाही में रह जाते हैं?*
- *क्या हमारे मन में कोई डर है?*
- *क्या ये सोचते हैं की हम ही पंगा/मुसीबत क्यों लें?*
- *क्या ये सोचते हैं कि कोई और कर लेगा?*
- *क्या ये लगता है कि मैं अकेला क्या कर सकता हूं?*
- *क्या ये सोचते हैं कि घरवाले और दोस्त कहेंगे, तुम ही क्यों चक्कर में पड़ रहे हो?*
- *क्या ये लगता है कि इसके लिए कुछ अधिक काम करना पड़ेगा?*
- *क्या ये सोचते हैं कि हमें क्या मतलब?*

उदाहरणः

– अपने घर की टंकी से पीने का साफ पानी बेकार बहता देख कर आपके मन में क्या भाव आते हैं?

– बच्चों के संभावित उत्तरः अच्छा नहीं लगता, देशभक्ति की भावना नहीं आती, पानी बेकार जा रहा है किसी के काम आता हमें पानी बचाना चाहिए, हमने पहले कभी सोचा ही नहीं, कुछ विचार नहीं आता आदि।

– बच्चों का ध्यान इस बात पर लाना है कि यहां संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है और यह देशभक्ति नहीं है।

– बच्चों से पूछें कि वे इस बारे में क्या प्रयास कर सकते हैं या उन्हें क्या करना चाहिए कि पानी बेकार ना जाए । यह चर्चा इस बात को फोकस करने के लिए है कि बच्चों के प्रयास देशभक्ति की भावना में किस तरह से योगदान दे सकते हैं।

– यदि बच्चे यह बताएँ कि वे बहते हुए पानी को रोकने के लिए कुछ नहीं करते हैं तो उनसे पूछें कि वे क्यों कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

– बच्चों को ऊपर दिए गए प्राम्प्ट्स की मदद से बोलने के लिए प्रेरित करें जैसे कि, क्या आलस्य के कारण या लापरवाही के कारण कुछ नहीं करते या उन्हें लगता है कि घर में कोई और पानी बंद कर देगा मैं क्यों करुँ।

ऊपर दिए गए उदाहरण के अनुसार ही एक–एक परिस्थिति पर चर्चा करनी है। सुनिश्चित करें कि हर बच्चा चर्चा में भाग ले और अपने विचार व्यक्त करे। एक प्रश्न पर पूरी तरह चर्चा हो जाने के बाद ही दूसरे प्रश्न पर आयें।

चर्चा के लिए परिस्थितियां:

1. जब आप महिलाओं का अपमान होते देखते हैं, उनसे छेड़छाड़ होते देखते हैं, बलात्कार की खबरें सुनते/पढ़ते हैं तो आपके मन में कैसे भाव उत्पन्न होते हैं?
2. अपने आसपास लड़के–लड़की में भेदभाव होते हुए देखकर।
3. अपने घर में या पड़ोस में महिलाओं के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार होते देखकर।
4. बाल विवाह की खबरें सुनकर।
5. किसी बुजुर्ग के साथ दुर्व्यवहार होते हुए देखकर।
6. जब कोई व्यक्ति किसी को जाति धर्म के आधार पर छोटा या बड़ा बताएं या उसके साथ गलत बर्ताव करे।
7. जब आपको पता चलता है कि जनता के पैसे से देश के लिए स्कूल बन सकते थे, कॉलेज खुल सकते थे, अस्पताल बन सकते थे, सड़कें बन सकती थी, बिजली की पैदावार बढ़ाई जा सकती थी, साफ पानी का इंतजाम किया जा सकता था, किसानों और मजदूरों की मदद की जा सकती थी, उस पैसे को भ्रष्टाचार में जाता देखकर।
8. जब आपको पता चलता है कि कोई बाजार में नकली मिलावटी सामान बेचकर देश के लोगों को धोखा दे रहा है।
9. कोई व्यक्ति अपना हाउस टैक्स या सेल्स टैक्स या इनकम टैक्स जो भी उस पर लागू होता है वह सरकार को न दे कर चोरी कर रहा हो उसके बारे में जानकर।
10. यदि कोई व्यक्ति बस या ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करे।
11. यदि कोई व्यक्ति किसी काम के लिए रिश्वत ले रहा हो या रिश्वत लेकर कोई नाजायज काम कर रहा हो उसे देखकर।
12. जिन बच्चों की उम्र अभी स्कूल जाने की है उन्हें गरीबी के कारण या किसी और मजबूरी के चलते बाल मजदूरी करते हुए देखकर।
13. जब पता चलता है कि देश में शिक्षा की क्या हालत है और अमेरिका जैसे देशों में कितनी अच्छी हो गई है।
14. जब पता चलता है कि स्वास्थ्य सेवाओं की हालत ये है कि लोगों को समय पर इलाज नहीं मिलता ।
15. देश में बढ़ती बेरोजगारी और नए रोजगार के अवसर भी कम होते देखकर।
16. जब कोई राष्ट्रगान के सम्मान में समय खड़ा न हो या उसकी मजाक बनाकर का अपमान कर रहा हो तो उसे देखकर।
17. जब तिरंगे को सड़क पर पड़ा हुआ देखते हैं या उसका अपमान होते हुए देखते हैं।
18. अगर कोई व्यक्ति पानी का मीटर हटाकर पानी की चोरी कर रहा हो या घर में पानी का मीटर ही न लगवा रखा हो।
19. कोई व्यक्ति बिजली का मीटर हटाकर या काँटा डालकर बिजली की चोरी कर रहा हो या घर में बिजली का मीटर ही न लगवा रखा हो? बिजली की चोरी होते देखकर।
20. किसी को दीवार पर थूकते हुए या गुटखा, खैनी, पान आदि खाकर सार्वजनिक स्थानों पर थूकते देखते हैं।
21. किसी को सड़क पर, नदी में या गलत स्थान पर कूड़ा फेंकते देखकर।

इस तरह की और भी अनेक परिस्थितियाँ हो सकती हैं। बच्चे अपनी तरफ से ऐसे कई और भी उदाहरण दे सकते हैं।

उन्हें खुलकर बोलने दें और चर्चा करने दें। इससे बच्चे अपने आसपास होने वाली सभी घटनाओं को देशभक्ति की भावना से जोड़कर खुद को लगातार सजग रख सकेंगे ।

कोई व्यक्ति 15 अगस्त , 26 जनवरी के दिन तिरंगे को जोर से सैल्यूट तो करें लेकिन उस तिरंगे के नीचे खड़े हुए देशवासियों का काम करने के लिए उनसे रिश्वत मांगे तो क्या हम ऐसे व्यक्ति को देशभक्त कहेंगे?

कोशिश करें कि अपनी तरफ से बच्चों को इस सवाल का कोई जवाब ना दें। बल्कि उनके ऊपर यह सवाल छोड़ें और इसके उत्तर वे खुद अपने अंदर टटोलें ।

होमवर्क

4.4.C देशभक्ति में रुकावट क्यूँ?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें।

> **क्या आप कभी देशभक्ति के कार्य करने से रुक जाते हैं? क्यूँ?**

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से कहें कि तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ–साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 4.5

मेरे व्यवहार में देशभक्ति

4.5.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 5–10 मिनट

पिछली एक्टिविटी के दौरान बच्चों ने यह समझने की कोशिश की कि वे कौन से कारण है जो हमारे देशभक्ति के काम करने में रुकावट पैदा करते हैं। विभिन्न परिस्थितियों के माध्यम से हमने उन कारणों की जांच भी की। किस परिस्थिति में हम क्या सोचते हैं, हमें उसके लिए क्या करना चाहिए? क्या हम कुछ कर पाते हैं, क्या नहीं कर पाते और क्यों नहीं कर पाते आदि बिंदुओं पर विस्तार से बात की। अब बच्चे देशभक्ति की भावना का अपनी दिनचर्या के संदर्भ में अध्ययन करने की कोशिश करेंगे।

4.5.B क्लासरूम चर्चा: देशभक्ति की भावना

लगभग 2 दिन

बच्चों से उनके द्वारा किए गए देशभक्ति के कार्यों के बारे में चर्चा को करेंगे जिससे बच्चे यह सोच पाएँ और समझ पाएँ कि उनके कौन से कार्य या व्यवहार देशभक्ति के हैं। क्या इन देशभक्ति के कार्यों/व्यवहारों पर देश का तिरंगा भी आप पर गर्व कर पाएगा? यहाँ बच्चों को केवल सोचकर बताने की ओर अग्रसर करना है, जिससे कि जब वो अगली क्लास एक्टिविटी करें तो वे इस बारे में और अच्छे से सोचकर अपनी समझ को मजबूत कर सकें। इसके लिए बच्चों से पूछें।

बताइए कि आपके दैनिक जीवन में कौन–कौन से कार्यों को आप देशभक्ति के कार्य और व्यवहार मानते हैं?

कोशिश करें कि हर बच्चे को अपने आप को व्यक्त करने का अवसर मिले। बच्चों के किसी भी उत्तर पर कोई टिप्पणी न दें और उन्हे उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

इसके बाद बच्चों से क्लास एक्टिविटी कराएं जिससे वे इस बारे में माइंडफुल होकर अपनी दैनिक गतिविधियों के बारे में विचार कर सकें।

क्लास एक्टिविटी

'दिनचर्या में देशभक्ति के कामों की सूची बनाना'

बच्चे अपने पूरे दिन में बहुत से काम करते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, बच्चों से अपनी सुविधानुसार कोई भी एक दिन चुन कर अपनी दिन भर की गतिविधि लिखने को कहें। यह काम बच्चे अपनी देशभक्ति डायरी में करेंगे।

बच्चों से उस दिन की सारी गतिविधियों के बारे में सोचने को कहें। इसके लिए बच्चों को सांकेतिक तौर पर कुछ बातें बता सकते हैं। जैसे:

आप सुबह उठते हैं, फिर आप ब्रश करते हैं, नाश्ता करते हैं, डेयरी पर दूध लेने जाते हैं............. इसके बाद और भी अनेक काम आप करते हैं।

इस प्रकार आप अपने पूरे दिन में जो भी करते हैं उसे सोच कर अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें। स्पष्ट रूप से बच्चों को यह बताएं कि दिनचर्या का हर छोटे से छोटा काम भी उनको अपनी डायरी में लिखना है।

जब बच्चे इस काम को कर लेंगे तो नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार बच्चों से उनके रोज़मर्रा के कामों की सूची बनाने के लिये कहें।

देशभक्त होने का प्रमाण देते कार्य/व्यवहार	क्या मेरा तिरंगा मुझ पर गर्व करेगा? हाँ/ना	देशभक्ति में कुछ कमी होने के संकेत देते कार्य/व्यवहार	क्या इनमें सुधार हो सकता है ? हाँ तो कैसे/ना तो क्यूँ

इस एक्टिविटी को करवाने का मकसद यह है कि बच्चे अपनी दिनचर्या को बारीकी से माइंडफुल होकर देख सकें और यह जान सकें कि अपने पूरे दिन में वे कितने और क्या–क्या काम करते हैं, जिससे वे अपने आप को देशभक्त कह सकते हैं। वे स्वयं इस बात की जाँच कर सकें कि उनकी दिनचर्या में कितने कार्यों को वे देशभक्ति के कार्य कह सकते हैं। और यह भी की क्या उन देशभक्ति के कार्यों से देश भी उन पर गर्व महसूस करेगा। साथ ही साथ वे यह भी जान सकें कि ऐसे कौन से काम हैं जिनमे उन्हें सुधार की आवश्यकता है। बच्चों को यह सोचने में मदद मिलेगी कि किस काम के दौरान उनसे अनजाने में या भूल से कोई ऐसा काम छूट गया जो उनकी देशभक्ति के लिए जरूरी था।

होमवर्क

4.5.C क्या मैं देशभक्त हूँ?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें।

क्या आप देशभक्त हैं? क्या आप में देशभक्ति की भावना है? रोज़मर्रा की जिंदगी में आप ऐसा क्या काम करते हैं जिनसे आपकी देशभक्ति दिखाई देती हैं?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से कहें कि तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ–साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 4.6

देशभक्त भारतीय कौन?

4.6.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

बच्चों से पिछली एक्टिविटी के बारे में बातचीत करते हुए आगे की ओर बढ़ेंगे। बच्चों को याद दिलाएँगे की पिछली ऐक्टिविटी में हमने यह जाना कि हमारे कौन से काम हमें देशभक्त बताते हैं, और कब हमारा तिरंगा भी हम पर गर्व नहीं महसूस करता । अब आगे बच्चों से एक सच्चे देशभक्त भारतीय के बारे में चर्चा करेंगे।

4.6.B क्लासरूम चर्चा: हम सभी भारतवासियों की देशभक्ति

लगभग 1 दिन

चर्चा के माध्यम से बच्चों में ये समझ बनानी है कि देशभक्ति का हमारे आचरण गहरा सम्बंध है। बच्चों से यह बात करनी है कि हम सभी आम भारतीय नागरिक अपनी देशभक्ति को अपने आचरण के द्वारा प्रदर्शित करते हैं। बच्चों के साथ चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछेंगें ।

सच्चा देशभक्त भारतीय कौन होता है? एक सच्चा देशभक्त अपनी देशभक्ति कैसे दर्शाता है?

यहाँ बच्चे एक देशभक्त के गुणों की बात कर सकते हैं। आप उनका ध्यान देशभक्ति के कार्यों की ओर ले कर आयें। देशभक्ति के कार्यों की बात करते हुए भी बच्चे देशभक्त भारतीय के बारे में बात कर सकते हैं। यहाँ मकसद है की बच्चे बोलकर या लाउड थिंकिंग के द्वारा यह समझ सकें कि देशभक्ति किन–किन कार्यों द्वारा दर्शायी जा सकती हैं। बच्चों से उत्तर आने दें। यदि बच्चे कहीं चर्चा को आगे ले जाने में सहज महसूस न करें तो अध्यापक उन्हे निम्नलिखित सुझाव भी दे सकते हैं।

- जो अपने राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करे।
- जरूरत पड़ने पर देश के लिए अपनी सुख सुविधाएं छोड़ने का, देश के लिए जान तक कुर्बान करने का जज़्बा रखता हो।
- कामचोर और आलसी न हो। जो भी काम करें पूरी मेहनत, ईमानदारी और खुशी से करें।
- सैनिकों और सैनिकों के परिवारों को विशेष सम्मान दें।
- जनहित में बनाए गए नियम, कायदे और कानूनों का पालन करे।
- अगर उसे लगे कि कोई नियम कायदा कानून ऐसा बना है जो जनता को फायदा पहुँचाने की जगह नुकसान पहुँचा रहा है तो क्या करें (चुप बैठे या उसे ठीक करने के लिए आवाज उठाएं और संघर्ष करें?)
- जो सबके साथ मिलजुल कर रहे, सबके धर्म, जाति और पारिवारिक परंपराओं का सम्मान करें और किसी का उपहास ना उड़ाए।
- जो अपनी मातृभाषा में बात करने में गर्व महसूस करें।
- जो मेहनत करके पढ़े–लिखे और पढ़ लिखकर अपने परिवार और देश की उन्नति के लिए अपनी पढ़ाई को काम में लाए।
- जो गरीब असहाय की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहे।
- जो बिजली और पानी की बर्बादी ना करें।
- जो महिलाओं और बुजुर्गों का सम्मान करें।

एक्टिविटी 4.7

देशभक्ति का बुकमार्क बनाना

4.7.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी में बच्चों ने उन कारणों के बारे में सोचा जिनकी वजह से वो कई बार जो काम सोचते हैं वो कर नहीं पाते। बच्चों ने चर्चा के दौरान ये जाना कि कब–कब हमारी देशभक्ति की भावना अधूरी रह जाती है या सीमित अवसरों तक ही रह जाती है। क्लास की शुरुआत में बच्चों से जरूर पूछें कि पिछले होमवर्क में उन्होंने जिन दो लोगों से देशभक्ति का अर्थ पूछा उनसे क्या जवाब मिला। इस बातचीत के दौरान हुए उनके अनुभवों को भी जरूर सुने।

बच्चों ने देशभक्त और देशभक्ति के बारे में अच्छे से चर्चा कर इन दोनों के बारे में अपनी कुछ समझ बना ली होगी। अब बच्चों को अपनी समझ से इस अपने शब्दों में अभिव्यक्त करवाने के लिए अगली एक्टिविटी करवाएँ।

4.7.B स्वयं अभिव्यक्ति: देशभक्ति का बुकमार्क बनाना

लगभग 2–3 दिन

अब चर्चा में बच्चों से पूछें कि क्या उन सब लोगों से बात करने के बाद उनकी देशभक्ति की परिभाषा अब भी वही है या उसमें कुछ बदलाव आया है। अगर बच्चों की समझ में और उनकी देशभक्ति की परिभाषा में कुछ बदलाव आया है तो बच्चों को फिर से एक बार अपनी देशभक्ति को अपने शब्दों में सबको बताने को कहें।

एक्टिविटी से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदु:

- अब अगर बच्चे अपनी देशभक्ति की परिभाषा से संतुष्ट हो जाएँ तो उन्हें अपनी परिभाषा को एक कागज के टुकड़े पर, सुंदर और स्पष्ट शब्दों में लिखने को कहें।
- बच्चों को अपनी पसंद के रंग और डिजाइन चुनने की पूरी आजादी दें। यदि किसी बच्चे को अपनी परिभाषा लिखने में परेशानी हो तो अध्यापक उनकी आवश्यकता के अनुसार मदद करें।
- जब सभी स्लिप तैयार हो जाएँ तो बच्चों को एक–एक कर सबको दिखाने के लिए कहें और साथ ही अपनी देशभक्ति की परिभाषा को क्लास में साझा करने के लिए कहें।
- बच्चों को अपनी–अपनी पर्चियों पर लिखी परिभाषा के आधार पर अपने हर सब्जेक्ट की पुस्तक के लिए बुकमार्क बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

बुकमार्क में देशभक्ति की परिभाषा के अलावा निम्नलिखित विकल्प/ऑप्शन भी सुझाव के तौर पर बच्चों के सामने रखें। बुकमार्क पर बच्चे लिख सकते हैं कि:

- मैं देशभक्त हूँ क्योंकि ....।
- मेरे लिए.........................करना देशभक्ति है।
- मुझे.............होते देख कर देशभक्ति का भाव पैदा होता है।
- .... बातें मेरी देशभक्ति के लिए जरूरी हैं जिन पर मुझे सुधार करना है।

बच्चे अपनी–अपनी "देशभक्ति डायरी" में अपने अनुसार देशभक्ति की परिभाषा को लिखें।

नोट

- बच्चों को इस बुकमार्क को बनाते समय अपनी क्रिएटिविटी दिखाने का पूरा अवसर दें। साथ ही बच्चों को शाबाशी देकर उनका उत्साहवर्धन करना न भूलें।
- अपनी ओर से देशभक्ति की कोई परिभाषा नहीं दे।
- अध्यापकों से अनुरोध है कि वे अपने पीरियड में बच्चों को एक बार उनकी किताबों में लगे इस बुकमार्क में लिखी बातों को पढ़ने के लिए कहें ताकि बच्चे अपनी ही लिखी बातों को बार–बार पढ़ कर, अपने मन में देश के लिए देशभक्ति के जज़्बे को महसूस करें और कुछ अच्छा कर गुजरने के लिए प्रेरित हों ।

टिप

बच्चे चाहें तो अपना पहला देशभक्ति की परिभाषा को स्टिकर के रूप में भी अपनी पुस्तकों और कॉपियों की शुरुआत में चिपका सकते हैं।

एक्टिविटी 4.8

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

लगभग 1 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगे। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन मनन करके अपनी डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश से प्यार के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

'देशभक्ति' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी डायरी में लिखे और साथ ही उन्हें बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नहीं की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगें।

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनमें मेरी अपने देश के प्रति देशभक्ति दिखाई देती है?

1.
2.
3.
4.
5.

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं जिनमें मेरी अपने देश के प्रति देशभक्ति में कुछ अधूरापन है?

1.
2.
3.
4.
5.

नोट

यह एक सेल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए हर चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। उनके कार्य पर एक नजर डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो जरूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ़्लैग डे

मेरे व्यवहार का तिरंगे पर प्रभाव

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

अधिकतम 1 दिन

पहली एक्टिविटी में बच्चों ने जाना कि उन्हें अपने व्यवहारों से अपने साथी– अपने तिरंगे झंडे को गौरवान्वित करना है। इसके लिए बच्चे हर चैप्टर के अंत में स्व निरीक्षण **(self analysis)** करेंगे कि किन व्यवहारों से उसके झंडे को भी उस पर गर्व महसूस होता है। इससे वे यह भी समझ सकेंगे की उनका हर व्यवहार देश को प्रत्ययक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

फ़्लैग एक्टिविटी–1 में बच्चों ने जो अपना–अपना फ़्लैग बनाया था, अब वे उसी से सम्बंधित इस एक्टिविटी के पहले दिन, अपने अभी तक के व्यवहारों, सोच–विचारों, कामों, आदि को नीचे दी गई दो श्रेणियों के अनुसार अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में लिखेंगे –

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा खुश हुआ है –	मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा दुखी हुआ है –
1.	1. ....
2.	2. ....
3.	3. ....
4.	4. ....

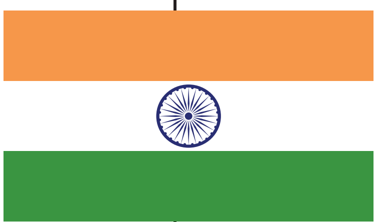

इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को पूरा समय दें और कोशिश करें कि हर बच्चा दोनों श्रेणियों के अंतर्गत, कम से कम अपने पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखे। बच्चों को बताएं कि यदि वे इस सूची में कुछ और लिखना चाहें तो वे बाद में भी इसमें जोड़ सकते हैं।

फिर इस बारे में क्लास में चर्चा करें और बच्चों को उनके व्यवहारों, विचारों और कामों आदि को दोनों श्रेणियों के अंतर्गत साझा करने के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चे अपने अच्छे और कुछ कम अच्छे कामों की ज़िम्मेदारी लेना भी सीख सकेंगे। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों आदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी कर रहे हैं।

नोट

बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनके किसी भी व्यवहार के लिए उन्हें जज नहीं किया जाएगा या उनके किसी भी व्यवहार के आधार पर उन्हें अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जाएगा। बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें परन्तु उन्हें अपने विचार सबके साथ साझा करने के लिए बाधित न करें।

मेरा देश:मेरा गौरव 5

उद्देश्य

- बच्चे के मन को अपने देश के प्रति गर्व से ओत–प्रोत करना।
- बच्चे को उन सूचनाओं, तथ्यों तथा तर्कों से अवगत कराना जो हर भारतीय नागरिक को अपने देश पर गर्व महसूस कराते हैं।
- बच्चे अपने परिवार, स्कूल, शहर और देश पर गर्व करने के कारणों के बारे में समझ बना सकेंगे।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि देश के लोगों की सोच, उनका व्यवहार, उनका आचरण आदि भी देश के गौरव को बढ़ा या घटा सकते हैं।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि देश का गौरव उनका भी गौरव है और वह देश के गौरव में अपनी भूमिका को समझ सकेंगे।

एक्टिविटी 5.1 गर्व की भावना

शुरूआती चर्चा

लगभग 2–3 दिन

बच्चों से कहें कि हमने अब तक अपनी पिछली एक्टिविटीज में जाना कि–

- देश क्या होता है
- देश से प्यार का क्या मतलब है
- देश का सम्मान करने का क्या मतलब है
- देशभक्ति क्या है
- देशभक्त कौन है, आदि

अब हम देश की महानता और देश के प्रति गर्व की भावना पर चर्चा करेंगे। चर्चा को शुरू करने के लिए सामूहिक रूप से बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

आप में से कौन–कौन अपने देश पर गर्व करता है?

संभावना है कि इस प्रश्न के जवाब में सभी बच्चे हाथ उठाएंगे। फिर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और प्रश्न पूरी क्लास से एक–एक कर पूछें और उन पर चर्चा करें। जैसे:

जब आप कहते हैं कि आप देश पर गर्व करते हैं तो क्या आप बता सकते हैं कि गर्व करने का क्या मतलब होता है? गौरव करने का मतलब क्या होता है?

बच्चों को अपने अंदर से ही इन प्रश्नों के जवाब ढूँढ़ने के लिए प्रेरित करें। यह चर्चा थोड़ी देर सामूहिक रूप से करें और 8–10 बच्चों से जवाब आने के बाद अगली एक्टिविटी की ओर बढ़ें।

एक्टिविटी 5.2

अपने देश पर गर्व करने के कुछ प्रमुख कारण

5.2.A क्लासरूम चर्चा: अपने देश पर गर्व करने के कुछ प्रमुख कारण

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को बतायें कि अब हम देश पर गर्व के कारणों पर चर्चा करेंगे। फिर चर्चा को शुरू करने के लिए सामूहिक रूप से बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

हम अपने देश पर गर्व क्यों करते हैं? कोई भी व्यक्ति अपने देश पर गर्व क्यों करता है?

आपकी नजर में ऐसे कौन–कौन से कारण हो सकते हैं जिनके कारण एक व्यक्ति अपने देश पर गर्व करता है?

इस पर पहले बच्चों की ओर से कुछ जवाब आने दें और उन्हीं के आधार पर क्लास में सामूहिक रूप से संक्षेप में चर्चा करें। आगे गहराई से चर्चा करने से पहले, गर्व के कारणों की, नीचे दी गई सात श्रेणियों को बच्चों को स्पष्ट कर दें ताकि आगे की चर्चा में बच्चे अपने जवाबों को इन श्रेणियों में बाँटते रहें।

हर एक श्रेणी के अंतर्गत, कुछ उदाहरण भी दिए गये हैं, जिनके आधार पर क्लास में चर्चा करके बच्चों को इन्हें समझने में मदद कर सकते हैं। परंतु, पहले, बच्चों से ही इनके उदाहरण निकलवाने की कोशिश करें। अपनी ओर से कुछ प्रश्न बनाकर भी बच्चों के साथ चर्चा को आगे बढ़ाया जा सकता हैं, जैसे:

- *क्या आपके कोई व्यक्तिगत या निजी कारण है, जिनकी वजह से आपको अपने देश पर गर्व है?*
- *क्या आपको देश के इतिहास की उपलब्धियों पर गर्व है?*
- *क्या आप देश के इतिहास और वर्तमान की कुछ उपलब्धियों के बारे में बता सकते हैं?*
- *क्या देश के उज्ज्वल भविष्य के कारण आपको देश पर गर्व है, आदि।*

1. देश की मिट्टी में जन्म लेने के कारण:

अपने व्यक्तिगत सम्बन्धों जैसे:, इस देश में जन्म लेना, इसकी मिट्टी में बड़ा होना, अपनी मिट्टी से जुड़ाव महसूस करना, आदि के कारण दुनिया के हर देश का नागरिक अपने देश पर गर्व करेगा। कोई व्यक्ति जहाँ पैदा हुआ है, वह उसी देश से प्यार करेगा, सम्मान करेगा और उस पर गर्व करेगा।

हम भारतीय, अपने देश से प्यार करते हैं, इसका सम्मान करते हैं और इसपर गर्व भी करते हैं क्योंकि हमने यहाँ जन्म लिया है और हम सब अपने भारत देश की संतान है।

2. देश के इतिहास की उपलब्धियों के कारण:

हर देश का अपना इतिहास होता है, लेकिन किसी देश की वर्तमान पीढ़ी के लिए यह गौरव की बात होती है कि इतिहास में उसके देश ने दुनिया के विकास में, दुनिया के ज्ञान–विज्ञान, संस्कृति में क्या योगदान दिया है और उसे हासिल करने के लिए कितना और किस तरह का संघर्ष किया है।

कोई व्यक्ति दुनिया के किसी भी देश में जाता है तो वहाँ के लोग उसका इस बात के लिए भी सम्मान करते हैं कि वह उस महान देश से आया है जिसने दुनिया को फलां–फलां चीजें दी हैं। वह खुद भी दुनिया के सामने अपने देश की महानता के आधार पर गर्व से सीना चौड़ा करके खड़ा होता है।

3. देश की वर्तमान उपलब्धियों के कारणः

हर एक नागरिक अपने देश पर कई कारणों से गर्व करता है, जैसेः

- सबसे बेहतरीन शिक्षा के लिए
- सबके के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए
- बिजली–सड़क–पानी की सुविधाओं के लिए
- महिला सुरक्षा के लिए
- पर्यावरण सुरक्षा के लिए
- गरीबों की मदद के लिए
- व्यापारियों की सुविधा और प्रगति के लिए इत्यादि।

कोई देश अपने नागरिकों की सुविधा और उनकी तरक्की के लिए, वर्तमान में, दुनिया के अन्य देशों की तुलना में जो बेहतरीन काम कर रहा होता है जैसे, स्कूलों में पढ़ाई का स्तर, अस्पतालों में इलाज का स्तर, व्यापारियों के लिए ईमानदारी से व्यापार करने के अवसरों का स्तर और व्यापार के लिए जरूरी सुविधाओं का स्तर,लोगों के रहन–सहन के स्तर, व्यापार, नवाचार आदि से लेकर ज्ञान–विज्ञान में नए अनुसंधान में हो रही प्रगति आदि उसकी महानता में गिने जायेंगें और ये सब उसके नागरिकों के लिए अपने देश पर गर्व करने के कारण बनते हैं।

4. देश के इतिहास में हुए महापुरुषों से मिली प्रेरणा के कारणः

सामाजिक कार्यकर्ता, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कवि, लेखक, कलाकार इत्यादि के नाम पर, जिन्होंने जब अपने देश के लिए कुछ किया तो न सिर्फ वह सारी दुनिया में मिसाल बने बल्कि अन्य देशों के लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बने।

5. देश में आज यानी वर्तमान में मौजूद महापुरुषों के कारणः

देश में आज मौजूद समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कवि, लेखक, कलाकार इत्यादि के कारण जो अपने देश के लिए वर्तमान में जो कुछ भी कर रहे हैं, वह सारी दुनिया के लिए मिसाल है और अन्य देशों के लोग उनसे प्रेरणा भी ले रहे हैं।

6. देश की सामाजिक चेतना के कारणः

अगर देश का समाज किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, क्षेत्र या पारिवारिक पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर एक इंसान के रूप में सम्मान के साथ जीने का अवसर देता है, उसके साथ समानता और अपनेपन का भाव रखता है तो निश्चित ही देश का हर व्यक्ति, अपने देश की सामाजिक चेतना के कारण अपने देश पर गर्व करता है और वह सारी दुनिया के सामने बेहद फक्र के साथ अपने देश के गौरव का गुणगान करता है।

देश की सामाजिक चेतना निम्नलिखित बातों पर भी निर्भर करती है जैसेः

- उसके समाज के लोगों को साफ–सफाई पसंद है या नहीं
- गंदगी फैलाते हैं या नहीं
- ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं या नहीं
- लड़के–लड़की में भेदभाव करते हैं या नहीं
- परिवार में महिलाओं का सम्मान करते हैं या नहीं

- जाति आधारित ऊँच–नीच का भेदभाव करते हैं या नहीं
- सभी धर्मों को सम्मान देते हैं या नहीं
- रोजमर्रा की जिंदगी में पर्यावरण प्रदूषण आदि के प्रति सजग रहते हैं या नहीं
- उनका जीवन आडंबर से दूर है या आडंबर से दबा हुआ है, इत्यादि इत्यादि।

यह सभी ऐसे बिंदु हैं जो किसी व्यक्ति के लिए अपने समाज और देश पर गर्व करने का एक बड़ा कारण बनते हैं।

7. भविष्य की संभावनाओं के आधार पर:

एक नागरिक के लिए अपने देश पर गर्व करना, इस बात पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है कि उसके देश में, उसके भविष्य के लिए, किस तरह के अवसर उपलब्ध है और उन अवसरों का लाभ उसे उसकी योग्यता के आधार पर पूरी पारदर्शिता से मिलता है या नहीं। साथ ही एक देश के रूप में, दुनिया के सामने ज्ञान–विज्ञान, लोगों के जीवन स्तर, व्यापार आदि में प्रगति कर रहा देश, भविष्य में दुनिया के अन्य देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है। जब कोई देश इस दिशा में काम करता है तो न केवल उस देश के लोग उस पर गर्व करते हैं बल्कि सारी दुनिया के लोग भी उस पर गर्व करते हैं ।

यह अच्छा होगा यदि अध्यापक उपरोक्त श्रेणियों को संक्षेप में बोर्ड पर लिख दें जिससे बच्चों को अपने जवाब देने और उन्हें इन सात श्रेणियों में बाँटने में आसानी रहे। बच्चों से यह भी पूछें कि क्या इन सात कारणों के अलावा भी देश पर गर्व के कोई और सम्भावित कारण हो सकते हैं, यदि वे कोई अन्य कारण बतायें, तो उन्हें भी बोर्ड पर लिखते रहें। फिर बच्चों के सामने एक्टिविटी में पहले पूछा गया प्रश्न दोहरायें –

आप अपने देश पर गर्व क्यों करते हैं? या आपका देश आपका गौरव क्यों है?

इस चर्चा को कुछ समय तक क्लास में करें और बच्चों द्वारा उनकी सोच के आधार पर कुछ जवाब आने दें। **अपेक्षा यह है कि बच्चे अपनी जानकारी और समझ पर जोर डालकर कुछ ऐसे उदाहरण दें जो उनकी राय में अपने देश पर गर्व करने के उनके अपने कारण हों।**

अभी फिलहाल इस एक्टिविटी में अपनी तरफ से बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए, देश की महानता के बारे में कुछ तथ्य नहीं जोड़ें। इसके लिए उन्हें कुछ उदाहरण दें, लेकिन फिलहाल बच्चे अभी अपनी वर्तमान समझ और स्थिति के अनुसार जो भी जवाब दें, उसकी एक सूची बोर्ड पर बनाते रहें ।

बच्चों द्वारा दिए गए कारणों को बोर्ड पर उपरोक्त श्रेणियों के सामने बेहद संक्षेप में लिखते रहें, ताकि बच्चे अपने और अपने अन्य साथियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के लिए आ रहे जवाबों को अलग–अलग श्रेणियों में वर्गीकृत करना भी सीख सकें। चर्चा के बीच–बीच में बच्चों को प्रोत्साहित अवश्य करते रहें।

एक्टिविटी 5.3

मेरा स्कूल: मेरा गौरव

5.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी में बच्चों ने देश पर गर्व के जिन–जिन कारणों के बारे में बातचीत की थी, क्लास की शुरुआत में 10–15 मिनट के लिए उन्हीं के बारे चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके अंदर आये, किसी प्रकार के परिवर्तनों के बारे में भी क्लास में अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें।

5.3.B क्लासरूम चर्चा: मेरा स्कूल: मेरा गौरव

लगभग 3–4 दिन

बच्चों से कहें कि देश के गौरव पक्ष पर हो रही चर्चा को अभी हम यही कुछ दिन के लिए विराम देंगें। देश के गौरव पर गहन चर्चा से पहले, आइए स्कूल के गौरव पर चर्चा करते हैं। अब बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

क्या आपको अपने स्कूल पर गर्व है? अगर है, तो स्कूल के प्रति इस गर्व के पीछे आपके क्या–क्या कारण हैं?

सम्भव है कि प्रश्न के पहले भाग के जवाब में सभी बच्चे हाथ उठा दें। फिर प्रश्न के दूसरे भाग पर कुछ समय तक बच्चों के साथ सामूहिक रूप से चर्चा करें।

नोट

कोशिश करें कि चर्चा में पहले बच्चों की ओर से ही कोई जवाब आयें। संभव है कि कुछ बच्चों के पास कोई जवाब हों लेकिन यह भी सम्भव है कि कुछ बच्चे हाल ही में स्कूल में आये हों और उन्हें स्कूल के बारे में ज्यादा कुछ पता न हो। यह भी संभव है कि इस एक्टिविटी को संचालित कर रहे अध्यापक भी स्कूल में नये ही हो। ऐसे में इस एक्टिविटी के संचालन के लिए, अपनी जानकारी के आधार पर या अपने अन्य साथी अध्यापकों से जानकारी प्राप्त कर इस एक्टिविटी को क्लास में चलाना होगा।

पिछली एक्टिविटी में बताई गई श्रेणियों का आधार लेते हुए ही, स्कूल के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध के कारण, स्कूल के गौरवपूर्ण इतिहास, इसके वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में चर्चा करें। पहले बच्चों को स्वयं उन श्रेणियों के आधार पर जवाब देने दें। अध्यापक, स्कूल से सम्बन्धित सभी श्रेणियों को, निम्नलिखित अनुसार, क्लास के बोर्ड पर संक्षेप में लिख दें जिससे बच्चों को अपने जवाब देने और उन्हें इन श्रेणियों में बाँटने में आसानी रहे।

इस चर्चा के कुछ सम्भावित बिंदु निम्नलिखित हो सकते हैं जिन्हें अध्यापक प्रश्नों के रूप में बच्चों के सामने रखकर उन पर चर्चा कर सकते हैं–

1. <u>स्कूल के साथ बच्चे का कोई व्यक्तिगत या निजी सम्बन्ध:</u>

- जैसे, बच्चे के माता/पिता/बड़े भाई/बहन/अन्य कोई रिश्तेदार इसी स्कूल से पढ़े हों,
- यह इस इलाके का सबसे पुराना स्कूल है,
- इस स्कूल से कोई महापुरुष पहले पढ़ा है,
- इसी स्कूल के साथ कुछ ख़ास अपनापन या लगाव महसूस होना आदि।

2. स्कूल का इतिहासः

- जैसे, स्कूल में पढ़ाई के स्तर का इतिहास
- स्कूल के रिजल्ट का इतिहास
- स्कूल की स्थापना और इसकी बिल्डिंग का इतिहास–जैसे, ये स्कूल कितना पुराना है, स्कूल की बिल्डिंग कब बनी थी, क्या पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर कोई नयी बिल्डिंग बनाई गयी, जब इस स्कूल की स्थापना हुई तो इस इलाके में यही स्कूल मौजूद था या कोई और भी स्कूल थे, आदि ।
- स्कूल में पढ़कर गये कुछ पूर्व स्टूडेंट्स की उपलब्धियों का विवरण जैसे वे स्टूडेंट्स अब कहाँ–कहाँ पढ़ रहे हैं या किन–किन जगहों पर काम कर रहे हैं, उनकी और क्या–क्या उपलब्धियाँ रही हैं, आदि ।

टिप

यहाँ कुछ उल्लेखनीय, पूर्व छात्र/छात्राओं का जिक्र अवश्य करें ताकि बच्चे इस बारे में अच्छे से समझ बना सकें और साथ साथ प्रेरित भी हो सकें।

- स्कूल के कुछ ऐसे अध्यापक जिनके काम का सम्मान करते हुए लोग आज भी उन्हें याद करते हैं।
- स्कूल को मिले, बच्चों एवं अध्यापकों से सम्बन्धित विभिन्न पुरस्कार एवं अन्य उपलब्धियाँ। यदि स्कूल रेकॉर्ड में इन उपलब्धियों की कुछ तस्वीरें, सर्टिफिकेट, आदि उपलब्ध हों तो उन्हें बच्चों को दिखाया जा सकता है।

3. स्कूल की वर्तमान सुविधाएँः

- स्कूल की इमारत, लैब, लाइब्रेरी, आदि से स्कूल में आए अच्छे बदलाव
- स्कूल के वर्तमान छात्रों की उपलब्धियाँ एवं अध्यापकों को मिले अवार्ड इत्यादि।
- स्कूल में पिछले कुछ वर्षों में हुई प्रोग्रेस जैसे– हैप्पीनेस करिकुलम, ई.एम.सी.करिकुलम, कला क्षेत्र में हुई तरक्की, मिशन बुनियाद, ई–लाइब्रेरी, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन, अलग–अलग स्कीम्ज/योजनाओं के अंतर्गत बच्चों को मिलने वाली सुविधाएँ, आदि।

4. स्कूल के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँः

- जैसे, बच्चों की अपने स्कूल से क्या–क्या अपेक्षाएँ हैं,
- वे अपने स्कूल में किस–किस तरह के परिवर्तन देखना चाहते हैं जिन पर उन्हें गर्व महसूस होगा,
- वे अपने स्कूल के भविष्य में खुद को कहाँ देखते हैं, आदि।

उपरोक्त बिंदुओं पर क्लास में बच्चों के साथ संक्षेप में चर्चा करें और उनके दिए जवाबों को साथ–साथ बोर्ड पर बनाई श्रेणियों में लिखते भी रहें।

यह कोशिश करें कि इस चर्चा के अंत में बच्चे अपने मन में कुछ तथ्य और कुछ भावनाएँ बना सकें जिनके कारण उनके मन में अपने स्कूल पर गर्व की भावना हमेशा के लिए स्थापित हो जाए। छोटी बड़ी परेशानी आती रहेंगी, लेकिन इस चर्चा में स्थापित गौरव पूरी जिंदगी बच्चे के मस्तिष्क में बैठेगा और वह जहाँ भी रहेगा, गर्व के साथ अपने स्कूल के बारे में हमेशा अपने साथियों को और अपनी अगली पीढ़ी को बतायेगा।

अब बच्चों के साथ अगली क्लास–एक्टिविटी करें–

क्लास एक्टिविटी

'स्कूल पर गर्व के कारणों की सूची बनाना'

इस एक्टिविटी में बच्चों से कहें कि उपरोक्त चर्चा के दौरान उन्होंने स्कूल पर गर्व के जो भी कारण बताएं या जो तथ्य स्कूल के इतिहास, वर्तमान और भविष्य के सम्बन्ध में क्लास के सामने रखें, उसमें से अपने पाँच पसंदीदा कारण, जिनकी वजह से वह अपने स्कूल पर गर्व करते हैं, अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित प्रकार से लिखें।

मुझे अपने स्कूल पर गर्व है क्योंकि–

1...

2...

3...

4...

5...

उपरोक्त एक्टिविटी के बाद, कुछ देर इसके बारे में चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। फिर पूरी क्लास के सामने अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न रखें–

आपने कहा कि आपका स्कूल आपका गौरव है तो आप में से कौन–कौन अपने स्कूल का गौरव बनना चाहेंगें?
स्कूल का गौरव बनने के लिए आपको क्या–क्या करना होगा?

उपरोक्त एक्टिविटी के बाद, कुछ देर इसके बारे में चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। फिर पूरी क्लास के सामने अगला महत्त्वपूर्ण प्रश्न रखें–

किसी भी बच्चे के जवाब को सही या गलत न कहें और किसी भी बिंदु पर अपने विचार बच्चों के साथ साझा न करें। इस चर्चा का मकसद यही है कि बच्चे इस बात की समझ बना सकें कि उनकी उम्र चाहे कुछ भी क्यों न हो, वे निश्चित ही अपने कामों से, अपनी उपलब्धियों से, अपने व्यवहार आदि से अपने स्कूल का गौरव बढ़ा सकते हैं। इस तरह की चर्चा से बच्चों को अपने स्कूल को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरणा जरूर मिलेगी।

होमवर्क

5.3.C अपने स्कूल पर गर्व क्यों?

सभी बच्चों को नीचे दिये प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आप किस स्कूल में, और किस क्लास तक पढ़े हैं? क्या आपको अपने उस स्कूल पर गर्व है? यदि हाँ, तो तीन कारण बतायें।

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 5.4

मेरा परिवार:मेरा गौरव

5.4.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को अपने परिवार के साथ बैठकर इस बात पर चर्चा करने के लिए कहा गया था कि उन्हें स्कूल की किन–किन बातों पर गर्व है। क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को अपने परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने के अपने अनुभव को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से यह भी बताने के लिए कहें कि क्या वे पहले भी अपने घर में, अपने परिवार के साथ बैठकर किसी प्रकार की चर्चा करते हैं।

5.4.B क्लासरूम चर्चा: मेरा परिवार: मेरा गौरव

लगभग 3–4 दिन

बच्चों से कहें कि पिछली एक्टिविटी में हमने स्कूल के लिए गर्व की भावना पर चर्चा की और इस एक्टिविटी में हम अपने परिवार पर गर्व के बारे में बातचीत करेंगे। अब बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

> **क्या आप अपने परिवार पर गर्व करते हैं? यदि हाँ, तो परिवार पर गर्व के पीछे आपका क्या कारण है?**

कुछ समय बच्चों के साथ सामूहिक रूप से परिवार के गौरव पर चर्चा करें। हो सकता है कि परिवार के मुद्दे पर बात करने में, शुरुआत में बच्चे थोड़ा झिझकें, लेकिन आप उन्हें अपने तरीके से क्लास में, सहज और आश्वस्त अनुभव करायें। स्कूल के गौरव की तरह ही परिवार के गौरव पर भी चर्चा करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

इस बारे में चर्चा करते समय बच्चों का ध्यान नीचे लिखे बिंदुओं की ओर जरूर दिलायें –

- बच्चों के साथ चर्चा करें कि हो सकता है उनका परिवार एक मशहूर परिवार न हो, हो सकता है, उनके परिवार ने किसी और के लिए ऐसा कुछ न किया हो जिसे वह देश के गौरव, स्कूल के गौरव में उपलब्धि के रूप में देख सकें, लेकिन यह जरूर ध्यान देना चाहिए कि अगर उनके परिवार में उनके माता–पिता संघर्ष करके उन्हें पढ़ा रहे हैं, अपना परिवार चला रहे हैं, अपनी पिछली पीढ़ियों से खुद को और अगली पीढ़ी को शिक्षा और प्रगति के क्षेत्र में आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं तो उनके लिए अपने परिवार के बारे में गौरव करने की सबसे बड़ी बात तो यही है।
- बच्चों का ध्यान इस ओर दिलायें कि वे निम्नलिखित में से कुछ या अधिक कारणों से भी अपने परिवार पर गर्व कर सकते हैं –
  - – परिवार में बच्चों की शिक्षा को लेकर सोच
  - – उनका नौकरी व्यापार इत्यादि में किया गया संघर्ष एवं अनुभव
  - – बुजुर्गों का सम्मान करने की प्रवृत्ति
  - – महिलाओं का सम्मान करने की प्रवृत्ति
  - – लड़के–लड़की में भेद न करने की प्रवृत्ति
  - – परिवार के सदस्यों की खेलकूद में रुचि
  - – अपने आसपास साफ–सफाई रखने की प्रवृत्ति
  - – अपने आसपास गंदगी न फैलाने की प्रवृत्ति
  - – जाति धर्म के आधार पर ऊँच–नीच का भेद न करने की प्रवृत्ति
  - – ट्रैफिक नियमों का पालन करने की प्रवृत्ति

– अन्य लोगों की मदद करने की प्रवृत्ति, इत्यादि

– परिवार में घूमने–फिरने, पर्यटन आदि की प्रवृत्ति

– त्यौहार–उत्सव आदि की परिवार की परम्पराएँ

टिप

उपरोक्त विषयों पर परिवार की पिछली या वर्तमान पीढ़ी की अच्छी परम्पराएँ अगर हैं, तो बच्चा उन्हें भी अपने परिवार के गौरव के रूप में देख सकता है क्योंकि यह भी बच्चे के लिए अपने परिवार पर गौरव करने के कारण है। इन सभी मुद्दों पर भी बच्चों के साथ चर्चा करें।

अब बच्चों को आगे दी गई एक्टिविटी, क्लास में ही करने के लिए कहें।

क्लास एक्टिविटी

'परिवार पर गर्व के कारणों की सूची बनाना और थैंक्यू कहना'

इस एक्टिविटी में बच्चों को उन सभी बातों की सूची बनाने के लिए कहें जो आज तक बच्चे के परिवार ने उनके लिए क्या किया हैं। बच्चों को अपने परिवार को लेकर, अपनी समझ व अपने अनुभवों के आधार पर सूची बनाने दें। बच्चे चाहें तो दो मिनट अपनी आँखे बंद करके अपने परिवार के बारे में सोचकर अपनी सूची बना सकते हैं।

साथ ही बच्चों से ये भी कहें कि यदि उन्हें लगता है कि उनके परिवार ने आज तक उनका साथ दिया है, उनका ध्यान रखा है, तो वे अपने परिवार को घर जाकर "थैंक्यू" ज़रूर कहें।

उपरोक्त एक्टिविटी के बाद कुछ देर इसके बारे में चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार, क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। फिर नीचे दिए गये अगले महत्वपूर्ण टॉपिक पर क्लास में चर्चा करें–

महत्त्वपूर्ण टॉपिकः क्या आप अपने परिवार का गौरव हैं?

फिर पूरी क्लास के सामने निम्नलिखित प्रश्न एक–एक कर रखें–

आप में से कौन–कौन अपने परिवार का गौरव है या बनना चाहेगा?
आप कौन–कौन से काम करके अपने परिवार का गौरव बनेंगे?

बच्चों के साथ कुछ देर इस बारे में चर्चा करें ताकि वे यह समझ बना सकें कि वे अपने रोजमर्रा के कामों, अपने व्यवहार,अपनी सोच–विचारों आदि से भी अपने परिवार का गौरव बढ़ा सकते हैं। यदि बच्चों के पास से नीचे लिखे जवाब न आयें तो चर्चा के दौरान निम्नलिखित उदाहरण देकर बच्चों की इस बारे में समझ विकसित करने की कोशिश करें कि किन–किन कामों को करके वह अपने परिवार का गौरव बन सकते हैं:

- अच्छे से अपनी पढ़ाई करके
- दूसरे लोगों के साथ नम्रता और सम्मान के साथ व्यवहार करके
- अपनी और अपने आसपास साफ–सफाई का ध्यान रखकर

- बुजुर्गों का सम्मान और सेवा करके
- परिवार की महिलाओं का सम्मान करने की प्रवृत्ति रखकर
- परिवार में लड़के और लड़की में भेद न करने की प्रवृत्ति रखकर
- अपनी एवं अपने भाई बहनों की, यथासंभव बेहतरीन शिक्षा के प्रति अच्छी सोच रखकर
- किसी परेशानी में दूसरों की मदद करके
- अपने स्कूल के नियमों का पालन करके
- अपने आसपास साफ–सफाई रखकर
- गंदगी न फैलाने की आदत डालकर
- परिवार में घूमने–फिरने, पर्यटन आदि की प्रवृत्ति बढ़ाकर
- त्यौहार–उत्सव आदि परिवार की परम्पराओं मे सक्रिय भागीदारी निभाकर
- जाति धर्म के आधार पर ऊँच–नीच का भेद न करने की प्रवृत्ति रखकर
- ट्रैफिक नियमों का पालन करके
- अन्य लोगों की मदद करके
- अपने परिवार को ट्रिपल C की गारंटी देकर। ट्रिपल C की गारंटी का मतलब है करैक्टर, क्राइम और करप्शन की कोई शिकायत न आने देने की गारंटी। इसके तहत बच्चे एक दिन अपने परिवार के साथ बैठे और उन्हें कहे कि "पद पैसा और प्रतिष्ठा तो समय–समय की बात रहेगी लेकिन मैं आपको गारंटी देता हूँ कि आप कभी मेरे बारे में तीन गलत बातें नहीं सुनेंगे। मैं कोई ऐसा काम नहीं करूँगा जिससे लोग आपको आकर कहे कि आपका बच्चा कैरेक्टर में कमजोर है, या कोई क्राइम कर रहा है या कोई करप्शन कर रहा है।"

यह किसी भी परिवार के लिए एक बेहद महत्त्वपूर्ण घटना या बात हो सकती है। बच्चों के साथ इस बारे में खुलकर चर्चा करें और उन्हें प्रेरित करें कि प्रत्येक बच्चा अपने घर पर यह एक्टिविटी जरूर करे।

ऊपर दिए सभी बिंदुओं पर संक्षेप में चर्चा कर, बच्चों की इस बारे में समझ बनाने में मदद करें ताकि वे स्वयं अपने अंदर से ही इसके बारे में गहनता से विचार कर, अपनी समझ विकसित कर सकें और अपने मन में उठ रहे भावों और विचारों को जान सकें और अपने जीवन में सही आचरण के साथ आगे बढ़ सकें।

होमवर्क

5.4.C परिवार पर गर्व

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

मैं (बच्चा) ऐसे कौन से पाँच काम करूँ, जिनके करने से आपको (परिवार) लगेगा कि मैं अपने परिवार का गौरव हूँ?
और इन पाँचों में से वे कौन से काम होंगे जो यदि मैं नहीं कर पाया तब भी, मैं अपने परिवार का गर्व रहूँगा?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 5.5

मेरी दिल्ली: मेरा गौरव

5.5.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को अपने परिवार पर गर्व के पाँच या अधिक कारण लिखने के लिए कहा था। क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को अपने परिवार के साथ बातचीत करने के अनुभव को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। बच्चे चाहें तो अपने परिवार के साथ किसी ख़ास स्मृति को क्लास में बता सकते हैं।

5.5.B क्लासरूम चर्चा: मेरी दिल्ली-मेरा गौरव

लगभग 4–5 दिन

बच्चों से कहें कि पिछली एक्टिविटी में हमने स्कूल और परिवार के लिए गर्व की भावना पर चर्चा की और इस एक्टिविटी में हम अपने शहर, दिल्ली पर गर्व के बारे में बातचीत करेंगे। अब क्लास में सामूहिक रूप से निम्न प्रश्न पूछें–

आप में से कौन–कौन अपनी दिल्ली पर गर्व करता है?
दिल्ली पर गर्व के पीछे आपका क्या कारण है?

कुछ समय बच्चों के साथ सामूहिक रूप से दिल्ली के गौरव पर चर्चा करें। चर्चा में पहले बच्चों से ही उनके मन में जो भी विचार आएँ, क्लास में सबके साथ साझा करने के लिए कहें। फिर बच्चों को इस चैप्टर के शुरू में बनाई सात श्रेणियों के अनुसार, दिल्ली के इतिहास, वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर, अपने जवाब देने के लिए प्रेरित करें ।

अच्छा होगा यदि सभी श्रेणियों को संक्षेप में क्लास बोर्ड पर लिख दें, ताकि बच्चे उन्हें देखकर सोचें और अपने विचार दे पायें। फिर इन सात श्रेणियों को आधार मानते हुए ही दिल्ली के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध के कारण, दिल्ली के गौरवपूर्ण इतिहास, इसके वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में चर्चा करें।

चूँकि यह एक्टिविटी क्लास में दो– तीन दिन तक चलेगी तो अध्यापक अगली क्लास में आने से पहले बच्चों को स्वयं भी, दिल्ली को गौरवान्वित करने वाले तथ्य, सूचनाएँ आदि खोजने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। परंतु ध्यान रखें कि इस बात के लिए किसी भी बच्चे पर कोई दबाव न डालें।

यदि बच्चे इस बारे में अधिक न बता पायें तो नीचे कुछ सम्भावित बिंदु दिए गये हैं जिन्हें प्रश्नों के रूप में बच्चों के सामने रखकर उनके आधार पर बच्चों के साथ चर्चा कर सकते हैं –

1. देश की राजधानी का निवासी होने का गौरव:

- दिल्ली देश की राजधानी है और हर दिल्लीवासी इस बात पर गर्व करता है कि वह देश की राजधानी में रहता है।

2. दिल्ली के साथ बच्चे का कोई व्यक्तिगत या निजी सम्बन्ध:

- जैसे, बच्चे का परिवार, उसके दादा–दादी, नाना–नानी, रिश्तेदार शुरू से ही दिल्ली में ही रह रहे हैं,
- दिल्ली के साथ अपनापन महसूस होता है,
- यहाँ का समाज अच्छा लगता है या उनके साथ जुड़ाव महसूस होता है,
- यहाँ का मौसम, लोग, खान–पान, रहन–सहन आदि पसंद है,या कोई अन्य कारण।

3. दिल्ली के इतिहास की उपलब्धियों के कारणः

- जैसे, दिल्ली भारत की राजधानी है और थी
- यह वास्तुकला और निर्माण का केंद्र था, चाहे वह मुगल काल हो या ब्रिटिश युग।[12]
- पुराना किला की हैरान करने वाली वास्तुकला से लेकर अद्‌भुत हुमायूँ के मकबरे तक दिल्ली में कई अद्वितीय ऐतिहासिक इमारतें हैं जिन्हें देखने आज भी लोग दूर–दूर से आते हैं।[3]

4. दिल्ली की वर्तमान उपलब्धियों के कारणः

- जैसे, शिक्षा–दिल्ली में बच्चों के लिए शिक्षा की बेहतर व्यवस्थाएँ हैं।[4]

– यहाँ देश के नामी प्राइवेट स्कूल है। अब सरकारी स्कूल भी ऐसे होने लगे हैं ताकि हर बच्चे को, अमीर–गरीब सभी को, अच्छी शिक्षा के अवसर मिल सकें।[5]

– सिर्फ स्कूल ही नहीं, दिल्ली में स्कूल के बाद की शिक्षा के भी शानदार अवसर उपलब्ध हैं। देश की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज में से दिल्ली यूनिवर्सिटी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, जामिया यूनिवर्सिटी, अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में ही है। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट आदि की पढ़ाई के लिए जाने–माने आई.आई.टी., दिल्ली, दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी, मेडिकल की पढ़ाई के लिए एम्स, मौलाना आजाद कॉलेज आदि भी दिल्ली में ही हैं। बीते चार–पाँच साल में सरकार ने यहाँ चार नई यूनिवर्सिटी बनाई हैं। हाल ही में बनी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, दिल्ली स्किल यूनिवर्सिटी, देश की एकमात्र फार्मास्यूटिकल,इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए मशहूर नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, एन. एस. यू टी.एस. भी दिल्ली में है और यह सब मिलकर दिल्ली में रह रहे लोगों को भरोसा दिलाते हैं, कि उनके बच्चों की उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए भी दिल्ली में अब बहुत अच्छे इंतजाम हो रहे हैं।[6]

अध्यापक इस पर बच्चों के साथ क्लास में चर्चा करें।

- दिल्ली के स्कूलों में शिक्षा के स्तर में बदलाव, रिजल्ट में आए बदलाव, स्कूल की सुविधाओं में बदलाव, अध्यापकों की ट्रेनिंग में आए बदलाव आदि पर भी बच्चों से चर्चा करें ताकि वह इस पर गर्व महसूस कर सकें। साथ ही स्कूल में शुरू हुए नये पाठ्यक्रम जैसे– हैप्पीनेस करिकुलम, एंटरप्रेन्योरशिप करिकुलम और अब नया देश भक्ति पाठ्यक्रम इन सब के जरिए कैसे दिल्ली के बच्चों को एक सकारात्मक और रचनात्मक सोच मिल रही है और भविष्य में भी मिलेगी। दिल्ली के स्कूलों में शुरू हुए इन पाठ्यक्रमों पर दुनिया भर की नजर है, यहाँ तक कि अमेरिका जैसे देश भी इस ओर देख रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है और यह भी बच्चों के लिए गर्व की बात हो सकती है।[7]
- स्वास्थ्यः शिक्षा की ही तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश के सबसे प्रतिष्ठित एम्स से लेकर सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, एल.एन.जे.पी. अस्पताल, जी.बी. पंत अस्पताल, जी..टी.बी. अस्पताल, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, लिवर के इलाज के लिए आई.एल.बी.एस जैसे बड़े सरकारी अस्पताल और साथ ही साथ अपोलो, मैक्स आदि, देश के बड़े प्राइवेट अस्पताल दिल्ली में उपलब्ध है और यहाँ सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि देश भर से लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। एक दिल्ली वाले के लिए यह गर्व की बात है।[8]

अध्यापक इस विषय पर भी बच्चों के साथ क्लास में चर्चा जरूर करें।

- दिल्ली पूरे भारत के लोगों और संस्कृतियों को एक साथ लाती है। भोजन, पोशाक और भाषा की विस्तृत विविधता, देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता भारत की राजधानी,नई दिल्ली के महत्व के प्रमाण है ।
- दिल्ली मेट्रो भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली और इसके सैटेलाइट शहरों गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम, नोएडा, बहादुरगढ़ और बल्लभगढ़ की सेवा करने वाली एक सामूहिक रैपिड ट्रांजिट सिस्टम है। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी और सबसे व्यस्त मेट्रो रेल प्रणाली है, और कोलकाता मेट्रो के बाद दूसरी सबसे पुरानी है।[9]

5. दिल्ली के इतिहास में हुए ऐसे महापुरुषोंः

- दिल्ली के इतिहास में हुए सामाजिक कार्यकर्ता, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कवि, लेखक, कलाकार इत्यादि जिन्होंने पूरे देश को ही गौरवान्वित नहीं किया बल्कि अन्य देशों के लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनें।
- दिल्ली के स्वतंत्रता सेनानी जैसे अरुणा आसफ अली, अबुल कलाम आजाद, ब्रह्म प्रकाश, बृज कृष्ण चांदीवाला आदि ने बड़े–बड़े आंदोलनों में भाग लिया और पूरे देश के गौरव को बढ़ाया ।

- भारत की कई खेल हस्तियां,जैसे–युकी भांबरी(टेनिस), वीरेंद्र सहवाग(क्रिकेट), नेहा अग्रवाल (टेबल टेनिस), जोगिंदर सिंह (हॉकी), तानिया सचदेव (शतरंज), सतपाल सिंह (कुश्ती), इंदु पुरी (टेबल टेनिस), खजान सिंह (तैराकी) आदि दिल्ली की ही देन हैं जिन्हें बड़े–बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया आदि।

सजेस्टेड एक्टिविटी– बच्चे किसी भी एक महापुरुष के बारे में जानकारी प्राप्त कर, उनके बारे में कोई लेख, कविता, पत्र आदि लिख सकते हैं। यदि सम्भव हो तो एक संक्षिप्त प्रोजेक्ट भी बनाया जा सकता है जिसे बच्चे आपस में एक्स्चेंज करके और अधिक जानकारी ले सकते हैं।

6. दिल्ली के आज यानी वर्तमान में मौजूद प्रसिद्ध पुरुषों एवं महापुरुषों के कारणः

- भारत के एक जाने–माने समाज सेवक हैं, कैलाश सत्यार्थी जी, जो दिल्ली के ही निवासी हैं और यह हम सब दिल्ली वासियों के लिए बड़े गौरव की बात है। कैलाश सत्यार्थी जी का नाम दुनिया भर में बच्चों को शिक्षा के अधिकार और बाल मजदूरी के खिलाफ बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले समाज सुधारक के रूप में जाना जाता है जिसके लिए वे 2014 में, नोबेल शांति पुरस्कार के सह–प्राप्तकर्ता भी बनें। यह हम सब दिल्ली वालों के लिए निश्चित ही गर्व करने वाली बात है।[10]
- भारत में शौचालय एक बहुत बड़ा मुद्दा रहा है, हाँलाकि दिल्ली में अब घर–घर में शौचालय हैं और जहाँ नहीं हैं, वहाँ आस–पास सार्वजनिक शौचालय हैं। लेकिन साफ–सफाई और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, सबके लिए साफ–सुथरे शौचालय उपलब्ध कराने को एक मिशन बनाया, बिंदेश्वर पाठक जी ने, जो कि हमारी दिल्ली के ही रहने वाले हैं। उन्होंने "सुलभ इंटरनेशनल" नामक संस्था बनाई और देश भर में आम जनता के लिए, जिनके घर में शौचालय नहीं हैं या जो अपने घर से बाहर रहते हैं, उनकी सुविधा के लिए हजारों शौचालय बनवाए जिससे न सिर्फ देश में साफ–सफाई को बढ़ावा मिला बल्कि आसपास के वातावरण को साफ रखने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी सहयोग मिला। उनके इन्हीं अभूतपूर्व प्रयासों के लिए, उन्हें पद्म भूषण, लाल बहादुर शास्त्री आदि पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ये भी हम दिल्ली वासियों के लिए गर्व की बात है।[11]
- वीरेन्द्र सहवाग जी, जो एक भारतीय पूर्व क्रिकेटर रह चुके हैं, जिन्होंने अपनी क्रिकेट प्रतिभा के कारण, विश्व भर में हमारे देश का नाम रोशन किया, वे भी दिल्ली के ही रहने वाले हैं। यह निश्चित ही दिल्ली वासियों के लिए गर्व की बात है।
- देश भर में, लगभग दो दशकों तक, भारत की राजधानी, दिल्ली के ख़तरनाक वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए जोर–शोर से काम करने वाली सुनीता नारायण जी भी दिल्ली की ही रहने वाली हैं, जो कि हम दिल्ली वासियों के लिए गौरव की बात है।[12]
- चेतन भगत जी जो कि एक जाने–माने लेखक और वक्ता हैं। उनका जन्म भी नई दिल्ली में हुआ था जो कई बेस्टसेलिंग उपन्यासों जैसे फाइव पॉइंट समवन, द थ्री मिस्टेक्स ऑफ माई लाइफ, और टू स्टेट्स और आदि के लेखक हैं।
- इसी प्रकार के अन्य सामाजिक कार्यकर्ता, समाज सुधारक, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कवि, लेखक, कलाकार इत्यादि के नाम जो दिल्ली के वासी हैं और जो पूरी दुनिया में न सिर्फ मिसाल बनें बल्कि अन्य देशों के लोगों को उनसे प्रेरणा भी मिलती है।

सजेस्टेड एक्टिविटी– जैसी चौथे बिंदु में बताई गई।

7. दिल्ली के भविष्य की संभावनाओं के आधार पर

- **दिल्ली को लेकर बच्चों की क्या उम्मीदें हैं**
- **दिल्ली के भविष्य के बारे में वे क्या सोचते हैं**
- **वे अपनी दिल्ली को कैसा देखना चाहते हैं,दिल्ली को लेकर उनके क्या–क्या सपने हैं**
- **दिल्ली को कैसे और बेहतर बनाया जा सकता है, आदि ।**

सजेस्टेड एक्टिविटी– बच्चे दिल्ली के भविष्य के बारे में अपने भावों को किसी कविता, कहानी,लेख,ड्रॉइंग या किसी अन्य माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं।

अब एक्टिविटी में पहले पूछा गया प्रश्न पूरी क्लास के सामने फिर से दोहराऐं कि वे दिल्ली पर गर्व क्यों करते हैं । इस पर कुछ देर चर्चा करें और बच्चों की ओर से, उनकी सोच के आधार पर कुछ जवाब आने दें। इसके लिए वे अपनी वर्तमान समझ और स्थिति के अनुसार जो भी जवाब देते रहें उसकी एक सूची बोर्ड पर बनाते रहें ।बच्चों द्वारा दिए गए जवाबों को बोर्ड पर उपरोक्त श्रेणियों के सामने अलग–अलग लिखते रहें, ताकि बच्चे अपने और अपने अन्य साथियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के उत्तर में आ रहे जवाबों को अलग–अलग श्रेणियों में वर्गीकृत करना भी सीख सकें।

किसी भी बच्चे के जवाब पर सही या गलत न कहें बल्कि बच्चा जैसा भी जवाब दे रहा है, बिना बच्चे को यह एहसास करायें कि आप उनके जवाब से सहमत हैं या असहमत हैं, संतुष्ट हैं अथवा असंतुष्ट हैं, उनकी सराहना करें और उन्हें प्रेरित करें। एक–एक कर सभी बच्चों को जवाब देने का अवसर अवश्य दें।

अब बच्चों के साथ एक क्लास एक्टिविटी करें–

क्लास एक्टिविटी

'दिल्ली की गौरवान्वित करने वाली चीजों की सूची बनाना'

बच्चों को सोचकर उन सभी चीजों की सूची बनाने के लिए कहें जिन चीजों या जिन बातों के कारण बच्चे अपनी दिल्ली पर गर्व करते हैं। यह एक्टिविटी बच्चों से अलग–अलग या समूह में भी करने के लिए कहा जा सकता हैं। अपनी ओर से कोई जवाब न दें। बच्चों को अपनी समझ व आज तक के अपने अनुभवों के आधार पर सूची बनाने दें। किसी भी सूची को देखकर कोई विशिष्ट टिप्पणी न दें। बच्चे चाहें तो दो मिनट आँखे बंद करके इस बारे में गहराई से सोचकर फिर अपनी देशभक्ति डायरी में अपनी सूची बना सकते हैं। बच्चों को इस एक्टिविटी के लिए पूरा समय दें और उन्हें कम से कम अपने पाँच कारण लिखने को कहें जिनकी वजह से वे अपनी दिल्ली पर गर्व करते हैं।
बच्चे निम्नलिखित प्रकार से अपने जवाब की शुरुआत कर सकते हैं,

मुझे अपनी दिल्ली पर गर्व है क्योंकि–

1...

2...

3...

4...

5...

इस एक्टिविटी के पूरा होने के बाद, इस बारे में कुछ देर क्लास में चर्चा करें जिसमें बच्चे अपनी बनाई सूची के बारे में अपने विचार साझा कर सकते हैं।

होमवर्क

5.5.C दिल्ली पर गर्व क्यों?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

क्या आप अपनी दिल्ली पर गर्व करते हैं? अपनी दिल्ली पर गर्व करने के कम से कम कोई पाँच कारण बताएं।

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 5.6

मेरा देश : मेरा गौरव

5.6.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को अपनी दिल्ली पर गर्व के पाँच या अधिक कारण लिखने के लिए कहा था । क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को अपने परिवार के साथ बातचीत करने के अपने अनुभव को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। बच्चे चाहें तो दिल्ली में रहने की किसी ख़ास स्मृति को भी क्लास में बता सकते हैं।

5.6.B क्लासरूम चर्चा: मेरा देश : मेरा गौरव

लगभग 7 दिन

पिछली एक्टिविटीज़ में हमने बच्चों के साथ अपने स्कूल, अपने शहर और अपने परिवार पर गर्व करने के कारणों पर चर्चा की। अब चर्चा को वापिस देश के गौरव पर ले आयें । आशा है कि अब तक बच्चे गर्व करने के कारणों पर अपना और व्यापक दृष्टिकोण बना चुके होंगे और इस चर्चा के बाद उनका नज़रिया थोड़ा और बड़ा होगा।

अब फिर से पहली एक्टिविटी की शुरुआत में पूछे गये प्रश्न को सभी बच्चों से पूछें–

आप में से कौन–कौन अपने देश पर गर्व करता है?

सम्भव है कि इस प्रश्न के जवाब में सभी बच्चे अपना हाथ उठा दें। फिर पहली एक्टिविटी में पूछा गया महत्त्वपूर्ण प्रश्न, क्लास में सामूहिक रूप से दुबारा पूछें–

आप अपने देश पर गर्व क्यों करते हैं?
कोई भी व्यक्ति अपने देश पर गर्व क्यों करता है?

पाँच–सात मिनट तक चर्चा को सामूहिक रखें और बच्चों के द्वारा दिए गए देश पर गर्व करने के कुछ कारणों को बोर्ड पर भी सूचीबद्ध कर दें। उसके बाद आगे दी गई क्लास एक्टिविटी करें जिसे करने के बाद बच्चे देश के लिए अपनी गौरव की भावना को और अच्छे से समझ सकेंगे।

क्लास एक्टिविटी

'आँखे बंद कर देश के गौरव के बारे में सोचना'

क्लास के सभी बच्चों को 2–3 मिनट अपनी आँखें बंद करके बैठने के लिए कहें और उन्हें गंभीरता से नीचे लिखे प्रश्न पर विचार करने के लिए कहें कि ऐसे क्या–क्या कारण है कि वह अपने देश पर गर्व करते हैं।
फिर सामान्य आवाज में यह शब्द दोहराने के लिए कहें – मेरे देश का गौरव! बच्चों से कहें कि आँखे बंद किए हुए ही 'मेरे देश का गौरव' शब्द बोलते हुए उनके मन में क्या–क्या तस्वीरें उभरती है, उन पर ध्यान दें। एक बार फिर बच्चों को इन शब्दों को सामान्य आवाज में 2 से 3 बार दोहराने के लिए कहें।
अब सभी बच्चों को अपनी आँखें खोलने के लिए कहें। इसके बाद उन्हें अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कुछ समय दें और कहे कि अपने देश पर गर्व करने के कम से कम चार–पाँच कारण, अपनी देशभक्ति डायरी में संक्षेप में लिखें।

इसके बाद एक–एक बच्चे से, देश पर गर्व करने के कारण पर अपने विचार, क्लास में संक्षेप में अभिव्यक्त करने के लिए कहें ।

यह एक महत्त्वपूर्ण एक्टिविटी है, इसलिए इस पर चाहे कुछ दिन का समय लगे लेकिन ध्यान रहे कि क्लास का हर एक बच्चा अपनी देशभक्ति डायरी में अपने देश पर गर्व करने के कुछ कारण जरूर लिखें और उन्हें क्लास में चर्चा में अभिव्यक्त जरूर करें।

यदि बच्चों के पास से जवाब न मिल पाए तो चर्चा को गर्व की भावना की ओर ले जाने के लिए बीच–बीच में निम्नलिखित प्रश्नों को एक–एक कर बच्चों से पूछते रहें –

- *क्या आप देश के तिरंगे, तिरंगे के तीन रंगो, तिरंगे के बीच चक्र पर गर्व करते हैं? क्यों?*
- *क्या आप अपने देश के नेशनल एंबलम–अशोक स्तंभ पर गर्व करते हैं? क्यों?*
- *देश के संविधान पर.. (इतनी मानवीय और सबको समान मानने वाली प्रस्तावना दुनिया के संविधान में नहीं है जैसे हमारे देश में)*
- *क्या देश के राष्ट्रीय गान पर आप गर्व करते हैं? क्यों?*
- *क्या देश की धरती पर आपको गर्व हैं? क्यों?*
- *क्या देश में बनी ऐतिहासिक इमारतों जैसे, लाल किला, कुतुबमीनर, इंडिया गेट, कनॉट प्लेस, सिग्नेचर ब्रिज आदि पर आप गर्व करते हैं?*
- *क्या आप अपने स्कूल के किसी साथी या अपने किसी मित्र पर गर्व करते हैं? अपने उत्तर का कारण दीजिए।*
- *देश में भाषा, खान पान, त्योहारों, धर्मों आदि की जो विविधता है, क्या आप उस पर गर्व करते हैं? अपने जवाब का कारण भी बतायें ।*
- *क्या आप देश के लोगों पर गर्व करते हैं? यदि हाँ, तो किन– किन लोगों पर या सभी पर और क्यों?*
- *क्या आपको अपने देश के प्राकृतिक संसाधनों को देख कर गर्व महसूस होता है? अपने गर्व के लिए तर्क दीजिए?*

सभी प्रश्न एक साथ न पूछें। प्रश्नों के बीच–बीच में उन पर संक्षेप में चर्चा अवश्य करें ताकि बच्चे अपने हाँ या नहीं कहने के पीछे के कारणों को भी समझ सकें और सोच–विचार के बाद अपना जवाब क्लास में दें।

बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाबों के बारे में सोचने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें। बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ बच्चों को स्वचिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें। साथ ही बच्चों को अपनी ओर से किसी नियम कानून के बदलाव का सुझाव न दें।

अब बच्चों के साथ क्लास में ही 'तिरंगा गिफ्ट बास्केट' की एक्टिविटी करें जिसके लिए आवश्यक सामग्री जैसे रंग, कैंची, चार्ट पेपर या रंगीन कागज,गत्ता, आदि लाने की जानकारी, बच्चों को पहले से ही दे दें ।

क्लास एक्टिविटी

'तिरंगा गिफ्ट बास्केट बनाना'

बच्चों को "तिरंगा गिफ्ट बास्केट" एक्टिविटी का परिचय देंगे। इस एक्टिविटी में, बच्चे किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का चयन करेंगे जो देश को आगे बढ़ाने और विकसित करने में मदद करते है और जिन पर वे और भारत का तिरंगा भी गर्व करता है। बच्चे अपनी पसंद से किसी का भी चुनाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए –

व्यक्तियों का समूह जैसे – किसान, डॉक्टर, सब्जी विक्रेता, चौकीदार, शिक्षक, इंजीनियर, पायलट, नर्स, फल विक्रेता या अन्य कोई समूह ।

व्यक्ति – स्कूल के प्रधानाचार्य, राजनीति, खेल, संगीत, शिक्षाविदों या कंप्यूटर आदि से जुड़े प्रसिद्ध प्रतिष्ठित व्यक्तित्व वाले व्यक्ति या अन्य कोई व्यक्ति ।

व्यक्ति/व्यक्तियों के समूह को चुनने के बाद, बच्चे क्लास में स्वतंत्र रूप से या समूहों में अपने विचार साझा करेंगे कि वे अपनी तिरंगा गिफ्ट बास्केट को उस विशेष व्यक्ति/व्यक्तियों के समूह को क्यों समर्पित या डेडिकेट करना चाहते है। वे बता सकते है कि किस प्रकार से उनकी नजर में, उस व्यक्ति/व्यक्तियों के समूह ने तिरंगे को गौरवान्वित किया है। बच्चे इस कथन से शुरू कर सकते हैं जैसे – मैं अपनी तिरंगा टोकरी/बास्केट .... को देना चाहता हूँ क्योंकि वह/वे .... ।

बच्चे रंगीन कागज का उपयोग करके एक सुंदर तिरंगे की टोकरी को बनायेंगें या ड्रॉ करेंगें और उसमें अपने मन पसंद रंग भरेंगें। बनने के बाद बच्चे उसे काट कर गत्ते पर चिपका भी सकते है। बच्चे अपनी टोकरी पर नीचे दी गयी लाइन अपनी लिखाई में लिखेंगें:

मैं अपनी तिरंगे की टोकरी .... को उपहार में देना चाहती/चाहता हूँ क्योंकि वह/वे हमारे तिरंगे को गौरवान्वित कर रहे हैं।

सभी बच्चों की एक्टिविटी पूरी होने के बाद बच्चें क्लास में अपनी तिरंगा बास्केट दिखायेंगे। बच्चे चाहें तों उस व्यक्ति या उस समूह से सम्बन्धित कोई व्यक्ति उनके आसपास आसानी से मिल जाए तो किसी बड़े के साथ, वे अपनी तिरंगा गिफ्ट बास्केट उन्हें स्वयं गिफ्ट भी कर सकते हैं अन्यथा क्लास में उसे लगा सकते है।

एक्टिविटी 5.7

अपने देश पर गर्व के कुछ ठोस कारण

5.7.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को 'तिरंगा गिफ्ट बास्केट' बनाने के लिए कहा गया था। क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने अपनी बनाई बास्केट किसी को गिफ्ट में दी। यदि हाँ, तो उन्हे अपने अनुभवों को क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें। जैसा कि पिछली एक्टिविटी में भी बताया कि व्यक्ति के उपलब्ध न होने पर, यदि बच्चे चाहें तो वे अपनी तिरंगा गिफ्ट बास्केट क्लास में भी लगा सकते हैं। बच्चों के काम की सराहना करना न भूलें।

5.7.B क्लासरूम चर्चा: अपने देश पर गर्व के कुछ ठोस कारण

लगभग 8–10 दिन

बच्चों से कहें कि हम अपनी आगे की एक्टिविटीज़ में देश पर गर्व करने के कुछ ठोस कारणों पर चर्चा करेंगे और फिर एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न बच्चों के सामने रखें–

> क्या दुनिया को आगे बढ़ाने में हमारे देश का भी कोई योगदान रहा है? अपने जवाब के लिए कोई उदाहरण दीजिए।

कुछ देर, बच्चों के साथ इस बारे में सामान्य बातचीत करें और बच्चों के कुछ विचार सामने आने दें। फिर चर्चा को सही दिशा देने के लिए उनका ध्यान नीचे दी गई महत्वपूर्ण जानकारी की ओर दिलायें–

- वैसे तो दुनिया के हर एक देश में कुछ न कुछ ऐसा होता है जो उस देश के नागरिकों के लिए अपने देश पर गर्व करने की वजह बनता है। वर्तमान की सुविधाओं से लेकर उसके इतिहास तक में, प्रसिद्ध पुरुषों से लेकर महापुरुषों तक में, हर एक देश में कुछ न कुछ गर्व करने लायक होता ही है। इनमें से अधिकांश चीजें ऐसी हैं जो समय के साथ बदलती रहती हैं, कहीं ज्यादा तो कहीं कुछ कम होता रहता है।
- लेकिन भारत की कुछ ऐसी उपलब्धियाँ हैं जो सिर्फ भारत और भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि सारी दुनिया के लिए उपयोगी रही हैं। आज दुनिया जहाँ खड़ी है उसे यहाँ तक लाने में भारत का एक विशेष योगदान रहा है। हम भारतीयों के लिए यह सब बातें गर्व की बातें हैं जो हमारी आज की पीढ़ी के लिए ही नहीं बल्कि आज से 100 साल के बाद की पीढ़ी के लिए भी हमेशा गर्व का कारण बनी रहेगी। भारत के सम्बन्ध में कुछ ऐसी विशेष बातों का आगे की चर्चाओं में संक्षेप में उल्लेख करने की कोशिश की गई है।

बच्चों के साथ इस पर चर्चा करें और हर एक बच्चे के अंदर गर्व की भावना पैदा करने में उनकी मदद करें। फिर चर्चामें अगले महत्त्वपूर्ण टॉपिक या बिंदु की ओर बढ़े जो नीचे दिया गया है–

महत्त्वपूर्ण टॉपिक: भारत का मानवीय चेतना पर कार्य

इस विषय पर गहराई से बात करने से पहले, क्लास में सामूहिक रूप से नीचे लिखा प्रश्न पूछें–

> आपकी नज़र में, भारत की ऐसी कौन सी उपलब्धियाँ हैं जिनके कारण हमारे देश को ही नहीं बल्कि दूसरे देशों को भी फायदा हुआ है?

चर्चा की शुरुआत में बच्चों की ओर से कोई जवाब आने दें। हो सकता है बच्चे कहें कि भारत में शून्य, शतरंज, योग, प्राकृतिक फाइबर, बटन आदि की खोज की गई। यह भी सम्भव है कि बच्चों की ओर से बहुत अधिक जवाब न आयें तो ऐसे में चर्चा को सही दिशा देने की लिए नीचे लिखी जानकारी बच्चों को अवश्य दें–

परंतु यह ध्यान रखें कि नीचे दी गई जानकारी को पहले स्वयं अच्छे से पढ़े, समझें और आत्मसात् करें और उसके बाद ही, बच्चों के साथ इस बारे में चर्चा कर, उनकी समझ विकसित करें।

हमारे देश में मानवीय चेतना पर हजारों साल बहुत गहराई से काम हुआ है। चेतना मनुष्य की वह विशेषता है जो उसे जीवित रखती है और जो उसे अपने बारे में तथा अपने वातावरण के बारे में ज्ञान कराती है। इसी ज्ञान को विचारशक्ति या बुद्धि कहा जाता है। एक तरफ जहाँ पश्चिमी देशों में भौतिक जगत, यानी आँखों से दिखाई देने वाली दुनिया, पर काम किया और पिछले करीब 200 वर्षों में अलग–अलग तरह की रिसर्च करके अपने आसपास के पदार्थों की पहचान की और उनकी संरचना को समझा और उसके आधार पर भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान आदि की रचना की, वहीं भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने हजारों वर्ष तक मनुष्य की बुद्धि, उसके मन, उसकी कल्पनाशीलता, उसकी सोचने समझने और सहन करने की क्षमता, मन और बुद्धि में होने वाली क्रियाओं प्रतिक्रियाओं आदि पर बहुत गहराई से काम किया। भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने हजारों साल अपने मन और चेतना पर काम करके विज्ञान के जो निष्कर्ष निकाले थे उन्हीं को पश्चिम के वैज्ञानिकों ने पिछले करीब 200 साल में अपनी प्रयोगशालाओं में निकाला है।

चूँकि भारत का मूल काम चेतना पक्ष का रहा है इसीलिए भारत में योग और ध्यान जैसी पद्धतियाँ विकसित हुई और इसीलिए भारत में गीता जैसे ग्रंथों की रचना हुई जो आज दुनिया भर में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ माना जाता है। हम विभिन्न परिस्थितियों में मनुष्यों के सोचने, समझने और निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन का काम कर रहें हैं।

यह बात हर भारतीय को समझना जरूरी है कि भारत ने पूरी दुनिया को मन और बुद्धि को समझने का आधार दिया है। चेतना के विकास में भारत का योगदान निश्चित ही गौरव की बात है।

एक्टिविटी को आगे बढ़ाने के लिए, बच्चों से कहें कि अब हम अपने देश से सम्बन्धित कुछ सार्वजनिक लेकिन विशेष तथ्य, सूचनाएँ और तर्क आदि के बारे में जानेंगे जो निश्चित ही देश पर गर्व करने के ठोस कारण हैं। नीचे लिखे हर एक तथ्य, सूचना आदि को संक्षेप में क्लास बोर्ड पर लिखें और चर्चा करें। हर एक कारण के बारे में अलग–अलग बच्चों से संक्षेप में सामूहिक रूप से पूछें कि उनके विचार में यह हमारे देश पर गर्व करने का कारण है या नहीं।

' अपने देश पर गर्व करने के कुछ ठोस कारण'

- अपने 10000 साल के इतिहास में भारत ने कभी किसी देश या जाति पर आक्रमण नहीं किया। हम हमेशा से एक शांतिप्रिय और मेहनतकश लोगों का देश रहे हैं। हमने सारी दुनिया को अपना परिवार माना हैं और वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धांत दुनिया को दिया। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?
- भारतीय इतिहास के पन्नों को पलट कर देखा जाए तो उसमें एक ऐसे दौर का जिक्र भी मिलता है जब भारत की संपन्नता और सोने के सिक्कों के चलन ने भारत को दुनिया भर में सोने की चिड़िया बना दिया। पूरा विश्व भारत को सोने की चिड़िया के तौर पर जानता था।[13] क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?
- भारत ने शून्य की खोज करके दुनिया को दी उसके बाद ही दुनिया के देशों में गिनती का आविष्कार हुआ। गौर करने वाली बात यह भी है कि भारत में शून्य की खोज लगभग आज से 1500 साल पहले आर्यभट्ट नाम के हमारे महान गणितज्ञ ने की थी। यह इस बात का प्रमाण है 1500 साल पहले गणित और विज्ञान में नए अनुसंधान करने में हमारी गति इतनी तेज थी।क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि नहीं?[14]
- भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने 5000 साल पहले योग का अनुसंधान किया जिसमें सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शारीरिक अभ्यास पर ही नहीं बल्कि मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान को भी महत्व दिया गया। शरीर और मन के इसी संयुक्त अभ्यास को शरीर और मन के स्वस्थ रखने के लिए ''योग'' का नाम दिया गया, जिसे आज सारी दुनिया ''योगा'' के नाम से जानती है। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?[15]
- विश्व की सबसे पहली औपचारिक शिक्षा की यूनिवर्सिटी तक्षशिला विश्वविद्यालय के नाम से भारत में ही बनी थी। वह भी लगभग 3000 वर्ष पहले स्थापित हुई थी। इसमें पूरी दुनिया के 10,500 से अधिक छात्र अध्ययन करने के लिए आते थे और 60 से अधिक विषयों को पढ़ाया जाता था। अब से लगभग 2400 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रमणकारी सिकंदर के आक्रमण के समय तक्षशिला विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय ही नहीं था बल्कि उस समय के चिकित्सा शास्त्र यानी मेडिकल साइंस का एकमात्र सर्वोपरि केंद्र था। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं।[16]
- मानव जाति द्वारा जानी गई सबसे प्रारंभिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का अनुसंधान भी भारत में ही हुआ। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?[17]
- भारतीय मंगलयान का अपने प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश करना। भारत ने अपने पहले ही प्रयास में चंद्रमा की पड़ताल के लिए भेजे जाने वाले चंद्रयान को लॉन्च करने में सफलता अर्जित की और चंद्रमा की मिट्टी में पानी के कणों की मौजूदगी की खोज भी की। घरेलू संचार के लिए सैटलायट विकसित करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?[18]
- भारत को सारी दुनिया में बुद्ध, नानक, कबीर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी के देश के रूप में भी जाना जाता है। सारी दुनिया में लोग बड़े सम्मान से इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारत में इतने महान और ईश्वरीय व्यक्तित्व हुए हैं जिनसे आज भी सारी दुनिया जीवन जीने की प्रेरणा लेती है। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?
- ऐतिहासिक दृष्टि से अवलोकन करें तो भारत में लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली का आरंभ पूर्व वैदिक काल से ही हो गया था। प्राचीनकाल से ही भारत में सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था विद्यमान थी। इसके साक्ष्य प्राचीन साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों से प्राप्त होते हैं। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?[19]
- भारत गणराज्य दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा यहाँ रहता है। यूरोपीय संसद 2014 के अनुसार, 1267 मिलियन निवासियों के साथ, जिनमें से 834 मिलियन मतदान कर सकते हैं, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?[20] [21]

एक–एक कर बच्चों के सामने ऊपर दिए गए तथ्य चर्चा के बीच–बीच में रखें और उन्हें इनके मर्म को आत्मसात् करने दे जिससे वे देश की महानता के बारे में जानकर अपने देश के साथ अपना सच्चा रिश्ता बना सकें ।

इस एक्टिविटी का मकसद यही है कि बच्चे अपने मन में कुछ तथ्य, कुछ ठोस कारण और कुछ कभी न डगमगाने वाली भावनाएँ बना सकें जिनके कारण उनके मन में अपने देश पर गर्व की भावना हमेशा के लिए स्थापित हो जाए। छोटी बड़ी परेशानियाँ आती रहेंगी, लेकिन इस चर्चा में स्थापित गौरव पूरी जिंदगी बच्चे के मस्तिष्क में बैठेगा और वह जहाँ भी रहेगा, गर्व के साथ अपने देश के बारे में हमेशा दूसरों को, अपने साथियों को और अपनी अगली पीढ़ी को बताएगा।

जब क्लास में इन सब बातों पर चर्चा हो जाए तब अगली एक्टिविटी की ओर बढ़े।

क्लास एक्टिविटी

'मेरे देश से मेरा रिश्ता'

बच्चों को अब तक क्लास में जो भी चर्चा हुई उसके बाद देश के लिए अपनी भावना को और देश के साथ अपने सम्बन्ध को दर्शाने वाला कोई लेख, पैराग्राफ, कहानी, कविता, पत्र आदि लिखने के लिए कहें। जैसे पत्र के लिए एक उदाहरण नीचे दिया गया है–

प्रिय देश भारत,

मैं...........(नाम) ....

....

तुम्हारी/तुम्हारा

...........(भारत का/की नागरिक)

जब सभी बच्चे एक्टिविटी को पूरा कर लें, तब बच्चों को क्लास में अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें कि वे अपने देश के लिए अपने मन में कैसे भाव महसूस करते हैं, उनके देश के साथ उनका रिश्ता कैसा है , क्या उन्हें अपने देश पर गर्व है, क्या उन्हें अपने भारतीय होने पर गर्व है, आदि। इससे बच्चों को भी अपने भावों को समझने का अवसर मिलेगा।

बच्चों के किसी भी जवाब या किसी भी अभिव्यक्ति पर कोई सहमति या असहमति व्यक्त न करें बल्कि उन्हें उनके काम के लिए शाबाशी दें।

होमवर्क

5.7.C मेरा भारत देश महान

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े दो व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

क्या आप अपने देश पर गर्व करते हैं? अपनी देश पर गर्व करने के कोई पाँच या पाँच से अधिक कारण बताएं।

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी
5.8

क्या आप देश का गौरव बनना चाहेंगे?

5.8.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग शुरुआती 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को अपने परिवार के साथ बातचीत करने के अपने अनुभव को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

5.8.B क्लासरूम चर्चाः क्या आप देश का गौरव बनना चाहेंगे?

लगभग 3–4 दिन

अब तक हमने पिछली एक्टिविटीज़ में देश के लिए गर्व की भावना के विभिन्न पहलुओं को समझने की कोशिश की। अब हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि देश के गौरव को बढ़ाने और घटाने में देश के लोगों का ही हाथ होता है। साथ ही हम बच्चों को अपने अंदर झाँकने और ये समझ बनाने का अवसर भी देंगे कि वे भी अपने देश का गौरव बन सकते है। इस समझ को बनाने के लिए बच्चों के समक्ष दो महत्त्वपूर्ण प्रश्न एक–एक कर पूछें–

क्या देश के लोग देश का गौरव बढ़ा सकते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?
क्या देश के लोग देश का गौरव घटा भी सकते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?

बच्चों को अपनी समझ के अनुसार इन प्रश्नों के जवाब देने की पूरी आजादी दें और क्लास में इस बारे में गहराई से चर्चा करें क्योंकि बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं। अगर उन्हें ये बात समझ आ गई कि किसी व्यक्ति के विचार, उसकी सोच, उसका आचरण, देश के गौरव से सीधा–सीधा जुड़ा है, तो वे अपनी सोच और आचरण का ध्यान रखना धीरे–धीरे सीख जायेंगें।

क्लास एक्टिविटी

'देश का गौरव और हमारा आचरण'

बच्चों को निम्न परिस्थितयों को एक–एक कर पढ़ने के लिए कहें और फिर उनके बारे में सोचकर, यह बताने के लिए कहें कि उस विशिष्ट परिस्थिति में कोई व्यक्ति भारत के तिरंगे का गौरव बढ़ाता है या घटाता हैं। अध्यापक नीचे दी गई प्रश्नावली को क्लास के बोर्ड पर लिख दें और अगर संभव है तो इसकी फोटो कॉपी भी बच्चों को दी जा सकती है।

बच्चों को एक–एक परिस्थिति पर विचार कर, उनके सामने दिए कॉलम में सही या गलत का निशान लगाकर अपना जवाब लिखने को कहें। बच्चों को प्रश्नावली को समझने और सोच–विचार कर जवाब देने के लिए पूरा समय दें। यदि प्रश्नों को पढ़ने या समझने में बच्चों को कोई परेशानी हो तो आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करें।

क्रम संख्या	परिस्थिति का ब्यौरा	तिरंगे का गौरव बढ़ता है।	तिरंगे का गौरव घटता है।	कोई अन्य टिप्पणी
1.	जब कोई व्यक्ति किसी ट्रैफिक अफसर के न होने पर रेड लाइट पार कर ट्रैफिक के नियमों को तोड़ता है?			
2.	जब एक व्यक्ति जो देश पर किसी मुसीबत जैसे कोरोना आदि के आने पर बिना किसी निजी फायदे के देशवासियों की मदद करता है?			
3.	जब कोई बाहर तो वुमन एम्पावरमेंट और लड़के–लड़की की समानता की बात करता है पर अपने ही घर के अंदर स्त्रियों का सम्मान नहीं करता या उनका शोषण करता है?			
4.	जब कोई अपने धर्म के साथ–साथ देश के सभी धर्मों को एक जैसा सम्मान दे?			
5.	जब कोई व्यक्ति सभी लोगों का सम्मान करे चाहे वो किसी भी व्यवसाय या काम धंधे से जुड़ा हो?			
6.	जब कोई व्यक्ति अपने देश की संपत्ति को नुकसान पहुँचाता है?			
7.	जब कोई व्यक्ति अपना काम पूरी निष्ठा और मेहनत से करता है?			
8.	जब कोई व्यक्ति अपने आसपास रहने वाले जानवरों और पक्षियों को खाना–पानी या चोट लगने पर चिकित्सा आदि देकर उनकी देखभाल करे?			

9.	जब कोई व्यक्ति यमुना में किसी प्रकार की सामग्री, कूड़ा–कचरा आदि फेंकता है जिसकी वजह से नदी का पानी गन्दा होता है?			
10.	जब कोई व्यक्ति रिश्वत लेकर या देकर अपना काम करवाता है?			
11.	जब कोई व्यक्ति जरुरत पड़ने पर देश के लिए अपनी सुख–सुविधाएं छोड़ता है?			
12.	जब कोई व्यक्ति देश के लिए जान तक कुर्बान करने का ज़ज्बा रखता है?			

बच्चों को ऊपर दी गयी परिस्थितियों के बारे में सोचने का और फिर अपने विचार प्रकट करने का पूरा अवसर दें। बच्चों को किसी भी प्रकार से अपने विचार न दें नहीं तो वे उसे बिना सोचे समझे उन्हें स्वीकार कर लेंगे और असली भाव को नहीं समझ सकेंगे। बच्चों को यह समझ विकसित करने में मदद करें कि देश के लोगों का व्यवहार, आचरण, सोच, जीने के तरीकों आदि का असर देश के गौरव पर भी पड़ता है। हम अपने कामों से, अपने व्यवहार और आचरण से, अपने देश का गौरव बढ़ा भी सकते हैं और घटा भी सकते हैं।

अब बच्चों से अगले महत्त्वपूर्ण प्रश्न एक–एक कर पूछें और उन पर चर्चा करें–

क्या आप देश का गौरव बनना चाहेंगे?

आप किस तरह से देश का गौरव बनेंगे? अपने आज और अपने भविष्य के बारे में सोचते हुए बताएं।

क्या आपके पास देश का गौरव बनने के लिए कोई एक्शन प्लान है? यदि है, तो क्या है और यदि कोई एक्शन प्लान होगा तो कैसा होगा?

क्या ऐसा भी कुछ है जिसमें आपकी देश के लिए गौरव की भावना में अभी कुछ अधूरापन है? ध्यान से सोच कर बताएं।

बच्चों को इस बारे में सोचने के लिए समय दें और उन्हें अपने जवाब देने के लिए प्रेरित करें। साथ ही सहजता बरतते हुए यह सुनिश्चित करें कि क्लास का हर एक बच्चा अपने आप को जरूर अभिव्यक्त करे। अध्यापक चाहे तो बच्चों को इस बारे में ग्रुप में चर्चा करने के लिए कुछ समय देकर, फिर क्लास में उन्हें अपने विचार साझा करने के लिए कह सकते हैं। इससे सम्बन्धित कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं जैसे–

- पूरी मेहनत और लगन से पढाई करके
- अपने जीवन में कोई लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए पूरा प्रयास और मेहनत करके
- सभी धर्मों का सम्मान करके
- सभी प्रकार के व्यवसायों के लोगों का सम्मान करके
- देश के विकास में सहयोग देकर, जैसे बड़े होने पर जॉब–प्रोवाइडर या दूसरे लोगों को नौकरी प्रदान करने वाला बनकर, किसी प्रकार का अनुसंधान करके आदि ।

ट्रिपल–C फॉर्मूला का पालन करके, जिसका रेफरेन्स एक्टिविटी 4.3.B में दिया गया है आदि।

नोट

बच्चों के विचारों पर किसी प्रकार की कोई नकारात्मक टिप्पणी न करें क्योंकि अभी तो वे अपने मन के भावों को समझने का प्रयास कर रहें है। यदि उनके किसी जवाब को गलत कह दिया या कोई नकारात्मक भाव दे दिया तो वे खुलकर अपने अंदर के विचारों को व्यक्त नहीं करेंगे।

होमवर्क

5.8.C मेरा भारत देश महान

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े दो व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

क्या आप देश का गौरव बनना चाहेंगे?

क्या आप मानते हैं कि आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उससे देश का गौरव बढ़ रहा है?

आप किस तरह से देश का गौरव बढ़ा सकते हैं? अपने आज और अपने भविष्य के बारे में सोचते हुए बताएं।

क्या ऐसा भी कुछ है जहाँ आपके अंदर देश को गौरवान्वित करने की भावना में कुछ अधूरापन है?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 5.9

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

लगभग 1 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगें। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन –मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश से प्यार के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

'मेरा देश : मेरा गौरव' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें और साथ ही उन्हे बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नही की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगे।

मेरे कौन–से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनसे मेरा अपने देश के प्रति गर्व दिखाई देता है?

1.

2.

3.

4.

5.

अभी भी मेरे ऐसे कौन–से से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनसे मेरा देश के प्रति गर्व में कुछ अधूरापन हैं?

1.

2.

3.

4.

5.

नोट

यह एक सैल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए ही चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। अध्यापक उनके कार्य पर एक नज़र डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ्लैग डे

मेरे व्यवहार का तिरंगे पर प्रभाव

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

अधिकतम 1 दिन

पहली एक्टिविटी में बच्चों ने जाना कि उन्हें अपने व्यवहारों से अपने साथी– अपने तिरंगे झंडे को गौरवान्वित करना है। इसके लिए बच्चे हर चैप्टर के अंत में स्व निरीक्षण **(self analysis)** करेंगे कि किन व्यवहारों से उसके झंडे को भी उस पर गर्व महसूस होता है। इससे वे यह भी समझ सकेंगे की उनका हर व्यवहार देश को प्रत्ययक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

फ्लैग एक्टिविटी–1 में बच्चों ने जो अपना–अपना फ्लैग बनाया था, अब वे उसी से सम्बंधित इस एक्टिविटी के पहले दिन, अपने अभी तक के व्यवहारों, सोच–विचारों, कामों, आदि को नीचे दी गई दो श्रेणियों के अनुसार अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में लिखेंगे –

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा खुश हुआ है –	मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा दुखी हुआ है –
1.	1. ....
2.	2. ....
3.	3. ....
4.	4. ....

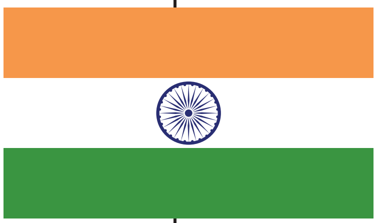

इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को पूरा समय दें और कोशिश करें कि हर बच्चा दोनों श्रेणियों के अंतर्गत, कम से कम अपने पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखे। बच्चों को बताएं कि यदि वे इस सूची में कुछ और लिखना चाहें तो वे बाद में भी इसमें जोड़ सकते हैं।

फिर इस बारे में क्लास में चर्चा करें और बच्चों को उनके व्यवहारों, विचारों और कामों आदि को दोनों श्रेणियों के अंतर्गत साझा करने के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चे अपने अच्छे और कुछ कम अच्छे कामों की ज़िम्मेदारी लेना भी सीख सकेंगे। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों आदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी कर रहे हैं।

नोट

बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनके किसी भी व्यवहार के लिए उन्हें जज नहीं किया जाएगा या उनके किसी भी व्यवहार के आधार पर उन्हें अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जाएगा। बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें परन्तु उन्हें अपने विचार सबके साथ साझा करने के लिए बाधित न करें।

मेरा भारत महान फिर भी विकसित देश क्यों नहीं?

6

उद्देश्य

- बच्चे स्वयं इस बात की समझ बना सकेंगे कि हमारे देश का इतना शानदार और महान अतीत होने के बावजूद भी आज हमारा देश दुनिया का एक विकसित राष्ट्र क्यों नहीं है।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि आजादी के 75 वर्षों के बाद भी देश में ऐसी क्या कमियाँ रह गईं और हमसे कहाँ–कहाँ गलतियाँ हुई, जिसके चलते मजबूत सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास वाला हमारा देश विकासशील देशों की श्रेणी में ही रह गया और विकसित देश नहीं बन सका।
- बच्चे स्वयं इस बात की समझ बना सकेंगे कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने में आ रही बाधाओं के लिए कहाँ पर देश के लोग व्यक्तिगत रूप से खुद जिम्मेदार हैं, कहाँ समाज जिम्मेदार हैं और कहाँ पर हमारी नीतियाँ कमजोर रह गई।
- बच्चे भारत के विकसित राष्ट्र बनने के रास्ते में आ रही बाधाओं को समझेंगे और उन्हें दूर करने का संकल्प ले सकेंगे।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि अगर एक पूरी पीढ़ी संकल्प के साथ इस काम में लग गई तो बहुत जल्द भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा।

एक्टिविटी 6.1

गर्व की भावना

6.1.A शुरुआती चर्चा

लगभग 10 मिनट

अब तक हमने देशभक्ति की क्लास में चर्चा करके निम्नलिखित बातों की समझ बनाने की कोशिश की, जैसे–

- देश क्या है
- देश से प्यार और सम्मान करने का क्या मतलब है
- देशभक्ति क्या है
- हमारे देश के वर्तमान और इतिहास की गौरवशाली बातें क्या है

क्लास की शुरुआत में कुछ देर इस बारे में चर्चा करें।

6.1.B क्लासरूम चर्चा: हमारा देश- विकसित या विकासशील?

लगभग 2–3 दिन

अब हम बात करेंगे कि हमारा देश दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले में आज कहाँ खड़ा है और दुनिया के छोटे बड़े देशों के सामने, भारत की स्थिति क्या है? दुनिया में तीन तरह के देश होते हैं। अब देशों के निम्न तीन प्रकारों के नाम, क्लास के बोर्ड पर लिख दें और इनके बारे में बच्चों को संक्षेप में बतायें–

- विकसित देश
- विकासशील देश
- अल्पविकसित देश

चर्चा के माध्यम से बच्चों को समझाएँ कि–

- जिन देशों में गरीब जनसंख्या बहुत कम होती है और बेरोज़गारी का स्तर भी कम होता है, वे विकसित देश कहलाते हैं।
- जिन देशों में गरीब जनसंख्या ज़्यादा होती है और साथ ही बेरोज़गारी की समस्या भी होती है, उन्हें विकासशील देश कहा जाता है।
- जिन देशों में गरीब जनसंख्या बाक़ी देशों से बहुत अधिक होती और जहाँ बहुत ज़्यादा बेरोज़गारी है उन्हें अल्पविकसित देशों की श्रेणी में रखा जाता है।

हो सकता है कि बच्चों ने कुछ देशों के नाम पहले सुन रखे हों और उनके बारे में अपने कोई विचार भी बनाएं हों। बच्चों को अपनी समझ के अनुसार इन तीनों प्रकार के देशों के कुछ उदाहरण देने के लिए कहें। चर्चा के दौरान बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न जरूर पूछें–

आपको क्या लगता है कि हमारा देश इन तीनों में से किस प्रकार का देश है या किस श्रेणी में आता है?

बच्चों की ओर से जो भी जवाब आएं, क्लास में उन्हें बताएं कि भारत अभी भी विकासशील देश हैं और चर्चा के दौरान, नीचे दिए कुछ उदाहरण क्लास में बोर्ड पर लिख दें–

- विकसित देश: जैसे अमेरिका, जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि।
- विकासशील देश: जैसे भारत, चीन, ब्राजील आदि।
- अल्पविकसित देश: जैसे अफगानिस्तान, कंबोडिया, नाइजीरिया आदि ।

यहाँ इस टॉपिक को रखने का मकसद बच्चों को विकसित देशों की पूरी अवधारणा समझाना नहीं है बल्कि उनके संज्ञान में यह लाना है कि दुनिया में बहुत सारे देश विकसित हो चुके हैं जबकि भारत अभी भी विकासशील देशों की श्रेणी में ही आता है।

इस बारे में बच्चों के साथ कुछ देर चर्चा करें और फिर नीचे लिखा प्रश्न पूछें–

भारत को आज़ादी मिले 70–75 साल हो गए, फिर भी भारत की गिनती विकासशील देशों में क्यों की जाती है?

बच्चों को अपनी आज तक की समझ और अनुभवों के आधार पर जवाब देने के लिए प्रेरित करें और चर्चा को सही दिशा देने के लिए नीचे लिखे कुछ प्रश्न एक–एक कर बच्चों के सामने रखें –

1. *जब हम (अध्यापक अपने बारे में बताएं) स्कूल में पढ़ते थे तब भी पढ़ाया जाता था कि भारत एक विकासशील देश है और आज इतने साल बीत जाने के बाद भी, भारत एक विकासशील देश ही बना हुआ है, आख़िर ऐसा क्यों?*
2. *जापान एक ऐसा देश है जिसके दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी, दूसरे विश्व युद्ध में पूरी तरह तबाह हो गए थे, लेकिन फिर भी आज उसकी गिनती विकसित देशों में की जाती है, वहीं आजादी के 70–75 सालों के बाद भी हमारा देश आज एक विकासशील देश ही कहलाता है, आख़िर ऐसा क्यों?*
3. *जर्मनी ने भी, पहले और दूसरे विश्व युद्ध में आर्थिक नुकसान होने के बावजूद, आज इतनी उन्नति कर ली है कि वह भी विकसित देशों की श्रेणी में आता है। पर हमारा देश आज भी विकासशील देशों की श्रेणी में हैं, आख़िर ऐसा क्यों?*

बच्चों को इस बारे में सोचने के लिए समय दें और कुछ देर इस पर संक्षेप में चर्चा करें ।

एक्टिविटी 6.2

भारत अब भी विकासशील देश ही क्यों?

6.2.A क्लासरूम चर्चा: भारत अब भी विकासशील देश ही क्यों?

लगभग 2–3 दिन

अब हम उन समस्याओं के बारे में चर्चा करेंगे जिनके कारण भारत का नाम दुनिया के विकसित देशों में नहीं आता। हमारे देश की कुछ समस्याएं हैं जिन्हें यदि हम ठीक कर लेंगे तो हमारे भारत का नाम विकसित देशों में आने में देर नहीं लगेगी। लेकिन देश की बड़ी समस्याओं पर हम बाद में बात करेंगे, उससे पहले अपने आस पास की समस्याओं की बात करते हैं। चर्चा को शुरू करने के लिए सामूहिक रूप से बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न एक–एक कर पूछें–

आप अपने आस–पास क्या समस्याएँ देखते हैं ?

बच्चों को इस बारे में अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें और हर बच्चे को कम से कम एक–एक बार अभिव्यक्ति का अवसर जरूर दें। बच्चों को अपने मन में आ रहे विचारों को खुलकर, बिना किसी झिझक के, क्लास में व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें।

क्लास एक्टिविटी

'रोजमर्रा की समस्याओं की सूची बनाना'

इस एक्टिविटी में बच्चों से कहें कि नीचे दिए प्रश्न को ध्यान से पढ़कर उसके जवाब में अपनी देशभक्ति डायरी में रोजमर्रा की समस्याओं की सूची तैयार करें–

अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आप खुद को या अपने आसपास के लोगों को कौन–कौन सी समस्याओं से जूझते हुए देखते हैं?

बच्चे चाहें तो कुछ देर अपनी आंखें बंद करके अपनी और दूसरों की समस्याओं के बारे में सोच सकते हैं और फिर नीचे लिखे वाक्य के अनुसार अपनी सूची बना सकते हैं।

मैं अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में खुद को और अपने आस पास के लोगों को निम्नलिखित समस्याओं से जूझते हुए देखता/देखती हूँ–

1...

2...

3...

4...

5...

जब सभी बच्चे एक्टिविटी कर लें तो उन्हें अपनी–अपनी बनाई सूची को क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करे।

ध्यान रखें कि किसी भी बच्चे की बनाई हुई सूची पर कोई नकारात्मक टिप्पणी न दें। बच्चों की ओर से जो भी जवाब आएँ, उन्हें संक्षेप में क्लास के बोर्ड पर सूचीबद्ध करते चलें और उन पर चर्चा करें।

इस एक्टिविटी का मकसद यही है कि बच्चे अपने आसपास की समस्याओं की ओर ध्यान दें, ताकि वे उनके प्रति सजग और संवेदनशील बन सकें।

अगर चर्चा में बच्चों की ओर से निम्नलिखित में से कुछ समस्याओं का ज़िक्र न हो तो उनका ध्यान नीचे दी गई समस्याओं पर ज़रूर दिलाएँ, जैसे–

- बेरोज़गारी
- गरीबी
- महंगाई
- जुआखोरी
- अच्छे स्कूल कॉलेजों की कमी, शिक्षा का व्यापारीकरण
- अंधविश्वास
- बाल विवाह, बाल मजदूरी
- दहेज प्रथा
- परिवारों में लड़के–लड़कियों के अधिकारों में अंतर रखना
- जातियों में ऊँच–नीच, धर्म के आधार पर झगडे, क्षेत्रवाद के झगड़े
- अपनी मातृभाषा के प्रति हीन भाव, अंग्रेजी भाषा न आने पर हीनता का भाव
- स्कूलों, कॉलेजों, कॉलोनियों में, पब्लिक ट्रांसपोर्ट व सार्वजानिक स्थलों पर महिलाओं से छेड़छाड़ और बदसलूकी
- अपराध, नशा, धुम्रपान, गुटखा तम्बाकू का सेवन
- भ्रष्टाचार
- रिश्वतखोरी दलाली
- अच्छे अस्पतालों की कमी
- गंदगी, प्रदुषण
- बिजली की कमी, पीने के लिए साफ पानी की कमी
- बाजारों में नकली और मिलावटी सामान का बिकना

इन समस्याओं पर कुछ देर चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें कि आखिर वे इन समस्याओं के बारे में क्या सोचते हैं।

होमवर्क

6.2.B रोज़मर्रा की समस्याएँ

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े दो व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें–

अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में आप खुद को या अपने आसपास के लोगों को कौन–कौन सी समस्याओं से जूझते हुए देखते हैं?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी
6.3

आख़िर गलती कहाँ हुई?

6.3.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस–पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में उस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

6.3.B कलासरूम चर्चा: आख़िर गलती कहाँ हुई?

लगभग 3–4 दिन

पिछली एक्टिविटीज में हुई चर्चा से बच्चों में यह समझ बन चुकी होगी कि विकसित देशों का जीवन स्तर और सुविधाएँ, विकासशील देशों से बेहतर है। बच्चों से कहें कि अब हम आगे की इस चर्चा में यह जानने की कोशिश करेंगे कि आख़िर हमसे गलती कहाँ हुई कि आजादी के 75 सालों के बाद भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल नहीं हो सका।

फिर चर्चा के लिए नीचे दिया गया महत्वपूर्ण प्रश्न बच्चों के सामने रखें –

> आज़ादी के 75 सालों के बाद भी हमारा देश एक विकासशील देश ही है और हम विकसित देश नहीं बन पाए? आपकी नज़र में, आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है जिसका उद्देश्य है कि बच्चे इस बारे में विचार कर सकें कि भारत को आज़ाद हुए लगभग 75 साल हो गये और फिर भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में नहीं आता, तो कहीं न कहीं तो हमसे गलती हुई है। यही कोशिश करें कि बच्चे इस बारे में चर्चा करके,अपने अंदर से ही इस सवाल का जवाब ढूंढ सकें कि आखिर हमसे गलती कहाँ हुई?

बच्चों को अपने मन में उठ रहे भावों को व्यक्त करने का पूरा अवसर दें क्योंकि तभी वे इस बात की जड़ तक जा सकेंगे कि हमारा देश अभी तक भी विकासशील देश क्यों हैं और इस बारे में अपनी समझ बना सकेंगे। चर्चा को सही दिशा देने के लिए, हमारे देश के बारे में, नीचे कुछ संकेतात्मक प्रश्न दिए हैं जो बच्चों के मन में इस भाव को पैदा करने में मदद करेंगे–

नोट

इस एक्टिविटी में नीचे दिए गए प्रश्नों पर एक–एक कर चर्चा करें। अपनी ओर से इन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश न करें बल्कि प्रयास करें कि चर्चा में क्लास का हर एक बच्चा इन सवालों को अपने अंदर गहराई तक बिठा पाए और साथ में इन सवालों का जवाब तलाशने की भरसक कोशिश करें। इनके कोई सुनिश्चित जवाब बनाने का प्रयास अभी न करें।

1 जो देश दुनिया भर में कभी "सोने की चिड़िया" कहलाता था, आज आजादी के 75वें साल में भी उसकी गिनती दुनिया के विकसित देशों में नहीं हो रही है और वो लम्बे समय से केवल विकासशील देश बना हुआ है। ऐसा क्यों?[1]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

2 हजारों सालों तक भारत की पहचान पूरी दुनिया में "सोने की चिड़िया" के रूप में थी। परंतु आज सारी दुनिया की गरीब आबादी का 20% हिस्सा भारत में रहता है।[2]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

3 हमारे देश में तमाम प्रगति होने के बावजूद लगभग 22% लोग, यानी 27.5 करोड़ लोग पूरे दिन मेहनत करके भी, केवल 35 रुपए से कम कमा पाते है। ऐसे में उस व्यक्ति के लिए दो वक्त की रोटी जुटा पाना ही कितना मुश्किल होता है। ऐसा क्यों है?[3]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

4 आज भारत का एक व्यक्ति एक साल में औसतन 5 लाख रुपए कमाता है, वहीं अमेरिका में एक व्यक्ति सालाना 49 लाख कमाता है। वे देश जैसे ब्राजील, साउथ अफ्रीका, रूस, चीन, जिनकी तुलना भारत से की जाती है वहाँ भी एक व्यक्ति 9 लाख से लेकर 20 लाख तक कमाता है। यहाँ तक की जापान और जर्मनी जैसे देश भी, जो लगभग 75 साल पहले ही विश्व युद्ध में पूरी तरह बर्बाद हुए, वहाँ भी इतनी तरक्की हो चुकी है कि एक व्यक्ति सालाना लगभग 32 लाख (जापान), 41 लाख (जर्मनी) कमा लेता है। यहाँ सोचने वाली बात यह है कि हमारा देश जिसने इतने भयावह युद्ध की त्रासदियां भी नहीं झेली, आजादी के 75 साल बाद भी इतना पीछे क्यों है?[4]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

5 जिस भारत ने दुनिया को स्वस्थ रहने के लिए योग सिखाया, आयुर्वेद दिया, कैटरेक्ट सर्जरी दी,[5] उस भारत की आज़ादी के 75वें साल में हालत ये है, कि प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.5 बेड्स उपलब्ध है जबकि अमेरिका में प्रति 1000 लोगों पर 2.9, जर्मनी में 8, जापान में 13 और फ्रांस में 2.9 बेड्स है।[6]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

6 संयुक्त राष्ट्र की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार अपने नागरिकों को रोज़मर्रा की ज़रुरी सुविधाएँ देने के मामले में हम दुनिया के देशों की सूची में 131वें नंबर पर हैं यानि दुनिया के 130 देश हमसे बेहतर है। अमेरिका इस सूची में 17वें और जापान 19वें स्थान पर है। वहीं ऐसे देश जिनकी तुलना भारत से की जाती है, जैसे ब्राजील (84), साउथ अफ्रीका(114), चीन(85), और रूस(52) हमसे ऊपर है।[7]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

7 भारत में डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्ण जैसे महान शिक्षक रहे जो भारत के दूसरे राष्ट्रपति भी बने और आज हम सभी उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। जिस देश में शिक्षा को इतनी मान्यता दी गयी की गुरु को हमेशा भगवान के समान दर्जा दिया गया, और गुरु–शिष्य परंपरा को अत्यंत महत्त्व दिया गया, उसी देश में प्राथमिक विद्यालयों में 33 बच्चों पर एक अध्यापक है जबकि अमेरिका में 14, चीन में 16, जर्मनी में 12 और जापान में 16 बच्चों पर एक अध्यापक है। शिक्षा हमारी प्राथमिकता क्यों नहीं बनी?[8]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

8 आश्चर्य की बात है कि जिस देश ने 2700 साल पहले तक्षशिला जैसी विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी की स्थापना की जहाँ देश–विदेश से लोग आकर पढ़ने में गर्व महसूस करते थे उस देश में आज़ादी के 75वें साल में स्कूल में पढ़ने वाले केवल 29% बच्चो को स्कूल से पास होने के बाद उच्च स्तरीय शिक्षा उपलब्ध हो पाती है, और बाकियों को कॉलेज और यूनिवर्सिटीज़ में सीट नहीं मिलती। हमारे देश में इतनी पढ़ाई की व्यवस्था ही नहीं। आज़ादी के 75 साल बाद भी 71% बच्चों का यानी कि 96.5 करोड़ बच्चे, शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाते हैं, हमारे लिए सवाल खड़ा होता है कि,[9]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

9 एक समय हमारे भारत में शिक्षा का स्तर इतना ऊँचा था कि यहाँ शून्य और दशमलव की खोज हुई, तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय बने। लेकिन आज ऐसा क्या हुआ कि हमारे देश के बहुत से सक्षम परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए विदेशों की बड़ी–बड़ी यूनिवर्सिटीज़ में भेजने का सपना देखते है? आज हमारे देश में कोई भी कॉलेज या यूनिवर्सिटी ऐसी नहीं है, जहाँ पढ़ने का सपना अमेरिका या जापान जैसे देशों में बैठे कुछ परिवार देखते हों।[10]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

10 जिस भारत ने हज़ारो साल पहले दुनिया को शून्य और दशमलव की खोज करके दी,[11] [12] वही महान भारत आज नई खोज करने और अनुसन्धान के मामले में पिछड़ गया है। आज हमारी यूनिवर्सिटीज़ और कॉलेजेस में जो कुछ पढ़ाया जाता है वो दुनिया के अन्य देशो में की गयी खोज पर आधारित होता है। आज हमारी इंडस्ट्रीज़, टेक्नोलॉजी सब कुछ दुनिया के दूसरे देशो में हुई खोज पर चलने पर मजबूर क्यों है?

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

11 भरपूर प्राकृतिक संसाधनो वाला और दुनिया में सबसे ज्यादा बड़ी समतल उपजाऊ कृषि भूमि वाला देश होने के बावजूद ऐसा कैसे हो गया की हमारे देश के 4.5 करोड़ बच्चे कुपोषण का शिकार है। सारी दुनिया के कुल बच्चो में से एक तिहाई कुपोषित बच्चे भारत में रहते है।[13]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

12 हमारे देश में भरपूर प्राकृतिक संसाधन है, यहाँ गंगा, यमुना, ब्रह्पुत्र, गोदावर जैसी 400 से भी ज्यादा नदियाँ बहती हैं जहाँ बड़े–बड़े बाँध बने हुए है इसके बावजूद आज भी यहाँ लगभग 4 करोड़ लोगों के पास बिजली नहीं पहुँच पायी है, जबकि अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी जैसे विकसित देशो में 100 प्रतिशत आबादी के पास 24 घंटे बिना रुके बिजली उपलब्ध है।[14]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

13 प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता में भारत सबसे ऊपर है, जहाँ 400 नदियाँ है, 500 पर्वत श्रंखलायें है, और 87 प्रकार के खनिज उपलब्ध है, इसके बावजूद भी भारत के 8.8 करोड़ लोगों को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिलता। यह सुविधा उपलब्ध कराने में 138 देश हमसे बेहतर हैं।[15]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

14 दुनियाभर में मानवीय चेतना पर काम करने वाले भारत में आज अपने वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने की चेतना नहीं जाग सकी कि दुनिया के कुछ सबसे प्रदूषित शहर हमारे देश में हैं। आसमान में साफ हवा के मामले में भारत आज भी 179वें स्थान पर आता है, क्यों आज भी भारत की स्थिति कई कम विकसित देशों जैसे अफगानिस्तान, कंबोडिया, नाइजीरिया आदि से भी खराब है?[16]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

15 गौतम बुद्ध, गुरु नानक ,स्वामी विवेकानंद, और महात्मा गांधी का देश, गीता जैसे महान ग्रंथ का रचयिता देश, जो अपने मूल्यों और परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, वहाँ आज आम आदमी को बिज़नेस चलाने के लिए या सरकारी काम करने के लिए रिश्वत खोरी या दलाली का सामना करना पड़ता है। भ्रष्टाचार के मामले में दुनिया के 85 देश हमसे बेहतर है। हम कैसे इतना नीचे आ गए?[17]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

ये सब सवाल बच्चे के अंदर जगाने जरूरी हैं। हो सकता है कि इन सवालों की जड़ तक पहुँचते–पहुँचते, बच्चे अपने मन की उस अवस्था में पहुँच जाएँ, जहाँ वे स्वयं यह संकल्प लें कि वे पढ़–लिखकर और बड़े होकर इन परिस्थितियों को जरूर बदलेंगे और भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने की दिशा में काम करेंगे। अगर यह सवाल उनके अपने सवाल बन गए तो निश्चित तौर पर ये बच्चे आगे चलकर देश के लिए कुछ बेहतर करने की दिशा में देश की ताकत बनेंगे।

होमवर्क

6.3.C आखिर गलती कहाँ हो गई?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आपकी नज़र में वे कौन–कौन से कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से भारत आज भी पूरी तरह विकसित देश नहीं बन पाया ?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.4

गरीबी और बेरोजगारी

6.4.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस–पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें ।

6.4.B क्लासरूम चर्चा: गरीबी

लगभग 3–4 दिन

क्लासरूम चर्चा में बच्चों से कहें कि पिछली एक्टिविटी में हमने इस बारे में अपनी समझ विकसित करने की कोशिश की थी कि यदि भारत जैसा महान देश आजादी के 75 साल बाद भी विकसित देशों की गिनती में नहीं आया है तो निश्चित ही हमसे कहीं न कहीं कुछ गलतियाँ हुई हैं। अब हम इस एक्टिविटी में भारत देश में मौजूद गरीबी की समस्या पर चर्चा करेंगे। फिर चर्चा के लिए नीचे दिया गया महत्वपूर्ण प्रश्न बच्चों के सामने रखें–

क्या हमारे देश में मौजूद गरीबी की समस्या हमारे देश के विकास में बाधा या रुकावट बन रहीं हैं?

आशा है कि अब तक अध्यापक भी पूरी तरह समझ गए होंगे कि किस प्रकार दी हुई विषय–वस्तु के बारे में, प्रश्नों, संकेतों और चर्चा के माध्यम से, बच्चों की समझ बनानी है। इस चर्चा का मकसद है कि क्लास का हर एक बच्चा भारत देश की इन समस्याओं के पीछे के कारणों की ओर ध्यान दें ताकि वह भविष्य में उन्हें दूर करने में अपना पूरा योगदान दे सकें।

अब भारत की इन समस्याओं और उनके पीछे के कारणों पर एक–एक कर चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार साझा करने को कहें। चर्चा के दौरान बच्चों का ध्यान नीचे दी गयी विषय–वस्तु पर ले जाएँ–

- गरीबी: गरीबी का मतलब है लोगों के पास खाने–पीने और सम्मान से रहने के लिए आवश्यक सुविधाओं का न होना।
- किस तरह परिवारों में शिक्षा की कमी, गरीबी का मुख्य कारण है। यदि संभव हो तो बच्चों से अपने आसपास के शिक्षित और अशिक्षित दोनों ही तरह के परिवारों की स्थिति पर ध्यान देने को कहें।
- चर्चा में बच्चों का ध्यान खुद ही इस बात पर चला जाएगा और उनके मन में यह समझ बैठेगी कि गरीबी से मुक्ति के लिए शिक्षा एक प्रमुख जरूरत है और आजादी के 75 साल बाद भी,भारत के विकसित देश बनने में सबसे बड़ी रुकावट यही है कि हम अपने सभी बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था नहीं कर पाए।
- आज भी भारत मे ऐसे बच्चे हैं जिन्हें स्कूल की पढ़ाई तक नसीब नहीं है, उनके लिए कॉलेज, डिग्री की बात तो बहुत दूर की बात है।

यह एक बड़ी कमजोरी है जो हमें विकसित देश बनने से रोक रही है।

6.4.C क्लासरूम चर्चा: बेरोज़गारी

लगभग 3–4 दिन

अब अगली समस्या पर चर्चा करें और बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें–

क्या हमारे देश में मौजूद बेरोज़गारी की समस्या हमारे देश के विकास में बाधा या रुकावट बन रहीं हैं ?

आपकी नज़र में हमारे देश में बेरोज़गारी की समस्या के क्या कारण हैं ?

बच्चों के साथ चर्चा करें और उन्हें इस समस्या के पीछे के कारणों पर अपने विचार साझा करने को कहें। बेरोज़गारी के प्रति बच्चों की समझ ठीक से बनाना जरूरी है इसलिए बेहतर है कि बच्चों से ही पूछा जाए कि उनकी राय में बेरोज़गारी का प्रमुख कारण क्या है। इस चर्चा से बच्चों का ध्यान निम्नलिखित तीन बिंदुओं पर दिलाएं–

1. शिक्षा की कमी: बेरोज़गारी का एक प्रमुख कारण तो शिक्षा की कमी है। जो लोग पढ़–लिख नहीं पाते उनके लिए रोजगार तलाश करना जीवन भर एक समस्या बनी रहती है।

इस पर बच्चों से थोड़ी चर्चा करें और साथ ही उन्हें होमवर्क देकर अपने आसपास के परिवारों की शिक्षा और उनकी आर्थिक स्थिति को भी समझने को कहें।

2.अच्छी शिक्षा की कमी : फिर दूसरे कारण की ओर बढ़ें कि सिर्फ पढ़–लिखकर, कुछ क्लास पास कर लेने या, कोई डिग्री हासिल कर लेने भर से भी रोजगार नहीं मिल जाता है। इसके लिए नीचे कुछ बिंदु दिए गए हैं जो बहुत जरूरी हैं और जिन पर बच्चों के साथ चर्चा करना बेहद जरूरी है–

- बच्चों को जो शिक्षा मिल रही है, उस शिक्षा का स्तर भी अच्छा होना चाहिए।
- परीक्षा पास करने के लिए कामचलाऊ पढ़ाई की वजह से आज भारत में पढ़े–लिखे बेरोजगारों की एक बड़ी फौज खड़ी हो गई है। उनके पास डिग्री तो है लेकिन रोज़गार नहीं है और ना ही उनके पास कोई ऐसा हुनर या कौशल है,या उन्हें ऐसा कोई काम आता है जिसकी बदौलत वह अपने परिवार की रोजी–रोटी चला सके।
- आज हालत यह हो गई है कि अगर कहीं दसवीं पास की योग्यता की ज़रूरत वाली नौकरी निकलती है तो हजारों लाखो ऐसे युवा भी उस नौकरी को लेने के लिए लाइन में लग जाते हैं जिन्होंने ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और कई बार तो पीएचडी तक की पढ़ाई कर रखी होती है।[18]
- बच्चों का ध्यान इस ओर जरूर दिलाएं कि जरा सोचिए कि ऐसा क्यों हो रहा है कि ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पी. एच.डी, तक की डिग्री हासिल करने के बाद भी हमारे युवा रोजगार के लिए इस तरह भटक रहे हैं। नौकरियों की कमी तो इसका एक बड़ा कारण है ही, इस पर हम अगले टॉपिक में चर्चा करेंगे।
- लेकिन थोड़ा ध्यान इस ओर भी देना चाहिए कि युवाओं की पढ़ाई में भी ऐसी क्या कमी रह गई है, कि उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा। इस बारे में बच्चों को अपने विचार देने के लिए प्रेरित करें और फिर उनका ध्यान नीचे दिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ले जाएँ–
  - कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारे युवा, रट–रटकर, परीक्षा पास करने और डिग्री हासिल करने की हमारी शिक्षा व्यवस्था का शिकार हो गए हैं।
  - आज जहाँ नौकरियां है, वहाँ नौकरी देने वालों को ऐसे पढ़े–लिखे लोग नहीं चाहिए जिन्होंने रट–रट कर परीक्षा पास की है बल्कि उन्हें ऐसे लोग चाहिए जिनके अंदर अपने पढ़े हुए विषयों को बेहद आत्मविश्वास के साथ और नए–नए रचनात्मक तरीकों से अमल में लाने की योग्यता हो।
  - खास तौर पर प्राइवेट कंपनियाँ ऐसे ही युवाओं को नौकरी देना पसंद करती हैं जो केवल रटने के आधार पर नहीं बल्कि अपनी समझ के आधार पर, अपनी परीक्षाएं पास करके आए हैं।

जोर देकर बच्चों को इस बात को समझाने की कोशिश करें कि– जहाँ एक तरफ हमारी एक बड़ी कमी यह है कि हम अपने सभी बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था नहीं कर पाएं, वहीं यह भी सच है कि रट–रटकर परीक्षा पास कराने की शिक्षा प्रणाली भी हमारे भारत की एक बड़ी कमजोरियों में से है। रट–रटकर परीक्षा पास करने वाले लोगों का देश विकसित देश कैसे बनेगा?

यह चर्चा बहुत ध्यान से करें क्योंकि अगर स्कूल की उम्र में बच्चे के मन में यह बात समझ में आ गई तो निश्चित रूप से उसके मन में अपने विषयों को सिर्फ रटकर नहीं बल्कि समझ समझ कर पढ़ने की योग्यता हासिल करने का संकल्प पैदा होगा।

3.केवल नौकरी खोजने वाली शिक्षाः अब बेरोजगारी के तीसरे बड़े कारण पर चर्चा करें जो है–देश में नौकरियों की कमी। चर्चा में बच्चों का ध्यान निम्न बिंदुओं की ओर ले जाएं–

– बेरोज़गारी हमारी एक बड़ी समस्या है जिसका मतलब है कि व्यक्ति के पास अपनी आजीविका चलाने के लिए या पैसा कमाने के लिए कोई रोजगार नहीं है ।

– नौकरियों की संख्या में बेहद कमी, बेरोजगारी का एक बड़ा कारण है।

बच्चों से नीचे लिखा प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें–

नौकरियों की संख्या में इतनी अधिक कमी का क्या कारण है?

यह संभव है कि हमारे बच्चों के लिए यह सवाल थोड़ा जटिल हो और उनके पास इसका कोई स्पष्ट उत्तर ना हो, लेकिन फिर भी थोड़ी देर कोशिश करें कि क्लास के कुछ बच्चे सामूहिक रूप से अपने अंदर इस सवाल का जवाब ढूँढने का प्रयास जरूर करें। थोड़ी देर की चर्चा के बाद पूरी क्लास के सामने यह सवाल रखें–

अपनी पढ़ाई–लिखाई पूरी करने के बाद आप में से कौन–कौन बच्चा नौकरी करना चाहता है?

इस सवाल के जवाब मे संभवत अधिकांश बच्चे हाथ उठाएंगे। अगर कोई बच्चा उपरोक्त सवाल के जवाब में हाथ नहीं उठाता है तो उससे अलग से पूछ लें कि वह क्या करना चाहता है। अब क्लास के सामने अगला सवाल रखें–

अगर इस क्लास के सभी बच्चे नौकरियाँ ढूँढने निकलेंगे तो फिर नौकरी देने वाले लोग कहाँ से आएंगे?

इस बारे में बच्चों के साथ गहराई से चर्चा करें और उनके मन में आ रहे विचारों को बेझिझक क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

इन सवालों का मकसद, बच्चों का ध्यान इस ओर दिलाना है कि हमारी शिक्षा में, हम अधिकांशतः ऐसे बच्चे तैयार कर रहे हैं जो बड़े होकर नौकरियाँ ढूँढ रहे होंगे। हम ऐसे बच्चे तैयार नहीं कर रहे जो बड़े होकर अपना कोई काम, कोई बिजनेस, कोई कंपनी, या अपना कोई ऐसा व्यवसाय शुरू करें जिसमें उनका तो रोजगार चले ही, साथ ही सैकड़ों, हजारों लोगों के लिए नई नौकरियों के अवसर भी पैदा हो।

यह एक गंभीर विषय है इसलिए इस पर चर्चा करके नीचे दिए बिंदुओं पर बच्चों की समझ बनाने की कोशिश करें

- पढ़–लिख कर बड़े होकर नौकरियां तलाश करना कोई गलत बात नहीं है
- लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था की एक बड़ी खामी यह भी है कि हमारे स्कूलों में बच्चों को जो मानसिकता दी जा रही है वह नौकरी ढूँढने वाले की मानसिकता है, नौकरी देने वालों की नहीं
- जाहिर है कि अगर हमारे देश के स्कूलों से सिर्फ नौकरियाँ ढूँढने वाले बच्चे पढ़कर निकलेंगे, तो नौकरियों की कमी तो रहेगी ही और बेरोजगारों की लाइन लगातार लंबी होती चली जाएगी

इस चर्चा का उद्देश्य है कि बच्चों के अंदर यह समझ बन सके कि हमारी शिक्षा व्यवस्था नौकरियाँ ढूँढने वाले पढ़े–लिखे युवक देश को दे रही है और केवल नौकरियाँ ढूँढने वाले लोगों का देश, विकसित देश नहीं बन सकता। विकसित देश तो वही बन सकता है

जिसके युवा पढ़–लिखकर ऐसा काम करें जिससे सैकड़ों, हजारों, लाखों नौकरियाँ पैदा हों और सिर्फ देश के ही नहीं दुनिया युवा उनकी बनाई कंपनियों में नौकरी करने का सपना देखें।

क्लास एक्टिविटी

'आप क्या बनना चाहेंगे- नौकरी तलाशने वाला या नौकरी देने वाला'

इस एक्टिविटी में बच्चों से कहें कि नीचे दिए प्रश्न को ध्यान से पढ़कर, उसका जवाब, अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें–

आप पढ़–लिख कर बड़े होकर क्या बनना चाहेंगे– नौकरी तलाशने वाला या नौकरी देने वाला और क्यों?

बच्चे चाहें तो कुछ देर अपनी आंखें बंद करके, इस बारे में सोच सकते हैं और फिर नीचे लिखे वाक्य के अनुसार अपना जवाब लिख सकते हैं।

मैं बड़ी/बड़ा होकर पढ़–लिख कर नौकरी तलाशने/नौकरी देने वाली/वाला बनना चाहती/चाहता हूँ क्योंकि...

....

....

....

एक्टिविटी पूरी होने के बाद कुछ देर बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें और फिर चर्चा को और आगे बढ़ाते हुए बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

क्या किसी व्यक्ति के सफल होने के लिए केवल शिक्षित या पढ़ा–लिखा होना ही ज़रूरी है या उसके पास कोई ऐसा कौशल भी होना चाहिए जिसके दम पर वह अपना भविष्य सुनिश्चित कर सके और देश की प्रगति में योगदान दे सकें?

बच्चों को इस बारे में चिंतन करने दें कि क्या उनमें कोई ऐसा कौशल भी हो सकता है जिसके द्वारा वे, न केवल खुद के लिए बल्कि देश को विकसित बनाने की दिशा में भी अपना योगदान दे सकते हैं।

बच्चों में इस बारे में समझ बनाने की कोशिश करें कि यदि हमारे देश के युवा, अपना लक्ष्य निर्धारित करने के साथ–साथ अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्टता भी बना सकें तो उन्हें जरूर अच्छे परिणाम हासिल होंगे। फिर हमारा युवा मुश्किलों का सामना करने से नहीं डरेगा और किसी भी असफलता से हार नहीं मानेगा। उन्हें खुद पर भरोसा होगा और कुछ बड़ा और कुछ नया करने की सोच रखेंगे।

हमारे देश के युवा ना केवल खुद का रोजगार स्थापित करेंगे बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार पैदा कर सकेंगे। इस से देश की कमजोर अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

यहाँ बच्चों में सवाल या संशय उठ सकता है कि अपना काम शुरू करने के लिए संसाधन कहाँ से लाएंगे। अगर बच्चों के मन में यह सवाल आए तो 9वीं से 11वीं क्लास के लिए शुरू किए गए ई.एम.सी.पाठ्यक्रम में से कुछ ऐसे उदाहरण उनके सामने रखें जहाँ लोगों ने अपनी इच्छाशक्ति के दम पर संसाधनों के बिना बड़े से बड़ा काम खड़ा कर लिया और आज वे सफल उद्यमी हैं।

होमवर्क

6.4.D आप क्या बनना चाहेंगे?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

यदि आज आपको यह अवसर दिया जाए तो आप इन दोनों में से क्या बनना चाहेंगे– नौकरी तलाशने वाला या नौकरी देने वाला और क्यों ?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.5

शिक्षित व्यक्तियों में भी भ्रष्टाचार और रिश्वतख़ोरी की बीमारी

6.5.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि उन्होंने जिन तीन व्यक्तियों से बातचीत की, उनमें से ज्यादातर लोग क्या बनना चाहते थे। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

6.5.B क्लासरूम चर्चा: भ्रष्टाचार, रिश्वतख़ोरी, दलाली

लगभग 1–2 दिन

बच्चों को बतायें कि इस एक्टिविटी में हम देश की कुछ और समस्याओं पर चर्चा करेंगे जो है– भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और दलाली चर्चा को शुरू करने के लिए, बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें–

> क्या हमारे देश में भ्रष्टाचार एक समस्या है? आप भ्रष्टाचार से क्या समझते हैं ? क्या आपने या आपके परिवार ने कभी भ्रष्टाचार का सामना किया है?

पहले बच्चों की ओर से कोई जवाब आने दें और कुछ देर उस पर संक्षेप में चर्चा करें और इस बारे में उनकी समझ बनाने की कोशिश करें। फिर चर्चा के दौरान, नीचे लिखे कुछ और प्रश्नों को एक–एक कर बच्चों से पूछें –

- *क्या भ्रष्ट सरकारी व्यवस्था वाला देश तरक्की कर सकता है?*
- *क्या भ्रष्ट सरकारी व्यवस्था वाला देश विकसित देश बन सकता है?*
- *अगर देश के आम आदमी को अपने छोटे–छोटे काम कराने के लिए सरकारी दफ्तरों में रिश्वत देनी पड़े और बड़े–बड़े कामों में जनता का पैसा दलाली में खाया जाए तो क्या ऐसे में हम अपने भारत को विकसित देश बना सकते हैं?*

यह सामान्य सवाल है इन पर बच्चों के साथ थोड़ी देर चर्चा करें। इसके बाद इस एक्टिविटी के प्रमुख सवाल की तरफ बढ़े –

> आपके अनुसार, भ्रष्टाचार कौन ज्यादा करता है– पढ़े–लिखे लोग या अनपढ़ लोग ?

इस सवाल पर बच्चों को खुलकर दिमाग लगाने दें ।उन्हें यह समझने में मदद करें कि सरकारी कर्मचारी तो सभी के सभी पढ़े–लिखे होते हैं। सरकारी दफ्तर में बैठे क्लर्क से लेकर वहाँ के टॉप ऑफिसर तक सब पढ़े–लिखे होते हैं। बच्चों को विचार करने के लिए नीचे लिखे प्रश्न दें –

- *अगर इतना पढ़ने लिखने के बाद भी कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तो कहीं ना कहीं उसकी पढ़ाई में तो कमी रह गई ना? सोच कर देखें क्या कमी रह गई?*
- *एक बच्चा 10, 12 या 15 साल लगाकर अपनी पढ़ाई पूरी करता है, उसके बाद कम्पेटिटिव एग्जाम देकर अपनी योग्यता साबित करता है। कॉम्पिटिशन में पास होकर वह यह साबित करता है कि वह अन्य लोगों के मुकाबले बेहतर पढ़ा लिखा है, लेकिन बेहतर पढ़ा–लिखा होने के बावजूद अगर वह सरकारी दफ्तर में बैठकर रिश्वत लेता है, दलाली खाता है या खाने देता है तो फिर उसकी पढ़ाई–लिखाई में तो कुछ कमी रह गई ना? सोच कर देखें कि अच्छी शिक्षा के बावजूद कमी कहाँ रह गई?*

बच्चों की ओर से कुछ जवाब आने दें फिर उन्हें चर्चा के द्वारा कारणों की समझ बनाने की कोशिश करें—

- इसका जवाब है देशभक्ति। उसके अंदर देशभक्ति की कमी रह गई। वह पढ़ा—लिखा तो है, दूसरों के मुकाबले योग्य भी है, लेकिन अगर वह सरकारी दफ्तर में बैठकर गलत काम कर रहा है तो उसकी देशभक्ति में कमी है।
- यदि वह अपने देश से, अपने देश के लोगों से, अपने देश की व्यवस्था से प्यार नहीं करता, उसका सम्मान नहीं करता तो उसकी शिक्षा में उसको नहीं सिखाया गया कि वह ईमानदारी से काम करके अपने देश का गौरव बन सकता है।
- अगर देश के नागरिक अपने देश के प्रति देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत नहीं होंगे तो वह देश कभी भी विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता।
- हमसे यहीं गलती हो गई कि हमने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा तो दी लेकिन उनमें देशभक्ति कूट—कूट कर नहीं भर पाए।
- शिक्षा व्यवस्था को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी कि स्कूल—कॉलेज में आने वाला बच्चा, जब पढ़ाई पूरी करके बाहर जाए तो वह ज्ञान—विज्ञान की योग्यता से संपन्न तो हो ही, साथ—साथ उसमें, देशभक्ति भी कूट—कूट कर भरी हो।
- उसके अंदर देशभक्ति की भावना इस तरह भरी होनी चाहिए कि भले ही जो भी परिस्थिति उसके सामने आए, वह अपने देश के साथ कभी गद्दारी नहीं करेगा। यह जिम्मेदारी भी शिक्षा व्यवस्था को लेनी होगी।

होमवर्क

6.5.C भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, दलाली की समस्या

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आपकी नजर में कौन ज़्यादा भ्रष्टाचार करता है– पढ़े–लिखे लोग या अनपढ़ लोग?

यदि पढ़े–लिखे होने के बावजूद भी कोई भ्रष्टाचार करता है, तो कहाँ और क्या कमी रह गयी होगी जो वह ऐसा करता है?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.6

शिक्षित व्यक्तियों द्वारा भी गंदगी एवं प्रदूषण

6.6.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें ।

6.6.B क्लासरूम चर्चा: गंदगी एवं प्रदूषण

लगभग 1–2 दिन

बच्चों को बतायें कि इस एक्टिविटी में हम देश में मौजूद गंदगी और प्रदूषण की समस्या पर चर्चा करेंगे और फिर बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें –

क्या हमारे देश में गंदगी और प्रदूषण की समस्या है? यदि है, तो इसके मुख्य कारण क्या–क्या हैं?

क्या गंदगी और प्रदूषण की समस्या देश के विकास में रुकावट है?

बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे गंदगी और प्रदूषण देश की एक बहुत बड़ी समस्या बने हुए हैं और कैसे गंदगी और प्रदूषण के चलते न सिर्फ हमारे देश के लोगों की जान को खतरा पैदा होता है, बल्कि तरह–तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इस कारण हमारे देश की छवि भी खराब हो रही है।

बच्चों के साथ निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करें कि गंदगी और प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार लोग ऐसा क्यों करते हैं–

- *कई बार तो लोगों की लापरवाही होती है, जैसे कूड़ा इधर–उधर कहीं भी फेंक देना।*
- *कई लोग आदत से मजबूर होकर, कूड़े को सही जगह और सही तरीके से डालने की जगह कहीं भी फेंक देते हैं जि. ससे गंदगी फैलती है।*
- *कई लोग सफाई पर होने वाला खर्चा बचाने के लिए कूड़े को इधर–उधर फेंकते हैं जिससे गंदगी और प्रदूषण दोनों फैलता है।*
- *कई बार तो प्रदूषण के मामले में कुछ लोग, पैसे बचाने के लिए भी प्रदूषण फैला देते हैं, जैसे समय पर अपने वाहनों की जाँच न करवाना*

इन सब बिंदुओं पर क्लास में चर्चा करें और फिर बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

गंदगी और प्रदूषण कौन ज्यादा करता है– पढ़े–लिखे लोग या अनपढ़ लोग ?

यहां भी चर्चा को इसी तरह से समाप्त करें कि–

- अनपढ़ लोगों ने अगर गंदगी और प्रदूषण फैलाया, उनको तो एक बार को माफ भी किया जा सकता है लेकिन पढ़े लिखे लोग भी जब गंदगी और प्रदूषण फैलाते हुए दिखते हैं तो उनको कैसे माफ किया जा सकता है।
- कहीं ना कहीं वजह यहां भी उसकी देशभक्ति में कमी है, अगर वह देशभक्त होता, अगर अपने देश से प्यार करता, अपने देश का सम्मान करता तो अपनी आदत से मजबूर होकर, या लापरवाही के कारण, या थोड़े से लाभ के लिए गंदगी और प्रदूषण नहीं फैला रहा होता।
- आज अगर देश में चारों तरफ गंदगी और प्रदूषण है, और पढ़े–लिखे लोग भी गंदगी और प्रदूषण फैला रहे हैं तो इसके पीछे भी गलती कहीं ना कहीं शिक्षा में ही हो रही है।

- हमारे प्रतिभाशाली बच्चे गंदगी और प्रदूषण पर भाषण तो अच्छा दे देते हैं, निबंध भी अच्छा लिख लेते हैं लेकिन जब स्कूल या कॉलेज के बाद जिंदगी जीने के लिए पहुंचते हैं तो वहाँ प्रदूषण फैलाने वालों का हिस्सा बन जाते हैं और उस ओर ध्यान तक नहीं देते।

यहाँ पर यह भी चर्चा करें कि क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हर पढ़ा–लिखा आदमी जब स्कूल कॉलेज से बाहर निकले तो इस सोच के साथ निकले कि अगर पढ़ने–लिखने के बाद भी मैंने गंदगी और प्रदूषण में इतना योगदान दिया तो मेरी पढ़ाई–लिखाई बेकार है।

अगर हर पढ़ा–लिखा आदमी इस संकल्प के साथ जिएगा तो यह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बड़ा योगदान करेगा।

होमवर्क

6.6.C गंदगी और प्रदूषण की समस्या

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आपकी नज़र में हमारे देश में गंदगी और प्रदूषण की समस्या के क्या–क्या कारण हो सकते हैं और इस समस्या को कैसे दूर किया जा सकता है ?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.7

शिक्षित व्यक्तियों में भी जातियों, धर्म और क्षेत्रवाद के झगड़े

6.7.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें ।

6.7.B क्लासरूम चर्चा: जातियों, धर्म और क्षेत्रवाद के झगड़े

लगभग 1–2 दिन

बच्चों को बतायें कि इस एक्टिविटी में हम देश में मौजूद जातियों में ऊंच–नीच, धर्म के आधार पर झगड़े, क्षेत्रवाद के झगड़े की समस्या पर चर्चा करेंगे और फिर बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें –

यदि पढ़ने–लिखने के बाद भी हम जातियों में ऊँच–नीच, धर्म के आधार पर झगड़े और क्षेत्रवाद के झगड़े जैसी बीमारियों के शिकार बन जाते हैं, तो क्या ऐसी सोच वाले लोगों को देशभक्त कहा जा सकता है?

इन मुद्दों के बारे में भी बच्चों के साथ ऊपर की एक्टिविटीज की तरह ही चर्चा करें। उनके समक्ष इससे जुड़े हुए सवाल रखते हुए चर्चा करें जैसे–

- *जातियों में ऊंच–नीच, धर्म के आधार पर झगड़े, क्षेत्रवाद के झगड़े जैसी बीमारियां अगर अनपढ़ लोगों में हो तो फिर भी माना जा सकता है या नहीं?*
- *लेकिन अगर पढ़े–लिखे लोग भी अपने ही देश के लोगों को उनकी जाति या धर्म के आधार पर उनको अपने से अलग मानेंगे, उन्हें छोटा या बड़ा, अच्छा या बुरा बताएंगे, तो उनके पढ़ने–लिखने का फायदा ही क्या हुआ? क्या ऐसी सोच वाले लोग अपने आप को देशभक्त कह सकते हैं?*

बच्चों के साथ चर्चा करें कि उपरोक्त समस्याओं के अलावा, निम्नलिखित समस्याएं भी देश के विकास में रुकावट पैदा करती हैं–

- स्कूलों, कॉलेजों, कॉलोनियों, मार्केट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, राह चलते महिलाओं से छेड़छाड़ और बदसलूकी
- दहेज प्रथा
- बाल विवाह
- बाल मजदूरी आदि

बच्चों के साथ चर्चा करें कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने से रोकने में उपरोक्त समस्याएं भी बाधा बनी हुई है। चर्चा में नीचे दिए बिंदुओं की ओर अवश्य संकेत करें–

- जैसे–जैसे शिक्षा बढ़ रही है, वैसे–वैसे इन समस्याओं में कमी तो आई है, लेकिन अभी भी देखने में आया है कि पढ़े–लिखे परिवारों में भी लड़के और लड़की के अधिकारों में अंतर किसी न किसी रूप में देखने को मिल रहा है।
- यह कमी शिक्षा के साथ निश्चित रूप से खत्म हो जानी चाहिए। कम से कम पढ़े–लिखे लोगों के परिवारों में तो नहीं होनी चाहिए।
- इसी तरह बात जब महिलाओं के सम्मान के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ की आती है तो बहुत बार देखा गया है कि

पढ़े–लिखे लोग भी इसमें दोषी पाए जाते हैं।

- पढ़ाई–लिखाई के साथ हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पढ़े लिखे हर बच्चे में महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव स्थाई रूप से आ जाए।

उपरोक्त इन सभी मुद्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें और उनका ध्यान इस ओर ले जाएं कि कहीं ना कहीं अभी हमारी पढ़ाई लिखाई में ही कमी है कि हम अपने आसपास ऐसे लोग देख रहे हैं जो पढ़ने लिखने के बावजूद लड़के और लड़के में अंतर करते हैं, या महिलाओं का सम्मान नहीं करते। इस गलती को भी पढ़ाई–लिखाई के स्तर से ही दूर करना पड़ेगा।

होमवर्क

6.7.C जातियों में ऊँच-नीच, धर्म और क्षेत्रवाद के झगड़े

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्नों को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आपकी नजर में हमारे देश में मौजूद जातियों में ऊंच–नीच, धर्म के आधार पर झगड़े, क्षेत्रवाद के झगड़े की समस्या को कैसे दूर किया जा सकता है? अपने जवाब के लिए कम से कम दो तर्क दीजिए।

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.8

देश में बिजली-पानी की कमी

6.8.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटी के अंत में बच्चों को जिन सवालों के जवाब अपने आस पास के लोगों, रिश्तेदारों आदि से जानने के लिए कहा था, क्लास की शुरुआत में इस पर 10–15 मिनट के लिए चर्चा करें। साथ ही बच्चों को उनके साथ बातचीत करने के अपने अनुभवों को भी क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें।

6.8.B क्लासरूम चर्चा: देश में बिजली-पानी की कमी

लगभग 1–2 दिन

अध्यापक बच्चों को बताएं कि इस एक्टिविटी में हम देश में मौजूद बिजली–पानी की समस्या और उसके कारण पर चर्चा करेंगे और फिर बच्चों के सामने सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न रखें –

आज़ादी के इतने सालों के बाद भी, हमारे देश में बिजली और पानी की समस्या क्यों है?

क्या आपने भी कभी बिजली या पानी की किल्लत/कमी का या इनसे सम्बंधित अन्य किसी समस्या का सामना किया है?

बिजली की कमी और उसके कारण–

पहले बिजली की समस्या और उसके कारणों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। चर्चा के दौरान बच्चों का ध्यान निम्नलिखित बिंदुओं की ओर दिलाएँ–

- आज दुनिया के कई देश अपनी अधिकांश आबादी को बिजली उपलब्ध कराने में सक्षम है।
- विकसित देशों में तो, 100 प्रतिशत आबादी के पास बिना रुके बिजली है। चीन जैसे कुछ विकासशील देशों ने भी यह उपलब्धि हासिल की है जबकि भारत में लगभग 4 करोड़ लोगों के पास अभी भी बिजली नहीं है।[19]
- क्यों हमारे देश में लोग अभी भी बिजली की चोरी कर, बिजली विभाग को करोड़ों की चपत लगाते हैं। क्या ऐसे लोगों देशभक्ति में कमी है?
- क्या आज भी हमारी शिक्षा व्यवस्था देश के लोगों को ईमानदार बनाने में सक्षम नहीं है ताकि वे बिजली की चोरी न करें?

ये सभी बातें बच्चों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी हुई हैं, इसलिए बच्चों के मन में आ रहे विचारों को खुलकर क्लास में व्यक्त करने के लिए उन्हें प्रेरित करें, तभी वे इस समस्या की जड़ तक पहुँच सकेंगे और इसका हल ढूँढने में मददगार होंगे।

पीने के लिए साफ पानी की कमी–

फिर बच्चों के साथ पीने के साफ पानी की कमी पर चर्चा करें। चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं की ओर इधर अवश्य करें–

- स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता तक के मामले में भारत की स्थिति अभी भी बहुत खराब है।
- एक EPI-YALE अध्ययन के अनुसार, भारत 139वें स्थान पर है। यह कम विकसित देशों अफगानिस्तान (127वें स्थान) और कंबोडिया (118वें स्थान) से भी बदतर है। इसका मतलब है कि देश के एक बड़े हिस्से में अभी भी असुरक्षित पेयजल है। क्या आजादी के 75 सालों के बाद भी हमारे देश के हर व्यक्ति की साफ पीने के पानी की मूलभूत जरूरतों को भी पूरा न कर पाना देश की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है?[20]
- हमारे देश में लगभग आधी से ज़्यादा आबादी को साफ पानी नहीं मिलता है और अरब देश – दुबई जहाँ जमीन से सिर्फ खारा पानी निकलता है और चारों ओर से वह समुद्र से घिरा हुआ है, में भी अपने हर देशवासी के लिए साफ तथा स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था कर ली है।

- जर्मनी जैसे विकसित देश में मिनरल वाटर का कोई चलन नहीं है क्योंकि वहाँ हर नल में साफ पानी सप्लाई होता है जिसे सीधे गिलास में भरकर पिया जा सकता है। क्या वहाँ के प्रशासनिक स्तर के लोग ज्यादा देशभक्त और शिक्षित हैं कि वे अपने लोगों की साफ पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता को सबसे पहले पूरा कर रहे हैं? क्या वहाँ की जनता हमसे ज्यादा शिक्षित है कि साफ पानी को बर्बाद नहीं करती?[21]

हमारी देशभक्ति में कहाँ कमी रह गई कि यह आदत अब तक हम में पैदा नही हुई?

क्लास में इन सभी बिंदुओं के आधार पर बच्चों के साथ चर्चा करें। बच्चों को किसी भी प्रकार से सही या गलत न कहें। फिर बच्चों के साथ नीचे दो गयी क्लास एक्टिविटी करें –

क्लास एक्टिविटी

'बिजली-पानी की समस्या के कारण और उसका समाधान'

इस एक्टिविटी में बच्चों को देश में मौजूद, बिजली–पानी की समस्या के कारण और उन समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है, उसके लिए कुछ उपाय या समाधान अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें।

इस एक्टिविटी को बच्चों से अलग–अलग या ग्रूप में भी करने के लिए कह सकते हैं। अपनी ओर से कोई जवाब न दें। बच्चों को अपनी समझ व आज तक के अपने अनुभवों के आधार पर जवाब लिखने दें और बच्चों को एक्टिविटी को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय दें।

बिजली–पानी की समस्या के कारण–

1..

2..

3..

4..

5..

बिजली–पानी की समस्या के समाधान–

1..

2..

3..

4..

5..

जब सभी बच्चे इस एक्टिविटी को पूरा कर लें तो कुछ देर इस बारे में क्लास में चर्चा करें ।

एक्टिविटी 6.9

अच्छे स्कूल कॉलेजों की कमी, शिक्षा का व्यापारीकरण

6.9.A क्लासरूम चर्चा: शिक्षा का व्यापारीकरण

लगभग 1 दिन

बच्चों को बताएं कि इस एक्टिविटी में हम देश में मौजूद कुछ और समस्याओं और उसके कारणों के बारे में चर्चा करेंगे। आशा है, अब तक अध्यापक यह भली–भाँति समझ गए होंगे कि उन्हें चर्चा, संकेतों और प्रश्नों के माध्यम से यह कोशिश करनी है कि बच्चे स्व–चिंतन करके दिए गए बिंदुओं पर अपनी समझ बना सकें। एक–एक कर नीचे दी गई समस्याओं पर सामूहिक रूप से दिए गए बिंदुओं पर चर्चा करें–

- आज भी हमारे देश के हर गांव, हर शहर, हर राज्य में अच्छे कॉलेज नहीं है।
- हमारे यहाँ लोग प्राइवेट स्कूलों पर निर्भर हैं क्योंकि सरकारी स्कूलों में उच्च स्तर की शिक्षा की कमी है। जबकि विकसित देशों में 95%-100% बच्चे सरकारी स्कूलों में ही पढ़ते हैं।[22]
- शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो हर एक बच्चे को न सिर्फ रोजगार लायक बनाए बल्कि सोचने–समझने के लायक भी बनाए। विकसित देशों के सरकारी स्कूलों में सफलतापूर्वक ऐसा हो रहा है।
- लोगों की इन समस्याओं का फायदा उठाते हुए शिक्षा के दलाल, शिक्षा का व्यापारीकरण करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। न सिर्फ दिल्ली, कोटा बल्कि देश के कई राज्यों में प्राइवेट स्कूल, कोचिंग सेंटर तथा प्राइवेट कॉलेज कुकुरमुत्तों की तरह उग आए हैं। बच्चों को न सिर्फ यह सुनहरे भविष्य के झूठे सपने दिखाते हैं बल्कि उनकी मेहनत की कमाई पर डाका भी डालते हैं।

एक्टिविटी 6.10

अच्छे अस्पतालों की कमी

6.10.A क्लासरूम चर्चा: अच्छे अस्पतालों की कमी

लगभग 1 दिन

पिछली एक्टिविटीज़ की तरह ही नीचे दिए बिंदुओं पर क्लास में चर्चा करें–

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 1000 लोगों पर 2.9 और जापान में 1000 लोगों पर 13, की तुलना में भारत में प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.5 अस्पताल के बिस्तर उपलब्ध हैं।[23]
- हमारे देश की स्थिति कुछ–कुछ नाइजीरिया जैसी ही है, जो दुनिया के सबसे कम विकसित देशों में से एक है।[24]
- भारत में डॉक्टर–से–रोगी अनुपात बेहद कम है, जो प्रति 1,000 लोगों पर केवल 0.7 डॉक्टर है जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार यह अनुपात प्रति 1,000 लोगों पर 1 डॉक्टर का होना चाहिए।[25]
- कहाँ हमारी शिक्षा में कमी रह गई कि हम एक से बढ़कर एक मॉल, सिनेमाघर आदि तो बना पाए,पर अच्छे अस्पताल नहीं बना पाए, अधिक संख्या में अच्छे होनहार डॉक्टर, नर्सें नहीं बना पाए, हम नए मेडिकल शिक्षा संस्थान नहीं खोल पाए? आखिर कहाँ कमी रह गई?[26]
- हम मॉल, सिनेमाघर, एडवेंचर पार्क आदि बनाने को तो देश की तरक्की मानते है पर अस्पतालों को देश की तरक्की से जोड़ कर क्यों नही देखते? आखिर कहाँ कमी रह गई?

एक्टिविटी 6.11

जुआखोरी, अपराध, और नशा

6.11.A क्लासरूम चर्चा: जुआखोरी, अपराध और नशा

लगभग 1 दिन

पिछली एक्टिविटीज़ की तरह ही नीचे दिए बिंदुओं पर क्लास में चर्चा करें–

- जुआखोरी, अपराध, नशा, धुम्रपान, गुटखा, तंबाकू का सेवन–इन मुद्दों को भी बच्चों के सामने चर्चा के लिए रखे क्योंकि बच्चे अज्ञानता वश अपराध व नशे की दुनिया की ओर निकल पड़ते हैं।
- न सिर्फ जीवन में असफल व्यक्ति बल्कि अच्छे पढ़े–लिखे लोग भी जुआ तथा नशे की लत से लिप्त हो जाते हैं।
- क्या हमारी देशभक्ति की शिक्षा में कमी रह जाती है कि कुछ बच्चे शिक्षित हो जाने के बाद भी इन बुरी आदतों को जिंदगी में अपना लेते हैं?

एक्टिविटी 6.12

बाज़ारों में नकली और मिलावटी सामान की बिक्री

6.12.A क्लासरूम चर्चा: बाज़ारों में नकली और मिलावटी सामान की बिक्री

लगभग 1 दिन

पिछली एक्टिविटीज़ की तरह ही नीचे दिए बिंदुओं पर क्लास में चर्चा करें–

- शहरों से लेकर गांवों तक, देश में नकली व मिलावटी सामान की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।
- दूध गाय–भैंस का है या सिंथेटिक, सब्जी वाकई ताज़ी है या रंग में रंगी हुई, मसाले शुद्ध हैं या मिलावटी, दवाइयाँ नकली है या असली, खाद्य तेल शुद्ध है या मिलावटी। ऐसे हजारों सवाल हमारे मन में हर दिन ही आते हैं। बच्चों से पूछें कि क्या उनके मन में भी कभी ऐसे सवाल पैदा हुए हैं या क्या उन्होंने भी कभी ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है?
- जो लोग इस तरह के गलत काम कर रहे हैं उनकी शिक्षा में कहाँ कमी रह गई?
- क्या खाद्य संरक्षण विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की देशभक्ति में कमी है जो शिक्षित होने के बाद भी नकली और मिलावटी सामान बनाने वाली कंपनियों के लाइसेंस को रद्द नहीं करते। बल्कि हजारों लाखों लोगों की जान को जोखिम में डालकर ऐसे घटिया सामान को बाजार में धड़ल्ले से बिकने देते हैं।
- क्या हमारा ऐसा आचरण हमें विकसित देशों की श्रेणी में आने से रोकता है?

एक्टिविटी 6.13

अंधविश्वास

6.13.A क्लासरूम चर्चा: अंधविश्वास

लगभग 1–2 दिन

इस विषय पर चर्चा के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

क्या आप या आपके परिवार के लोग किसी प्रकार का अंधविश्वास करते हैं? यदि हाँ, तो किस प्रकार का अंधविश्वास?

क्या आप भी उन अंधविश्वासों का पालन करते हैं?

क्या आपने कभी उनके पीछे के कारण जानने का प्रयास किया?

थोड़ी चर्चा 'विश्वास' और 'अंधविश्वास' पर भी करें। बच्चों को स्पष्ट करें कि अंधविश्वास तब ख़तरनाक हो जाता है जब हम अपनी मान्यता को दूसरों पर जबरदस्ती थोपते हैं या जब हमारी मान्यताओं के कारण हम किसी को दुखी करें, परेशान करें, उसे कष्ट उठाने पर मजबूर करें या अपनी जान जोखिम में डालें। कुछ देर बच्चों के साथ इस बारे में चर्चा करें और बच्चों को अपने मन के भावों को क्लास में सबके साथ साझा करने के लिए प्रेरित करें। फिर बच्चों को अगली क्लास एक्टिविटी करने के लिए कहें–

क्लास एक्टिविटी

'अंधविश्वासों की जाँच'

नीचे दिए गए प्रश्नों को क्लास के बोर्ड पर लिख दें और उन्हें प्रश्नों को अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। फिर बच्चों से कहें कि एक–एक प्रश्न को पढ़कर, उसके बारे में सोचें और फिर अपना जवाब हाँ/नहीं या एक शब्द में अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें–

1. किस दिन आप बाल तथा नाखून काटने से परहेज करते हैं?............
2. क्या आप हर दिन कपड़े धो लेते हैं?............
3. क्या आप काली बिल्ली के रास्ता काटने पर चलते–चलते रुक जाते हैं?............
4. क्या आप सूरज ढलने के बाद घर में झाड़ू नहीं लगा सकते?............
5. क्या आपके घर में ग्रहण के समय भोजन पकाया व खाया जाता है?...........
6. क्या आप मानते हैं कि यदि जूते चप्पल उल्टे हो जाए तो लड़ाई–झगड़ा हो सकता है?............
7. क्या आप कुत्ते के रोने को अशुभ मानते हैं?............
8. घर से निकलते वक्त अगर कोई पीछे से आपको टोक दे तो क्या आप बुरा मान जाते हैं?............
9. क्या छोटे से नींबू–मिर्ची किसी गाड़ी को एक्सीडेंट से बचा सकते हैं?............
10. क्या किसी की छींक से बनता हुआ काम बिगड़ जाता हैं?............

बच्चों को इस एक्टिविटी को करने के लिए पूरा समय दें और उनके किसी भी जवाब पर कोई टिप्पणी न दें। यहाँ यह ध्यान रखें कि हमारा मकसद बच्चों के परिवारों की मान्यताओं का उपहास उड़ाना नहीं हैं ।

बच्चों को बताएं कि ऐसी कई मान्यताएँ आज़ादी के 75 साल के बाद भी हमारे समाज में आज प्रचलित हैं जिन्हें पढ़े–लिखे तथा शिक्षित लोग भी बिना सोचे समझे उनका अनुसरण करते हैं। आखिर हमारी शिक्षा प्रणाली में कहाँ कमी रह गई कि चाँद पर पहुँचने के बाद भी हम ऐसे अंधविश्वासों में फँसे हुए हैं? अंधविश्वासों में डूबकर जी रहे लोग हमारे विकसित बनने में बाधा है।

एक्टिविटी 6.14

अपनी मातृभाषा के प्रति हमारा रवैया

6.14.A क्लासरूम चर्चा: अपनी मातृभाषा के प्रति हमारा रवैया

लगभग 3–4 दिन

बच्चों को कहें कि वे ईमानदारी से इस चर्चा में भाग लें–

- कितने बच्चों को लगता है कि उन्हें अच्छी अंग्रेजी आनी चाहिए?
- कितने बच्चों को लगता है कि अगर ठीक से अंग्रेजी बोलनी नहीं आई तो उनका आत्मविश्वास कमज़ोर रह जाएगा?
- बच्चों को बताएं कि किस तरह फ्रांस, जर्मनी, जापान, चीन, रूस आदि देशों में अंग्रेजी बोलने वाले बड़ी मुश्किल से मिलते हैं, फिर भी ये विकसित देश है क्योंकि इनमें नागरिक अपनी मातृभाषा में बोलते हैं और इसी में सम्मान समझते हैं।[27] जिन्हें अंग्रेजी आती भी है वे भी अपनी मातृभाषा में ही बात करने में गर्व महसूस करते हैं।

बच्चों से इस पर चर्चा करें कि कहाँ हमारी देशभक्ति में कमी रह जाती है कि हम अपनी मातृभाषा के प्रति आत्मविश्वास की कमी और अंग्रेजी भाषा न आने पर, हीनता का भाव महसूस करते हैं। चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं की ओर अवश्य संकेत दें–

क्यों हम अंग्रेजी में बात करने वालों को ज्यादा शिक्षित और अमीर मानते हैं?

- हमारी शिक्षा व्यवस्था में कहाँ कमी रह जाती है कि मातृभाषा में पढ़ने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है।
- क्यों ऐसे बच्चे अंग्रेजी माध्यम के बच्चों से खुद को कमजोर समझते हैं ?
- क्या उन बच्चों की शिक्षा में कोई कमी रह जाती है जो अंग्रेजी भाषा ना आने पर हीन भावना का शिकार हो जाते हैं?

यहाँ बच्चों को यह भी समझा दे कि अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा सीखना गलत बात नहीं है। इससे तरक्की के रास्ते खुलते हैं। परंतु अपनी भाषा के प्रति सम्मान और उसे बोलते समय भी गर्व होना जरूरी है।

टिप

बच्चों के सामने इन प्रश्नों को इस तरह से रखें कि वे अपने अंदर से इनका जवाब ढूँढ सकें और यह पता लगा पाएं कि अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी भाषा के सामने छोटा समझना उनके देश के प्रति प्रेम तथा सम्मान में कमी लाता है।

अब आगे हम पिछले कुछ दिनों में की गई एक्टिविटीज़ के आधार पर एक क्लास एक्टिविटी करेंगे –

क्लास एक्टिविटी

'देश की समस्याओं पर मेरी अभिव्यक्ति'

पिछली ऐक्टिविटीज में बच्चों ने देश में मौजूद कई समस्याओं पर चर्चा कर उनके और उनके कारणों के बारे में समझ बनाने की कोशिश की। क्लास के बच्चों के कुछ ग्रुप बना दें और उनसे कहें कि इस अध्याय के बारे में उनकी जो भी समझ और विचार बन पाएँ हैं, उन्हें किसी भी माध्यम से क्लास के सामने व्यक्त करें जैसे– नुक्कड़ नाटक, रोल–प्ले, कहानी, कविता, रैप बनाना या अपनी पसंद का कोई अन्य माध्यम। एक्टिविटी से जुड़ी कुछ जरूरी बातें इस प्रकार है–

- बच्चों को अपने–अपने ग्रूप में सोचने का समय दें कि वे किस प्रकार इन समस्याओं, उनके कारणों, उनके प्रभावों, आदि की अभिव्यक्ति करना चाहते हैं।
- बच्चों को कहें कि वे चाहे जिस भी प्रकार से अभिव्यक्ति करें, परंतु वे कोशिश करें कि उनके ग्रुप का हर बच्चा उसमें सक्रिय होकर भाग लें।
- यदि सम्भव हो तो स्कूल की स्पेशल असेम्ब्ली में भी बच्चों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर दिया जा सकता है।
- किसी भी ग्रुप को किसी भी प्रकार की कोई नकारात्मक टिप्पणी देकर हतोत्साहित न करें।
- बच्चे चाहें तो वे अपनी परफॉरमेंस की वीडियो भी बना सकते हैं जिसे यदि अध्यापक सही समझें तो दूसरी क्लास के बच्चों के साथ शेयर कर सकते हैं।

बच्चों को उनके प्रयासों के लिए उत्साहित करना और शाबाशी देना न भूलें।

सभी ग्रुप्स की अभिव्यक्तियाँ होने के बाद यदि अध्यापक आवश्यक समझें तो उनके बारे में संक्षेप में क्लास में चर्चा भी कर सकते हैं जिसमें बच्चे अपनी और दूसरे ग्रुप्स की परफॉरमें सके बारे में अपने विचार रख सकते हैं।

एक्टिविटी 6.15

देश की कमियों के लिए जिम्मेदार कौन?

6.15.A पिछली एक्टिविटी पर बातचीत

लगभग 10–15 मिनट

पिछली एक्टिविटीज में देश की बहुत सारी समस्याओं के बारे में चर्चा की गई थी जिनके कारण आज भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में नहीं आता है। इस एक्टिविटी के शुरुआत में बच्चों से उनके बारे में 10–15 मिनट बात करें और उन समस्याओं के नाम क्लास के बोर्ड पर लिखते रहें। बच्चों से यह भी जानने का प्रयास करें कि उनकी नजर में इन सब समस्याओं के पीछे क्या–क्या मुख्य कारण हैं।

6.15.B क्लासरूम चर्चा: देश की कमियों के लिए जिम्मेदार कौन?

लगभग 3–4 दिन

बच्चों को बतायें कि इस एक्टिविटी में हम यह जानने का प्रयास करेंगे कि आखिर हमारे देश की मौजूदा कमियों और समस्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है। पिछली एक्टिविटी (6.14.A) में जिन समस्याओं को बोर्ड पर लिखा था अब उनसे संबंधित, नीचे लिखा महत्वपूर्ण प्रश्न सामूहिक रूप से क्लास में पूछें–

आपके अनुसार देश की इन कमियों के लिए जिम्मेदार कौन है –आप, परिवार, समाज या सरकार?

अब क्लास में चर्चा कर बच्चों से यह जानने की कोशिश करें कि देश की इन कमियों के लिए वे किसे जिम्मेदार समझते हैं–

- खुद को
- परिवार को
- समाज को या
- सरकार को।

बच्चों को स्वयं अपने अंदर से इस प्रश्न का जवाब ढूँढने दें और अपनी समझ के अनुसार कोई जवाब देने दें। फिर नीचे दी गई क्लास एक्टिविटी के अनुसार इस चर्चा को आगे बढ़ाएें–

क्लास एक्टिविटी

'देश की कमियों के लिए जिम्मेदार कौन?'

नीचे एक तालिका दी गई है जिसमें देश की बहुत–सी कमियों को दर्शाया गया है। इस एक्टिविटी को आगे बढ़ाने के लिए एक–एक कमी और उसके सामने दिए विकल्पों को क्लास के बोर्ड पर लिखें और बच्चों को बोर्ड पर लिखी कमियों को साथ ही अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। फिर बच्चों को सोचकर,अपना अपना जवाब, उस कमी के सामने दिए कॉलम्स में सही का निशान (✔)लगाकर देने के लिए कहें और कुछ देर उस कमी पर चर्चा करें । फिर अगली कमी की ओर बढ़ जाएँ और एक एक कर इसी प्रकार नीचे दो गई सभी कमियों पर बच्चों के जवाब लें और चर्चा को आगे बढ़ाते रहें–

किसी भी कमी के लिए के अपनी ओर से बच्चों को कोई भी जवाब न दें और न उनके जवाबों को सही या गलत बताएं।

क्रम संख्या	देश की कमियाँ	हम स्वयं	हमारा परिवार	हमारा समाज	हमारी सरकार	शिक्षा
1.	भारत में बढ़ती गरीबी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
2.	देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
3.	देश की बढ़ती जनसंख्या के लिए जिम्मेदार कौन है?					
4.	देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी तथा दलाली का जिम्मेदार कौन है?					
5.	देश में अनेक प्रचलित अंधविश्वासों का जिम्मेदार कौन है?					
6.	अभी भी भारत की 26% जनता अशिक्षित है, इसका जिम्मेदार कौन है?					
7.	देश में गंदगी फैलाने का जिम्मेदार कौन है?					
8.	देश में बढ़ते प्रदूषण का जिम्मेदार कौन है?					
9.	देश में अच्छे स्कूल–कॉलेजों की कमी का जिम्मेदार कौन है?					

10.	जातियों में ऊंच–नीच ,धर्म के आधार पर झगड़े, क्षेत्रवाद के झगड़े का जिम्मेदार कौन है?					
11.	लड़का तथा लड़की के अधिकारों में भेदभाव करने का जिम्मेदार कौन है?					
12.	देश में लड़कियों और महिलाओं से छेड़छाड़ के लिए जिम्मेदार कौन है?					
13.	दहेज के लिए लड़कियों को उत्पीड़न करने का जिम्मेदार कौन है?					
14.	बाल विवाह के लिए जिम्मेदार कौन है?					
15.	बाल मजदूरी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
16.	देश में शिक्षा के व्यापारीकरण के लिए जिम्मेदार कौन है?					
17.	साफ पानी की कमी की समस्या का जिम्मेदार कौन है?					
18.	बिजली की कमी की समस्या का जिम्मेदार कौन है?					
19.	ट्रैफिक नियमों का पालन ना करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने का जिम्मेदार कौन है?					
20.	देश में अच्छे अस्पतालों की कमी का जिम्मेदार कौन है?					
21.	देश में बढ़ते अपराध का जिम्मेदार कौन है?					
22.	देश के कानूनों का पालन ना करने के लिए जिम्मेदार कौन है?					
23.	देश में बढ़ती जुआखोरी, नशाखोरी, धुम्रपान, गुटखा, तंबाकू के सेवन का जिम्मेदार कौन है?					
24.	बाजारों में नकली और मिलावटी सामान मिलने का जिम्मेदार कौन है?					
25.	ग्लोबल वार्मिंग के लिए और पेड़ों को काटकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का जिम्मेदार कौन है?					
26.	सार्वजनिक स्थलों जैसे पार्क, सड़क, सिनेमाघर, स्कूल, कॉलेज और ऐतिहासिक इमारतों की संपत्ति को नुकसान पहुँचाने का जिम्मेदार कौन है?					
27.	सार्वजनिक स्थलों में बीड़ी–सिगरेट, शराब पीने का जिम्मेदार कौन है?					

28.	अंग्रेजी भाषा ना आने पर हीनता के भाव का जिम्मेदार कौन है?					
29-	देश में अनेक प्रचलित अंधविश्वासों का जिम्मेदार कौन है?					
30-	देश में जातिवाद की समस्या को बढ़ावा देने का जिम्मेदार कौन है?					

उपरोक्त कमियों पर क्लास में चर्चा करें ताकि बच्चे स्वयं ये समझ बना सकें कि आख़िर देश में मौजूद इन कमियों और समस्याओं का जिम्मेदार कौन है, कहाँ गलती हो रही है और किससे गलती हो रही है, जो हमारा देश अभी तक विकसित देश नहीं बन सका ।

होमवर्क

6.15.C देश की कमियों के लिए जिम्मेदार कौन?

बच्चों से कहें कि अब तक हम, देश की कमियों तथा उनके लिए जिम्मेदार लोगों पर काफी चर्चा कर चुके हैं। सभी बच्चों को नीचे दी गयी तालिका में पूछे गए प्रश्नों को, अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें। बच्चे दी गई तालिका को अपनी देशभक्ति डायरी में बना लें और हर एक प्रश्न के आगे, वे जिन–जिन को भी जिम्मेदार समझे उन कॉलम्स में टिक मार्क लगाएँ।

देश की निम्नलिखित कमियों के लिए आप किसे जिम्मेदार मानते हैं, दिए गए एक या एक से अधिक कॉलम्स में सही का निशान (✔) लगायें –

क्रम संख्या	देश की कमियाँ	हम स्वयं	हमारा परिवार	हमारा समाज	हमारी सरकार	शिक्षा
1.	भारत में बढ़ती गरीबी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
2.	देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
3.	देश की बढ़ती जनसंख्या के लिए जिम्मेदार कौन है?					
4.	किसी भी जाति को नीचा बताकर उस जाति के लोगों को परेशान करके देश में जातिवाद की समस्याओं को बढ़ावा देने का जिम्मेदार कौन है?					
5.	देश में बढ़ते भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी तथा दलाली का जिम्मेदार कौन है?					
6.	अभी भी भारत की 26% जनता अशिक्षित है, इसका जिम्मेदार कौन है?					
7.	बाल विवाह तथा बाल मजदूरी के लिए जिम्मेदार कौन है?					
8.	साफ पानी और बिजली की कमी की समस्या का जिम्मेदार कौन है?					
9.	बिजली की कमी की समस्या का जिम्मेदार कौन है?					
10.	देश में बढ़ते प्रदूषण का जिम्मेदार कौन है?					

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 6.16

समापन एक्टिविटी

चिंतन-मनन

अधिकतम 1 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगें। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन–मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहें। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने देश से प्यार के बारे में अपनी समझ को विकसित किया।

'मेरा भारत महान फिर भी विकसित देश क्यों नहीं?' चैप्टर की समाप्ति पर क्लास के सभी बच्चों को इस चैप्टर की पिछली क्लास में बनी समझ के आधार पर निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में पाँच–पाँच बिंदुओं पर लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी देशभक्ति डायरी में लिखें और साथ ही उन्हे बताएं कि अध्यापक द्वारा इसकी कोई चेकिंग नही की जाएगी और न ही किसी तरह के कोई नम्बर दिए जाएँगे।

मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनके कारण मेरे देश को विकसित देश बनने में मदद मिल रही है?

1.

2.

3.

4.

5.

अभी भी मेरे कौन से ऐसे पाँच व्यवहार हैं, जिनके कारण मेरे देश को विकसित देश बनने में रूकावट आ रही है?

1.

2.

3.

4.

5.

नोट

यह एक सैल्फ–रिफ्लेक्शन की एक्टिविटी है जो बच्चे खुद के व्यवहार की जाँच करने के लिए ही चैप्टर के अंत में करेंगे। सभी बच्चे इस एक्टिविटी को क्लास में ही पूरा करेंगे। अध्यापक उनके कार्य पर एक नज़र डाल कर यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे दोनों श्रेणियों के अंतर्गत कम से कम पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखें परंतु इसकी कोई फॉर्मल चेकिंग न करें।

फ्लैग डे

मेरे व्यवहार का तिरंगे पर प्रभाव

उद्देश्य

- बच्चे यह समझ सकेंगे कि उनका हर एक व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

अधिकतम 1 दिन

पहली एक्टिविटी में बच्चों ने जाना कि उन्हें अपने व्यवहारों से अपने साथी– अपने तिरंगे झंडे को गौरवान्वित करना है। इसके लिए बच्चे हर चैप्टर के अंत में स्व निरीक्षण **(self analysis)** करेंगे कि किन व्यवहारों से उसके झंडे को भी उस पर गर्व महसूस होता है। इससे वे यह भी समझ सकेंगे की उनका हर व्यवहार देश को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करता है।

फ़्लैग एक्टिविटी–1 में बच्चों ने जो अपना–अपना फ़्लैग बनाया था, अब वे उसी से सम्बंधित इस एक्टिविटी के पहले दिन, अपने अभी तक के व्यवहारों, सोच–विचारों, कामों, आदि को नीचे दी गई दो श्रेणियों के अनुसार अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में लिखेंगे –

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा खुश हुआ है –	मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार हैं जिससे मेरा झंडा दुखी हुआ है –
1.	1. ....
2.	2. ....
3.	3. ....
4.	4. ....

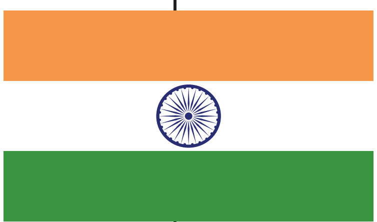

इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को पूरा समय दें और कोशिश करें कि हर बच्चा दोनों श्रेणियों के अंतर्गत, कम से कम अपने पाँच–पाँच व्यवहार तो ज़रूर लिखे। बच्चों को बताएं कि यदि वे इस सूची में कुछ और लिखना चाहें तो वे बाद में भी इसमें जोड़ सकते हैं।

फिर इस बारे में क्लास में चर्चा करें और बच्चों को उनके व्यवहारों, विचारों और कामों आदि को दोनों श्रेणियों के अंतर्गत साझा करने के लिए प्रेरित करें। इससे बच्चे अपने अच्छे और कुछ कम अच्छे कामों की ज़िम्मेदारी लेना भी सीख सकेंगे। इस एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने व्यवहारों के प्रति सजग हों और उन्हें इस बात का एहसास हो कि वे अपने कामों, व्यवहारों आदि से अपने तिरंगे को खुश या दुखी कर रहे हैं।

नोट

बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनके किसी भी व्यवहार के लिए उन्हें जज नहीं किया जाएगा या उनके किसी भी व्यवहार के आधार पर उन्हें अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जाएगा। बच्चों को अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए प्रेरित करें परन्तु उन्हें अपने विचार सबके साथ साझा करने के लिए बाधित न करें।

7 मेरे सपनों का भारत

उद्देश्य

- बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य का सपना देख सकेंगे तथा उसके लिए देश में क्या–क्या बदलाव जरूरी है यह बता सकेंगे।
- बच्चे अपने सपनों के देश की कल्पना कर सकेंगे तथा उसका वर्णन कर सकेंगे, जिससे उनमें अपने सपनों का देश बनाने का संकल्प पैदा होगा।
- बच्चे बता सकेंगे कि अपने देश के गुजरे हुए कल में से कौन–कौन सी चीजें वे अपने सपनों के देश में देखना चाहते हैं और कौन–कौन सी चीजें नहीं देखना चाहते।
- अपने सपनों का देश बनाने के लिए बच्चे अपनी भूमिका को समझ सकेंगे तथा उसे व्यक्त कर सकेंगे ।
- बच्चे अपने दैनिक जीवन में उन सभी आदतों को अपना पाएँगे जिनके द्वारा वह अपने सपनों का देश बना सकें।

एक्टिविटी 7.1 पिछले अध्यायों का सार

7.1.A शुरूआती चर्चा

लगभग 10–15 मिनट

अभी तक के सभी चैप्टर में की गई चर्चाओं का सार बच्चों के समक्ष रखें और उन्हें बताएं कि अभी तक हमने इस बात पर चर्चा की है, कि:

- देश क्या है?
- देश से प्यार करने का क्या मतलब होता है और देश के प्रति हमारा प्यार कहाँ पूरा है और कहाँ अधूरा है?
- देश के प्रति सम्मान का क्या मतलब है और देश के प्रति हमारा सम्मान कहाँ पूरा है और कहाँ उसमें अधूरापन है?
- हमने अपने कुछ पसंदीदा देशभक्तों के बारे में चर्चा की और समझा कि किस तरह विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपनी देशभक्ति की भावना को ऊपर रखकर काम किया और उसका फायदा आज हम सभी को मिल रहा है?
- हमने इस पर भी चर्चा की कि देशभक्ति की भावना हमारे अंदर कितनी है, कब हम देशभक्ति की भावना से काम करते हैं और कब–कब हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में हम अपनी देशभक्ति की भावना के विपरीत काम कर रहे होते हैं?
- हमने कुछ ऐसी बातों की ओर भी ध्यान दिया जो भारत के हजारों साल के इतिहास में हम सभी को, एक भारतीय नागरिक होने पर गर्व महसूस कराती रही है और आगे भी कराती रहेगी।
- हमने संक्षेप में इस बात पर भी चर्चा की कि हम तो अपने भारत पर गर्व करते हैं लेकिन हम ऐसा क्या करें और क्या न करें कि हमारा भारत भी हम पर गर्व कर सकें।

अब हम देशभक्ति पाठ्यक्रम के अंत में चर्चा करने जा रहे हैं कि:

- क्या एक भारतीय नागरिक होने के नाते हमारे मन में अपने देश भारत को लेकर कुछ सपने हैं?
- वे सपने क्या–क्या हैं?
- वे सपने पूरे कैसे होंगे?
- और क्या उन सपनों को पूरा करने में हमारी भी कोई भूमिका होगी?

नोट

इन प्रश्नों के जवाब बच्चों को अपने अंदर से तलाशने और उस पर एक संकल्प पैदा करने के उद्देश्य से इस अध्याय को आगे बढ़ाएँ।

एक्टिविटी 7.2

हमारे सपनों में भारत का भविष्य

यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि आखिर हमारे सपनों में हमारे भारत का भविष्य क्या है? लेकिन इस पर चर्चा करने से पहले एक बार भारत के अतीत की कुछ बातों पर फिर से गौर करना आवश्यक है। हालाँकि, हम इस बारे में पहले चर्चा कर चुके हैं लेकिन आगे बढ़ने से पहले एक बार फिर से इन पर नजर डालना जरूरी है–

7.2.A क्लासरूम चर्चा:हमारा अतीत

लगभग 1–2 दिन

पिछले चैप्टर के आधार पर बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें कि

हमारे अतीत की वे कौन–कौन सी चीजें हैं जो हमें अपने भारत पर गर्व कराती हैं?

बच्चों को अपने विचार अभिव्यक्त करने का पूरा मौका दें और उन्हें आगे दिए हुए प्रत्येक टॉपिक पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें भारत के बारे में बताएं। जैसेः

1. भारत का व्यापार और अर्थव्यवस्था कभी इतनी अच्छी थी कि सारी दुनिया में हमारे देश को सोने की चिड़िया[1] के नाम से जाना जाता था।
2. आज भी दुनिया की सबसे बड़ी समतल–उपजाऊ[2] और सिंचित भूमि जो खेती के लिए सबसे उपयोगी मानी जाती है वह भी भारत में ही उपलब्ध है।
3. भारत की धरती हीरे जवाहरात से लेकर लोहे, एलुमिनियम आदि उन सभी जरूरी संसाधनों[3] से भरी हुई है, जो आम आदमी के लिए उसके जीवन में बहुत उपयोगी है।
4. हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था इतनी शानदार थी कि लगभग 2700 साल पहले दुनिया की सबसे मशहूर तक्षशिला[4] यूनिवर्सिटी भारत में ही थी, जहाँ आकर पढ़ने में देश और दुनिया के विद्वान बच्चे अपना गौरव समझते थे।[6]
5. हमारे देश में विज्ञान और भौतिक जगत में हो रहे कार्यों का स्तर इतना अच्छा था कि लगभग 1500 साल पहले शून्य की खोज[7] और दशमलव की खोज[8] भी भारत ने ही दुनिया को करके दी थी।
6. भारतीय–मनीषियों ने हजारों वर्ष पहले अपने अनुसंधान में यह कह दिया था कि इस प्रकृति में सब कुछ बेहद छोटे–छोटे कणों से मिलकर बना है और जो निरंतर चलायमान है, कुछ भी स्थिर नहीं है । हर वक्त एक नया कण खत्म हो रहा है और नया बन रहा है। भारतीय मनीषियों के द्वारा यह सिद्धांत दिए जाने के लगभग 2000 साल बाद पश्चिम के वैज्ञानिकों ने इस पर काम करना शुरू किया। उन्होंने अपनी भौतिक और रासायनिक विज्ञान की प्रयोगशाला में यह देखा कि हमारे सामने दिख रही सारी दुनिया कुल मिलाकर बेहद छोटे छोटे परमाणुओं से मिलकर बनी है और यह परमाणु भी इलेक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटॉन[9] से मिलकर बने है, जो निरंतर गतिमान है और इनकी गति से हर पदार्थ निरंतर कुछ काम रहा है और खत्म है। यह तथ्य हमारे यहाँ लगभग ढाई हजार साल पहले अनुसंधान कर लिए गए थे।
7. भारत का जोर हमेशा अपने आसपास की प्रकृति और अस्तित्व के सत्य को जानने और उसके अनुसार जीने पर रहा हैद्य हमने कभी प्रकृति पर अनुसंधान करके उसका भोग करने की दिशा में काम नहीं किया, बल्कि प्रकृति पर अनुसंधान कर के उसके नियमों को समझकर प्रकृति के अनुसार ही जीने पर जोर दिया था।
8. भारत की धरती गौतम बुद्ध, गुरु नानक, संत कबीर और विवेकानंद जैसे महान विचारकों की धरती रही है।
9. भारत जहाँ भगत सिंह, राजगुरु और चंद्रशेखर जैसे अमर शहीद देश भक्तों की धरती रही है। वहीं यह महात्मा गांधी, अंबेडकर और रविंद्र नाथ टैगोर जैसे महापुरुषों की धरती भी रही है।

10. मोहनजोदड़ो की खुदाई से पता लगा कि लगभग 5000 वर्ष पहले योग–कला का उद्भव भी भारत में ही हुआ था और आज भी पूरा विश्व इसका अनुसरण करता है।[11, 12, 13]

नोट

इस एक्टिविटी को कराते समय सभी मुख्य बिंदुओं को ब्लैक बोर्ड पर नोट करते चलें और बच्चों को निर्देश दें कि इसमें जो–जो बातें चर्चा में और मुख्य बिंदु निकल कर आएँ आप भी उन्हें पॉइंट वाइज अपनी देशभक्ति डायरी में नोट कर लें।

7.2.B क्लासरूम चर्चा:हमारा वर्तमान

लगभग 2–3 दिन

हमारे वर्तमान पर चर्चा करने से पहले बच्चों से पूछें कि

क्या आपको लगता है कि हमारे अतीत में सब कुछ अच्छा ही अच्छा था या कुछ कमियाँ भी थी ?

संभव है कि बच्चे उपरोक्त प्रश्न का उत्तर पिछले चैप्टर में हुई चर्चा के आधार पर देंगे। बच्चों द्वारा बताए गए बिंदुओं को ब्लैक बोर्ड पर नोट करते रहें। उसके बाद सभी बच्चों को बताएं कि यह सच है, ऐसा नहीं है कि हमारे भारत के अतीत में सब कुछ बहुत अच्छा ही अच्छा था। बल्कि,समाज में और लोगों में बहुत सी कमियाँ भी थी और समय के साथ–साथ उनमें से बहुत सारी कमियाँ आज नहीं है जैसे:

1. 500–700 साल पहले एक आदमी को **आदमी का गुलाम बना** कर रखना गलत बात नहीं मानी जाती थी। आदमी को खरीदना–बेचना अवैध नहीं बल्कि मानवीय भी माना जाता था परंतु आज ऐसा नहीं हैद्य यह बीते समय के मुकाबले वर्तमान समय में हमारी एक बहुत अच्छी बात है।[14]
2. भारत में हजारों साल तक जाति के आधार पर **छुआछूत**, एक बहुत बड़ी कुप्रथा रही है। परंतु आज भारतीय समाज में छुआछूत या जाति के आधार पर किसी को छोटा/बड़ा मानना कानूनी रूप से भी गलत माना जाता है, यह भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है।[15]
3. पुराने समय में **शिक्षा के अवसर** सभी को समान रूप से उपलब्ध नहीं थे बल्कि कुछ सीमित लोगों तक ही थे,परन्तु वर्तमान समय में सभी जाति, धर्म, संप्रदाय, अमीर और गरीब सभी लोगों को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त है।[16]
4. वर्तमान में हमारी शिक्षा का स्तर इतना ऊपर उठ चुका है। कि हमारे यहाँ **आईआईटी और आईआईएम** जैसे टॉप संस्थान हैं जिनसे पढ़े हुए बच्चों को दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियाँ अपने यहाँ नौकरी देना चाहती हैं। आज हम भारतीय बड़े गर्व से कहते हैं कि दुनिया के किसी भी देश की बड़ी से बड़ी कंपनी में हमारे भारत के इन कॉलेजों से पढ़े हुए बच्चे बड़े– बड़े पदों पर हैं।[17]
5. आज हम दुनिया का **सबसे बड़ा लोकतंत्र** हैं।[18]
6. आज हमारे रहन–सहन में दुनिया की सबसे **आधुनिक सुविधाएँ और टेक्नोलॉजी** भी हमारे पास उपलब्ध है।[19]

बच्चों को बताएं कि इसमें कोई शक नहीं है कि हमने अतीत के मुकाबले बहुत सारे क्षेत्रों में प्रगति की है लेकिन केवल अपने शानदार अतीत और वर्तमान प्रगति को आधार बनाकर ही हम भविष्य के भारत का सपना नहीं देख सकतेद्य इसके लिए हमें अपनी उन कमजोरियों की ओर भी नजर डालनी पड़ेगी जिनका होना बताता है कि हमने अपने शानदार अतीत पर गर्व तो किया लेकिन उसे आगे नहीं बढ़ा पाए। बल्कि कुछ हद तक तो हम गलत दिशा में भी चले गए हैं। हमें अपने वर्तमान की उन गलतियों को भी एक बार फिर से समझना होगा जिसकी वजह से आज हम इतना शानदार अतीत होते हुए भी वर्तमान दुनिया के सामने विकासशील देश के रूप में खड़े हुए हैं और एक विकसित देश के रूप में खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इनका जिक्र हमने पिछले कुछ चैप्टर में किया है लेकिन भविष्य के भारत पर बात करने से पहले एक बार फिर से इन पर संक्षेप में नजर डालते हैं:

1. जो देश दुनिया भर में कभी **"सोने की चिड़िया"** कहलाता था, आज आज़ादी के 75 वे साल में भी उसकी गिनती दुनिया के विकसित देशो में नहीं हो रही और वो लम्बे समय से केवल विकासशील देश बना हुआ है। ऐसा क्यों है?[20]
2. आज **भारत का एक व्यक्ति एक साल में औसतन 5 लाख रुपए कमाता है,** वही अमेरिका में एक व्यक्ति सालाना 49 लाख कमाता है। वे देश जैसे ब्राजील, साउथ अफ्रिका, रूस, चीनय जिनकी तुलना भारत से की जाती है, वहाँ भी एक व्यक्ति 9 लाख से लेकर 20 लाख तक कमाता है। यहाँ तक कि जापान और जर्मनी जैसे देश भी, जो लगभग 75 साल पहले ही विश्व युद्ध में पूरी तरह बर्बाद हुए, वहाँ भी इतनी तरक्की हो चुकी है कि एक व्यक्ति सालाना लगभग 32 लाख (जापान), 41 लाख (जर्मनी) कमा लेता है। यहाँ सोचने वाली बात यह है कि हमारा देश जिसने इतने भयावह युद्ध की त्रासदियाँ भी नहीं झेली, फिर भी आजादी के 75 साल बाद भी इतना पीछे क्यों है?[21]

3. हमारे देश में तमाम प्रगति होने के बावजूद लगभग 22% लोग, यानी 27.5 करोड़ लोग पूरे दिन मेहनत करके भी, केवल 35 रुपए से कम कमा पाते है। ऐसे में उस व्यक्ति के लिए दो वक्त की रोटी जुटा पाना ही कितना मुश्किल होता है।[22 23]

4. जिस भारत ने दुनिया को स्वस्थ रहने के लिए योग सिखाया, आयुर्वेद दिया, कैटरेक्ट सर्जरी दी[24] उस भारत की आज़ादी के 75 वे साल में हालत ये है, कि प्रति 1000 लोगो पर केवल 0.5 बेड्स उपलब्ध है जबकि अमेरिका में प्रति 1000 लोगों पर 2.9, जर्मनी में 8, जापान में 13 और फ्रांस में 2.9 बेड्स है।[25]

5. यह सच है कि भारत ने दुनिया को शून्य की खोज तथा दशमलव की खोज करके दी, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि आज सुई से लेकर हवाई जहाज तक बनाने में हम चीन, रूस, फ्रांस, जापान और अमेरिका जैसे दूसरे देशों पर निर्भर हैं। पहनने के आधुनिक कपड़े, लिखने के लिए पेन, मेट्रो ट्रेन के कोच, बसें या रक्षा के लिए लड़ाकू विमान, आज हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत कुछ हमें विदेशों से लेना पड़ता है।[26]

6. एक तरफ जहाँ यह सच है कि भारत वह देश है जहाँ किसी समय तक्षशिला जैसी यूनिवर्सिटी हुआ करती थी, जहाँ आकर पढ़ने में दुनिया भर के लोग गर्व महसूस करते थे लेकिन आज हमारे देश में परिवारों के अंदर जब बच्चों को शिक्षा देने का बड़ा सपना देखा जाता है तो वह होता है अमेरिका की हार्वर्ड या प्रिंसटन जैसी यूनिवर्सिटी का, ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी का। हमारे परिवार के बड़े बड़े सपनों में रूस, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि की यूनिवर्सिटी होती है।[27] आज़ादी के 75 साल बाद भी हम अपने देश की यूनिवर्सिटी को इस स्तर तक नहीं ला पाए कि अमेरिका, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस जैसे देशों में बैठे परिवार अपने बच्चों की एजुकेशन का बड़ा सपना भारत की यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का देखना चाहे। क्या हमारे पास एक भी ऐसी यूनिवर्सिटी नहीं है? शायद नहीं।

7. बुद्ध, नानक, कबीर, विवेकानंद, गांधी और अंबेडकर का देश और दुनिया को गीता जैसी महान पुस्तक देने वाला देश, आज **जाति और धर्म** के झगड़े में फंसा हुआ है।

उपरोक्त बिंदुओं को गंभीरता के साथ बच्चों के साथ साझा करें और उन्हें इन बातों पर मंथन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक्टिविटी 7.3

मेरे सपनों का भारत

अभी तक हमने हमारे देश के अतीत के उन पन्नों को भी देखा जो हमें सदा के लिए गौरवान्वित करते हैं, उन कमजोरियों को भी देखा जिनसे हमने वर्तमान में निजात पाई और इस बात पर भी चर्चा की कि आज भी हम दुनिया में विकासशील देश ही क्यों कहलाते हैं, विकसित क्यों नहीं।

क्या आप भविष्य में भी अपने भारत को विकासशील देश ही बनाए रखना चाहते हैं या कुछ और? यदि कुछ और, तो क्या?

क्यों ना हम अपने देश के लिए एक सपना देखें?

चलिए देश को लेकर सपना देखते हैं:

7.3.A क्लासरूम चर्चा: मेरे सपनों का भारत

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को यह स्पष्टता दें कि सपने केवल वे ही नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं बल्कि सपने वे होते हैं जो हम जागते हुए अपने भविष्य के लिए देखते हैं और आइए अब हम सब मिलकर अपने सपनों का भारत बनाएं और थोड़ी देर आँखें बंद करके सोचें

आपको आपके सपनों का भारत कैसा दिखाई देता है?

या

आप अपने भविष्य का भारत कैसा देखना चाहते हैं?

कुछ समय बच्चों को आँखें बंद करके सोचने दें, उनकी कल्पनाओं को उड़ान भरने दें और इसके लिए उन्हें निम्नलिखित विचारणीय संकेत दें सकते हैं। जैसे :

- *लोग हिम्मत वाले हो या डरपोक हों?*
- *देश के लिए कुर्बानी देने वाले हो या ज़रूरत में बहाने बनाने वाले हो?*
- *आप अपने देश में किस तरह की सड़कें चाहते हैं?*
- *किस तरह के यातायात के साधन चाहते हैं?*
- *आप अपने आसपास किस तरह का वातावरण चाहते हैं?*
- *आपको अपने सपनों के भारत में साक्षरता स्तर कैसा चाहिए? उसकी कल्पना करें।*
- *काम करने वाले मजदूरों का कौशल स्तर कैसा होना चाहिए? इस पर विचार करें।*
- *हमारे देश की चिकित्सा प्रणाली कैसी होनी चाहिए?*
- *हमारे देश में व्यवसाय व्यापार शिक्षा इत्यादि की स्थिति पर भी विचार करें?*
- *लोगों के स्वास्थ्य और उनके रहन–सहन के स्तर की भी कल्पना करें।*

टिप अध्यापक चाहें तो इस प्रकार के और भी प्रेरक संकेत बच्चों को दे सकते हैं।

फिर उन्हें धीरे से अपनी आँखे खोलने को कहें। कुछ क्षण उन्हें उस भाव का एहसास होने दें और फिर उनसे कहें कि जो भी उन्होंने अपने भारत के लिए सपना देखा है उसे सबके साथ विस्तार से चर्चा करें।

बच्चे, देश से संबंधित जो भी जवाब दें, उनके सभी जवाबों को ब्लैक बोर्ड पर उनके सामने लिखते चलें। इसके बाद अगले पेज पर दी गई क्लास एक्टिविटी करवायें।

क्लास एक्टिविटी

'सपनों के भारत के लिए एक पत्र लिखना'

बच्चों से कहें कि आप स्वयं अपने लिए अपनी देशभक्ति डायरी में एक पत्र लिखें जिसमें यह बताएं कि जब आप बड़े हो जायेंगे तब आप अपने सपनों का भारत कैसा देखना चाहते हैं?

जैसे, पत्र के लिए एक उदाहरण नीचे दिया गया है–

प्रिय...........(अपना नाम),

मैं चाहता हूँ कि मेरे भविष्य में मेरे देश में ....
....

तुम्हारा/तुम्हारी

............................(भारत का/की नागरिक)

बच्चों को किसी भी प्रकार से सही/गलत न कहें और न ही उनके विचारों पर किसी प्रकार से सहमति या असहमति व्यक्त करें।

नोट

यदि क्लास में कुछ ऐसे बच्चे हैं जो पत्र लिखने में असमर्थ है तो उन्हें ड्राइंग के माध्यम से या अन्य किसी भी माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपने भविष्य के भारत के नाम पत्र लिखने के लिए निम्नलिखित बिंदु पर चर्चा कर सकते हैं:

- *क्या हम अपने भविष्य का भारत ऐसा चाहते हैं जहाँ सबके लिए रोजगार हो नौकरियाँ ईमानदारी से और योग्यता के आधार पर मिलती हो न कि सिफारिश और भ्रष्टाचार के आधार पर?*
- *क्या हमारे भविष्य के भारत में भी लोग नौकरी ढूँढने के लिए विदेशों में जाएँगे या विदेशी यहाँ आकर नौकरियाँ करने का सपना देखेंगे?*
- *क्या भविष्य के भारत में भी कोई परिवार गरीबी की रेखा के नीचे होगा?*
- *क्या भविष्य के भारत में व्यापार के लिए रिश्वत देनी पड़ेगी?*
- *हमारे भविष्य के भारत में सड़कें, कॉलोनी या मोहल्ले और गाँव गंदे होंगे या पूरी तरह साफ सुथरे होंगे?*
- *भविष्य के भारत में भी क्या हम चाहेंगे कि हमारे बच्चे अच्छी शिक्षा लेने के लिए विदेश ही जाएँ या यह चाहेंगे कि विदेश में बैठे परिवार अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा लेने के लिए भारत के स्कूलों और कॉलेजों में भेजेंगे?*
- *क्या हम भविष्य के भारत में चाहेंगे कि कोई भी व्यक्ति अस्पताल, डॉक्टर या दवाइयों की कमी से जान गवाएँ?*
- *क्या हमारे भविष्य के भारत में सभी लोग अपना काम मेहनत, ईमानदारी और जिम्मेदारी से करेंगे?*
- *क्या हमारे सपनों के भारत में हर एक नागरिक कट्टर देशभक्त होगा?*
- *हमारा देश पूरी तरह शांति प्रिय देश हो, जहाँ पर हिंसा का कोई नामोनिशान ना हो, न ही जाति धर्म के झगड़े हो। हर आदमी अपनी जाति धर्म के साथ–साथ दूसरे की जाति धर्म को भी बराबर का सम्मान दें। क्या हम अपने भविष्य के भारत की ऐसी कल्पना करते हैं?*

नोट

संभावना है कि कुछ बच्चे यह कहें कि "मैंने तो अभी कोई सपना नहीं देखा है।" तो उन्हें कतई हतोत्साहित न होने दें बल्कि उन्हें कह सकते हैं कि यदि आपने कोई सपना नहीं देखा है तो कोई बात नहीं पर यह अच्छी बात है कि आप इस बात से चिंतित नहीं हैं और आपको इस बात की भी स्पष्टता है कि अभी आपने कोई सपना नहीं देखा है।

7.3.B क्लासरूम चर्चा:मेरे परिवार को लेकर मेरे सपने

लगभग 2–3 दिन

चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों से अगला प्रश्न पूछें:

आप अपने परिवार के लिए क्या सपना देखते हैं?

इस प्रश्न पर चर्चा करने के बाद निम्नलिखित क्लास एक्टिविटी करवाएं।

क्लास एक्टिविटी

'मेरे परिवार को लेकर मेरे सपने'

बच्चों को कुछ समय के लिए सहजता के साथ आँखें बंद करने के लिए कहें और निम्नलिखित उत्प्रेरक प्रश्नों के द्वारा उन्हें सोचने तथा मनन करने के लिए प्रेरित करें, जैसे:

- अपने भविष्य में आप अपने परिवार को किस स्थिति में देखते हैं?
- आपके परिवार के अन्य सदस्य क्या–क्या कार्य कर रहे हैं?
- आपका परिवार कैसे घर में रह रहा है?
- आपके परिवार की आर्थिक स्थिति कैसी है?
- आपके परिवार के सभी लोग और उनका स्वास्थ्य कैसा है?
- आपका और आपके परिवार के अन्य सदस्यों का आपस में संबंध कैसा है?

सभी बच्चों को अपनी देशभक्ति डायरी में जो सपना उन्होंने अपने परिवार के लिए देखा है उसे अभिव्यक्त करने के लिए कहें। इसके लिए बच्चे अपने सपने को किसी चित्र, कविता, गाना या लेखन (बिन्दुओं में या पैराग्राफ) के मध्यम से साझा कर सकते हैं।

7.3.C क्लासरूम चर्चा:मुझको लेकर मेरे सपने

लगभग 2–3 दिन

चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों से पूछें कि अच्छा यह बताइए कि

आप अपने भविष्य के लिए क्या सपना देखते हैं?

बच्चों के सपने को एक दिशा देने के लिए तथा इस टॉपिक पर चर्चा करने से पहले बच्चों के साथ निम्नलिखित एक्टिविटी करवाएँ।

क्लास एक्टिविटी

'मुझको लेकर मेरे सपने'

बच्चों को कुछ देर आँखें बंद करके आरामदायक स्थिति में बैठने के लिए कहें और उन्हें कुछ सहज होने देंद्य बच्चों से कहें कि वे आने वाले अपने भविष्य की कल्पना करें और सोचें कि

- भविष्य में आप खुद को कैसे देखते हैं?
- आप क्या काम कर रहे हैं कोई पढ़ाई कोई खेल, कोई बिजनेस या कोई नौकरी?
- अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं तो कौन सी पढ़ाई, बिजनेस कर रहे हैं तो कौन सा बिजनेस और यदि कोई नौकरीकर रहे हैं तो कौन सी नौकरी?
- आपका घर कैसा है?
- आप आने जाने के लिए किस यातायात के साधन का उपयोग कर रहे हैं?

जब लगे कि सभी बच्चे अपने भविष्य को लेकर कल्पना कर चुके हैं तो बच्चों से आँखें खोलने के लिए कहें और उन्होंने जो सपना देखा उसे सबके साथ साझा करने के लिए भी कहें। यह भी सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे अपना–अपना सपना सबके साथ साझा करें, परंतु किसी भी बच्चे पर ऐसा करने के लिए दबाव न दें और न ही किसी भी सपने को अच्छा या बुरा कहें।

सभी बच्चों को अपनी देशभक्ति डायरी में जो सपना उन्होंने अपने लिए देखा है उसे अभिव्यक्त करने के लिए कहें। बच्चे यदि चाहें तो उस सपने से संबंधित कोई चित्र, कविता, रैप (गाना) या बिंदुओं में अपनी बात लिखना अथवा पैराग्राफ लिखना आदि जैसी कोई भी विधा अपना सकते हैं।

7.3.D क्लासरूम चर्चा: स्वयं एवं परिवार को लेकर देखे सपने सच कैसे होंगे?

लगभग 2–3 दिन

इस एक्टिविटी को करने का उद्देश्य यह है कि बच्चे अपना आत्ममंथन कर, यह संकल्प ले सकें कि जो सपना उन्होंने अपने और अपने परिवार के लिए देखा है उसे साकार करने के लिए उन्हें क्या–क्या तैयारियाँ करनी होंगी? क्या क्या बदलाव करने होंगे? और उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, यह समझ सकः

बच्चों के सामने चर्चा के लिए निम्नलिखित प्रश्न प्रस्तुत करें:

आपने जो सपना अभी अपने लिए और अपने परिवार के लिए देखा है, उसे पूरा करने में आप की क्या भूमिका होगी?

निम्नलिखित उत्प्रेरक प्रश्नों के द्वारा उन्हें सोचने तथा मनन करने के लिए प्रेरित करें, जैसे:

- *आपको अपने सपनों का जीवन पाने के लिए अभी से क्या–क्या तैयारियाँ करनी होंगी?*
- *आपको अपना सपना साकार करने के लिए क्या–क्या करना होगा?*
- *क्या–क्या पढ़ाई करनी होगी या क्या–क्या कौशल अर्जित करने होंगे?*
- *आपको आपके सपने तक पहुँचने के लिए अपने अंदर कौन–कौन सी आदतों में बदलाव करना होगा?*

बच्चों के साथ इस विषय पर गहन चर्चा करने के बाद उन्हें निम्नलिखित एक्टिविटी करने के लिए दें।

क्लास एक्टिविटी

'मेरे सपने और मेरी भूमिका'

बच्चों को अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित कॉलम बनाकर उनमें अपना सपना पूरा करने के लिए उन्हें आज से ही क्या–क्या तैयारियाँ तथा बदलाव करने पड़ेंगे ये लिखने के लिए कहें।

मेरी तैयारियाँ	जरूरी बदलाव

7.3.E क्लासरूम चर्चा:मेरे भविष्य में मेरे देश का योगदान

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को उनके और उनके परिवार के भविष्य का सपना दिखाने के बाद निम्नलिखित प्रश्न चर्चा के लिए प्रस्तुत करें जिसका उद्देश्य यह है कि बच्चा अपने सपने और अपने देश के बीच संबंध को स्थापित कर सकें:

आपको क्या लगता है, आपका देश, आपका सपना पूरा करने में आपकी मदद कैसे कर सकता है?

संभव है कि बच्चे इस प्रश्न का जवाब देने के लिए अपनी उम्मीदें और अपनी इच्छाएँ साझा करेंगे। अब चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

अपने एवं अपने परिवार के सपनों को पूरा करने के लिए देश से मुझे क्या चाहिए ?

बच्चों को सोचने के लिए कुछ समय दें और उनके विचारों को बेरोक–टोक आने दें। उसके बाद उन्हें निम्नलिखित बिंदुओं पर मनन करने तथा चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें:

- *क्या अच्छे स्कूल, कॉलेज और उनमें अच्छी शिक्षा यह सबसे पहली जरूरत होगी?*
- *क्या आप ऐसी व्यवस्था चाहते हैं कि जब आप मेहनत करके स्कूल पास करके जाएँ तो आपको अपने सपनों को पूरा करने के लिए हायर–एजुकेशन या स्किल–एजुकेशन में आसानी से एडमिशन मिल सके?*
- *क्या ऐसी व्यवस्था भी होनी चाहिए कि जब आप पढ़ाई करके नौकरी या व्यापार करने जाएँ तो ईमानदारी से आपको नौकरी मिले या अपना व्यापार शुरू करें तो वहाँ किसी को रिश्वत न देनी पड़े?*
- *आप क्या चाहते हैं – देश में धोखा–धड़ी और छल कपट हो या लोगों के मन में कानून –व्यवस्था के प्रति सम्मान हो?*
- *क्या आपको लगता है कि अपना व्यापार करने के लिए आपको शिक्षित, प्रशिक्षित और स्वस्थ मजदूरों की उपलब्धता होनी चाहिए या नहीं?*
- *क्या आप हमारे देश की चिकित्सा व्यवस्था में कोई बदलाव चाहते हैं, ताकि आपको कभी अपने या परिवार के किसी सदस्य का इलाज कराने में कोई दिक्कत ना हो?*
- *क्या आप चाहेंगे कि आस–पास शांति का माहौल हो और लड़ाई झगड़े का माहौल न हो?*
- *क्या आप चाहेंगे कि देश में बिजली, पानी और यातायात की अच्छी व्यवस्था हो और ऐसा भी ना हो कि आपकी सारी कमाई केवल इनका बिल भरने में ही चली जाए?*
- *आप क्या चाहेंगे, आपके आसपास सफाई हो या गंदगी?*
- *आप क्या चाहेंगे – आपके आस–पास ऐसे लोग हैं जो आप को प्रेरणा दें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें ऐसे लोग हैं जो अपनी अंधभक्ति और दकियानूसी बातों से आपको परेशान करें?*

उपरोक्त सभी बिंदुओं पर बात करने के बाद बच्चों से पूछें कि अगर यह सब नहीं हुआ तो क्या आप आसानी से अपने और अपने परिवार के लिए देखे जा रहे सपनों को सच कर पाएँगे?

क्लास एक्टिविटी

'मेरे देश से मेरी उम्मीद'

बच्चों से पूछें कि आप अपना सपना पूरा करने के लिए देश से क्या उम्मीद करते हैं और क्या आप चाहते हैं कि देश आपके लिए निम्नलिखित चीजों को उपलब्ध कराएँ। बच्चों से कहें अभी तक की गई चर्चा के आधार पर अपने विचारों को अपनी देशभक्ति डायरी में नोट करें।

मैं चाहता हूँ कि मेरा देश मुझे

....

....

....

....

होमवर्क

7.3.F मेरे भविष्य में मेरे देश की भूमिका

उपरोक्त चर्चा को और गहराई प्रदान करने के लिए बच्चों को यह होमवर्क दें कि जिस तरह से उन्होंने क्लास रूम में सपना देखा उसी तरह वे अपने परिवार के साथ बैठकर, उन्हें अपने परिवार के भविष्य को लेकर सपना दिखाएँ और उसमें अपने देश की भूमिका के बारे में चर्चा करें। साथ ही साथ जो भी जवाब मिले उन्हें अपनी देशभक्ति डायरी में नोट कर लें।

आप अपने परिवार के भविष्य के लिए क्या सपना देखते हैं? उसमें अपने देश की क्या भूमिका देखते हैं?

बच्चे जब अपना होमवर्क करके ले आएँ तो, बच्चों से पूछें कि उन्हें क्या–क्या नए विचार बाहर से मिले और उनका अनुभव कैसा रहा?

एक्टिविटी
7.4

मेरा देश मैं ही सँवारू

7.4.A क्लासरूम चर्चा: सपने साकार कैसे हों?

लगभग 2–3 दिन

बच्चों को यह बताएँ कि अभी तक हमने अपने सपनों के देश के बारे मे सोचा,अपने परिवार और स्वयं अपने लिए भी सपना देखा, परन्तु ये भी सच है कि जब हम अपने सपने पूरे करने चलेंगें तो बहुत सी चुनौतियाँ भी आएँगी।

फिर पूरी क्लास के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें।

- जब हम कोई सपना देखते हैं तो क्या उसे पूरा करने में कुछ चुनौतियाँ भी आती हैं?
- क्या आपको लगता है कि भारत को सपनों का देश बनाने के लिए भी कोई चुनौती आएगी?

यदि हाँ तो:

आपको क्या लगता है, भारत को आपके सपनों का देश बनने में क्या–क्या चुनौतियाँ होंगी?

चर्चा को दिशा देने के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

- *क्या अशिक्षा आपके सपनों का देश बनाने में एक चुनौती है?*
- *क्या अकुशल कारीगर भी एक चुनौती हैं?*
- *छोटी–छोटी बातों पर एक दूसरे से लड़ना झगड़ना क्या यह भी एक चुनौती है?*
- *एक दूसरे का सम्मान ना करना एक दूसरे को नीचा दिखाना खुद को दूसरे से ऊपर दिखाना, क्या यह भी आपको एक चुनौती दिखाई देती है?*
- *क्या रिश्वतखोरी, बेईमानी, धोखाधड़ी यह भी एक चुनौती के रूप में आप देखते हैं?*
- *लोग संसाधनों का बहुत अधिक दुरुपयोग करते हैं, क्या यह भी एक समस्या सामने आएगी? जैसे:*
- *स्कूल में मिलने वाले मिड डे मील को नाली में फेंकना, बिना वजह पानी यर्थ बहाना आदि।*

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर बच्चों से और अधिक मनन करने के लिए कहें और उन्हें अधिक से अधिक जवाब देने के लिए प्रोत्साहित करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि सभी बच्चे चर्चा में भाग लें और अपने अपने सपनों का देश बनाने में आने वाली चुनौतियों के बारे में सोचें और चर्चा करें।

7.4.B क्लासरूम चर्चा:मैं और मेरे सपनों का देश

लगभग 2–3 दिन

अभी तक हमने अपने सपनों का देश बनाने का सपना भी देख लिया और वह बनाने में हमें किन किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा यह भी सोचा और इस पर चर्चा भी की। अब हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि जो चुनौतियाँ आएँगी उनके लिए कुछ बदलाव भी जरूरी है, तो प्रश्न यह उठता है कि

आप जिन बदलावों के साथ अपने सपनों का देश बनाना चाहते हैं, इसको बनाने की जिम्मेदारी किस–किस की होगी?

यह प्रश्न पूछना और बच्चों से इसका जवाब सुनना एक बेहद महत्वपूर्ण एक्टिविटी है और एक्टिविटी में इसे शामिल करने का उद्देश्य है कि क्लास का हर एक बच्चा इस बारे में सोचे और फिर इस प्रश्न का जवाब खुद अपने अंदर से ढूँढे। **यहाँ इस एक्टिविटी का उद्देश्य अपने अंतर्मन में झाँकना है और यह देखना है कि क्या इन चुनौतियों के लिए हम भी जिम्मेदार हैं और यदि हम जिम्मेदार हैं तो उनको सुधारने की जिम्मेदारी किसकी है?**

यह समझ बनाने के लिए बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

- *क्या आपको ऐसा लगता है कि हमारी सभी समस्याओं के लिए दूसरे लोग ही जिम्मेदार होते हैं?*
- *हमारे सामने जो चुनौतियाँ पैदा होती हैं उनका समाधान करना क्या वह भी किसी दूसरे का काम है या हमें खुद भी उस पर काम करना चाहिए?*

उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित परिस्थितियाँ रखें जैसे:

- *यदि आपके घर पर बहुत से मेहमान आ जाएँ तो आपका घर अव्यवस्थित हो जाता है। मेहमानों के जाने के बाद उस घर को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी किसकी होती है?*
- *आप जिस गली में रहते हैं उस गली की नाली कूड़े के कारण भर गई है जिसके कारण नाली का पानी गली में भरने लगा है तो उस नाली को साफ कराने की जिम्मेदारी किसकी होगी?*
- *एक व्यक्ति अपना काम जल्दी करवाने के लिए अधिकारी को रिश्वत देता है। यदि कल को यह समस्या या यही स्थिति हमारे सामने आती है तो ऐसी स्थिति में हमें क्या करना चाहिए?*

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर क्लासरूम चर्चा को आगे बढाएँ और सभी छात्रों को इस चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

7.4.C क्लासरूम चर्चा: मेरी भूमिका

लगभग 2–3 दिन

पिछली एक्टिविटी में हमने अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अलग–अलग लोगों की जिम्मेदारी और संभवतः अपनी जिम्मेदारी को लेकर भी समझ बनाई। इस एक्टिविटी में हम मुख्यतः इस बात पर चर्चा करेंगे कि अपने सपनों का भारत बनाने में आप स्वयं को कहाँ देखते हैं? आपकी खुद की क्या भूमिका होगी?

आप जिस सपनों के भारत की कल्पना करते हैं, उसमें आप की भूमिका क्या होगी?

क्लास एक्टिविटी

'सपनों के भारत में अपनी भूमिका के बारे में सोचना'

इस एक्टिविटी को शुरू करने से पहले सभी बच्चों को कुछ देर के लिए अपनी आँखें बंद करके बैठने के लिए कहें और गहराई से सोचने के लिए कहें कि आखिर अपने सपनों का भारत बनाने के लिए वे अपने आप को किस भूमिका में देखते हैं ?

बच्चों को सोचने के लिए कुछ समय दें और फिर उन्हें आँखें खोलकर अपने विचार रखने के लिए कहें।

संभव है कि बच्चे इस प्रश्न का जवाब बहुत ही बड़े–बड़े या अस्पष्ट दें तो उन्हें सही दिशा पर लाने के लिए और चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों को निम्नलिखित विचारणीय बिंदु दें:

- क्या आप अपने सपनों के भारत में कोई योगदान दे सकते हैं?
- आप अपना योगदान अपने सपनों के भारत के किस क्षेत्र में दे सकते हैं?
- अपने सपनों के भारत में योगदान देने के लिए आपको किन किन योग्यताओं की आवश्यकता होगी?
- आप की योग्यताओं को बढ़ाने के लिए कौन कौन आपकी सहायता कर सकता है?

होमवर्क

7.4.D मेरी भूमिका

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें –

आप जिस सपनों के भारत की कल्पना करते हैं उसमें आप की भूमिका क्या होगी?

किनसे सवाल पूछें– अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से जरूर पूछें–

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता–पिता, भाई–बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी/रिश्तेदार/मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

अध्यापकों से अनुरोध है कि उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में होमवर्क एक्टिविटी–1.2.B के आधार पर ही लिखकर लाने के लिए कहें। रोजाना चार–पाँच मिनट लगाकर बच्चों की देशभक्ति डायरी में किए गए होमवर्क पर एक नजर डाल कर उन्हें प्रोत्साहित जरूर करते रहें। इस तरह उपरोक्त एक्टिविटी और उसका होमवर्क साथ साथ चलते रहेंगे।

एक्टिविटी 7.5

समापन एक्टिविटी

चिंतन–मनन

अधिकतम 2 दिन

नोट

चैप्टर के अंत में बच्चों के साथ एक स्वयं अभिव्यक्ति एक्टिविटी करेंगे। इसमें बच्चों को शांत बैठकर चिंतन–मनन करके अपनी देशभक्ति डायरी में निम्नलिखित एक्टिविटी करने को कहे। यदि कोई बच्चा एक दिन में एक्टिविटी पूरी न कर पाए तो उसे अधिक समय दें।

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने सपनों के देश को बनने में कौन–कौन सी चुनौतियाँ आएँगी इसके बारे में चर्चा की और साथ ही हमने यह भी चर्चा की कि यदि हम अपने सपनों का देश बनाना चाहते हैं तो बच्चों को अभी से अपने रोज़मर्रा के व्यवहार में कुछ बदलाव लाने होंगे और अभी से कुछ जिम्मेदारियाँ भी उठानी होंगी।

इस चैप्टर की पिछली एक्टिविटीज़ के आधार पर बच्चों की जो भी समझ बन पाई उसके अनुसार निम्नलिखित दोनों पहलुओं पर अपने–अपने विचार अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार पूरी ईमानदारी के साथ अपनी डायरी में लिखें।

मेरे ऐसे कौन–कौन से व्यवहार होंगे या मेरे ऐसे कौन–कौन से काम होंगे जो मुझे अपने सपनों का भारत बनाने के लिए आज से ही करने होंगे? बच्चे इसमें जितने चाहें, उतने व्यवहारों की सूची बना सकते हैं।

बच्चों की सोच को दिशा देने के लिए निम्नलिखित बिंदु अपनी तरफ से सुझाएँ:

- एक विद्यार्थी के रूप में मुझे क्या करना चाहिए जो मेरे सपनों का देश बनाने में सहायक हो?
- मुझे अपने व्यवहार में क्या क्या बदलाव करने चाहिए?
- क्या मुझे भी ट्रैफिक के नियमों का पालन करना चाहिए?
- मैंने सपना देखा कि मेरे सपनों का देश साफ सुथरा है इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?
- मेरे देश में कुपोषण, अशिक्षा और असंतुलन बहुत बड़ी समस्या है। मैं इस समस्या का समाधान दिलाने में अपने स्तर पर अपने देश के लिए क्या कर सकता हूँ?

नोट

बच्चों से यह भी पता करें कि वे इन कामों को कब से करना शुरू करेंगे? कल से, कुछ समय बाद से या अभी से?

एक्टिविटी 7.6

मेरी शपथ

अधिकतम 1–2 दिन

अभी तक हमने इस चैप्टर में अपने सपनों का देश बनाने से संबंधित बहुत से महत्वपूर्ण मुद्दों और उनसे जुड़ी चुनौतियों के बारे में चर्चा की। साथ ही हमने यह भी चर्चा की कि यदि हम अपने सपनों का देश बनाना चाहते हैं तो उसमें बच्चों की भूमिका क्या होगी।

अब तक की अपनी समझ और संकल्पों के आधार पर बच्चों को अपनी–अपनी एक शपथ "मैं करूँगा या करूँगी" लिखने को कहें जिसे वे अपने मनचाहे, रंग, डिज़ाइन, शेप आदि में अभिव्यक्त कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बच्चों को सोचकर अपनी कोई शपथ एक या दो वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। बच्चों को सोचने, विचार करने और आत्ममंथन करने के लिए पूरा समय दें, जिससे हर एक बच्चा अपनी खुद की कोई शपथ लिख सके और भविष्य में उसे अपनाकर उस पर अमल भी करे। बच्चे नीचे लिखे वाक्य के अनुसार अपनी शपथ की शुरुआत कर सकते हैं–

मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं...

जब सभी बच्चे अपनी–अपनी देशभक्ति डायरी में अपनी शपथ लिख लें तो उन्हें बताएँ कि अब हम अपनी शपथ को सजाकर और खूबसूरत बनाकर अपने घर या क्लास में किसी ऐसी जगह पर लगाएँ ताकि वह सदैव हमारे सामने रहे और हम उसे गतिमान रखें।

नोट

- बच्चों को किसी भी प्रकार से सही/गलत न कहें और न ही उनके विचारों पर किसी प्रकार से सहमति या असहमति व्यक्त करें।
- इस एक्टिविटी को करने के लिए बच्चों को एक खुशनुमा वातावरण प्रदान करें जिससे वे पूरे मन से अपनी अभिव्यक्ति कर सकें।
- बच्चे जिस भी प्रकार से अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करें,उन्हें प्रोत्साहित करें और शाबाशी दें।

स्रोत (Sources)

चैप्टर 4:देशभक्ति

[1] "Dr. Ambedkar". National Campaign on Dalit Human Rights, https://web.archive.org/web/20121008195805/http://www.ncdhr.org.in/ncdhr/general-info-misc-pages/dr-ambedkar

[2] Gordon, Leonard A. (1990), Brothers against the Raj: a biography of Indian nationalists Sarat and Subhas Chandra Bose, p. 61-62, Columbia University Press, ISBN 978-0-231-07442-1

[3] Kalam, Avul Pakir Jainulabdeen Abdul; Tiwari, Arun (1999). Wings of Fire: An Autobiography. Universities Press. ISBN 978-81-7371-146-6. Archived from the original on 13 October 2013.

[4] Malini Goyal, "Lessons from Metro Chief E Sreedharans life", Economic Times, 18 December 2011. https://economictimes.indiatimes.com/news/companies-a-z/corporate-trends/lessons-from-metro-chief-e-sreedharans-life-for-ceos-managers-policymakers/articleshow/11148001.cms

[5] Damarla Prashant, 2012, http://www.hoaxorfact.com/Inspirational/man-in-india-carved-360-feet-mountain-tunnel-in-memory-of-his-wife-s-death-facts-analysis.html

[6] Rawat, Rachna Bisht (2014). The Brave: Param Vir Chakra Stories. p. 275 (Penguin Books India Private Limited. ISBN 9780143422358)

[7] Arnab Paul (13 March 2019), "Wipro Chairman Premji pledges 34 percent of company shares for philanthropy". Reuters, https://www.reuters.com/article/us-wipro-premji-idINKBN1QU21H?edition-redirect=in

[8] Anoop Misra, "Doctors and healthcare workers at frontline of COVID 19 epidemic: Admiration, a pat on the back, and need for extreme caution", (Diabetes & Metabolic Syndrome: Clinical Research & Reviews, Volume 14, Issue 3, 2020), Pages 255-256, ISSN 1871-4021,

[9] Correspondent, "http://www.ndtv.com/article/india/list-of-all-bharat-ratna-award-winners-81336", NDTV (24 January 2011).

[10] NobelPrize.org, (2014) https://www.nobelprize.org/prizes/peace/2014/satyarthi/facts/

चैप्टर 5:मेरा देश : मेरा गौरव

[1] https://orias.berkeley.edu/resources-teachers/travels-ibn-battuta/journey/delhi-capital-muslim-india-1334-1341

[2] https://indianculture.gov.in/stories/delhi-capital-british-india

[3] Sonam Joshi, "Popular Historical Places in Delhi", https://timesofindia.indiatimes.com/travel/delhi/travel-guide/popular-historical-places-in-delhi/gs33784689.cms

[4] Niranjan Sahoo, "Making sense of Delhi's education revolution", https://www.orfonline.org/expert-speak/making-sense-delhi-education-revolution/

[5] Shailendra Sharma, "The Delhi model of education", https://www.thehindu.com/opinion/op-ed/the-delhi-model-of-education/article30796187.ecehttps://www.thehindu.com/opinion/op-ed/the-delhi-model-of-education/article30796187.ece

[6] 2021 All-India University Rankingshttps://www.4icu.org/in/

[7] https://www.indiatimes.com/news/india/why-nepal-uae-and-afghanistan-want-their-schools-to-emulate-delhis-happiness-classes-507108.html

[8] eHealth Network, "Top Private Hospitals in North India- Ranking", https://ehealth.eletsonline.com/2018/12/top-private-hospitals-in-north-india-ranking/

[9] Sidharatha Roy, “Delhi Metro inches towards 400km club, set to climb to 8th on world ladder”, Times of India, February 2021, https://timesofindia.indiatimes.com/city/delhi/metro-inches-towards-400km-club-set-to-climb-to-8th-on-world-ladder/articleshow/80739634.cms
[10] P.J. George (10 October 2014). "Malala, Kailash Satyarthi win Nobel Peace Prize". The Hindu, http://www.the-hindu.com/news/international/world/malala-kailash-satyarthi-win-nobel-peace-prize/article6488625.ece
[11] Faheem, Hadiya and Purkayastha, Debapratim (2019). "Sulabh International: Providing Sustainable Sanitation Solutions|Leadership and Entrepreneurship|Case Study|Case Studies". www.icmrindia.org. Retrieved 14 June 2020.
[12] Sunitaji's Bio Data Archived 7 January 2008 at the Wayback Machine
[13] Padma Sudhi. Gupta Art: A Study from Aesthetic and Canonical Norms. Galaxy Publications. p. 7-17.
[14] George. Ifrah (1998). A Universal History of Numbers: From Prehistory to the Invention of the Computer. London: John Wiley & Sons.
[15] Crangle, Edward Fitzpatrick (1994). The Origin and Development of Early Indian Contemplative Practices. Otto Harrassowitz Verlag.
[16] Kiran Siddiqui, “University of Takshashila”, https://www.academia.edu/31682098/University_of_Takshashila
[17] Svoboda, Robert (1992). Ayurveda: Life, Health and Longevity. Penguin Books India. pp. 9–10. ISBN 978-0-14-019322-0.
[18] "MIP detected water on Moon way back in June: ISRO Chairman". The Hindu. Bangalore. 25 September 2009.
[19] Kulke, Hermann; Dietmar Rothermund (2004). A history of India. Routledge. p. 57. ISBN 0-415-32919-1.
[20] "World | South Asia | Country profiles | Country profile: India". BBC News. 7 June 2010.
[21] European Parliament, “India: the biggest democracy in the world”, October 2014, https://www.europarl.europa.eu/RegData/etudes/ATAG/2014/538956/EPRS_ATA(2014)538956_REV1_EN.pdf

चैप्टर 6:मेरा भारत महान फिर भी विकसित देश क्यों नही?

[1] Padma Sudhi. Gupta Art: A Study from Aesthetic and Canonical Norms. Galaxy Publications. p. 7-17.
[2] World Bank, “Reversals of Fortune” 2020 https://openknowledge.worldbank.org/bitstream/handle/10986/34496/9781464816024.pdf
[3] Press Information Bureau, Government of India, “Poverty Estimates for 2009-10” https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=81151
[4] World Bank, “World Bank Development Indicators - GNI per capita, (current international $) - https://data.worldbank.org/indicator/NY.GNP.PCAP.PP.CD
[5] Zysk, Kenneth. (2002). Meulenbeld, G. Jan, A History of Indian Medical Literature [Groningen Oriental Studies Volume XV/I-III]. Indo-Iranian Journal. 45. 358-361
[6] World Bank, “World Bank Development Indicators - Hospital beds (per 1,000 people) - https://data.worldbank.org/indicator/SH.MED.BEDS.ZS
[7] UNDP, Human Development Index, http://hdr.undp.org/en/content/latest-human-development-index-ranking
[8] World Bank, “World Bank Development Indicators - Pupil-teacher ratio, primary - https://data.worldbank.org/indicator/SE.PRM.ENRL.TC.ZS
[9] World Bank, “World Development Indicators - School enrollment, tertiary (% gross)” - https://data.worldbank.org/indicator/SE.TER.ENRR
[10] Needham, Joseph, Within the Four Seas: The Dialogue of East and West. (2004) Routledge. ISBN 978-0-415-36166-8.
[11] Bourbaki, Nicolas, “Elements of the History of Mathematics” (1998), p. 46. Britannica Concise Encyclopedia (2007)

[12] "Indian numerals". Ancient Indian mathematics. http://www-gap.dcs.st-and.ac.uk/~history/HistTopics/Indian_numerals.html.
[13] WHO, "Global Nutrition Report", 2018, https://globalnutritionreport.org/reports/global-nutrition-report-2018/
[14] World Bank, "World Bank Development Indicators - Access to electricity (% of population)", https://data.worldbank.org/indicator/EG.ELC.ACCS.ZS?view=chart
[15] Yale University, "Sanitation & Drinking Water Category in Environmental Performance Index", Sanitation & Drinking Water | Environmental Performance Index (yale.edu)
[16] Yale University, "Air Quality Category in Environmental Performance Index", Air Quality | Environmental Performance Index (yale.edu)
[17] Global Corruption Index | Global Corruption & ESG Indexes (risk-indexes.com)
[18] Economic Times, "Postgraduates, PhD holders applying for sweepers, peons' posts in UP", https://economictimes.indiatimes.com/news/politics-and-nation/over-93000-candidates-including-3700-phd-holders-apply-for-peon-job-in-up/articleshow/65604396.cms?from=mdr
[19] World Bank, "Access to Electricity (% of population) https://data.worldbank.org/indicator/EG.ELC.ACCS.ZS?view=chart
[20] Yale University, "Environmental Performance Index", https://epi.yale.edu/epi-results/2020/component/h2o
[21] Tapsafe, "Is Berlin Tap Water Safe To Drink?", https://www.tapsafe.org/is-berlin-de-tap-water-safe-to-drink/
[22] Rajiv Mehrishi, Manish Sabharwal, "Falling government school enrolment is alarming and it needs to be addressed soon", The Indian Express, July 2021, https://indianexpress.com/article/opinion/columns/falling-government-school-enrolment-is-alarming-and-it-needs-to-be-addressed-soon-7397329/
[23] World Bank, "World Bank Development Indicators - Hospital beds (per 1,000 people) - https://data.worldbank.org/indicator/SH.MED.BEDS.ZS
[24] The Lancet, "Global Healthcare Access Quality Index", https://www.thelancet.com/action/showPdf?pii=S0140-6736%2818%2930994-2
[25] Economic Survey 2019-20, https://www.capitalmarket.com/budget/2020-2021/Volume-2-Economic-Survey-2019-20.pdf
[26] The Lancet, "Global Healthcare Access Quality Index", https://www.thelancet.com/action/showPdf?pii=S0140-6736%2818%2930994-2
[27] Education First, "EF English Proficiency Index (EPI), 2020 https://www.ef.com/assetscdn/WIBIwq6RdJvcD9bc8RMd/legacy/__/~/media/centralefcom/epi/downloads/full-reports/v10/ef-epi-2020-english.pdf

चैप्टर 7: मेरे सपनों का भारत

[1] Lee Engfer (2002). India in Pictures. Twenty-First Century Books. ISBN 9780822503712.
[2] Padma Sudhi. Gupta Art: A Study from Aesthetic and Canonical Norms. Galaxy Publications. p. 7-17.
[3] Lali Kosta, "Asia's Most Fertile Land in Narsinghpur", Patrika, https://www.patrika.com/jabalpur-news/asia-s-most-fertile-agricultural-land-in-narsinghpur-1504567/
[4] http://mospi.nic.in/sites/default/files/Statistical_year_book_india_chapters/Mining_1.pdf
[5] Balakrishnan Muniapan, Junaid M. Shaikh, "Lessons in corporate governance from Kautilya's Arthashastra in ancient India", (2007) World Review of Entrepreneurship, Management and Sustainable Development
[6] Needham, Joseph, Within the Four Seas: The Dialogue of East and West. (2004) Routledge. ISBN 978-0-415-36166-8.
[7] Bourbaki, Nicolas, "Elements of the History of Mathematics" (1998), p. 46. Britannica Concise Encyclopedia (2007)
[8] "Indian numerals". Ancient Indian mathematics. http://www-gap.dcs.st-and.ac.uk/~history/HistTopics/Indian_numerals.html.
[9] Debasish Chakravarty (2003), Vaisesika Sutra of Kanada, DK Printworld, ISBN 978-8124602294
[10] John Wells (2009), The Vaisheshika Darshana, Darshana Press

[11] Crangle, Edward Fitzpatrick, “The Origin and Development of Early Indian Contemplative Practices” 1994 P. 4-7 (Otto Harrassowitz Verlag)
[12] Zimmer, Heinrich (1951). Philosophies of India. New York, New York: Princeton University Press. ISBN 0-691-01758-1.
[13] Samuel, Geoffrey (2008). The Origins of Yoga and Tantra. Cambridge University Press. ISBN 978-0-521-69534-3.
[14] Sen, Jahar (1973). "Slave trade on the Indo-Nepal border, in the 19th century" (PDF). Calcutta: 159 – via Cambridge Apollo.
[15] Government of India, “Article 17 of the Indian Constitution”, https://legislative.gov.in/sites/default/files/COI-updated.pdf
[16] Government of India, “THE RIGHT OF CHILDREN TO FREE AND COMPULSORY EDUCATION ACT, 2009
“, https://legislative.gov.in/sites/default/files/A2009-35_0.pdf
[17] Hughes Education, “11 IIM Alumni Across The Globe Who Made It Big”, https://www.hugheseducation.com/blogs/IIMs-alumni-across-the-globe-who-made-it-big
[18] European Parliament, “India: the biggest democracy in the world”, 2014 https://www.europarl.europa.eu/RegData/etudes/ATAG/2014/538956/EPRS_ATA(2014)538956_REV1_EN.pdf
19 https://www.statista.com/statistics/262966/number-of-internet-users-in-selected-countries/
[20] BBC, “Case study - emerging and developing country - India”, https://www.bbc.co.uk/bitesize/guides/zgwm4j6/revision/1
[21] World Bank, “WDI - GNI per capita (current $)”, https://data.worldbank.org/indicator/NY.GNP.PCAP.CD
[22] Samrat Sharma, Financial Express, September 2019, https://www.financialexpress.com/economy/around-22-indians-live-below-poverty-line-chattisgarh-jharkhand-fare-worst/1713365/
[23] World Bank, “Poverty headcount ratio at national poverty lines (% of population)”, https://data.worldbank.org/indicator/SI.POV.NAHC?locations=IN
[24] Zysk, Kenneth. (2002). Meulenbeld, G. Jan, A History of Indian Medical Literature [Groningen Oriental Studies Volume XV/I-III]. Indo-Iranian Journal. 45. 358-361
[25] World Bank, “World Bank Development Indicators - Hospital beds (per 1,000 people) - https://data.worldbank.org/indicator/SH.MED.BEDS.ZS
[26] India Forum, “India’s Economic Dependence on China”, https://www.theindiaforum.in/article/india-s-dependence-china
[27] The New Indian Express, “Despite Covid-19, 91% Indian students choose to study abroad. ”, https://www.newindianexpress.com/business/marketing/2021/jul/21/despite-covid-19-91-indian-students-choose-to-study-abroad-trend-change-is-observed-in-preferred-2333309.html
[28] Business Insider, “Religious conflicts, caste, and racial discrimination have officially shattered India”, https://www.businessinsider.com/religious-conflicts-caste-racial-discrimination-has-broken-india-into-pieces-2021-1?IR=T

Acknowledgement

Under the Guidance and Support Of

Dr. Rita Sharma, Additional Director (Education), Directorate of Education, Govt. of Delhi
Dr. Nahar Singh, Joint Director (Academic), SCERT Delhi
Mr. Shailendra Sharma, Principal Advisor to Director Education, Govt. of Delhi
Mr. Vikram Bhat, Advisor to Deputy Chief Minister, Govt. of Delhi
Dr. B.P. Pandey, OSD (School Branch), DoE, Govt. of Delhi
Ms. Mythili Bector, OSD (Library and Primary Branch), DoE, Govt. of Delhi
Dr. Praveen Chaudhury, OSD to Deputy Chief Minister, Govt. of Delhi
Mr. Parvinder Kumar, OSD (Core Academic Unit), DoE, Govt. of Delhi

Core Group for Content Development

Mr. Amit Kumar Sharma, TGT English (Mentor Teacher)
Ms. Kulvinder Kaur, TGT English (Member, Core Academic Unit)
Ms. Poonam Arora, PGT Maths (Mentor Teacher)
Ms. Rajni Salhotra, TGT English
Ms. Sanghmitra, Assistant Teacher Nursery
Ms. Sangeeta Sharma, PGT Economics (Mentor Teacher)
Ms. Tusha Arora, Assistant Teacher Primary
Mr. Vivek Bharadwaj, PGT English (Mentor Teacher)

Research, Analysis, Design and Review

Ms. Anushna Jha, CMIE Fellow
Ms. Nayanika Varma, CMIE Fellow
Ms. Mehak Verma, Media Intern, Directorate of Information and Publicity
Mr. Parinay Gupta, Volunteer, Education Task Force
Ms. Shivani, CMIE Intern
Mr. Sumit Kumar, CMIE Intern
Ms. Upasa Bardaloi, CMIE Fellow

Proofreading

Ms. Sheetal, TGT Hindi
Ms. Kamlesh Tomer, TGT Hindi
Ms. Ruchi Wali, TGT Hindi

Cover Design

Mr. Javed Khan, Graphic Designer, Govt. of Delhi

Additional Support

Teachers in Pilot Project

Ms. Anju Bala Rohilla, PGT Hindi
Ms. Atuba, PGT Special Education (Mentor Teacher)
Mr. Deepak Kumar Mittal, TGT English (Mentor Teacher)
Mr. Devender Kumar, Lecturer Mathematics (Mentor Teacher)
Mr. Hansraj Badsiwal, TGT Natural Science (Mentor Teacher)
Mr. Jaspal Singh Negi, Lecturer Physics (Mentor Teacher)
Ms. Kamayani Joshi, PGT English (Mentor Teacher)
Mr. Mukesh Jain, TGT Maths (Mentor Teacher)
Mr. Rahul Kumar, TGT Hindi (Mentor Teacher)
Mr. Rajan Kumar, TGT English (Mentor Teacher)
Mr. Rakesh Gujral, TGT Maths (Mentor Teacher)
Mr. Rameshwar Upadhyay, Lecturer History (Mentor Teacher)

Content Working Group

Ms. Chhavi Gupta, TGT Maths (Mentor Teacher)
Ms. Deepshikha, Primary Teacher
Ms. Kirti Yadav, Assistant Teacher Primary
Ms. Poonam Mamgai, TGT, Special Education Teacher
Mr. Praveen Thareja, TGT Social Science
Ms. Neeraj Kumari, Assistant Teacher Primary (Member, Core Academic Unit)

Notes

Rajanish Singh
Director

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel. : +91-11-24331356, Fax: +91-11-24332426
E-mail: dir12scert@gmail.com

Date : 21-09-2021

D.O. No. :

संदेश

दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। ये पाठ्यक्रम प्रत्येक बच्चे में देश के प्रति उसकी जिम्मेदारी और कर्तव्य की समझ विकसित करेगा। ये हमारे स्कूलों में ऐसे बच्चे तैयार करेगा जो बिना किसी शर्त के राष्ट्र का सम्मान करेंगे और देश व देश के नागरिकों के प्रति संवेदनशील बनेंगे।

देशभक्ति पाठ्यक्रम बच्चों के दैनिक जीवन और उनके स्वभाव में देशभक्ति विकसित करेगा। पाठ्यक्रम द्वारा बच्चों में ये समझ विकसित होगी कि उनके द्वारा किया गया छोटे से छोटा काम देशभक्ति से जुड़ा हुआ है। ये पाठ्यक्रम बच्चों को एक बेहतर देशभक्त नागरिक बनाएगा जो राष्ट्र प्रगति में अपना योगदान देंगे।

देशभक्ति पाठ्यक्रम से सभी बच्चों में देश के प्रति त्याग और समर्पण की भावना विकसित होगी। पाठ्यक्रम से बच्चों में देश, देश के नागरिक, देश के संसाधनों के प्रति अपनत्व की भावना का संचार होगा। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग होने के नाते एस.सी.ई.आर.टी इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और ये सुनिश्चित करेगा कि पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित किए गए सभी उद्देश्य पूरे हो।

देशभक्ति पाठ्यक्रम के शिक्षक संदर्भिका के प्रकाशन के अवसर पर मैं उन सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम को तैयार करने में अपना योगदान दिया। सबसे पहले मैं माननीय मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, श्री अरविंद केजरीवाल जी का आभार प्रकट करता हूँ जिनकी दूरदर्शिता और विज़न के साथ इस पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। मैं माननीय उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री, दिल्ली सरकार श्री मनीष सिसोदिया जी को धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस पाठ्यक्रम निर्माणके शुरूआती दौर से ही निरंतर सुझाव और प्रोत्साहन दिया।

मैं श्री एच.राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार के सहयोग की सराहना करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम के निर्माण में हमारा मार्गदर्शन किया। मैं श्री उदित प्रकाश राय, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने पाठ्यक्रम निर्माण के दौरान लगातार अपने अमूल्य सुझाव दिए। मैं श्री शैलेंद्र शर्मा, मुख्य सलाहकार, शिक्षा निदेशक के सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिन्होंने पाठ्यक्रम का फ्रेमवर्क तैयार करने और पाठ्यक्रम को सही दिशा देने का काम किया।

मैं देशभक्ति पाठ्यक्रम समिति, सपोर्ट, रिसर्च और एनालिसिस टीम, नॉलेज पार्टनर्स, एक्सपर्ट्स और डिज़ाइन टीम का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने दिन-रात कड़ी मेहनत कर समय के साथ इस पाठ्यक्रम को पूरा किया। मैं उन सभी व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम के शिक्षक संदर्भिका के निर्माण में अपना अतुलनीय योगदान दिया।

इन सब के आगे मैं दिल्ली के सभी बच्चों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनसे हमें इस पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए प्रेरणा मिली।

धन्यवाद

रजनीश सिंह

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
Mob.: 8700603939
E-mail : diredu@nic.in

सत्यमेव जयते

No. PS/DE/2021/226

Dated : 16/09/2021

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार ने दिल्ली में शिक्षा के गुणवत्ता को सुधारने के लिए कई नई योजनाएँ एवं कार्यक्रम लागू किया है। देशभक्ति पाठ्यक्रम भी इसी दिशा में शुरू किया गया एक प्रयास है। जो दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को देशभक्त नागरिक बनाएगा और सम्मान के साथ जीना सिखाएगा।

देशभक्ति पाठ्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है ताकि देशभक्ति को लेकर बच्चों की समझ केवल किताबों तक सीमित न रहे बल्किउन्होंने स्व:चिंतन द्वारा जो कुछ भी सिखा है उसे अपने वास्तविक जीवन में भी अपनाएंगे। देशभक्ति पाठ्यक्रम बच्चों को एक सच्चा देशभक्त बनाने के साथ-साथ उनमे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की मानसिकता और मानवीय मूल्यों के साथ जीने का कौशल भी विकसित करेगा।

देशभक्ति पाठ्यक्रम में बच्चे किताबों से अलग हटकर खुद की सोच, चिंतन व अनुभवों के आधार पर देशभक्ति की अपनी परिभाषा बनायेंगे और उसे जीवन में अपनाएंगे। ये पूरा पाठ्यक्रम चर्चाएँ, गतिविधियाँ व स्व:चिंतन पर आधारित है। इस शिक्षक संदर्भिका के प्रकाशन पर सभी शिक्षक साथियों को मेरी ओर से शुभकामनाएँ। मैं आशा करता हूँ कि वे इस पुस्तिका का भरपूर लाभ उठाते हुए प्रत्येक विद्यार्थियों को एक सच्चा देशभक्त नागरिक बनायेंगे।

16/9

(उदित प्रकाश राय)
शिक्षा निदेशक
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

H. RAJESH PRASAD
IAS

सत्यमेव जयते

प्रधान सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

देशभक्ति पाठ्यक्रम की शिक्षक संदर्भिका का लोकार्पण करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है| मुझे ख़ुशी है देश की आज़ादी के 75वें वर्ष में प्रवेश करते हुए हम दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत कर रहे है| कोई भी देश तभी तरक्की कर सकता है जब वहां के नागरिक आपसी भाईचारे, सम्मान, सद्भाव की भावना के साथ जिए और सामाजिक तानेबाने में एक-दूसरे का सहयोग करें| तथा देश की अस्मिता के साथ कभी भी कोई समझौता न करे|

देशभक्ति पाठ्यक्रम इसी दिशा में एक प्रयास है| ये दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अपने देश, देश के लोगों, देश के संसाधनों के प्रति प्यार और सम्मान की भावना से ओतप्रोत करेगा| देशभक्ति पाठ्यक्रम युवा देशभक्तों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करेगा जो देश के संविधान पर विश्वास रखेंगे, धर्म, जाति, समाज, लिंग, भाषा, क्षेत्र के आधार पर आपस में कोई भेदभाव नहीं करेंगे व आने वाले समय में एक शिक्षित व समर्थ भारत की नींव रखेंगे|

मुझे उम्मीद है की आने वाले दिनों में देशभक्ति पाठ्यक्रम को उत्साह और गंभीरता से लागू किया जाएगा और अपेक्षित परिणाम देखने को मिलेगा| दिल्ली की टीम एजुकेशन का सदस्य होने के नाते मैं देशभक्ति पाठ्यक्रम से संबंधित सभी पक्षों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ|

एच.राजेश प्रसाद

MANISH SISODIA
मनीष सिसोदिया

DEPUTY CHIEF MINISTER
GOVT. OF NCT OF DELHI
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE,
दिल्ली सचिवालय, आई.पी.एस्टेट,
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली-110002
Email : msisodia.delhi@gov.in

D.O. No. Dy.CM/2021/229
Date : 20. सितम्बर 2021

शुभकामना संदेश

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत होना दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था के लिए, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों व सभी दिल्लीवासियों के लिए सम्मान की बात है। हम दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चे के भीतर देशभक्ति की भावना को जगाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे स्कूलों में पढ़ने वाला हर बच्चा – वर्ग, जाति और लिंग के भेदभाव के बिना अपने राष्ट्र और अपने राष्ट्र के नागरिकों के प्रति प्यार, सम्मान और स्नेह की भावना रखे।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपने देश के मान–सम्मान को लेकर आत्मविश्वास में जिये और एक सच्चा देशभक्त नागरिक बने। वह देश की समस्याओं को हल करने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार रहे और समस्याओं से भागे नहीं, बल्कि समस्याओं का सामना करें और उनका समाधान ढूंढे।

इस पाठ्यक्रम के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा कि हर बच्चा अपने मन की गहराइयों में अपने देश के प्रति, देश के लोगों के प्रति, देश की एकता के प्रति, देश की व्यवस्था के प्रति, महिलाओं के प्रति, बच्चों के प्रति, बुजुर्गों के प्रति, प्रेम और सम्मान से ओत–प्रोत हो। हर बच्चा, पढ़–लिख कर, ऐसा कट्टर देशभक्त बने कि बड़ा होकर अगर किसी सरकारी पद पर बैठे तो रिश्वत लेना तो दूर एक ट्रैफिक रेड लाइट तोड़ने पर भी खुद अपनी देशभक्ति पर सवाल खड़ा कर सके। हर बच्चा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी केवल समझे नहीं बल्कि उसे बखूबी निभाए भी, वह आपसी भाईचारा और सामाजिक समानता में भी देशभक्ति देखे। वह केवल तिरंगे को सलाम ही न करे बल्कि तिरंगे के साये में खड़े हर भारतीय को बराबर का मान–सम्मान दे।

इस पाठ्यक्रम से पढ़कर जो बच्चे निकलेंगे वो अपने भारत को एक टीम के रूप में और स्वयं को उस टीम के सदस्य के रूप में देखेंगे और टीम भावना के साथ रहेंगे।

मैं आशा करता हूँ कि हमारे स्कूलों से यह पाठ्यक्रम पढ़कर निकला हर एक बच्चा एक सच्चा और कट्टर देशभक्त बनकर निकलेगा और भारतीय लोकतंत्र के अखंडता और संप्रभुता को और मजबूत बनाने में अपना योगदान देगा।

आपका

मनीष सिसोदिया

दिल्ली सरकार
आप की सरकार

SCERT

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्– दिल्ली
दिल्ली सरकार